निर्गम परिणाम रूपरेखा 2019-20

खंड I

प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा व्यय संबंधी प्रमुख सुधार किए गए हैं। इसमें न केवल मूल्यांकन और अनुमोदन प्रक्रियाओं का सरलीकरण शामिल है, बल्कि बजट की प्रक्रिया में संरचनात्मक परिवर्तन भी शामिल हैं, जैसे,- आयोजना और आयोजना-भिन्न भेद को दूर करना। नतीजतन, लागत-केंद्रों को केवल सांविधिक राजस्व पूंजी ढांचे के भीतर एक एकीकृत रुप में देखा जा रहा है। यह एक और प्रमुख संरचनात्मक सुधार को सक्षम करता है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक योजनाओं और परियोजनाओं को एक अनुवीक्षणीय उत्पादन-परिणाम ढांचे के तहत लाना है।

2017-18 के बाद से, बजट दस्तावेज़ में इंगित की जा रही मंत्रालयों की योजनाओं की वित्तीय रूपरेखा के अलावा, योजनाओं के अपेक्षित आउटपुट और परिणाम भी बजट सहित समेकित परिणामी बजट दस्तावेज में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के निष्पादन में शामिल एजेंसियों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए इन परिव्ययों, उत्पादनों और परिणामों को संसद में माप्य रुप में प्रस्तुत किया जा रहा है। परिव्यय वह राशि है जो बजट में किसी योजना या परियोजना के लिए प्रदान की जाती है; जबकि उत्पादन(आउटपुट) कार्यक्रम संबंधी कार्यों के प्रत्यक्ष और माप्य उत्पाद को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर भौतिक शब्दों या इकाइयों में व्यक्त किया गया है। परिणाम का आशय इन सेवाओं के वितरण में सामूहिक परिणाम या गुणात्मक सुधार से है।

परिणाम बजट में (क) वर्ष 2019-20 के लिए वित्तीय परिव्यय (ख) के साथ स्पष्ट रूप से परिभाषित उत्पादन और परिणाम (ग) माप्य उत्पादन और परिणाम संकेतक और (घ) वित्त वर्ष 2019-20 के लिए विशिष्ट उत्पादन और परिणाम लक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। इससे सरकार की विकास कार्यसूची की पारदर्शिता,पूर्वानुमेयता और समझने में आसानी बढ़ जाएगी।

सरकार का लक्ष्य इस अभ्यास के माध्यम से शासन की एक खुली, जवाबदेह, सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण शैली को बढ़ावा देने के लिए महज नतीजों पर ध्यान न देकर परिणामोन्मुख उत्पादन और परिणामों पर अधिक ध्यान दिया जाना है। इस प्रयास से मंत्रालयों को योजना के उद्देश्यों पर नज़र रखने और उनके द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने में सुविधा होगी।

इस दस्तावेज को 5 जुलाई 2019 को केंद्रीय बजट (वित्त वर्ष 2019-20) के भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया था जिसमें शेष 163 योजनाएं शामिल हैं। यहां प्रस्तुत किए जा रहे दस्तावेज में दो खंडों में शेष सीएस / सीएसएस योजनाएं अर्थात् 591 सीएस / सीएसएस योजनाओं में से 428 योजनाएं (वित्त वर्ष 19-20 में 500 करोड़ रुपए से कम परिव्यय वाली) शामिल हैं।

अभिस्वीकृतियाँ

उत्पादन-परिणाम अनुवीक्षण फ्रेमवर्क, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में विभिन्न हितधारकों की सहकारिता, टीमवर्क और सहयोग का परिणाम है।

सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के नेतृत्व में उनके नोडल अधिकारियों तथा विभिन्न सीएस और सीएसएस योजनाओं के प्रभारी प्रभागाध्यक्षों की अथक मदद और समर्थन के बिना इस संपूर्ण फ्रेमवर्क को उपलब्ध कराना संभव नहीं होता।

डॉ. राजीव कुमार, उपाध्यक्ष, नीति आयोग और श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग के नेतृत्व में डॉ. शेखर बोनू, डीजी डीएमईओ की अध्यक्षता में विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) में विषय वस्तु वर्टिकलों और उनकी टीम द्वारा प्रदान की गई सहायता से इस फ्रेमवर्क को व्यापक रूप से लाभ हुआ है।

इसके अलावा, मैं आर्थिक कार्य विभाग में बजट प्रभाग के सभी अधिकारियों को इस फ्रेमवर्क को तैयार करने के संबंध में उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

इसके अलावा, मैं व्यय विभाग में अपनी टीम के सभी सदस्यों और विशेष रूप से मंत्रालयों और विभागों में वित्तीय सलाहकारों द्वारा इस दस्तावेज के संबंध में दर्शाए गए दृढ़ विश्वास के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

उत्पादन-परिणाम अनुवीक्षण फ्रेमवर्क के कार्य में वित्त सचिव श्री सुभाष चंद्र गर्ग की अंतर्दृष्टि और सुझावों से बहुत अधिक लाभ मिला है।

और अंत में, मैं माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर और माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन का विशेष रूप से धन्यवाद करूंगा जिन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह व्यय प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में हमें यह महत्वपूर्ण कदम उठाने में सक्षम बनाने के लिए अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री गिरीश चंद्र मुर्मू
(सचिव, व्यय विभाग)
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

बजट 2019-20 के लिए अनुदान मांगों की सूची

खंड I

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
1	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग	1	1
2	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि, अनुसंधान और शिक्षा विभाग	2	12
3	आयुष मंत्रालय	लागू नहीं	4	23
4	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	रसायन और पेट्रोरसायन विभाग	5	30
5	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	औषध विभाग	7	34
6	नागर विमानन मंत्रालय	लागू नहीं	8	38
7	कोयला मंत्रालय	लागू नहीं	9	39
8	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	वाणिज्य विभाग	10	41
9	वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	11	55
10	संचार मंत्रालय	डाक विभाग	12	63
11	संचार मंत्रालय	दूरसंचार विभाग	13	66
12	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	उपभोक्ता मामले विभाग	14	86
13	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग	15	93
14	कारपोरेट कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	16	99
15	संस्कृति मंत्रालय	लागू नहीं	17	102
16	पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय	लागू नहीं	22	120
17	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	लागू नहीं	23	125
18	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	लागू नहीं	24	133
19	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	लागू नहीं	25	140
20	वित्त मंत्रालय	आर्थिक कार्य विभाग	27	165
21	वित्त मंत्रालय	व्यय विभाग	28	167
22	वित्त मंत्रालय	वित्तीय सेवा विभाग	29	171
23	मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	मत्स्य पालन विभाग	39	180
24	मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	पशु पालन और दुग्ध विभाग	40	181
25	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग	42	192

26	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग	43	196
27	भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय	भारी उद्योग विभाग	44	202
28	भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय	लोक उद्यम विभाग	45	208
29	गृह मंत्रालयः गृह मामले	लागू नहीं	46	209
30	गृह मंत्रालयः पुलिस	लागू नहीं	48	217
31	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	56	226
32	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग	57	228
33	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	उच्चतर शिक्षा विभाग	58	230

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय **मांग सं. 1**

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

1. हरित क्रांति: एनएमएसए - राष्ट्रीय जैविक खेती परियोजना /पूर्वोत्तर क्षेत्र जैविक मूल्य श्रृंखला विकास (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
160	1. जैविक खेती में किसानों के भागीदारी में वृद्धि और फसलोंपरांत अवसंरचना में वृद्धि	1.1 परियोजना के तहत शामिल किसानों, किसान हित समूहों (एफआईजी) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की संख्या	40 एफपीसी	1. "भारत जैविक उत्पाद" ब्रांड निर्माण करने के लिए आवश्यक मंडी लिंकेज के साथ जैविक खेती के अंतर्गत लाया गया क्षेत्र	1.1 परियोजना के तहत जैविक खेती के अधीन लाया गया कुल क्षेत्र	20000 हेक्टेयर
		1.2 ऑन फार्म तथा ऑफ फार्म आदानों के अंतर्गत किसानों की संख्या और कवर किया गया क्षेत्र	25000 हे. क्षेत्र 20000 किसान का विकास		1.2 परियोजना के माध्यम से एफपीओ द्वारा सहायता प्राप्त मंडी में शुरू किए गए एनईआर निजी लेबलों की संख्या	इस योजना के अधीन उ.पू. भारत में पहले से ही 7 ब्रांड लॉन्च किये जा चुके हैं
		1.3 गुणवत्ता युक्त बीजों/रोपण सामग्री सहायता के अंतर्गत किसानों की संख्या और कवर किया गया क्षेत्र	20000 किसान, 25000 हे.		1.3 ब्रांडेड एनईआर जैविक उत्पादों की बिक्री/निर्यात	10 % की विर्द्धि
		1.4 आदान सुविधा केंद्रों/कृषि- मशीन कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या	40			
		1.5 फसलोपरांत अवसंरचनाओं- संग्रहण और श्रेणीकरण इकाईयों तथा समेकित प्रसंस्करण इकाईयों की संख्या और क्षमता	3 वर्ष के लिये, संग्रहण और श्रेणीकरण इकाईयों की स्थापना-175 समेकित प्रसंस्करण इकाइयों की संख्या-10			
		1.6 प्रशिक्षित किसानों की संख्या	20000 किसान			

2. हरित क्रांति: राष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता परियोजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
324.2	1. उन्नत मृदा स्वास्थ्य के लिए आवश्यक मानव और तकनीकी क्षमता के साथ उन्नत मृदा एवं जांच सुविधाएं	1.1. सुदृढ़ किए जाने / शामिल किए जाने वाली मृदा जांच प्रयोगशालाएं/मोबाइल मृदा जांच प्रयोगशालाओं की संख्या	260	1. उन्नत मृदा और उर्वरक जांच क्षमता	1.1. नए परिवर्धन /सुदृढ़ीकरण के कारण अतिरिक्त मृदा नमूने/परीक्षण क्षमता को जोड़ा जाएगा	9 लाख नमूने/वार्षिक
		1.2. सुदृढ़ किए जाने / शामिल किए जाने वाले उर्वरक क्यूसी प्रयोगशालाओं की संख्या	70		1.2. नए परिवर्धन/सुदृढ़ीकरण के कारण अतिरिक्त उर्वरक परीक्षण क्षमता (प्रति वर्ष नमूनों के संदर्भ में) जोड़ा जाएगा	60,000 नमूने प्रति वर्ष
		1.3. मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण।	630 लाख कार्ड		1.3. कुल मृदा नमूनों का एकत्रण और विश्लेषण किया जाना है।	126 लाख
		1.4. पूर्ण किए गए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण सत्रों की कुल संख्या ।	1850	2.किसानों और खेत कर्मियों की क्षमता में वृद्धि	2.1. प्रशिक्षित किए जाने वाले एसटीएल/विस्तार कर्मचारियों/किसानों/ फील्ड कर्मचारियों की संख्या	72000 कार्मिक लाभान्वित होंगे
		1.5. जैविक आदानों के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र	4.1 लाख			
		1.6 सूक्ष्म पोषक तत्वों संवर्धन और वितरण के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र	5 लाख है.			

3. हरित क्रांति: वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास और जलवायु परिवर्तन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
250	1. वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण के कवरेज में वृद्धि	1.1. समेकित कृषि प्रणाली - वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास के तहत लाया गया कुल क्षेत्र (हेक्टेयर)	59000 है.	1. अधिक उत्पादकता, सतत, लाभकारी और जलवायु अनुकूल कृषि	1.1. योजना क्षेत्र के फसलन सघनता में वृद्धि	10%
					1.2. योजना क्षेत्र के कृषि आय में % वृद्धि	10-15%
		1.2.आयोजित प्रशिक्षण की संख्या	780 प्रशिक्षण			

4. हरित क्रांति: परम्परागत कृषि विकास योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
325	1. जैविक खेती प्रणालियों के बारे में जागरुकता बढ़ाना और पीजीएस प्रमाणन के लिए सहायता	1.1 जैविक खेती क्लस्टर प्रदर्शन के तहत अपनाये गए कुल क्षेत्रफल (है. में)	लगभग 4.1 लाख है. क्षेत्र के लक्ष्य को 2018-19 से 2020-21 के दौरान 3 वर्षों में कवर किए जाने का प्रस्ताव है।	1. जैविक प्रमाणीकरण के तहत क्षेत्र की कवरेज में वृद्धि	1.1 जैविक प्रमाणीकरण (है.) के तहत लाये जाने वाले अतिरिक्त क्षेत्र	लगभग 4.1 लाख है. क्षेत्र के लक्ष्य को 2018-19 से 2020-21 के दौरान 3 वर्षों में जैविक प्रमाणन में कवर किए जाने का प्रस्ताव है।
		1.2 सहभागिता गारंटी प्रणाली (पीजीएस) प्रमाणन के लिए सहायता प्राप्त किसानों की संख्या	10 लाख		1.2 प्रमाणित जैविक उत्पाद की मात्रा (एमटी	*[1]

[1] *(डेटा का अनुमान लगाना संभव नहीं है क्योंकि:*
1. बोई जाने वाली फसलें अलग होती हैं और उनकी उपज अलग होती है
2. पैदावार फसल दर फसल और जोत दर जोत भिन्न होती है।
3. भूमि जोत समूह दर समूह भिन्न होती है।
4. जैविक उत्पादन तीसरे वर्ष में पूरी तरह से जैविक प्रमाणित।)

5. हरित क्रांति: राष्ट्रीय कृषि वानिकी परियोजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
50	1. वृद्धिकृत वृक्षारोपण	1.1 किसानों के खेतों में लगाए गए वृक्षों की संख्या (करोड़ में)	किसानों के खेतों में 34 लाख वृक्षारोपण	1. वृद्धिकृत हरित कवर और किसानों की समुन्नत क्षमता	1.1 हरित क्षेत्र के तहत शामिल अतिरिक्त क्षेत्र	1 लाख हेक्टेयर
		1.2 संचालित प्रशिक्षणों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और, अभियानों, आदि की संख्या	15000		1.2 सर्वोत्तम कृषि-वानिकी कार्यों के लिए प्रशिक्षित किसानों की संख्या	70000 किसान
	2. रोपण सामग्री की समुन्नत किस्म	2.1 पौधशाला सेटअप की संख्या	50			

6. हरित क्रांति: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन - तिलहन और पौध सामग्री (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
380.13	1. तिलहन के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि और आयलपाम के तहत क्षेत्र का विस्तार।	1.1 बीज प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि	1.50 लाख क्विंटल	1. उत्पादकता में सुधार और बीज प्रतिस्थापन में सुधार	1.1 जलग्रहण क्षेत्र में एसआरआर में वृद्धि	1%
	2. बेहतर बीज भंडारण क्षमता	2.1 बीज भंडारण क्षमता में वृद्धि	2.00 लाख क्विंटल	2. उत्पादकता में सुधार और बीज प्रतिस्थापन में सुधार	2.1 जलग्रहण क्षेत्र में उत्पादकता में वृद्धि	1%
		2.2 बीज का आकार	3.73 लाख क्विंटल			
	3. बीज ग्राम कार्यक्रम- बीज उपयोग के बारे में बेहतर जागरूकता	3.1 बीज गाँवों की संख्या जिसमें बीज गाँव के कार्यक्रम हुए	60,000			

7. हरित क्रांति: पादप संरक्षण एवं पादप संगरोध उप-मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
50	1. कीटनाशकों के अवशेष के आकलन के लिए नमूनों का विश्लेषण	1.1 विश्लेषित नमूनों की संख्या	32000	1. कीट महामारी का प्रकोप और फसल के नुकसान को कम करना	1.1 नियंत्रित और कम की गई कीट संक्रमण की घटनाओं की संख्या।	8[2]
	2. कीट संक्रमण की मॉनीटरिंग	2.1 जितने क्षेत्रफल पर कीट संक्रमण की निगरानी की जा रही है	9 लाख हेक्टेयर			
	3. जैव-नियंत्रण एजेंटों का संवर्धन और संरक्षण	3.1 वह क्षेत्र जिस पर संवर्धन और संरक्षण किया जाता है	4 लाख हेक्टेयर			

[2] *इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह जलवायु स्थितियों पर निर्भर करता है। तथापि, लक्ष्य पिछले पांच वर्षों में हुई प्रमुख कीट समस्याओं के औसत के अनुसार निर्धारित किया गया है।*

8. हरित क्रांति: सूचना प्रौद्योगिकी (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. एनईजीपी-ए - एग्रीसनेट					
40	1. किसानों के पंजीकरण में वृद्धि	1.1 एग्रीसनेट पर पंजीकृत किसानों की संख्या	2 करोड़	1. स्कीमों के बारे में सूचना, विशेषज्ञों, द्वारा परामर्श, बाजार मूल्यों, मौसम रिपोर्टों, मृदा जांच रिपोर्ट का नि:शुल्क प्रचार-प्रसार	1.1 जारी एसएमएस परामर्श की संख्या	500 करोड़
	ख. एनईजीपी-ए					
	1. राज्य कृषि पोर्टलों की शुरूआत	1.1 राज्यों की संख्या जिन्होंने राज्य कृषि पोर्टल विकसित किए हैं	02	1. पोर्टल और मोबाइल ऐप पर बेहतर सूचना प्रसार करना	1.1 राज्य कृषि पोर्टल के सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या - डेटा के आधार पर लक्ष्य निर्धारित किया जाना है	*
	2. डीएसीएंडएफडब्लयू मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोगकर्ताओं की वृद्धि	2.1 पंजीकृत मोबाइल ऐप उपयोगकर्ताओं की संख्या	2,00,000		1.2 डीएसीएंडएफडब्ल्यू मोबाइल एप के सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या	7.6 लाख
	3. स्थानीय विज्ञापनों में बढ़ोत्तरी	3.1 जिलों की संख्या जहां स्थानीय विज्ञापन भेजा जा रहा है	126 जिला		1.3 मोबाइल ऐप पर जोड़ी गई नई सेवाएं	2 सेवाएँ

** लक्ष्य तय नहीं किए जा सकते क्योंकि यह योजना मांग आधारित है; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी।*

9. हरित क्रांति: समेकित कृषि संगणना और सांख्यिकी योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपए करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
224.22	1. प्रमुख फसलों की खेती लागत का अध्ययन	1.1. 25 फसलों की लागत का अनुमान लगाना (हां/नहीं)	230 फसल-वार और राज्य-वार वार्षिक लागत का अनुमान लगाना।	1. योजना के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा के उपयोग को बढ़ाना	1.1 प्राप्त की गई ऑफ़लाइन अनुरोधों की संख्या	13
					1.2 लागत अनुमानों के डाउनलोडों की सं.	1200
					1.3 25 फसलों की उत्पादन लागत का अनुमान लगाना	230 फसल-वार और राज्य-वार वार्षिक लागत का अनुमान लगाना
		1.2 प्रमुख फसलों के अग्रिम का अनुमान लगाना (हां/नहीं)	हां			
	2. कृषि संगणना	2.1 कृषि संगणना रिपोर्ट को जारी करना (हां/नहीं)	(i) 36 राज्यो/ के. श. प्रदेशो के प्रथम चरण के आकडो अंतिम रुप देना (ii) 36 राज्यो/ के. श. प्रदेशो के दितिय चरण के आकडो अंतिम रुप देना (iii) 36 राज्यो/ के.श. प्रदेशो के तृतीय चरण के आकड़ों को अंतिम रुप देना	2. चरण-I, II और III रिपोर्ट की उपलब्धता।	2.1 कृषि जनगणना के चरण- I, II और III को पूरा करना (2015-16)	निम्नलिखित 3 (तीन) रिपोर्टों का प्रकाशन, ओपरेशनल होल्दिंग्स के सख्या ऐव क्षेत्रफल पर अखिल भारतीय रिपोर्ट 2015-16, कृषि संगणना 2015-16 पर अखिल भारतीय रिपोर्ट और इंपुट सर्वे 2016-17 क्षेत्रफल पर अखिल भारतीय रिपोर्ट

10. हरित क्रांति: समेकित कृषि सहकारिता स्कीम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	**परिणाम**	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
85	1. कृषिगत सहकारी समितियों की वृहदतर कवरेज और मूल्य वर्द्धित कार्यकलापों को सुदृढ़ करना	1.1 नई पंजीकृत सहकारी समितियों की संख्या	38	1. कृषिगत सहकारी समितियों के तहत किसानों/सदस्यों के लिए उन्नत सुविधा	1.1. स्थापित नई सहकारी समितियों के अंतर्गत कवर किए गए किसानों की कुल संख्या	1133
		1.2 सहकारी समितियों में परिवर्तित एसएचजी की संख्या	34		1.2 प्रशिक्षित सदस्यों/किसानों की संख्या	242421
		1.3 संचालित प्रशिक्षणों की संख्या	20194		1.3 विपणन, भंडारण, प्रसंस्करण, भंडारण, शीतागार इत्यादि के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से लाभान्वित किसानों की संख्या-	सहकारी समितियों के 2.2 लाख सदस्य
		1.4 राज्य सहकारी परिसंघों के प्रबंधन हेतु विपणन, प्रसंस्करण, भंडारण, शीतागारों आदि के लिए सहायता प्राप्त सहकारी समितियों की संख्या	125		1.4. नई स्थापित जिनिंग/कताई के चलते रोजगार सृजन	19000 कार्मिक दिवस
		1.5 स्थापित जिनिंग/कताई इकाइयों की संख्या	2		1.5.जिनिंग/कताई इकाई के आधुनिकीकरण/विस्तारण/पुनर्वासन के कारण रोजगार निर्माण	19000 कार्मिक दिवस
		1.6 आधुनिकीकृत/विस्तारित/पुनर्वासित जिनिंग/कताई इकाइयों की संख्या	1		1.6 चयनित जिलों में आईसीडीपी परियोजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किसानों की संख्या	12 जिलों में आईसीडीपी से 1.6 लाख सदस्य लाभांवित

11. हरित क्रांति: राष्ट्रीय बांस मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
150	1. बाँस के प्रचार एवम खेती और गुणवत्ता रोपण सामग्री की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 गुणवत्ता रोपण सामग्री के लिए स्थापित नर्सरी की संख्या	100	1. गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री की उपलब्धता के वजह से उत्पादन में वृद्धि	1.1 सप्लिंग उत्पादन क्षमता (स. लाख में)	25.00 Lakh
		1.2 बांस का वृक्षारोपण के तहत कवर किया गया क्षेत्र (हे.)	15000		1.2 बांस स्टॉक की उपलब्धता(टन)	*[3]
	2. बांस उपचार और संरक्षण इकाइयों को बढ़ावा देना	2.1 स्थापित बांस उपचार इकाइयों की संख्या	40	2.उपचार की सुविधा में वृद्धि	2.1 मूल्य संवर्धन के लिए उपचारित बांस की आपूर्ति(एमटी)	5000
	3. उत्पाद विकास/ प्रसंस्करण इकाइयाँ	3.1 निर्मित उत्पाद लाइनों / इकाइयों की संख्या	250	3. रोजगार सृजन	3.1 व्यक्तिगत दिन / स्व रोजगार के उत्पन्न अवसर	1250 (प्रत्यक्ष) + अप्रत्यक्ष रोजगार
	4. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	4.1 आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	50	4. लाभांवित व्यक्ति	4.1 लाभांवित व्यक्ति की सं.	2000

[3] *एनबीएम 2018-19 से चालू है और बांस के उत्पादन की वास्तविक मात्रा का आकलन विभिन्न प्रजातियों के लिए औसत रोटेशन अवधि के बाद किया जा सकता है, जबकि इसका 4 वर्षों के लिए अलग-अलग उपयोग होता है।*

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय **मांग सं. 2**

कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग

1. कृषि विस्तार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
221.15	1. भावी प्रौद्योगिकियों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए किसानों और विस्तार कार्मिकों का प्रशिक्षण	1.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रशिक्षित किसानों, किसान महिलाओं और विस्तार कार्मिकों की संख्या (लाख में)	15.2	1. किसान केन्द्रित विकास के लिए कृषि पारिस्थितिकीय विशिष्ट प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों का व्यापक अंगीकरण	1.1 नई प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण की दर (%)	10
	2. कृषि प्रौद्योगिकियों की स्थान विशिष्टता की पहचान करने के लिए खेत परीक्षण	2.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित खेत परीक्षणों की संख्या	28888			
	3. उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों की उत्पादन संभाव्यता को स्थापित करने के लिए अग्रपंक्ति प्रदर्शन	3.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा आयोजित अग्रपंक्ति प्रदर्शनों की संख्या	110112			
	4. बीजों तथा रोपण सामग्री के उत्पादन में वृद्धि	4.1 उत्पादित बीजों की मात्रा (टन)	21000			
		4.2 रोपण सामग्री की संख्या (लाख में)	231.50			
	5. पशुधन विभेदों और फिंगरलिंग्स उत्पादन में वृद्धि	5.1 उत्पादित पशुधन विभेदों और फिंगरलिंग्स की संख्या (लाख में)	119.00			
	6. मृदा और जल के नमूनों का विश्लेषण	6.1 परीक्षित मृदा और जल के नमूनों की संख्या (लाख में)	3.05			

2. **कृषि अभियांत्रिकी (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
64.02	1. कृषि में कड़े श्रम में कमी करने, कृषि परिचालनों में समय-सीमा का पालन करने तथा- ऊर्जा प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण हेतु प्रौद्योगिकियों/ उपकरणों/ मशीनों का विकास/ परिष्करण	1.1 विकसित की गई प्रौद्योगिकी /मशीनों की संख्या	11	1. कृषि यंत्रीकरण का बढ़ा हुआ स्तर	1.1 निविष्टियों के प्रयोग की दक्षता में अपेक्षित वृद्धि प्रतिशत	2%
	2. कृषि पैदावार के प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्द्धन के लिए प्रौद्योगिकी/उपकरण/ प्रक्रिया प्रोटोकॉल/उत्पाद का विकास	2.1 मूल्यवर्द्धन के लिए विकसित किए गए प्रक्रिया प्रोटोकॉल की संख्या	3			
		2.2 विकसित किए गए नए मूल्य-वर्द्धित उत्पादों की संख्या	3			
	3. नव-विकसित/ उन्नत प्रोटोटाइप्स का फील्ड- स्तरीय मूल्यांकन तथा अग्र-पंक्ति प्रदर्शन	3.1 उन्नत प्रोटोटाइप्स के अग्र-पंक्ति प्रदर्शनों की संख्या	20			
		3.2 परीक्षित की जाने वाली मशीनों, नमूनों की संख्या	400			
	4. कृषि यंत्रीकरण, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्द्धन से संबन्धित उपकरणों/ मशीनों की कस्टम - हायरिंग, उपयोग	4.1 प्रशिक्षित किए जाने वाले किसानों की संख्या	110			
	तथा रखरखाव के लिए किसानों, उद्यमियों का प्रशिक्षण	4.2 कस्टम हायरिंग तथा उद्यमियों के प्रशिक्षणों की संख्या	10			

3. **प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (एनआरएम) और एनआईसीआरए (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
207.04	1. मृदा सूची एवं लक्षण वर्णन	1.1 ब्लॉक स्तर पर विकसित भूमि संसाधनों की सूचियों की कुल संख्या	6	1. प्राकृतिक संसाधनों के दक्ष और किफ़ायती प्रबंध के कारण उत्पादन में लाभ	1.1 फसल उत्पादकता में वृद्धि प्रतिशत	2%
	2. अनुपूरक सिंचाई के लिए मृदा परीक्षण एवं जल संरक्षण के उपाय	2.1 मृदा और जल संरक्षण के लिए विकसित की गई प्रौद्योगिकियों की कुल संख्या	5			
	3. फार्म उत्पादन प्रौद्योगिकियों का प्रणाली-आधारित विकास	3.1 विकसित की गई प्रणाली -आधारित फार्म उत्पादन प्रौद्योगिकियों की कुल संख्या	10			
	4. जैविक फ़ार्मिंग पैकेजों का विकास	4.1 विकसित किए गए पद्धतियों के जैविक फ़ार्मिंग पैकेजों की कुल संख्या	3			
	5. जलवायु सहिष्णु प्रौद्योगिकियों का विकास एवं प्रदर्शन	5.1 विकसित एवं प्रदर्शित जलवायु सहिष्णु प्रौद्योगिकियों की कुल संख्या	5			
	6. मृदा स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास	6.1 मृदा स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	5			
	7. सिंचाई जल प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकियों का डिज़ाइन एवं विकास	7.1 सिंचाई जल प्रबंधन के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	5			

4. बागवानी विज्ञान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
178.34	1. जननद्रव्य - संग्रह	1.1 जननद्रव्य की संख्या	500	1. फल एवं सब्जियों के सम्भावित उत्पादन एवं उत्पाकदकता में बढ़ोतरी	1.1 फल एवं सब्जियों की सम्भावित उत्पादकता में प्रतिशत बढ़ोतरी	2%
	2. जननद्रव्य का अभिलक्षणन	2.1 जननद्रव्य की संख्या	580	2. फल एवं सब्जियों की नई किस्में आरंभ करना	2. बागवानी फसलों का बढ़ा हुआ सम्भावित सकल उत्पादन (%)	1%
	3. पूर्व-प्रजनन वशंक्रमों का विकास	3.1 पूर्व-प्रजनन वंशक्रमों की संख्या	110		2.1 बागवानी फसलों की नई किस्मों के अतंर्गत कवर सम्भावित क्षेत्र (%)	1%
	4. आशावान/श्रेष्ठ प्रजनन वशंक्रमों की पहचान	4.1 आशावान/ श्रेष्ठ प्रजनन वशंक्रमों की संख्या	100	3. उन्नत प्रजनक बीजों के कारण सम्भावित फसल हानियों में कमी	3.1 विशिष्टक प्रतिबल परिस्थितियों के विरूद्ध बागवानी फसलों की विशेषक विशिष्ट उन्नत किस्मों को आरंभ करने के कारण सम्भावित फसल हानियों में कमी का प्रतिशत	1%
	5. किस्मों/ संकरों को जारी करना	5.1 किस्मों/ संकरों की संख्या	38			
	6. उत्पादन/ सुरक्षा/ सस्योपरांत हैंडलिंग/ प्रसंस्करण/ मूल्यवर्धन/ जैव-प्रौद्योगिकी प्रक्रिया/ नैदानिक किट अथवा प्रकिया, प्रौद्योगिकियों का मानकीकरण	6.1 उत्पादन/सुरक्षा/सस्योपरांत हैंडलिंग/ प्रसंस्करण /मूल्यवर्धन/ जैव-प्रौद्योगिकी प्रक्रिया/ नैदानिक किट अथवा प्रकिया, प्रौद्योगिकियों की संख्या	85			

	7. हितधारकों का प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकियों पर प्रक्षेत्र प्रदर्शन	7.1 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की संख्या	155			
	8. प्रजनक/सत्यतापूर्वक लेबल किए गए बीज (सब्जी एवं मसाले) उत्पादन में वृद्धि (टन)	8.1 प्रजनक/ लेबल किए गए बीज की मात्रा (टन मे)	2.26			
	9. कंद फसलों के प्रजनक बीज उत्पादन में वृद्धि (टन)	9.1 प्रजनक/सत्यतापूर्वक लेबल किए गए बीज की मात्रा (टन में)	2250			
	10. जड़युक्त कलमों के उत्पादन में वृद्धि (सं.)	10.1 जड़युक्तता कलमों की संख्या (लाख में)	5			
	11. गुणवत्तापूर्ण पादप सामग्री उत्पादन में वृद्धि	11.1 पादप सामग्री की संख्या (लाख में)	12.5			

5. राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
54.60	1. प्रकाशन	1.1. प्रकाशन की संख्या	45	1. उच्च रेटिंग वाले प्रकाशनों, पेटेंट और प्रौद्योगिकियों में बढ़ोतरी करने के लिए बेहतर अनुसंधान सुविधाएं	1.1 प्रकाशनों की कुल संख्या में से उच्च प्रभाव वाले प्रकाशनों का प्रतिशत	100
	2. पेटेंट	2.1 पेटेंट की संख्या	3			
	3. प्रौद्योगिकियां	3.1 विकसित की गई प्रौद्योगिकियों की संख्या	4			

6. **पशु विज्ञान (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
310.98	1. आनुवंशिक संसाधनों का मूल्यांकन एवं लक्षण-वर्णन	1.1 आनुवंशिक संसाधनों की संख्या	10	1. परियोजना क्षेत्र में पशुधन क्षेत्र की उत्पादकता में कुल वृद्धि	1.1 पशुधन की उत्पादकता में प्रतिशत की बढ़ोतरी	1
	2. जीन का आंशिक/ पूर्ण लक्षण-वर्णन/ अभिव्यक्ति प्रोफाईल	2.1 जीनों की संख्या	30			
	3. महत्वपूर्ण नस्लों का स्वस्थाने/ बाह्यस्थाने संरक्षण	3.1 वीर्य खुराकों की संख्या	55000			
	4. पशुधन एवं कुक्कुट पालन सुधार	4.1 नस्लों की संख्या	4			
	5. गुणवत्ता युक्त सांडों (गौपशु एवं भैंसों) से हिमीकृत वीर्य की खुराकों का उत्पादन	5.1 खुराकों की संख्या	396000			

	6. घेंटों (पिगलेट) (8-12 सप्ताह की आयु) का उत्पादन	6.1 घेंटों (पिगलेटों) की संख्या	4400			
	7. एक दिन एवं 6 सप्ताह की आयु के चुजों का उत्पादन एवं अंडों का सेना (हैचिंग)।	7.1 सेए गए एक दिन और 6 सप्ताह के चुजों की संख्या (लाख में)	18			
	8. आनुवंशिक चिह्नकों की पहचान एवं पशुधन तथा कुक्कुट रोग निदान, अपमिश्रकों तथा पर्यावरण प्रदूषक तत्वों के लिए नैदानिक किट का विकास	8.1 नैदानिक किटों सहित आनुवंशिक मार्करों की संख्या	10			
	9. उत्पादकता में सुधार के लिए विशिष्ट क्षेत्र आधारित आहार माड्यूल्स/आहार संयोजकों का विकास	9.1 आहार योगजों सहित आहार मॉड्यूल्स की संख्या	20			
	10. एआई प्रोटोकॉल का मानकीकरण एवं इसका प्रक्षेत्र प्रमाणीकरण किया जाना (गौपशु, भैंस, सूकर, याक, भेड़, मिथुन और अश्व)	10.1 हिमीकृत खुराकों सहित एआई की संख्या	12000			
	11. पुनर्उत्पादक क्षमता को बढ़ाने के लिए व्यवस्था-तंत्र की पहचान सहित नई एवं संशोधित उन्नत विधियां	11.1 नई उन्नत विधियों की संख्या/पहचान प्रक्रिया-विधि	15			
	12. पशु उत्पादों का उत्पादन और प्रसंस्करण (दूध, मांस और ऊन)	12.1 विकसित उत्पादों एवं प्रक्रियाओं की संख्या	30			

7. मात्स्यिकी विज्ञान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
142.39	1. मात्स्यिकी संसाधन मूल्यांकन हेतु खोज/सर्वेक्षण	1.1 किए गए खोज सर्वेक्षणों की संख्या	100	1. अंत: स्थल एवं समुद्र में मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में बढ़ोतरी	1.1 अंत:स्थल एवं समुद्री मत्स्य उत्पादन में बढ़ोतरी का प्रतिशत (%)	5
	2. वाणिज्यिक दृष्टि से पालन की जाने वाली समुद्री फिनफिश प्रजातियों की समुद्री जलजीव पालन प्रौद्योगिकी का विकास करना	2.1 विकसित की गई समुद्री जलजीव पालन प्रौद्योगिकियों की संख्या	1		1.2 परियोजना जलाश्यों से उत्पादन (किग्रा/हे./वर्ष)	190
	3. खुला समुद्र पिंजरा मछली पालन पद्धतियों का प्रदर्शन	3.1 प्रदर्शनों की संख्या	5		1.3 परियोजना आर्द्र भूमियों से उत्पादन (किग्रा/हे./वर्ष)	650
	4. सजावटी मछली प्रजातियों के प्रजनन प्रोटोकॉल का विकास	4.1 विकसित प्रजनन प्रोटोकॉल की संख्या	1	2. उन्नत जलजीव पालन प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यिकरण	2.1 वाणिज्यिकरण के लिए विकसित एवं अंतरित जलजीव पालन प्रौद्योगिकियां	2
	5. फिनफिश/शेल्फिश प्रजातियों की ब्रूड-स्टॉक एवं सीड उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास	5.1 विकसित की गई ब्रूड-स्टॉक एवं बीज उत्पादन प्रौद्योगिकियों की संख्या	3	3. विकसित प्रौद्योगिकियों के आधार पर मार्किट किए गए संवृद्धित उत्पाद	3.1 प्रौद्योगिकियों के आधार पर अंतरित उत्पादों की संख्या	3
	6. मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन प्रोटोकॉल का विकास करना	6.1 विकसित प्रबंधन प्रोटोकॉल की संख्या	3			
	7. दक्ष और लागत प्रभावी स्वदेशी आहार संरचना का विकास	7.1 विकसित की गई आहार संरचनाओं की संख्या	2			

	8. अंतस्थलीय खुले जल के लिए पिंजरा एवं पेन मछली पालन प्रोटोकॉल का प्रदर्शन	8.1 प्रदर्शनों की संख्या	5			
	9. विविधतापूर्ण एवं उत्तरदायित्वपूर्ण मछली पकड़ने के लिए फिशिंग गीयर डिजाईनों का विकास	9.1 विकसित किए गीयर डिजाईनों की संख्या	1			
	10. मूल्य संवर्धित एवं तैयार उत्पादों का तैयार किया जाना	10.1 विकसित उत्पादों की संख्या	3			
	11. मत्स्य प्रजातियों का आनुवंशिक लक्षण-वर्णन	11.1 किए गए आनुवांशिक लक्षण-वर्णनों की संख्या	40			
	12. संस्थानिक पीजी/डॉक्टॉरल कार्यक्रम उपाधि	12.1 प्रदान की गई डिग्रियों की संख्या	80			
	13. प्रशिक्षण एवं कौशल उन्नयन कार्यक्रम	13.1 प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	4500			

8. राष्ट्रीय उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना (ईएपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
223.68	1. शिक्षा सुविधाओं एवं पाठ्क्रमों में बढ़ोतरी	1.1 शैक्षणिक एवं अनुसंधान अवसंरचना की सुविधा के लिए नई सहायक ईकाइयां स्थापित की गई	5	1. विद्यार्थी एवं संकाय में सुधार	1.1 कृषि विश्वविद्यालयों में समय पर स्नातक दर में हुई बढ़ोतरी का %	2
		1.2 जोड़े गए/ उन्नयन किए गए नए प्रायोगिक (पायलेट) पाठ्यक्रम	5		1.2 भाकृअप प्रवेश परीक्षाओं में विद्यार्थियों	2

					के लिए विच्छेदक अंकों (कट ऑफ स्कोर) में हुई बढ़ोतरी का %	
		1.3 आंतरिक राजस्व उत्पन्न करने में हुई बढ़ोतरी का %	12		1.3 विद्यार्थियों के नौकरी पाने की दर में हुई बढ़ोतरी का %	2
					2.2 प्रत्यक्ष रूप से लाभ प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं संकाय-सदस्यों की संख्या	54000 (संचयी)
		1.4 संकाय-सदस्य एवं विद्यार्थी आदान-प्रदान (एक्सचेंज) कार्यक्रमों में हुई बढ़ोतरी (संख्या)	10	2. संकाय-सदस्य अनुसंधान प्रभाविता में हुई बढ़ोतरी	2.1 एच-इंडेक्स में हुई बढ़ोतरी का %	2
		1.5 स्नातकोत्तर एवं पीएचडी विद्यार्थियों के किए गए सैंडविच कार्यक्रम (संख्या)	3			
	2. अनुसंधान एवं प्राद्योगिकी अंतरण पहलों को बढ़ावा देना	2.1 इंडस्ट्री के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों में हुई बढ़ोतरी का %	2	3. विद्यार्थी एवं संकाय-सदस्यों को आंतरिक रूप से तैयार करने (इनब्रीडिंग) में कमी आई	3.1 अन्य राज्यों से प्रवेश प्राप्त करने वाले कृषि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों का %	4
		2.2 अंतरित की गई प्रौद्योगिकियों में बढ़ोतरी (संख्या)	10		3.2 एक से अधिक विश्वविद्यालय और एक से अधिक राज्य से उच्चतर शिक्षा-डिग्रियां प्राप्त करने वाले संकाय-सदस्यों का %	4
		2.3 राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी अनुदानों की संख्या में हुई बढ़ोतरी का %	10	4. शिक्षा प्रभाग/ भाकृअप के गुणवत्तापूर्ण	4.1 एयू विद्यार्थी संतुष्टि इंडेक्स में हुई बढ़ोतरी का %	3

		2.4 आरम्भ किए गए ई-गवर्नेंस पहलों में हुई बढ़ोतरी का %	4	आश्वासन वाली भूमिका से एयू विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की संतुष्टि में हुई बढ़ोतरी	4.2 संकाय-सदस्य संतुष्टि इंडेक्स में हुई बढ़ोतरी का %	4
	3. ज्ञान उन्नयन के लिए सेमिनारों/ कार्यशालाओं के आयोजन में वृद्धि	3.1 संकाय उन्नयन के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण संचालन	30	5. संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार	5.1 उद्योग-प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या में वृद्धि तथा नवीनतम क्षेत्रों में स्थिति	10
		3.2 आयोजित उद्योग सेमिनार तथा व्यावसायिक कार्यशालाएं	8		5.2 भाकृअप विकास अनुदान के निष्पादन आधारित आवंटन में वृद्धि का %	2
		3.3 शिक्षा प्रभाग द्वारा सौंपे गए आईडीपी/सीएएएसटी/आईजी प्रस्ताव	5		5.3 संशोधित नियमों और मानकों के साथ प्रत्यायित कृषि विश्वविद्यालयों की संख्या में वृद्धि	67 (संचयी)
		3.4 नेक्स्ट जनरेशन एमआईएस/एफएमएस प्रणाली की शुरूआत	2		5.4 शैक्षणिक स्वायत्तता अर्जित करने वाले कृषि विश्वविद्यालयों में वृद्धि का %	37 (संचयी)
		3.5 क्षमता निर्माण के लिए बाह्य परामर्श पैनल द्वारा कृषि विश्वविद्यालयों का दौरा	10			
		3.6 राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित कार्यशालाएं/ सेमिनार	15			

आयुष मंत्रालय **मांग सं. 4**

1. आयुष शिक्षा/ औषध विकास और अनुसंधान/ क्लीनिकल रिसर्च/ लोक चिकित्सा आदि में लगे हुए गैर-सरकारी/ निजी क्षेत्र के उत्कृष्ट मान्यता प्राप्त आयुष केंद्रों के लिए सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
5	1. आयुष संस्थानों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नत करने के लिए सहायता	1.1 संस्थानों की संख्या जिनको उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नयित करने के लिए समर्थन करने की मंजूरी देदी। 1.2 उन संस्थानों की संख्या जिन्होंने उन्नयन प्रक्रिया पूरी कर ली है।	4 5	1. संस्थानों का उत्कृष्ट स्तर के कार्य और सुविधाओं के उन्नयन के लिए समर्थन	1.1 उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नयित करने के लिए समर्थन हेतु अनुमोदन के लिए छांटे गए प्रस्तावों की संख्या। 1.2 उन संस्थानों की संख्या जिन्होंने आंशिक रूपसे अपनी परियोजनाओं को पूरा किया है और दूसरी किस्त का उपयोग किया है।	15 5

2. आयुष और जन स्वास्थ्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
5	1. सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा के लिए आयुष हस्तक्षेप का समर्थन	1.1 संस्थानों की संख्या जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम आयोजित करने केलिए समर्थन करने के लिए मंजूरी दे दी है	10	1 सामुदायिक स्वास्थ्य परिचर्या के लिए आयुष उपचार कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संस्थानों को सहायता।	1.1 सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम आयोजित करने केलिए अनुमोदन हेतु छांटे गए हुए प्रस्तावों की संख्या।	10
		1.2 संस्थानों की संख्या जिन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम का आयोजन किया है	10		1.2 उन संस्थानों की संख्या जिन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम का आयोजन किया और पहली अथवा दूसरी किस्त का उपयोग कियाहै	10

3. केंद्रीय आयुष औषध नियंत्रक (सीडीएससीओ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
1.41	1. आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी औषधियों का सीडीएससीओ में ऊर्ध्व संरचना के निर्माण के माध्यम से विनियमन	1.1 व्यय विभाग से अनुमोदित विनियामक पदों की बहाली	हाँ	1. औषधि और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 और नियमावली, 1945 के संगत प्रावधानों के अनुसार देश में आयुष औषधियों की गुणवत्ता	1.1 औषधि और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 और नियमावली, 1945 के संगत प्रावधानों को लागू करने के लिए आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी औषधियों के लिए	हाँ

				कासमग्र विनियमन।	एक केंद्रीय विनियामक ढ़ांचे का होना। 1.1 व्यय विभाग से विनियामक पदों का सृजन/बहाली और डीओपीटी तथा यूपीएससी के अनुमोदन से भर्ती नियम तैयार किए जाएंगे।	
		1.2 विनियामक पदों के भर्ती नियमों के अनुमोदन पर अनुवर्ती कार्रवाई	हाँ		1.2 विनियामक पदों के भर्ती प्रक्रिया आरंभ करना	हाँ
		1.3 आयुष औषधियों के विनियामक मुद्दों पर राज्यों में विनियामक प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं का संचालन	हाँ			
		1.4 दो सांविधिक निकायों अर्थात् एएसयूडीटीएबी, एएसयूडीसीसी और डीटीएबी-होम्योपैथी की उप समिति की बैठकें	हाँ			
		1.5 औषधि और सौंदर्य प्रसाधन नियमावली, 1945 के अन्तरगत, आयुष औषधि विनिर्माण इकाइयों के निरीक्षण किए गए परिसरों की संख्या	हाँ			

4. सूचना, शिक्षा और संचार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
52.60	1. आयुष पद्धति की प्रभावकारिता के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना	1.1 राष्ट्रीय/राज्य आरोग्य मेलों का आयोजन	8	1. अनुसंधान और विकास कार्य के सिद्ध परिणाम प्रचार की ऑडियोविजुअल, शैक्षिक सामग्री के माध्यम से आयुष पद्धति की प्रभाविकता के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना	1.1 आरोग्य मेलों द्वारा आयुष पद्धति की प्रभावकारिता के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना। (आगंतुक लगभग)	150000
		1.2 स्वास्थ्य मेले/मेले में भागीदारी;	12		1.2 मेलों/प्रदर्शनी के माध्यम से आयुष पद्धति की प्रभावकारिता के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना। (आगंतुक लगभग)	30000
		1.3 आयुष पद्धतियों पर बहु माध्यमिक अभियान और प्रचार सामग्री का वितरण	6		1.3 मल्टीमीडिया और प्रिंटमीडिया के माध्यम से आयुष पद्धति की प्रभावकारिता के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना। (लोग लगभग)	20 करोड़
		1.4 सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला आदि के माध्यम से आयुष पद्धति के हित धारकों के बीच एक मंच प्रदानकरना	12		1.4 सेमिनार के माध्यम से आयुषपद्धति की प्रभावकारिता के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना। (हितधारी लगभग)	10000
		1.5 आयुष पद्धति के महत्वपूर्ण दिनों का समारोह	6		1.5 आयुष दिवसों (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस /आयुर्वेद /सिद्ध) के माध्यम से आयुष पद्धति की प्रभावकारिता के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना। (नागरिक लगभग)	5 करोड़

5. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का संवर्धन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
16	1. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय सहायता	1.1 विशेषज्ञों की प्रतिनियुक्ति 1.2 अनुसंधान दस्तावेज 1.3 व्यापारमेला 1.4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 1.5 आयुष चेयर 1.6 सूचना प्रकोष्ठों 1.7 अंतर्राष्ट्रीय अध्ययेतावृत्ति	28 12 20 30 08 04 119	1. भारत और विदेशों में भारतीय चिकित्सा पद्धति का संवर्धन और प्रसार।	1.1 अंतिम रूप दिए गए अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय करारों की संख्या	1

6. एएसयू औषधियों के लिए भेषज सतर्कता पहल (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
1.80	1. राष्ट्रीय भेषज सतर्कता समन्वय केंद्र (एनपीवीसीसी), मध्यवर्ती भेषज सतर्कता केंद्रों (आईपीवीसीएस) और परिधीय भेषज सतर्कता केंद्रों (पीपीवीसीएस) के	1.1 स्थापित राष्ट्रीय भेषज सतर्कता समन्वय केंद्र (एनपीवीसीसी), मध्यवर्ती भेषज सतर्कता केंद्रों (आईपीवीसीएस) और परिधीय भेषज सतर्कता केंद्रों (पीपीवीसीएस) की संख्या। 1.2 एएसयूएंडएच डॉक्टरों, राज्य औषध नियंत्रकों,	60 परिधीय भेषज सतर्कता केंद्रों की स्थापना करना 800	1. राष्ट्रीय भेषज सतर्कता समन्वय केंद्र (एनपीवीसीसी), मध्यवर्ती भेषज सतर्कता केंद्रों (आईपीवीसीएस) और परिधीय भेषज सतर्कता केंद्रों (पीपीवीसीएस) के माध्यम से एएसयूएंडएच औषधियों के प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं	1.1 कई परिचालन केंद्रों की सुरक्षा निगरानी की गई और एएसयू एंड एच औषध और विपणन उपरांत उनके भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी की गई	60 परिधीय भेषज सतर्कता केंद्रों को कार्यात्मक बनाना।

	माध्यम से एएसयूएंडएच औषधियों के प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं का एक व्यवस्थित आंकड़ा आधार विकसित करना।	प्रशिक्षित निरीक्षकों की कुल संख्या।		का एक व्यवस्थित आंकड़ा आधार विकसित करना।		

7. आयुष कार्मिकों का पुन:उन्मुखीकरण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम/ निरंतर चिकित्सा शिक्षा (आरओटीपी/सीएमई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
3.50	1. आयुष कार्मिकों की जानकारी के स्तरोन्नयन हेतु सीएमई कार्यक्रम	1.1 संचालित किए जाने वालो सीएमई कार्यक्रमों की संख्या	56	1. आयुष कार्मिकों की ज्ञानवृद्धि करना	1.1 सीएमई कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की संख्या	1200

8. अनुसंधान संस्थानों आदि के माध्यम से वर्हिवर्ती अनुसंधान परियोजनाएं इत्यादि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
6	1. आयुष औषधियों एवं उपचारों को मानकीकृत/मान्य और विकसित करने हेतु विभिन्न अनुसंधान संगठनों को सहायता प्रदान करना।	1.1 शुरु की गई नई परियोजनाएं। 1.2 चालू परियोजनाओं को जारी रखना।	20 30	1. प्राथमिकता वाले रोगों के उपचार हेतु वर्हिवर्ती पद्धति में अनुसंधान और विकास को सहायता प्रदान करना। - आयुष औषधियों एवं उपचारों की सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवता के लिए उसका मानकीकरण/वैधीकरण और वैज्ञानिक साक्ष्य विकसित करना। - अंत:विषय दृष्टिकोण के साथ आयुष पद्धति का वैज्ञानिक अन्वेषण करना। - प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आवश्यकता	1.1 प्रकाशित दस्तावेजों की संख्या 1.2 पूर्ण परियोजनाओं की संख्या	प्रत्येक 15 15

				आधारित परिणामों की प्राप्ति। - आयुष पद्धति में विशेष रूप से आयुष पद्धतियों के लिए अभिरूचि और विशेषज्ञता विकसित करने हेतु मानव संसाधन क्षमता पैदा करना।		

रसायन और पेट्रोरसायन विभाग

1. असम गैस क्रैकर परियोजना (सीएस)

वित्तीय व्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
100.00	1. लंबित देनदारियों के एवज में भुगतान।	1.1 लंबित देनदारियों कोनिपटाने के लिए भुगतान की गई राशि (रु. में)	100.00[4]	1. ब्रह्मपुत्र क्रैकर और पॉलिमर लिमिटेड की वित्तीय स्थिति में सुधार।	1.1 लंबित देनदारियों के कारण बकाया भुगतान की राशि (रु. में)	149.45

2. रसायन संवर्धन और विकास योजना (सीएस)

वित्तीय व्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
3	1. रासायनिक और पेट्रोरसायन उद्योग के	1.1 प्रशिक्षण सत्रों/गतिविधियों/ज्ञान सुधार कार्यक्रमों की संख्या।	2	1. प्लास्टिक उद्योग में प्रशिक्षित	1.1 प्रशिक्षण सत्र/ज्ञान सुधार	1200-1500

[4] असम गैस क्रैकर परियोजना (एजीसीपी) को ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल), असम द्वारा 2 जनवरी, 2016 को 9965 करोड़ रुपये की कैप्टिव सब्सिडी सहित 5239.45 करोड़ रुपए की लागत से निगमित किया गया है। कुल सब्सिडी में से अब तक 4990 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं। शेष पूंजी सब्सिडी 249.45 करोड़ रुपए का भुगतान होना बाकी है। वित्त मंत्रालय ने एजीसीपी के लिए 2019-20 100 करोड़ रुपए के आवंटन की पुष्टि की है। आरई 2019-20 में 149.45 करोड़ मांगे जाएंगे।

	विकास से संबंधित मुद्दों पर गौर करने के लिए प्रशिक्षण सत्र/गतिविधियाँ/ज्ञान सुधार कार्यक्रम।			कार्यबल/ज्ञान की बेहतर उपलब्धता।	कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/ सम्मेलनों/ सेमिनारों/ शिखर सम्मेलनों में भाग ले चुके कुल प्रतिभागी।	
					1.2 अध्ययन रिपोर्टों के उद्धरणों की संख्या।	*
					1.3 उच्च प्रभाव वाले प्रकाशनों की संख्या।	*
	2. प्रचार सामग्री और सेमिनार/ कार्यशालाओं/ सम्मेलनों/ शिखर/ सम्मेलनों/ प्रदर्शनियों आदि के संचालन की तैयारी।	2.1 तैयार की गई प्रचार सामग्री की मात्रा तैयार।	*			
		2.2 संचालित सेमिनार/ कार्यशालाओं/सम्मेलनों/ शिखर सम्मेलनों/प्रदर्शनियों की संख्या।	15-20			
	3. अध्ययन, सर्वेक्षण और क्षेत्र की रिपोर्ट का संचालन।	3.1 संचालित अध्ययन और सर्वेक्षण की कुल संख्या और तैयार किए गए सेक्टर विशिष्ट रिपोर्ट।	*			

* *अभी तक कोई प्रस्ताव नहीं मिला है।*

3. पेट्रो रसायन का संवर्धन (सीएस)

वित्तीय व्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
31.65	1. प्लास्टिक पार्कों की स्थापना और विभिन्न बुनियादी अवसंरचना इकाइयों का निर्माण।	1.1 स्थापित प्लास्टिक पार्कों की संख्या।	1[5]	1. गुणवत्ता वाले प्लास्टिक/उत्पाद के उत्पादन के साथ प्रतिस्पर्धा में वृद्धि	1.1 प्लास्टिक/प्लास्टिक उत्पादों (एमटी में) का कुल उत्पादन।	*
		1.2 मौजूदा प्लास्टिक पार्कों में उन्नत इकाइयों की संख्या।	*[6]		1.2 परीक्षण और पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों में सुधार (परीक्षण और पुनर्चक्रण क्षमता प्रति वर्ष परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या में जोड़ी गई)	*
		1.3 प्लास्टिक पार्कों में लगाए गए प्लास्टिक उत्पादन/प्रसंस्करण इकाइयों की नई इकाइयों की संख्या।	परिचालन शुरू करने के लिए 25% इकाइयाँ।	2. प्लास्टिक उद्योग में रोजगार के बेहतर अवसर।	2.1 प्लास्टिक पार्कों में कार्यरत लोगों की संख्या।	2500
		1.4 उन्नत और स्थापित प्लास्टिक पार्कों में जोड़ी गई कुल क्षमता (कुल प्लास्टिक/बहुलक उत्पादन के संदर्भ में)	मध्यप्रदेश प्लास्टिक पार्क में स्थापित की जाने वाली 39 इकाइयाँ (डीपीआर में दर्शाई गई 155 में से)			
	2. पेट्रोरसायन और	2.1 नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	लगभग	3. पेट्रोरसायन और	3.1 व्यवसायीकृत की गई नई	0 (राष्ट्रीय

[5] *रायसेन, तमोट, मध्य प्रदेश में प्लास्टिक पार्क परियोजना से संबंधित गतिविधियों को पूरा करना*

[6] *इकाइयों का कोई उन्नयन शामिल नहीं है। योजना के तहत समर्थित केवल नई इकाइयों की स्थापना।*

	डाउनस्ट्रीम प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग में प्रौद्योगिकी नवाचारों के लिए पुरस्कार	जिसके लिए पुरस्कार दिए गए हैं।	22 पुरस्कार दिए जाने हैं। (11 विजेता और 11 उपविजेता को 9वें राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए 11 श्रेणियों के तहत।)	प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग में नई तकनीकों का व्यावसायीकरण।	प्रौद्योगिकियों की संख्या।	पुरस्कारों से अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है)।
				4. पेट्रोरसायन और डाउनस्ट्रीम प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग की नई प्रौद्योगिकियों के आधार पर पेटेंट दर्ज किए गए।	4.1 कुल दायर किए गए पेटेंट की संख्या।	नई तकनीक के आरएंडडी के आधार पर, 02 पेटेंट दायर किए जाएंगे।

औषध विभाग

1. राष्ट्रीय औषध शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (नाईपर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपयेमें)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
150	1. सभी नाईपरों के लिए बुनियादी ढांचे सहित भवनों का निर्माण	1.1 बुनियादी ढांचे सहित भवनों के 100% पूर्ण निर्माण के साथनाईपरों की संख्या।	दो (i) नाईपर, गुवाहाटी (ii) नाईपर, अहमदाबाद	1. औषध अनुसंधान एवं विकास में विशेषज्ञों की संख्या और गुणवत्ता में वृद्धि	1.1 औषध अनुसंधान एवं विकासमें विशेषज्ञ बनने के लिए प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या	550
	2. शोध प्रकाशन, पेटेंट/औषधियों की खोज	2.1 शोध प्रकाशनों की संख्या	200			
		2.2 पेटेंट/औषधियों की खोज की संख्या	10			
	3. वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए औषध उद्योगों के साथ सहयोग	3.1 वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए औषध उद्योगों के सहयोग से हस्ताक्षरितसहमति ज्ञापन कीसंख्या	30			

2. जन औषधि परियोजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रूपए करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
42	1. वहनीय दवाइयों और जेनेरिक स्वास्थ्य परिचर्या उपकरणों की पर्याप्त बाजार उपलब्धता	1.1 प्रत्येक राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र में प्रचालित जन औषधि केन्द्रों की संख्या	मार्च, 2020 के अंत तक 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 6000 पीएमबीजेपी केन्द्र कार्य कर रहे होंगे।	1. घरेलू औषध बाजार में जेनेरिक दवाइयों का पर्याप्त हिस्सा	1.1 मात्रात्मक रूप में जेनेरिक दवाइयों के बाजार हिस्से का प्रतिशत	10%
	2. दवाइयों और उपकरणों की पूर्ण एवं व्यापक बास्केट	2.1 बास्केट में दवाइयों की कुल संख्याका औसतन 50 प्रतिशत या इससे अधिक रखने वाले पीएमबीजेपी केन्द्रों के मालिकों की संख्या	100%	2. सभी चिकित्सीय समूहों और आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) की दवाओं को कवर किया जाना है	2.1 आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) की सूची के अनुसार कवरेज	90%
	3. वित्तीय प्रोत्साहन का प्रावधान	3.1 ऐसे केन्द्रों की संख्या जिन्हें डीबीटी के माध्यम से बिक्री प्रोत्साहन नियमित रूप से प्रदान किए जा रहे हैं।	100%	3. 25.00 करोड़ रुपये वितरित किए जाएंगे	3.1 प्रोत्साहन का वितरण डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा और पीएफएमएस में प्रवेश किया जाएगा	100%
	4. बीपीपीआई द्वारा दवाइयों, सर्जिकल सामग्री और उपकरणों आदि का प्रभावशाली आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	4.1 भंडार में खत्म हुई दवाइयों की संख्या	*	4. दुकानों में पीओएस सॉफ्टवेयर की स्थापना	4.1 ऑनलाइन प्लेसमेंट खरीद के आदेश पीओएस माध्यम से	90%

**** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।***

3. औषध उद्योग का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	क) उप-योजना: औषध संवर्धन और विकास योजना (पीपीडीए)					
	1. **औषध उद्योग की वृद्धि से संबंधित मामलों पर सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाओं का आयोजन**	1.1 **आयोजित सम्मेलनों/ सेमिनारों /कार्यशालाओं की संख्या**	10	1. **उभरती प्रौद्योगिकियों और उद्योगों के लिए प्रासंगिक उनके मुद्दों पर औषध उद्योग की जागरूकता/संवेदीकरण को बढ़ाना**	1.1 **डब्ल्यूएचओ-जीएमपी विनिर्माता की संख्या में वृद्धि**	10 **प्रतिशत वृद्धि**
	(ख) उप-योजना:- औषध क्षेत्र के लिए क्लस्टर विकास कार्यक्रम (सीडीपी-पीएस)[7]					
8.30	2. सामान्य सुविधा केंद्र का निर्माण (सीएफसी)	2.1 प्रचालित सीएफसी की संख्या	1	2. घरेलू औषध उद्योग में, विशेष रूप से सामान्य विश्व स्तरीय सुविधाओं के निर्माण के माध्यम से एसएमई में गुणवत्ता, उत्पादकता और नवीन क्षमताओं को बढ़ाना	2.1 अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	2 सीएफसी

[7] *विभाग सामान्य सुविधाओं के लिए सीडीपी-पीएस से सहायता के लिए फार्मास्युटिकल उद्योग के लिए उप-योजना का नाम बदल रहा है।*

4. उपभोक्ता जागरूकता प्रचार और मूल्य निगरानी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपयेमें)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	1. जागरूकता सृजन	1.1 प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों की संख्या।	2	1. लोगों को दवाओं की उपलब्धता, सरकार द्वारा निर्धारित की गई दवाइयों की अधिकतम कीमतों, दवा खरीदते समय बरती जाने वाली सावधानियों और एनपीपीए के कामकाज के बारे में जागरूक किया जाएगा।	1.1 दो समाचार पत्र विज्ञापन प्रकाशित किए जाएंगे।	दवाओं को सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराने की सरकारी पहल के बारे में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाने के लिए जागरूकता।
		1.2 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से टेली-फिल्मों का प्रसारण।	1		1.2 एक टेली-फिल्म का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।	
		1.3 आयोजित की गई संगोष्ठियों/सम्मेलनों की संख्या।	4		1.3 चार सम्मेलन/ कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।	
4	2. मूल्य परिवीक्षण और संसाधन इकाइयों का गठन करना।	2.1 गठित पी०एम०आर०यू० की संख्या	वित्तीय वर्ष 2019-20 तक 10 पी०एम०आर०यू० (कुल संख्या) का गठन करना (वित्तीय वर्ष 2018-19 की अवधि में चार पी०आर०यू० का गठन केरल, उड़ीसा, गुजरात और राजस्थान में कर लिया गया है।)	2. कंपनियों द्वारा डीपीसीओ के प्रावधनों के उल्लंघन में कमी	2.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 की अवधि में छः पी०एम०आर०यू० का गठन करना।	10 पी०एम०आर०यू० (कुल संख्या) की स्थापना द्वारा जनसाधारण के स्तर तक सरकार द्वारा निर्धारित दवाओं के अधिकतम मूल्य/ अधिकतम खुदरा मूल्य दवाओं की उपलब्धता, एनपीपीए की कार्यप्रणाली इत्यादि के बारे में जागरूकता फैलाना।

नागर विमानन मंत्रालय **मांग सं. 8**

1. क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना (आरसीएस) - उड़ान तथा हवाईअड्डों / हेलीपोर्टों का पुनरूद्धार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रूपए करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
480	1. हवाईअड्डा अवसंरचना: योजना के अंतर्गत अवार्ड किए गए प्रस्तावों के आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एवं राज्यों द्वारा अपेक्षित अवसंरचना का उन्नयन / पुनरूद्धार किया जाना है।	1.1 उन्नयन/ पुनरूद्धार किए जाने वाले क्षे.सं.यो. हवाईअड्डों / हेलीपैडों की संख्या **पहली तिमाही (1 अप्रैल, 2019 से 30 जून, 2019):** बेलगाम, कूच बिहार, दीमापुर, तेजु (4) **दूसरी तिमाही (1 जुलाई से 30 सितम्बर, 2019) :** शून्य **तीसरी तिमाही (1 अक्तूबर से 31 दिसम्बर, 2019):** दरभंगा, केशोड, नेयवेली, रूपसी (4) **चौथी तिमाही (1 जनवरी से 31 मार्च, 2020): बोकारो, कालाबुर्गी (गुलबर्ग), कसिया (कुशीनगर), मुरादाबाद, श्रावस्ती, सिंधुदुर्ग, थोएसे** (7)	15	1. क्षेत्रीय मार्गों पर वहनीय विमान परिवहन	1.1 क्षे.सं.यो. मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या	25 लाख (अनुमानित)
					1.2 क्षे.सं.यो. मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियोंकी संख्या में वृद्धिप्रतिशत	3%
	2. क्षे.सं.यो. के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र से सम्पर्कता के लिए व्यवहायता अंतर निधियन (वीजीएफ)	2.1 बजट प्रावधानों का उपयोग	100% उपयोग	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र में वहनीय विमान परिवहन	2.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र के क्षे.सं.यो. मार्गों पर यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या	1 लाख (अनुमानित)

कोयला मंत्रालय **मांग सं. 9**

1. अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
25	1. प्रत्येक चार विषयगत क्षेत्रों: 'उत्पादन में सुधार'; 'कोयला खानों में उत्पादकता और सुरक्षा'; 'कोयला बेनेफिसिशिएशन और उपयोग; 'पर्यावरण, पारिस्थितिकी और भूमि सुधार का संरक्षण'; में स्वीकृत और आरंभ की गई अनुसंधान परियोजना	1.1 स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	2	1. सफलतापूर्वक अपनाई गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं से उपलब्ध समाधान।	1.1 कोयला उद्योग में समस्याओं का समाधान करने में अपनाए गए नए नवाचारों की संख्या	4
		1.2 पूर्ण की गई चालू अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	4		1.2 नवाचार में वृद्धि करने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के आधार पर तैयार किए गए नए दिशानिर्देशों की संख्या	3

2. कोयला खानों में संरक्षण, सुरक्षा और बुनियादी ढांचा का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
135	**क. कोयला खानों में संरक्षण और सुरक्षा**					
	1. खानों में किए गए सुरक्षात्मक कार्य	1.1 उन खानों की संख्या जहां सुरक्षात्मक कार्य किए गए।	19	1. प्रौद्योगिकी की शुरूआत के साथ सुरक्षा और काम करने की स्थिति में	1.1 यूजी खानों में निकासी योग्य कोयला भंडार में परिवर्धन लाख टन में	4

				सुधार	1.2 सतही सुविधाओं का संरक्षण (सं)	9
	2. यूजी खानों में मैन-राइडिंग प्रणाली की स्थापना	2.1 स्थापित की गई मैन-राइडिंग सिस्टम की संख्या	13		1.3 लाभान्वित खनिकों की संख्या	1200
	3. टेलिमॉनिटरिंग सिस्टम की स्थापना	3.1 स्थापित की गई टेलीमॉनिटरिंग प्रणाली की संख्या।	0		1.4 लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	600
	4. झरिया और रानीगंज मास्टर प्लान का कार्यान्वयन	4.1 मंत्रिमंडल के अनुमोदनानुसार बजट प्रावधान पर % व्यय	0.50		1.5 आग को बुझाना (स्थलों की सं.)	7
					1.6 झरिया में परिवारों का पुनर्वास (सं.)	500
	ख. कोयला खानों में अवसंरचना विकास					
	5. सड़क निर्माण	5.1 निर्मित सड़क (% लंबाई पूरी की गई)	18.5	2. बढ़ी हुई कोयला निकासी	2.1 निकासी किए गए कोयले में वृद्धि (एमटी में)	0
	6. रेल लाइन निर्माण	6.1 निर्मित रेल लाइन(% लंबाई पूरी की गई)	13.9			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है।*

वाणिज्य विभाग

1. कृषि उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
80	1. बाजार बुनियादी ढांचे का विकास एवं उन्नयन तथा कृषि उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार	1.1 पानी, मिट्टी, कीटनाशक के अवशेष, पशुचिकित्सा दवाओं, हार्मोन, विषाक्त पदार्थों को भारी धातु संदूषण के लिए परीक्षण किया, माइक्रोबियल गिनती आदि नमूना की संख्या	1000	1. उच्च मूल्य वापसी प्राप्त करने को बढ़ावा देने के लिए निर्यात संवर्धन	1.1 एपीडा के तहत अनुसूचित उत्पादों के निर्यात निष्पादन में वृद्धि	5% (ताजा, फल, सब्जी और मूंगफली)
		1.2 मेलों / घटनाओं / क्रेता विक्रेता बैठकों व्यापार प्रतिनिधिमंडलों आदि में भाग लिया की संख्या	35			
		1.3 जैविक उत्पादों के लिए आभासी मंडी मंच की स्थापना	1			

2. समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
90	1. बाजार का उपयोग करने की दिशा में प्रमाणपत्र, प्राथमिक निर्गम, पता लगाने की क्षमता और रोग निदान बुनियादी सुविधाओं के लिए सहायता	1.1 स्थापित प्रमाणित/ नामांकित निर्गम इकाई की संख्या	5000	1. समुद्री निर्यात पर विशेषज्ञता के साथ समुद्री उद्योगों के विकास	1.1 समुद्री उत्पादों के निर्यात मात्रा में % वृद्धि (टन में मात्रा)	6.25%
		1.2 स्थापित लैब की संख्या	4			
	2. स्थायी जलीय कृषि और क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय केंद्र के माध्यम से क्लस्टर विकास खेती	2.1 एनएसीएसए द्वारा विकसित क्लस्टर की संख्या	20		1.2 समुद्री उत्पादों के निर्यात मूल्य में % वृद्धि (रु)	7.31%
		2.2 आयोजित किए गए प्रशिक्षण/ किसानों की बैठकें / जागरूकता कार्यक्रम	550			
	3. विशिष्ट मूल्यवर्धित उत्पाद के लिए प्रौद्योगिकी विकास	3.1 मूल्यवर्धित निर्गम इकाइयों की क्षमता और संख्या	#20 इकाई 200 मीट्रिक टन/ दिन		1.3 जलीय कृषि निर्गम के निर्यात में वृद्धि हुई है	10%
		3.2 देश से मूल्यवर्धित उत्पादों का निर्यात	रुपये प्रतिवर्ष 7102 करोड़		1.4 अस्वीकृत निर्यात में कमी	10%
	4. लाइव/ ठंडा और सूखे समुद्री उत्पादों के लिए निर्यात हैण्डलिंग इकाइयों को सहायता	4.1 हैंडलिंग केन्द्रों की क्षमता एवं संख्या	# 20 इकाइयों 80 मीट्रिक टन/ दिन			

 # वर्ष 2018-19 के दौरान यूनिटों के एमपीईडीए के साथ पंजीकृत होने की उम्मीद है।

3. चाय बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
150	1. उत्पादन बढ़ाना, सामूहिक रूप से छोटे चाय उत्पादकों को प्रोत्साहित करना और एसएचजी का गठन करना, निर्यात को प्रोत्साहन देना, चाय बागान श्रमिकों के लाभ के लिए कल्याणकारी उपायों का समर्थन करते हुए गुणवत्ता और मूल्य संवर्धन में सुधार करना और अधिक पारंपरिक चाय के उत्पादन के लिए उत्पाद मिश्रण को बदलना, भारतीय चाय की घरेलू खपत और निर्यात में वृद्धि करना।	1.1 कॉफी उत्पादन (मीट्रिक टन में) की मात्रा	950	1. भारतीय चाय के उत्पादन और उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार और निर्यात में वृद्धि।	1.1 चाय बागान के उत्पादन और उत्पादकता में % वृद्धि	2018-19 संशोधित लक्ष्य की तुलना में 1.85% की वृद्धि।
		1.2 प्रतिस्थापन रोपण / पुन: रोपण के तहत प्रदान किया गया क्षेत्र (हेक्टेयर)	1800		1.2 चाय निर्यात में % वृद्धि	2018-19 संशोधित लक्ष्य की तुलना में 1.92% की वृद्धि।
		1.3 ग्रीन टी, पारंपरिक चाय और विशिष्ट चाय के उत्पादन वाले नए कारखानों की संख्या	2			
		1.4 बनाए गए स्व-सहायता समूहों की संख्या	25			
		1.5 अनुसंधान और विकास के तहत अनुसंधान गतिविधियों की संख्या	4 (12वीं योजना योजना की चालू परियोजनाओं को जारी रखना)			
		1.6 कल्याण कार्यकलापों की संख्या	12891			
		1.7 निर्यात की गई चाय की मात्रा (विपणन)	185			

4. कॉफी बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
150	1. निर्गम, उत्पादकता में वृद्धि और कॉफी की गुणवत्ता के लिए सहायता	1.1 कॉफी उत्पादन (मीट्रिक टन में) की मात्रा	3,25,000	1. भारतीय कॉफी का उच्चतर मूल्य रिटर्न प्राप्त करने के लिए उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता निर्यात संवर्धन में वृद्धि	1.1 कॉफी उत्पादन में% वृद्धि	2018-19 के लक्ष्य की तुलना में 0.04% की कमी*
		1.2 कॉफी उत्पादकता में वृद्धि (किलो / हेक्टेयर)	800		1.2 कॉफी की फलियों की बेहतर गुणवत्ता की उत्पादकता में % वृद्धि	2018-19 के लक्ष्य की तुलना में 3.3% की कमी*
		1.3 बीज उत्पादन की मात्रा (एमटी में)	15			
		1.4 मजदूर और छोटे कॉफी उत्पादकों को कल्याण सहायता के लाभग्राहियों की संख्या ।	2000		1.3 ब्रांडों की संख्या सामूहिक या सहकारी समितियों के गठन के रूप में विकसित।	2018-19 के लक्ष्य की तुलना में 0.40% की वृद्धि*
		1.5 विकसित क्षेत्र (पुनरोपित/ विस्तारित) पारंपरिक क्षेत्र में (हे.में)	4,59,000			
		1.6 मीट्रिक टन में कॉफी निर्यात की मात्रा	3,40,000		1.4 कॉफी निर्यात में% वृद्धि	2018-19 के लक्ष्य की तुलना में 3% की वृद्धि*

** कॉफी की खपत द्विवार्षिक होती है और इसलिए इसका उत्पादन पैटर्न अधिक खपत वाले और कम खपत वाले प्रकार का है। 2019-20 कम खपत वाला वर्ष होने के नाते, उत्पादन कम होगा और इसलिए, यह फसल वर्ष 2019-20 के लिए 3,25,000 मीट्रिक टन के रूप में अनुमानित है। तदनुसार, 2019-20 के लिए उत्पादकता भी कम होगी।*

*** कुल कॉफी निर्यात में भारतीय कॉफी के निर्यात के साथ-साथ मूल्य संवर्धन के बाद आयातित कॉफी का निर्यात भी शामिल है, जो कि विदेश व्यापार नीति की अग्रिम प्राधिकरण योजना के तहत आयात की जाती हैं। इंस्टेंट कॉफी उत्पादन में निवेश में वृद्धि के साथ, मूल्य वर्धित कॉफी के निर्यात, विशेष रूप से इंस्टेंट कॉफी, साल-दर-साल बढ़ रही है और देश में कॉफी निर्यात के समग्र विकास में योगदान दे रही है। इसके अलावा, किसी वित्तीय वर्ष में निर्यात किए गए कॉफ़ी का आम तौर पर लगभग तीन फसल वर्ष के उत्पादन में योगदान होता है। इस प्रकार अनुमानित निर्यात के 2019-20 तक बढ़ने की उम्मीद है।*

5. रबर बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
170	1. रबर निर्गम, उत्पादकता, वृद्धि, विस्तार गतिविधियों को बढ़ावा देने, आदि बढ़ाएँ	1.1. नई रोपण / पुनर्रोपण (हेक्टेयर)	520000	निर्गम संवर्धन और रबर की उत्पादकता	1.1 निर्गम में % वृद्धि और रबर की उत्पादकता	उत्पादन: 5.5% उत्पादकता: 2%
		1.2. जनजातीय पुनर्वास रोपण (हेक्टेयर) (मौजूदा इकाइयों का रखरखाव)	7600		1.2 पौधरोपण क्षेत्र में % वृद्धि	0.5%
		1.3. गुणवत्ता की रोपण सामग्री पीढ़ी (लाखसं।)	630		1.3 रबर के आयात में 1.3% की कमी	11%
		1.4. किसान शिक्षा कार्यक्रम (भाग लेने वालों की संख्या)	1400			
		1.5. पारपरागण (नं)	11500			
		1.6. संकर बीज का निर्गम (संख्या)	51000			
		1.7. नई क्लोन के नाभिक रोपण सामग्री की कलियों की आपूर्ति (नं)	2700			
		1.8. प्रशिक्षण (भाग लेने वालों की संख्या)	22000			
		1.9. श्रम कल्याण (लाभार्थियों की संख्या)	340000			

6. मसाला बोर्ड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
100	1. इलायची (छोटी और बड़ी) निर्गम, उत्पादकता, वृद्धि और विस्तार गतिविधियों, आदि को बढ़ावा देने के बढ़ाएँ	1.1. छोटी इलायची उपजकर्ता क्षेत्र में पुनर्रोपण की संख्या (हेक्टेयर)	600	1. निर्गम और छोटी और बड़ी इलायची के उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोत्तरी	1.1. छोटी इलायची की उत्पादन एवं उत्पादकता में प्रतिशत वृद्धि	उत्पादन में 30.95% की कमी और अगस्त 2018 के दौरान केरल और कर्नाटक में बाढ़/ प्राकृतिक आपदा के कारण 2018-19 में लक्ष्य से अधिक उत्पादकता में 26.75% की कमी हुई। (14500 मीट्रिक टन; 293 किग्रा/ हेक्टेयर) (6400 मीट्रिक टन; 308 कि.ग्रा./ हेक्टे.)
					1.2. बड़ी इलायची के उत्पादन और उत्पादकता में % वृद्धि	2018-19 के लक्ष्य की तुलना में उत्पादन 5% और उत्पादकता 7.69%

		1.2. पूर्वोत्तर में बड़ी इलायची उपजकर्ता क्षेत्र में पुनरोपण की संख्या (हेक्टेयर)	900	2. निर्यात अस्वीकृति में कमी	2.1 निर्यात अस्वीकृतियों की संख्या में % कमी*	2018-19 के लक्ष्य की तुलना में 2% (244 नं.) की कमी
		1.3. पूर्वोत्तर में बड़ी इलायची कुरिंग हौसेस की संख्या	120	3. निर्यात में वृद्धि	3.1 निर्यात को अस्वीकृतकरणों में की संख्या में % कमी	3. 2018-19 के लक्ष्य की तुलना में 3.70% (11,00,000 मीट्रिक टन)
		1.4. पूर्वोत्तर के किसान समूहों के लिए जैविक प्रमाणीकरण	10 नं.			
		1.5. छोटी और बड़ी इलायची (लाख में) रोपण सामग्री उत्पादन की संख्या	8.0 (छोटी) 30 (बड़ी)			
		1.6. स्थापित गृह प्रयोगशालाओं की संख्या	2 नं.			
		1.7. विश्लेषित नमूना मापदंडों की संख्या	51000			
		1.8. पूर्वोत्तर में निर्यात उन्मुख मसाला प्रसंस्करण इकाइयों की संख्या	2 नं.			
		1.9. क्रय-विक्रेता बैठक	8 नं.			

7. काजू निर्यात संवर्धन परिषद (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	***निर्गम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***	***परिणाम***	***संकेतक***	***लक्ष्य 2019-20***
1	1. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुमोदित गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करके प्रक्रिया मशीनीकरण / स्वचालन और गुणवत्ता में सुधार के लिए काजू प्रोसेसर निर्यातकों के लिए वित्तीय सहायता	सदस्य निर्यातकों की संख्या	6	1. प्रोसेसिंग यूनिट की प्रसंस्करण क्षमता का संवर्धन	1.1. काजू कर्नेल निर्गम में वृद्धि 1.2. काजू और संबद्ध उत्पादों के निर्यात में % वृद्धि	4545 मीट्रिक टन पिछले वर्ष की तुलना में 5% की वृद्धि

8. बाजार उपलब्धता पहल (एमएआई) (सीएस)

वित्तीय परिणाम (रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
300	1. प्रचार अभियान, व्यापार मेला, क्षमता निर्माण आदि के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन के लिए सहायता।	1.1 भारत में आयोजित प्रचार अभियान, व्यापार मेला की संख्या	35	1. मौजूदा बाजार में नए बाजार तक पहुंच बढ़ाने या हिस्सेदारी बढ़ाने का निर्यात	1.1 अनुमोदित गतिविधियों में भागीदारी	8500 भारतीय निर्यातकों (आईई) और 8500 विदेशी खरीदारों की भागीदारी
		1.2 विदेशों में आयोजित प्रचार अभियान व्यापार मेला की संख्या	180			विदेशों में आयोजित अनुमोदित आयोजनों में 10000 भारतीय निर्यातकों (आईई) की भागीदारी
		1.3 बाजार अध्ययन/ सर्वेक्षण की संख्या	05			

9. राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता (सीएस)

वित्तीय परिणाम (रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	*निर्गम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*	*परिणाम*	*संकेतक*	*लक्ष्य 2019-20*
300	1. परियोजनाओं और अन्य उच्च मूल्य निर्यातों के लिए ऋण जोखिम कवर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एनआईएए के कॉर्पस को बढ़ाना[8]	1.1 एनईआईए द्वारा समर्थित निर्यातकों की संख्या	**20** स्थापना के बाद से संचयी 60 निर्यातक।	1. क्रेडिट इंश्योरेंस का समर्थन उन प्रोजेक्ट सेक्टर एक्सपोर्ट्स को करना जो ईसीजीसी की अंडरराइटिंग क्षमता से परे हैं।	1.1 जारी किए गए कवर की अधिकतम देयता के संदर्भ में क्षमता में वृद्धि	6,000 करोड़
		1.2 एनईआईए द्वारा समर्थित परियोजनाओं की संख्या	**27** स्थापना के बाद से संचयी 155 निर्यातक।			
		1.3 एनईआईए द्वारा कवर देशों की संख्या	**10** स्थापना के बाद से संचयी 45 निर्यातक।			

[8] *वाणिज्य विभाग, भारत सरकार ने दिनांक 16/07/2018 के अपने पत्र द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए एनईआईए ट्रस्ट को 300.00 करोड़ रुपये मंजूर किए। इसके साथ ही भारत सरकार से एनईआईए ट्रस्ट का कुल योगदान 2791.00 करोड़ रुपये होगा।*

10. रत्न और आभूषण क्षेत्र (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
5	1. रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए आम सुविधा केंद्र (सीएफसी) की स्थापना प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और मौजूदा कारीगरों की पुन: स्किलिंग करना ।	1.1. स्थापित सीएफसी की संख्या	**1**	1. रत्न और आभूषण क्षेत्र के एसएमई का तैयार माल की गुणवत्ता में उत्पादकता और सुधार में वृद्धि	1.1 सीएफसी द्वारा पेशकश की गई सेवाओं की उपयोगिता	**50** मौजूदा सीएफसी के साथ **25** नए सीएफसी के साथ
		1.2. सीएफसी में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित कारीगरों की संख्या	**12**			

11. व्यापार निर्यात अवसंरचना स्कीम (टीआईईएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
50	1. नए व्यापार ढांचे की स्थापना और व्यापार बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता	1.1 नए व्यापार ढांचे की स्थापना के लिए सहायता प्राप्त यूनिटों की संख्या	*	1. निर्यात व्यापार की वृद्धि के लिए आधारभूत संरचना का निर्माण	1.1 स्वीकृत परियोजनाओं के पूरा होने का प्रतिशत	*
		1.2 व्यापार अवसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए सहायता प्राप्त इकाइयों की संख्या				

लक्ष्य इस संकेतक के लिए जवाबदेह नहीं है।

12. परियोजना विकास निधि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10	1. परियोजनाओं की पहचान करने के लिए विशेष प्रयोजन साधन (एसपीवी) की पनास्था	1.1 (i) कंबोडिया, म्यांमार और विएतनाम में वित्त वर्ष 2017-18 में स्थापित किये जाने के लिए अभिज्ञात 4 परियोजनाओं हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को अंतिम रूप देना (ii) वित्त वर्ष 2019-20 के लिए पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन हेतु परियोजनाओं की पहचान करना ।	*	1. वित्त वर्ष 2019-20 के लिए किये गये पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन हेतु डीपीआर तैयार करना एवं उसे अंतिम रूप देना	1.1 (i) आईएमसी द्वारा डीपीआर का अनुमोदन (ii) वित्तीय वर्ष 2019-20 में डीपीआर तैयार करने के लिए अभिज्ञात परियोजनाओं हेतु आईएमसी अनुमोदन	*

13. परिवहन एवं संभार सम्बंधी चैम्पियन सेवा क्षेत्र स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019 -20			परिणाम 2019 -20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019 -20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019 -20
5	1. प्रबंधित सेवा प्रदाता के जरिये समेकित संभार तंत्र नियोजन एवं निष्पादन निगरानी तंत्र का विकास	1.1 संपूर्ण प्रबंधित सेवा प्रदाता के जरिये समेकित संभार तंत्र नियोजन एवं निष्पादन निगरानी तंत्र का विकास	*	1. (क) संभार तंत्र प्रभावशीलता एवं इनके सुसंगत व्यवसाय मामले को बढ़ाने के लिए अपेक्षित अवसंरचना की प्रकृति, आकार, स्थान का निर्धारण करके अवसंरचना नियोजन को सहायता प्रदान करना	1.1 ऐसे नियोजन प्रक्रिया की संख्या 1.2 एकीकृत राष्ट्रीय रसद कार्य योजना के भाग के रूप में पहचाने गए ट्रैकिंग कार्यकलाप	**

** संकेतक मांग आधारित है*

*** इस सूचक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

14. विश्व व्यापार संगठन के अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (सीआरआईटी) केंद्र (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू. करोड़ में)	निर्गम 2019 -20			परिणाम 2019 -20		
2019 -20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019 -20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019 -20
12	1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर चर्चा और वार्ता में भाग लेने के लिए घरेलू तैयारी को बढ़ाना	1.1 हितधारक परामर्श की संख्या	3	1. भारत की बढ़ी हुई क्षमता अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में चर्चा और वार्ता में भाग लेती है	1.1 वाणिज्य विभाग द्वारा उपयोग किए गए सीआरआईटी से बैठकों और अनुसंधान के माध्यम से प्रदान किए गए इनपुट	1 विश्व व्यापार संगठन के विवाद 4 डब्ल्यूटीओ प्रस्तुतियाँ 4 एफटीए वार्ता में प्रस्तुतियाँ
		1.2 नोट्स की संख्या और डीओसी की सलाह	5			
		1.3 शोध पत्रों और प्रकाशनों की संख्या	4			

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

2. इंडियन फुटवेयर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गत 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गत	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20	निर्गत	संकेतक (कों)	लक्ष्य 2019-20
458	1. चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र में आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए सहायता प्रदान करना	1.1. फुटवेयर, चमड़ा और सहायक उपकरण क्षेत्र में संयंत्र और मशीनरी के लिए आईडीएलएस सब्सिडी के साथ आधुनिकीकृत इकाईयों की संख्या	150	1. चमड़ा क्षेत्र हेतु अवसंरचना निर्माण करने के लिए अतिरिक्त निवेश, रोजगार सृजन और उत्पादन/निर्यात में वृद्धि की सुविधा प्रदान करता है।	1.1. कौशल विकास प्रशिक्षण देने के बाद रखे गए बेरोजगार युवाओं की संख्या	कुल प्रशिक्षित व्यक्तियों का 75%
	2. मेगा लेदर फुटवियर और सहायक क्लस्टर (एमएलएफएसी) की स्थापना में सहायता	2.1 संस्थापना के लिए अनुमोदित मेगा लेदर, फुटवेयर और सहायक क्लस्टरों की संख्या (एमएलएफएसी)	3		1.2. चमड़ा उत्पादन/निर्यात में % वृद्धि	*
	3. मेगा लेदर फुटवियर और सहायक क्लस्टर (एमएलएफएसी) की स्थापना में सहायता	3.1 सीओई में उन्नत एफडीडीआई के परिसरों की संख्या	7			

	4. एफडीडीआई के मौजूदा परिसरों के उत्कृष्टता केंद्रों में उन्नयन के लिए सहायता (सीओई)		*			
	5. रोजगार प्रदान करने के लिए नए बेरोजगार व्यक्तियों को कौशल विकास प्रशिक्षण से जोड़ा गया और कम से कम 75% ऐसे प्रशिक्षुओं को चमड़ा, फुटवेयर और सहायक क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना।	5.1 फुटवेयर और चमड़ा क्षेत्रों में कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान किए गए बेरोजगार युवाओं की संख्या	1,70,000			
	6. भारतीय विनिर्माताओं को ब्रांडिंग सहायता	6.1 सहायता प्रदान की गई मदों की संख्या	1			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

2. औद्योगिक अवसंरचना उन्नयन योजना (आईआईयूएस)

	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गत**	**संकेतक (कों)**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गत**	**संकेतक (कों)**	**लक्ष्य 2019-20**
100	1. औद्योगिक अवसंरचना के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता	1.1 औद्योगिक अवसंरचना के उन्नयन के लिए समर्थित नई इकाइयों की संख्या।	*	1. गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना प्रदान करके घरेलू उद्योग की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना।	1.1 प्रचालनरत औद्योगिक इकाइयों की संख्या	19 (चालू होने वाली परियोजनाओं की संख्या)
		1.2 चल रही परियोजनाओं का समर्थन नहीं किया।	19		1.2 रोजगार में वार्षिक % वृद्धि	माप के विकास के साधन; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी

** अनुमोदन के लिए किसी नई परियोजना पर विचार नहीं किया जा रहा है क्योंकि एमआईआईयूएस योजना 31.03.2017 को समाप्त हो गई है।*

3. मूल्य और उत्पादन आंकड़े

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	निर्गत 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गत	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
7.33	1. संगठित क्षेत्र फैक्टरी से मासिक थोक मूल्य एकत्र करना	1.1 प्रतिक्रिया दर	>70%	1. नियमित रूप से थोक मूल्य सूचकांक जारी करना	1. प्रत्येक माह की 14 तारीख को डब्ल्यूपीआई का मासिक प्रकाशन (यदि 14 तारीख को छुट्टी है तो अगले कार्यदिवस को)	12 (मासिक रिलीज)
	2. एनआईसीएसआई को ऑनलाइन वेब पोर्टल के रखरखाव और उसे अद्यतन करने का कार्य सौंपना	2.1 एनआईसीएस से कर्मचारियों की नियुक्ति	माप के विकास के साधन; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी	2. प्रायोगिक उत्पादक मूल्य सूचकांक समेकित करना		*
				3. आंकड़ों के वैधीकरण, सूचकांक समेकित करने और रुझानों के विश्लेषण के लिए वेब पोर्टल और मूल्य निगरानी को प्रचालनरत बनाना।		*

** इस संकेतक के लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

4. निवेश संवर्धन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	**निर्गत 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20 232.02	**निर्गत** संयुक्त बैठक का आयोजन, निवेश को बढ़ावा देने के लिए व्यवसाय संवर्धन कार्यक्रम गतिविधियों का आयोजन।	**संकेतक** संयुक्त आयोग की बैठकों की संख्या	**लक्ष्य 2019-20** जेसीएम- 3 सीईओ फोरम -4 (आईसी-।।)	**परिणाम** भारत में निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना।	**संकेतक** निवेश की इच्छा और वास्तविक निवेश दोनों के संदर्भ में पिछले वर्ष की तुलना में भारत में निवेश में % वृद्धि।	**लक्ष्य 2019-20** **
		भारत में आयोजित व्यापार संवर्धन कार्यक्रमों की संख्या भारत के बाहर आयोजित व्यापार संवर्धन कार्यक्रमों की संख्या	गोलमेज बैठकों की संख्या:-30 रोड शो:- 20 *			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

*** संकेतक मांग आधारित है।*

5. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ई-बिज परियोजना)*

* ई-बिज पोर्टल को 9 नवंबर, 2018 से बंद कर दिया गया है। बकाया भुगतान करने के लिए इस शीर्ष के तहत प्रावधान बनाए गए हैं। वर्ष 2019-20 के लिए बजट अनुमान का विवरण प्रस्तुत करते समय डीपीआईआईटी के बजट अनुभाग को पहले ही विस्तृत स्पष्टीकरण दिया जा चुका है।

6. क्रेडिट गारंटी फंड*

* स्टार्टअप के लिए क्रेडिट गारंटी फंड योजना संबंधी कैबिनेट नोट वापस ले लिया गया है और विभाग सिडबी के सुझावों को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट नोट का फिर से ड्राफ्ट तैयार कर रहा है।

7. स्टार्ट-अप इंडिया (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में) 2019-20	निर्गत 2019-20 निर्गत	परिणाम 2019-20 संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
25	1. स्टार्ट–अप को सहायता प्रदान करना	1.1 उन इकाइयों की संख्या जिनकी सहायता की गई तथा स्टार्ट-अप्स को दी गई सहायता	500	1. स्टार्ट-अप्स को नवप्रयोग और डिजाइन के जरिए आगे बढ़ने हेतु सशक्त बनाना तथा स्टार्ट-अप कार्यकलाप के प्रसार को प्रेरित करना	1.1 स्टार्ट-अप अनुदान प्राप्त करने के % में बढ़ोतरी	*
	2. स्टार्ट-अप्स, निवेशकों, इन्क्यूबेटर्स, उत्प्रेरकों, सरकारी निकायों, परामर्शदाताओं और उद्यमशीलता के इच्छुक प्रयोक्ताओं के लिए सिंगल विंडो प्लेटफार्म - स्टार्ट-अप इंडिया हब तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाना	स्टार्ट-अप्स के लिए सिंगल विंडो प्लेटफार्म तक पहुंच प्राप्त करने वाले प्रयोक्ताओं की संख्या	500000		1.2 ई-मेल, टेलीफोन और ट्विटर के जरिए शंकाओं के समाधान में % बढ़ोतरी	पिछले वर्ष के दौरान 5% बढ़ोतरी
	3. डीआईपीपी सेवा स्तरीय करार (एसएलए) के रूप में ई-मेल, टेलीफोन और ट्विटर के जरिए त्वरित तथा समय पर समाधान किया जाना	3.1 उन शंकाओं की संख्या जिनका समाधान किया गया	40000			

** *संकेतक मांग आधारित है।*

8. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (सीएस)

वर्ष 2019-20 में वित्तीय परिव्यय, करोड़ रुपए में	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1.4	1. व्यावसायिक सुधारों की श्रृंखला के कार्यान्वयन के जरिए विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रिपोर्ट, 2020 में भारत की रैंकिंग में सुधार करना।	1.1 विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट, 2020 में भारत की रैंकिंग।	माप के विकास के साधन; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी	1. समग्र व्यावसायिक विनियामक माहौल में सुधार जिससे भारत में व्यवसाय करना आसान हो सके।	1.1 विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट, 2020 में भारत की रैंकिंग।	इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।
	2. डीपीआईआईटी की व्यवसाय सुधार कार्य योजना (बीआरएपी), 2019 और जिला-स्तरीय सुधार योजना के जरिए देश में व्यावसायिक सुधारों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों के साथ समन्वय	2.1 राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों द्वारा बीआरएपी, 2019 के तहत किए गए सुधारों की संख्या।	माप के विकास के साधन; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी		1.2 राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों द्वारा बीआरएपी, 2019 के तहत किए गए सुधारों की संख्या।	इस संकेतक के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि यह एक मांग आधारित स्कीम है।

9. जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए विशेष श्रेणी पैकेज

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
133	1. जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की पात्र इकाइयों को राजसहायता का वितरण।	1.1 पूंजीगत निवेश राजसहायता के अंतर्गत सहायता प्राप्त इकाईयों की संख्या	*	1. हिमालयी राज्यों में औद्योगिक संवर्धन (जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड)	1.1 हिमालयी राज्यों में औद्योगिक इकाई की स्थापना में % की वृद्धि	*
		1.2 केन्द्रीय ब्याज राजसहायता और उनकी अतिरिक्त क्षमता के तहत सहायता प्राप्त औद्योगिक इकाईयों की संख्या	*		1.2 हिमालयी राज्यों में औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत व्यक्तियों की संख्या	*
		1.3 औद्योगिक इकाईयों और बीमा कवर करने वाली मशीनरी	माप के विकास के साधन; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

डाक विभाग

1. इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (केन्द्रीय क्षेत्र)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
335	1. इक्विटी निवेश (केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण)	1.1 सेवा केन्द्र खोलना (बिक्री केन्द्र) वित्तपोषित बचत खाते खोलना चालू खाते; डाकघर बचत खातों (पीओएसए) को आईपीपीबी खाते के साथ जोड़ना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और द्वार पर बैंकिंग सुविधाएं	सेवा केन्द्र खोलना (बिक्री केन्द्र)-0 वित्तपोषित बचत खाते खोलना-4 करोड़ चालू खाते-10 लाख डाकघर बचत खातों (पीओएसए) को आईपीपीबी खाते के साथ जोड़ना-1.1 करोड़ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण-0.5 करोड़ द्वार पर बैंकिंग सुविधाएं-2.3 लाख एजेंट	1. बैंक सुविधा से वंचित और कम बैंक सुविधा वाली आबादी का वित्तीय समावेशन, दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय तंत्र की स्थापना और नकदी पर कम आधारित अर्थव्यवस्था डाकघर बचत खाता धारकों को विविध सुविधाएं प्रदान करना मौजूदा डीबीटी लाभार्थियों को वहनीय सेवाएं प्रदान करना, पोस्टमैन और जीडीएस के माध्यम से द्वार पर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना जोकि इसकी विशेषता है। इससे दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, घरेलू महिला तथा प्रवासी श्रमिक अत्यधिक लाभान्वित होंगे।	1.1 सेवा केन्द्र खोलना (बिक्री केन्द्र) वित्तपोषित बचत खाते खोलना चालू खाते; डाकघर बचत खातों (पीओएसए) को आईपीपीबी खाते के साथ जोड़ना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और द्वार पर बैंकिंग सुविधाएं	सेवा केन्द्र खोलना (बिक्री केन्द्र)-0 वित्तपोषित बचत खाते खोलना-4 करोड़ चालू खाते-10 लाख डाकघर बचत खातों (पीओएसए) को आईपीपीबी खाते के साथ जोड़ना-1.1 करोड़ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण-0.5 करोड़ द्वार पर बैंकिंग सुविधाएं - 2.3 लाख एजेंट

2. मानव संसाधन प्रबंधन (केंद्रीय क्षेत्र)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
34.46	1. प्रशिक्षण केन्द्रों/ कार्यस्थलीय प्रशिक्षण केन्द्रों (डब्ल्यूटीसी) में प्रशिक्षण संबंधी सुविधाओं का उन्नयन एवं विस्तार/ नए क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना।	1.1 कार्य अध्ययन प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का मूल्यांकन (टीएनए) मानक प्रशिक्षण पैकेज का पुनरीक्षण (एसटीपी)	अन्य व्यावसायिक संस्थानों में 15 अधिकारियों का प्रशिक्षण। 100 डब्ल्यूटीसी का उन्नयन। 45000 कार्मिकों का प्रशिक्षण। डाक प्रशिक्षण केन्द्रों में 4 नए भवनों का निर्माण।	1. बेहतर कंप्यूटीकृत डाक प्रशिक्षण केन्द्र (पीटीसी)	1.1 सभी स्तर के कर्मचारियों की कार्यकुशलता क्षमता में वृद्धि।	अन्य व्यावसायिक संस्थानों में 15 अधिकारियों का प्रशिक्षण। 100 डब्ल्यूटीसी का उन्नयन 45000 कार्मिकों का प्रशिक्षण डाक प्रशिक्षण केन्द्रों में नए भवनों का निर्माण।

3. संपदा प्रबंधन (केंद्रीय क्षेत्र)

वित्तीय परिव्यय (रुपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
62.7	1. छोटे डाकघरों का निर्माण/डाक भवनों/ प्रशासनिक कार्यालयों का पुनरूद्धार/भूमि/ कार्यालय स्थलों की	1.1 ग्राहकों की संतुष्टि में वृद्धि, कर्मचारी संबंधों में सुधार तथा डाक प्रचालन को बेहतर बनाना	19 नए डाकघरों का निर्माण। (वित्त 39.3 करोड़ रूपए) 50 - डाक भवनों का पुनरूद्धार (वित्त 19.9 करोड़ रूपए) 55-डाक भवनों पर सोलर पैनल की संस्थापना	1. कार्य स्थल को बढ़ाना, डाक भवनों को और अधिक आकर्षक बनाना।	1.1 ग्राहकों की संतुष्टि में वृद्धि, कर्मचारी संबंधों में सुधार तथा डाक प्रचालन को बेहतर बनाना	19 नए डाकघरों का निर्माण। 50 - डाक भवनों का पुनरूद्धार 55-डाक भवनों पर सोलर पैनल की संस्थापना भूमि एवं कार्यालय स्थल की खरीद

	खरीद/ तथा महिलाओं से संबंधित मुद्दों/ प्रौद्योगिकी समावेशन एवं कन्सल्टेंसी		भूमि एवं कार्यालय स्थलों की खरीद (वित्त 2 करोड़ रूपए) महिलाओं से संबंधित मुद्दे - 20 विश्राम कक्ष एवं प्रसाधन कक्ष (वित्त 0.4 करोड़ रूपए) प्रौद्योगिकी समावेशन तथा वास्तुशिल्प के लिए सॉफ्टवेयर - 3 50 व्यक्तियों को संपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण (वित्त 1.5 करोड़ रूपए)			महिलाओं से संबंधित मुद्दे - 20 विश्राम कक्ष एवं प्रसाधन कक्ष प्रौद्योगिकी समावेशन तथा वास्तुशिल्प के लिए सॉफ्टवेयर-3 50 व्यक्तियों को संपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण

दूरसंचार विभाग

1. मानक संसाधन प्रबंधन स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
28.73	1. आईटीएस अधिकारियों का मध्य करियर प्रशिक्षण	1.1 आयोजित किए गए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	27	1. सभी स्तरों पर आईटीएस अधिकारियों की क्षमता में सुधार	1.1 प्रशिक्षित किए गए सेवारत आईटीएस अधिकारियों की संख्या	675
	2. आईटीएस तथा अन्य सरकारी/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा अन्य हितधारकों का प्रशिक्षण	2.1 आयोजित की गई संगोष्ठियों तथा प्रशिक्षणों की संख्या	36	2. सभी स्तरों पर सरकारी अधिकारियों की क्षमता में सुधार	2.1 प्रशिक्षित किए गए अधिकारियों की संख्या	600
	3. अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण	3.1 भारत तथा विदेश में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए आयोजित की गई प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	15	3. विदेशी प्रतिभागियों के क्षमता निर्माण के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय द्वीपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करना	3.1 प्रशिक्षित किए गए विदेशी प्रतिभागियों की संख्या	300
	4. यूपीएससी के माध्यम से भर्ती किए गए आईटीएस समूह "क" के अधिकारियों और जेटीओ का प्रवेश प्रशिक्षण	4.1 आयोजित किए गए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	6	4. भावी उत्तरदायित्वों को निभाने के लिए परिवीक्षाधीन अधिकारियों का आधार और क्षमता निर्माण	4.1 परिवीक्षाधीन अधिकारियों की संख्या	105
	5. प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (विभागीय विषय वस्तु विशेषज्ञ का क्षमता निर्माण)	5.1 भारत और विदेश में आयोजित ऐसे पाठ्यक्रमों की संख्या जिनमें विषय-वस्तु विशेषज्ञों ने भाग लिया	42	5. प्रशिक्षकों की प्रवीणता में सुधार	5.1 प्रशिक्षित किए गए अधिकारियों की संख्या	42

	6. समकालीन विषयों पर नीति अनुसंधान	6.1 प्रकाशित किए गए अनुसंधान/श्वेत पत्रों की संख्या	12	6. दूरसंचार विभाग के लिए नीति निर्गम	6.1 प्रकाशित किए गए अनुसंधान/श्वेत पत्रों की संख्या	12
	7. दीर्घावधि प्रशिक्षणों(डीओपीटी/ नॉन डीओपीटी) के लिए आईटीएस अधिकारियों की तैनाती	7.1 पाठ्यक्रमों की संख्या जिनके लिए आधिकारियों की तैनाती की गई	15	7. सभी स्तरों के आईटीएस अधिकारियों का कौशल उन्नयन	7.1 प्रशिक्षित किए गए अधिकारियों की संख्या	75
	8. अल्पावधि प्रशिक्षणों (स्वदेशी/विदेशी) के लिए आईटीएस अधिकारियों की तैनाती	8.1 पाठ्यक्रमों की संख्या जिनके लिए भारत तथा विदेश में अधिकारियों की तैनाती की गई	30	8. सभी स्तरों के आईटीएस अधिकारियों का कौशल उन्नयन	8.1 प्रशिक्षित किए गए अधिकारियों की संख्या	150
	ख) मानव संसाधन प्रबंधन - राष्ट्रीय संचार वित्त संस्थान					
	1. आईपी एंड टीए एंड एफएस के अधिकारियों और अन्य हितधारकों का प्रशिक्षण	1.1 आईपी एंड टीए एंड एफएस के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के तीन बैचों यानि 2017, 2018 तथा 2019 बैचों का प्रवेश/ परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण	तीन बैचों (2017-2018, 2019) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए प्रबोधन, प्रशासन, दूरसंचार, डाक, व्यावसायिक, अग्रिम एक्सेल टूल्स आदि जैसे दस विभिन्न प्रशिक्षण मॉडयूल	1. नए अधिकारियों का कौशल निखारना तथा उन्हें सौंपे गए कार्य को पूरा करने तथा संगठन और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए तैयार करना	1.1 सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से आईपी एंड टीएएफएस के नए भर्ती किए गए लगभग 58 अधिकारियों को प्रशिक्षण देना	सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से चयनित 2017, 2018 और 2019 बैच के 58 आईपी एंड टीए एंड एफएस प्रशिक्षु अधिकारियों को 3586 कार्य दिवसों का प्रवेश/ परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण
		1.2 दूरसंचार विभाग और डाक विभाग में तैनात	स्पेक्ट्रम नीलामी, पीएफएमएस 5जी,	2. अधिकारियों के कौशल में सुधार करना तथा उन्हें	2.1 दूरसंचार विभाग और डाक विभाग	स्पेक्ट्रम नीलामी,

		आईपी एंड टीए एंड एफएस संवर्ग के सेवारत अधिकारियों को विभिन्न विषयों पर कौशल उन्नयन प्रशिक्षण/कार्यशाला/ संगोष्ठी	यूएसओएफ, जीएसटी तथा ई-फाइलिंग, सरकारी ई-बाजार, एडवांस्ड एक्सेल/ऑफिस ऑटोमेशन, सीपीएमएस/ संपन्न पेंशन पैकेज, एनपीएस, सतर्कता, दूरसंचार में लाइसेंसिंग, आरटीआई आदि जैसे विभिन्न विषयों पर 15 कार्यशाला/ संगोष्ठी प्रशिक्षण	नई उभरती प्रौद्योगिकियों, दूरसंचार विभाग तथा डाक विभाग तथा भारत सरकार में विकसित किए गए नए आईटी टूल्स से अवगत कराना	के लगभग 500 अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण/कार्यशाला	पीएफएमएस, 5जी, यूएसओएफ, जीएसटी तथा ई-फाइलिंग, एडवांस्ड एक्सेल/ ऑफिस ऑटोमेशन, सीपीएमएस/संपन्न पेंशन पैकेज, एनपीएस, सतर्कता, दूरसंचार में लाइसेंसिंग,आरटीआई आदि जैसे विभिन्न विषयों पर दूरसंचार विभाग और डाक विभाग के सेवारत अधिकारियों के लिए 775 कार्य-दिवसों का प्रशिक्षण/कार्यशाला
		1.3 राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति, 2012 और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार दूरसंचार विभाग, डाक विभाग में तैनात क्रमश: 2012-2013 1994-95 तथा 1992-1993 बैचों के आईपी एंड टीए एंड	3. आईपी एंड टीएएफएस संवर्ग के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 3 मध्य-करियर प्रशिक्षण एमसीटी-I, एमसीटी-II तथा एमसीटी-III	3. कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार आईपी एंड टीए एंड एफएस अधिकारियों को उच्चतर कार्य करने के लिए तैयार करने तथा भारत तथा विदेश में प्रचलन में आने वाली नई प्रौद्योगिकियों, प्रक्रियाओं	3.1 निदेशक और अपर सचिव स्तर के समान उच्च पदों पर कार्य करने वाले आईपी एंड टीएएफएस के 100 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाना है	336 कार्यदिवसों के विदेशी प्रशिक्षण घटक सहित आईपी एंड टीए एंड एफएस के 100 वरिष्ठ अधिकारियों का 2611 कार्य-दिवस वाला मध्य

		एफएस अधिकारियों तथा इन विभागों में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे अधिकारियों के लिए तीन चरणों यानि एमसीटी-I, II तथा III में मध्य-करियर प्रशिक्षण		तथा घटनाक्रमों के बारे में उनकी जागरूकता को सुनिश्चित करने के लिए आईपी एंड टीए एंड एफएस अधिकारियों का कौशल उन्नयन		करियर प्रशिक्षण
		1.4 नव पदोन्नत एएओ समूह 'ख' के राजपत्रित अधिकारियों तथा वरिष्ठ एओ समूह 'ख' (जिन्हें एसीएओ में पदोन्नत किया जाना है) जेटीएस समूह 'क' संवर्ग का प्रवेश प्रशिक्षण	एएओ के लिए 8 सप्ताह की अवधि का 4 बैचों का प्रवेश प्रशिक्षण तथा वरिष्ठ एओ के लिए 2 सप्ताह का 1 बैच का प्रवेश प्रशिक्षण	4. भर्ती नियम के अनुसार अनिवार्य प्रवेश प्रशिक्षण के बाद वे अधिकारी जो राजपत्रित रैंक पर कार्य करेगें वे उच्चतर दायित्वों का निर्वाह करने के लिए तैयार होंगे	4.1 पी एंड टी लेखा तथा वित्त सेवा समूह 'ख' संवर्ग के 190 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाना है	नव पदोन्नत एएओ समूह 'ख' के 162 राजपत्रित अधिकारियों को 8100 कार्यदिवसों का प्रशिक्षण
		1.5 स्वास्थ्य के लिए कृत्रिम बुद्धि पर डब्ल्यूएचओ की सहभागिता से आईटीयू के तहत 40 आईटीयू सदस्य राष्ट्रों के दूरसंचार विनियामक के अधिकारियों, नीति निर्माताओं तथा आईटी और स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित अन्य प्रतिभागियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण/फोकस समूह बैठक	डब्ल्यूएचओ की सहभागिता से आईटीयू के तहत स्वास्थ्य के लिए कृत्रिम बुद्धि पर कम से कम एक फोकस समूह बैठक	5. अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के तहत अंतरराष्ट्रीय बैठकों में एक्सपोजर प्रदान किया जाएगा तथा उन्हें इस बात का भी एक्सपोजर प्रदान किया जाएगा कि किस प्रकार से दूरसंचार कृत्रिम बुद्धि के सहयोग से स्वास्थ्य सेवा जैसी आवश्यक सेवाओं का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।	5.1 आईटीयू तथा डब्ल्यूएचओ के सदस्य राष्ट्रों के प्रतिभागियों के साथ बैठक	स्वास्थ्य के लिए कृत्रिम बुद्धि में कार्य करने वाले विभिन्न विभागों यानि आईटी, स्वास्थ्य, दूरसंचार तथा उद्योग के लगभग 30 कर्मचारियों तथा लगभग 40-50 विदेशी कर्मचारियों के लिए 180 कार्यदिवसों की बैठक/कार्यशाला

	2. राष्ट्रीय संचार वित्त संस्थान की भौतिक अवसंरचना की स्थापना	1.6 एनआईसीएफ भवन परिसर के पूरे होने/ निर्माण का प्रतिशत	निर्माण के 100% लक्ष्य की तुलना में से केवल 80% निर्माण पूरा हो पाएगा क्योंकि वृक्षों का प्रत्यारोपण करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के वन विभाग से अनिवार्य अनुमति अभी प्राप्त नहीं हुई है और 100% निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए उक्त अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य रूप से अपेक्षित है।	1. दूरसंचार विषयों पर प्रशिक्षण के लिए उत्कृष्टता केन्द्र बनाना (वर्ष 2020-21 के बाद से) 2. आधारभूत पाठ्यक्रम प्रशिक्षण आयोजित करना (वर्ष 2021-22 के बाद से) 3. मानव संसाधन विकास और वृद्धि के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करना (वर्ष 2020-21 के बाद से) 4. अंतरराष्ट्रीय बैठक/ संगोष्ठी कार्यशाला का आयोजन करना(वर्ष 2020-21 के बाद से)		

3. बेतार अनुश्रवण संगठन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू.)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
13.1	1. वाहन आरोहित वी/यूएचएफ 6 टर्मिनलों का प्रापण संबद्ध डब्ल्यूएमएस में किया जाएगा। .	1.1 बोली दस्तावेज का अनुमोदन, बोली दस्तावेज को सीपीपी पोर्टल पर प्रकाशित करना, बोलियों का मूल्यांकन और निविदा/कार्य को सौंपना (i) ठेकेदार से तकनीकी अवसंरचना की प्राप्ति। (ii) वाहनों का प्रतिग्रहण, परीक्षण और उन्हें चालू करना। (iii) प्रापण किए गए मोबाइल अनुश्रवण वाहनों एवं उपस्करों की कुल संख्या	**क्यू.1:** बोली दस्तावेज का मसौदा तैयार करना और सक्षम प्राधिकारी से बोली दस्तावेज का अनुमोदन। **क्यू.2:** सक्षम प्राधिकारी से बोली दस्तावेज का अनुमोदन, बोली दस्तावेज को सीपीपी पोर्टल पर प्रकाशित करना, बोलियों का मूल्याकंन करना और निविदा का कार्य सौंपना। **क्यू.3:** ठेकेदार से तकनीकी अवसंरचना की प्राप्ति। **क्यू.4:** प्रथम वी/यूएचएफ वाहन का निर्माण (फ्रैब्रिकेशन), प्रतिग्रहण, परीक्षण और उसे चालू करना।	(i) वी/यूएचएफ बैंड में मोबाइल अनुश्रवण का कार्य भुवनेश्वर, देहरादून, लखनऊ, पटना, रायपुर और विजयवाड़ा स्थित संबंधित डब्ल्यूएमएस स्थानों पर किया जाएगा। (ii) एसएचएफ बैंड में मोबाइल अनुश्रवण का कार्य दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता और नागपुर के संबंधित आईएमएस द्वारा किया जाएगा।	(i) वी/यूएचएफ बैंड में स्पेक्ट्रम बैंडविड्थ की धारिता/रिक्ति आवंटन की संख्या और फ्रीक्वेंसी अंतरावरोधन का कार्य 6 डब्ल्यूएमएस के संबद्ध स्थानों पर डब्ल्यूएमओ द्वारा किया जाएगा।	60
	2. 5 एसएचएफ टर्मिनलों का प्रापण दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता और नागपुर के पांच आईएमएस में	2.1 बोली दस्तावेज का अनुमोदन, बोली दस्तावेज को सीपीपी पोर्टल पर प्रकाशित करना, बोलियों का	**क्यू.1:** बोली दस्तावेज का मसौदा तैयार करना और सक्षम प्राधिकारी से बोली दस्तावेज का अनुमोदन। **क्यू.2:** सक्षम प्राधिकारी से		(ii) एसएचएफ बैंड में स्पेक्ट्रम बैंडविड्थ की धारिता/रिक्ति आवंटन की संख्या और फ्रीक्वेंसी अंतरावरोधन का कार्य संबद्ध स्थानों पर डब्ल्यूएमओ द्वारा	60

	किया जाएगा।	मूल्यांकन और निविदा/कार्य को सौंपना (i) ठेकेदार से तकनीकी अवसंरचना की प्राप्ति। (ii) वाहनों का प्रतिग्रहण, परीक्षण और उन्हें चालू करना। (iii) प्रापण किए गए मोबाइल अनुश्रवण वाहनों एवं उपस्करों की कुल संख्या	बोली दस्तावेज का अनुमोदन, बोली दस्तावेज को सीपीपी पोर्टल पर प्रकाशित करना, बोलियों का मूल्याकंन करना और निविदा का कार्य सौंपना। **क्यू.3:** ठेकेदार से तकनीकी अवसंरचना की प्राप्ति। **क्यू.4:** प्रथम वी/यूएचएफ वाहन का निर्माण (फ्रैब्रिकेशन), प्रतिग्रहण, परीक्षण और उसे चालू करना। 1 (उपस्कर का प्रापण किया गया)		किया गया।	

4. दूरसंचार इंजीनियरी केन्द्र (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू.)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
20.11	1. सुरक्षा प्रयोगशाला की स्थापना	1.1 प्रयोगशाला को चालू करना	100 %	1. परीक्षण (टेस्ट) प्रक्रिया की तैयारी	1.1 परीक्षित नेटवर्क घटक (एनई) की किस्म की संख्या	4
	2. जनशक्ति का प्रशिक्षण और उन्हें कौशल प्रदान करना।	2.1 क्षमता निर्माण के लिए दिए गए प्रशिक्षण के मानक दिवसों की संख्या	100 %	2. दूरसंचार उत्पादों के परीक्षण का आरंभ	2.1 एनई परीक्षण के लिए जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	4
					2.2 प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों	10

					की संख्या	
	3. नियंत्रण प्रयोगशाला की स्थापना	3.1 प्रयोगशाला को चालू करना	*	3. दूरसंचार उत्पादों के परीक्षण का आरंभ	3.1 परीक्षित नेटवर्क घटक (एनई) की किस्म की संख्या	12
	4. जनशक्ति का प्रशिक्षण और उन्हें कौशल प्रदान करना।	4.1 क्षमता निर्माण के लिए दिए गए प्रशिक्षण के मानव दिवसों की संख्या	100 %		3.2 एनई परीक्षण के लिए जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	10
					3.3 प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की संख्या	10
	5. एक्सेस प्रयोगशाला की स्थापना	5.1 प्रयोगशाला को चालू करना	*	4. दूरसंचार उत्पादों के परीक्षण का आरंभ	5.1 परीक्षित नेटवर्क घटक (एनई) की किस्म की संख्या	शून्य
					5.2 एनई परीक्षण के लिए जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	
					5.3 प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की संख्या	
	6. जनशक्ति का प्रशिक्षण और उन्हें कौशल प्रदान करना।	6.1 क्षमता निर्माण के लिए दिए गए प्रशिक्षण के मानव दिवसों की संख्या	100 %	5. दूरसंचार उत्पादों के परीक्षण का आरंभ	5.1 एनई परीक्षण के जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	4
	7. जीपी प्रयोगशाला की स्थापना	7.1 प्रयोगशाला को चालू करना	100 %			
	8. जनशक्ति का प्रशिक्षण और उन्हें कौशल प्रदान करना।	8.1 क्षमता निर्माण के लिए दिए गए प्रशिक्षण के मानव दिवसों की संख्या	100 %		5.2 एनई परीक्षण के जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	4
					5.3 प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की संख्या	5
	9. सीपीई प्रयोगशाला की स्थापना	9.1 प्रयोगशाला को चालू करना	*	6. दूरसंचार उत्पादों के परीक्षण का आरंभ	6.1 एनई परीक्षण के लिए जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	*

	10. जनशक्ति का प्रशिक्षण और उन्हें कौशल प्रदान करना।	10.1 क्षमता निर्माण के लिए दिए गए प्रशिक्षण के मानव दिनों की संख्या	**		6.2 एनई परीक्षण के लिए जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या 6.3 प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की संख्या	* *
	11. आरटीईसी नई दिल्ली, मुम्बई और बंगलूरू में क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना	11.1 प्रयोगशाला को चालू करना	*	7. दूरसंचार उत्पादों के परीक्षण का आरंभ	7.1 एनई परीक्षण के लिए जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	*
	12. जनशक्ति का प्रशिक्षण और उन्हें कौशल प्रदान करना।	12.1 क्षमता निर्माण के लिए दिए गए प्रशिक्षण के मानव दिनों की संख्या	**		7.2 एनई परीक्षण के लिए जारी किए गए प्रमाण-पत्रों की संख्या	*
					7.3 प्रशिक्षित किए गए कर्मचारियों की संख्या	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

*** संकेतक मांग आधारित है।*

4. प्रौद्योगिकी विकास और निवेश संवर्धन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	1. 5जी यूज केस वित्त पोषण परीक्षण और 5जी आयोजन	1.1 5जी कार्यक्रम कार्यालय के लिए वित्त पोषण 1.2 प्रौद्योगिकी परीक्षण 1.3 भारत विनिर्दिष्ट यूज केस के रूप में विकसित करना और	1.1 5जी कार्यक्रम कार्यालय पर व्यय 1.2 स्वदेशी प्रौद्योगिकी के	1. "भारत को 5जी तैयार बनाना" रिपोर्ट का कार्यान्वयन	1.1 5जी पहलों के लिए समर्थन	i. 5जी कार्यक्रम का कार्यालय (1) स्थापित करना ii. स्वदेशी प्रौद्योगिकी के साथ

20.20		1.4 5जी शिक्षा जागरूकता और प्रोत्साहन क्रिया-कलाप	साथ एक परीक्षण 1.3 3-4 यूज केस प्रयोगशाला की स्थापना 1.4 5जी और संबंधित प्रौद्योगिकी के बारे में कार्यक्रम			एक परीक्षण पूरा करना। iii. यूज केस प्रयोगशालाएं स्थापित करना। iv. भारत में न्यूनतम 4 5जी विशिष्ट कार्यक्रमों का आयोजन करना।
	2. वैश्विक मानकों में टीएसडीएसयू द्वारा योगदान	2.1 दूरसंचार विभाग के सदस्य शुल्क का टीएसडीएसआई, 3जीपीपी, एक एम2एम और टीएसडीआई को 3जीपीपी तथा एक एम2एम संगठनात्मक भागीदार शुल्क हेतु अनुदान सहायता प्रदान करना।	मानक निर्धारण निकायों में भाग लेना और नीचे दिए गए लक्ष्यों के अनुसार योगदान करना: संगठन भागीदारी 3जीपीपी 300 आईटीयू 50 एक एम2एम	2. भारतीय अपेक्षाओं के अनुरूप दूरसंचार मानक विकसित करना	2.1 वैश्विक मानकों में संबर्धित भागीदारी 2.2 भारतीय आईपीआर के साथ वैश्विक मानक सृजित करना।	मानक निर्धारण निकायों में भाग लेना और नीचे दिए गए लक्ष्यों के अनुसार योगदान करना: संगठन भागीदारी 3जीपीपी 300 आईटीयू 50
	3. दूरसंचार उपस्करों और सेवाओं के निर्यात का टीईपीसीपी संवर्धन (लगभग 14.20 करोड़)	3.1 दूरसंचार उपस्करों और सेवाओं के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों/कार्यक्रमों की मेजबानी/भागीदारी	भारत और विदेश में अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी/भागीदारी भारतीय निर्यातकों और एसएमई की उपर्युक्त कार्यकमों में भागीदारी....400	3. दूरसंचार उपस्करों और सेवाओं के निर्यात में वृद्धि के लिए प्रोत्साहन	3.1 दूरसंचार उपस्करों और 3.2 सेवाओं के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों/ कार्यक्रमों की मेजबानी/भागीदारी	भारत और विदेश में अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी/ भागीदारी भारतीय निर्यातकों और एसएमई की उपर्युक्त कार्यकमों में भागीदारी....400

6. स्वच्छता कार्रवाई योजना को विशेष सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
8.00	1. स्वच्छता प्रयास	1.1 शौचालयों का नवीनीकरण और रखरखाव	*	1. अवसंरचना विकास	1.1 पुनर्निर्मित / अनुरक्षित शौचालयों की संख्या	*
		1.2 जैव-शौचालयों/ई-शौचालयों का निर्माण	*		1.2 निर्मित किए गए जैव-शौचालयों / ई-शौचालयों की संख्या	*
		1.3 डस्टबिन की स्थापना/निपटान वाहन या ट्रॉली की खरीद	*		1.3 संस्थापित डस्टबिन / खरीदे गए वाहनों या ट्राली की संख्या	*
		1.4 पानी की आपूर्ति लाइनों/टैंकों/पानी की नालियों की मरम्मत/रखरखाव और प्रतिस्थापन	*		1.4 मरम्मत/प्रतिस्थापित की गई पानी की आपूर्ति लाइन/टैंक/ नालियों की संख्या	*
		1.5 सीवरेज लाइनों की स्थापना/कमीशनिंग और नियमित रखरखाव सामग्री/ जल निकास/भवन की छतों (वाटर प्रूफिंग), सड़क आदि की सफाई	*		1.5 साफ किए गए/शुरू किए गए सीवरेज लाइनों की संख्या साफ किए गए नालों की संख्या	*
		1.6 एसटीपी संयंत्रों की स्थापना/ नवीनीकरण, स्वास्थ्यकारिता/स्वच्छता बनाए रखने के लिए तालाबों का ऑक्सीकरण	*		1.6 संस्थापित/ नवीनीकृत किए गए एसटीपी संयंत्रों की संख्या	*
		1.7 प्राकृतिक झील में बारिश के पानी के संग्रह के लिए टाउनशिप और	*		1.7 झंझाजल की नालियों की मरम्मत	*

		कारखाने के क्षेत्र में बाढ़ के पानी की नालियों की मरम्मत और बागवानी और अन्य गैर-पीने योग्य प्रयोजनों के लिए पानी का उपयोग				
	2. बागवानी कार्यकलाप	2.1 वर्षा जल संभरण	*	2. पानी की बढ़ी हुई उपलब्धता	2.1 वर्षा जल संभरण के लिए संस्थापित की गई यूनिट	*
		2.2 कीड़े मकोड़ (वर्मिन) संबंधी संयंत्रों / कम्पोस्टिंग संयंत्रों की स्थापना /उत्पादनकारी उपयोग में परिवर्तित किए जाने वाले कचरे का रखरखाव	*	3. अपशिष्ट में कमी करने के साथ मैदानों/पार्कों और बेहतर मृदा उत्पादकता का अनुरक्षण	3.1 संस्थापित की गई वर्मी/कंपोस्टिंग बिन	*
		2.3 आईटीआई टाउनशिप, बंगलौर के ए एंड बी क्षेत्र में 2.4 सार्वजनिक पार्कों का विकास 2.5 दिल्ली और मुंबई में 200 संचार हाटों से जुड़ी सड़कों पर सफाई और बागवानी गतिविधियाँ 2.6 सीजीटीओ कांप्लेक्स भवन की परिधि में उद्यान का रखरखाव	* * *		3.2 आईटीआई टाऊनशिप, बंगलोर के ए और बी क्षेत्र में विकसित किए गए सार्वजनिक पार्कों की संख्या 3.3 आयोजित किए जाने वाले सफाई और बागवानी कार्यकलापों के लिए कवर किया गया क्षेत्र 3.4 सीजीटीओ कांप्लेक्स भवन की परिधि में उद्यान का रखरखाव का क्षेत्र	* * *
		2.7 टीसीआईएल भवन मैदान की मरम्मत / सुधार (फव्वारा और फुटपाथ मरम्मत, टूटे हुए गमलों आदि का प्रतिस्थापन)	*		3.5 टीसीआईएल भवन मैदान की मरम्मत का क्षेत्र मरम्मत या प्रतिस्थापित फव्वारों और गमलों की संख्या	*

	3. जागरूकता फैलाना	3.1 जागरूकता शिविर/विशेष स्वच्छता अभियान	*	4. स्वच्छता के बारे में लोगों के बीच उच्च जागरूकता पैदा करना	4.1 समुदाय युनिटों, टाउनशिप, क्लबों आदि में आयोजित किए गए सामुदायिक जुटाव कार्यक्रमों की संख्या	*
		3.2 स्कूलों के सहयोग से किए गए स्वच्छता प्रयास	*		4.2 प्रतियोगिताओं आदि का आयोजन करके स्वच्छता के बारे में बच्चों को शिक्षित करने में शामिल स्कूलों की संख्या	*
		3.3 मीडिया से संबंधित जागरूकता कार्यकलाप	*		4.3 प्रचार-विज्ञापन की संख्या	*
		3.4 स्वास्थ्यकारिता के संबंध मे कर्मचारियों को अनुबंधित करना और प्रशिक्षित करना	*		4.4 आयोजित किए गए अंतर-ब्लाक, अंतरा ब्लाक प्रतियोगिताओं/प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	*
		3.5 महिलाओं से संबद्ध कार्यकलाप	*		4.5 सैप महिला विशिष्ट कार्यकलापों की संख्या	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

7. केंद्रीय उपस्कर पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
15	1. सीईआईआर प्रणाली की स्थापना	1.1 प्रणाली स्थापित होने की पूर्णता का प्रतिशत	80	1. गुम और चोरी हुए हैंडसेट की निगरानी	1.1 गुम/चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट की रिपोर्ट करना	100
		1.2 कवर किए गए दूरसंचार सर्किलों की संख्या	100		1.2 ब्लैकलिस्ट किए गए गुम/चोरी हुए मोबाइल उपकरणों की संख्या	100
		1.3 आईटी अवसंरचना, अनुप्रयोग साफटवेयर का प्रापण और संस्थापन तथा दूरसंचार आपरेटरों के साथ कनेक्टिविटी	90	2. जाली और डुप्लीकेट आईएमईआई वाले मोबाइल फोनों की निगरानी	2.1 नेटवर्क से जाली और डुप्लीकेट आईएमईआई वाले मोबाइल फोनों का पता लगाना	80
		1.4 नोटिफिकेशन और एसएमएस भेजने की क्षमता	100		2.3 सामान्य जनता के लिए आईएमईआई सत्यापन की उपलब्धता	100
				3. उन उपभोक्ता के लिए उपकरण पेयरिंग सुविधा जो अनेक सिमों का उपयोग करते है	3.1 अनेक सिमों के साथ उपकरण पेयरिंग की सुविधा	100

7. दूरसंचार कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस दल (टी-सर्ट) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
15	1. टेलीकॉम नेटवर्क के लिए सुरक्षा मामलों संबंधी प्रबंधन प्रणाली की स्थापना	1.1 विश्लेषण प्रदर्शन के लिए प्रूफ ऑफ कंसेप्ट (पीओसी) की तैयारी	100%	1. सी-डाट प्रयोगशालाओं में विकसित सुरक्षा समाधानों की संख्या	1.1 आर्किटेक्चर और डिजाइनिंग समाधानों को अंतिम रूप देना	25%
	2. उपकरण की खरीद	2.1 प्रूफ ऑफ कंसेप्ट विकसित करने के लिए प्रापण किए गए उपकरणों की संख्या	3		1.2 विकसित समाधानों के लिए डीपीआर तैयार करना	50%
		2.2 कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी जुटाने के लिए स्थापित स्थानों की संख्या	5		1.3 देश में विकसित सुरक्षा समाधानों की संख्या	2
	3. सी-डाट में परियोजना प्रयोगशाला की स्थापना करना	3.1 सीडीओटी लैब स्थापित (वाई/एन)	Y	2. दूरसंचार नेटवर्क में सुरक्षा की घटनाओ को रोकने के लिए अग्रसक्रिय कार्रवाई करना	2.1 निगरानी किए गए सुरक्षा नेटवर्कों * की संख्या	10
		3.2 आयोजित प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	40		2.2 प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या • सुरक्षा नेटवर्क: सुरक्षा संबंधी घटनाओं की निगरानी करने के बिंदु जो समग्र एएस संख्या या एएस नेटवर्क के भाग को कवर कर सकते हैं।	40

8. चैंपियन सेक्टर स्कीम

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	क. डिजिटल संचार नवाचार व्यवस्था (डीसीआईएस)					
50.07	1. निर्धारित समय सीमा के भीतर पायलट स्केल प्रचालन, क्षेत्र नियोजन या व्यवहार्य प्रौद्योगिकी विकास (उत्पाद या प्रक्रिया) में मूलभूत या अनुप्रयुक्त शोध से व्यूत्पन्न अभियांत्रिकी में नवाचारी विचारों और ज्ञान को बढ़ावा देना और इसके रूपांतरण को सहायता देना	1.1 पहले से मौजूद 36 दूरसंचार उत्पादों, कार्यों या सेवाओं के आधार पर दूरसंचार विभाग कीसार्वजनिक प्रापण(मेक इन इंडिया को अधिमान)दिनांक 29.08.2018 की अधिसूचना	*	1. दूरसंचार क्षेत्र में मूल्य संवर्धन, रोजगार सृजन और प्रौद्योगिकी अपग्रेडेशन	1.1 एमएसएमई द्वारा वित्तपोषित स्टार्टअप, यूपीएस	18 स्टार्टअप और 2 एमएसएमई को वित्तपोषण
		1.2 वित्त वर्ष में दूरसंचार पीएसयू द्वारा प्रदत्त शैक्षिक आदेशों की संख्या	*	2. भारतीय दूरसंचार क्षेत्र की मांग को पूरा करना और वैश्विक बाजार से अवसर प्रदान करना	2.1 सुदृढ बनाएगए इंक्यूबेटर/ नवाचार अवसंरचना/शैक्षिक संस्थाओं या कार्यक्रमों की संख्या	*
		1.3 स्टार्टअप, एमएसएमई को प्रदान किए गए शैक्षिक आदेश जिससें अंतत: पूर्ण आदेश प्राप्त किए गए				

15.4	**ख. दूरसंचार विनिर्माण और सेवा गंतव्य के रूप में भारत के ब्रांड का निर्माण**					
	1. दूरसंचार उपस्करों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देना	1.1 निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भारतीय दूरसंचार उपस्करों और सेवा प्रदाताओं की भागीदारी: मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस, अफ्रीकाकाम,आईटीयू टेलीकाम वर्ल्ड और इंडिया मोबाइल कांग्रेस	*	1. दूरसंचार उत्पादों और सेवाओं के निर्यात मे वृद्धि।	1.1 भागीदारी के मामले	दूरसंचार उपस्कर और सेवाओं के निर्यात में 10% वृद्धि
	2. भारत में विनिर्माण आधार स्थापित करने के लिए विदेशी ओईएम और जेनेरिक कंपोनेंट प्लेयर।		**	2. देश में आयातित दूरसंचार उत्पादों की कमी।	2.1 देश में आयातित उत्पादों में कुल कमी	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

*** संकेतक मांग आधारित है।*

9. स्वदेशी 5जी टेस्ट बेड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	1. प्रयोगशाला स्थापित करना	1.1 खरीदे गए प्रयोगशाला के उपकरणों का %	100	1. दलों द्वारा उपयोग में लाए जाने के लिए उपकरणों की उपलब्धता	1.1 उपयोग हेतु तैयार उपकरणों और प्रयोगशालाओं का %	100%
		1.2 स्थापित प्रयोगशालाओं का %	100			
	2. टेस्ट बेड (वी1) के वर्जन 1 के लिए सॉफ्टवेयर	2.1 टेस्ट बेड (वी1) के वर्जन 1 के लिए कोर हेतु पूरा किया गया %	100	2. 1.2 समेकन हेतु जांचा गया सॉफ्टवेयर तैयार	2.1 वी1 कोर तैयार है	10 पंजीकरण 10 डाटा सत्र
		2.2 वी1 के लिए मल्टी-आरएटी (रेडियो अभिगम्य प्रौद्योगिकी) का पूरा किया गया %	100		2.2 मल्टी-आरएटी कार्यरत प्रोटोटाइप है।	10 समवर्ती प्रयोक्ता 5जी कोर के साथ 2 वाई-फाई अभिगम्य बिंदु समेकित किए गए
38.59		2.3 वी1 के लिए बेस स्टेशन पर सॉफ्टवेयर एल1 (लेयर 1)/एल2 (लेयर2)/एल3(लेयर3) हेतु पूरा किया गया %	100		2.3एल1/एल2/एल3 सॉफ्टवेयर बेस स्टेशन पर कार्य कर रहा है।	आरएफ के बिना यूई एल2/एल3 के लिए बेस स्टेशन कनेक्टिविटी सेशन
		2.4 वी1 के लिए यूई (प्रयोक्ता उपकरण) संबंधी एल1/एल2/एल3 सॉफ्टवेयर हेतु पूरा किया गया %	100		2.4 एल1/एल2/एल3 सॉफ्टवेसर सीपीई क्यूई पर कार्यरत है।	आरएफ के बिना बीएस एल2/एल3 के लिए 1क्यूई कनेक्टिविटी सेशन

	3. वी1 के लिए बीएस (बेस स्टेशन) हार्डवेयर	3.1 वीएस (बेस स्टेशन के लिए वी1 हेतु एंटेना हार्डवेयर के लिए पूरा किया गया %	100	3. इसमें सॉफ्टवेयर लोड करने के लिए हार्डवेयर तैयार है।	3.1 कार्यरत बेस स्टेशन प्रोटोटाइप	100% डाटा रेट- 1जीबीपीएस सपोर्ट 8 प्रयोक्ता सपोर्ट 64 एंटेना
		3.2 बीएस के लिए वी1 हेतु आरआरएच (रिमोट रेडियो हेड) हार्डवेयर के लिए पूरा किया गया %	100			
		3.3 बीएस के लिए वी1 हेतु बेस बैंड हार्डवेयर के लिए पूरा किया गया %	100			
	4. वी1 के लिए यूई (प्रयोक्ता उपकरण हार्डवेयर	4.1 वी1 के लिए यूई हार्डवेयर हेतु पूरा किया गया %	100	4. इसमें सॉफ्टवेयर लोड करने के लिए हार्डवेयर तैयार है।	4.1 उपभोक्ता डिवाइस (सीपीई फॉर्म फेक्टर) को बेस स्टेशन से जोड़ दिया गया है।	100% डाटा रेट - 200एमबीपीएस
		4.2 एनबी (नेरो बैंड) आईओटी वी1 के लिए पूरा किया गया %	100%	5. एनबीआईओटी चिप रियलाइजेशन	5.1 1 टेप आउट	*
	5. वी1 के लिए समेकित टेस्ट बेड	5.1 एंड-टू-एंड डाटा फ्लो	100	6. वी1 का पूर्ण प्रदर्शन तैयार है।	6.1 एंड-टू-एंड डाटा फ्लो	* क्यू3: सिस्टम में अपनी अप्लीकेशन/मॉडयूल बाह्य प्रयोक्ता जांच की सं. 1 क्यू4: सिस्टम में अपनी अप्लीकेशन/ मॉडयूल 2-4 बाह्य प्रयोक्ता जांच
	6. टेस्ट बेड (वी2) के वर्जन 2 के लिए बीएस हार्डवेयर	6.1 बीएस के लिए वी2 हेतु एंटेना हार्डवेयर के लिए पूरा किया गया %	50%			
		6.2 बीएस के लिए वी2 हेतु आरआरएच हार्डवेयर के लिए पूरा किया गया %	50%			
		6.3 बीएस हेतु वी2 के लिए बेस बैंड हार्डवेयर हेतु पूरा किया गया %	50%			

	7. वी2 के लिए यूई हार्डवेयर	7.1 वी2 के लिए यूई हार्डवेयर हेतु पूरा किया गया %	50%	
		7.2 एनबी आईओटी वी2 के लिए पूरा किया गया %	50%	
	8. वी2 के लिए सॉफ्टवेयर	8.1 वी2 के लिए कोर हेतु पूरा किया गया %	100	
		8.2 वी2 के लिए मल्टी-आरएटी हेतु पूरा किया गया %	100	
		8.3 वी2 के लिए बेस स्टेशन संबंधी एल1/एल2/एल3 सॉफ्टवेयर हेतु पूरा किया गया %	100	
		8.4 वी2 के लिए यूई संबंधी एल1/एल2/एल3 सॉफ्टवेयर हेतु पूरा किया गया %	100	-

* *संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

उपभोक्ता मामले विभाग

1. उपभोक्ता संरक्षण - कॉनफोनेट (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
22.0	1. उपभोक्ताओं को केस मॉनीटरिंग/निर्णय इत्यादि के संबंध में जानकारी .	1.1 कम्प्यूटराईज्ड/डिजीडाईज्ड किए गए उपभोक्ता मंचों की संख्या	18	1. रिपोर्टिंग एवं मॉनिटरिंग और रिकॉर्ड का पता लगाने की समय-कुशल सुविधा प्रदान की गई	1.1 विगत वर्ष की तुलना में उपभोक्ता मंचों के डाटा ट्रैफिक संग्रहण के प्रतिशत में वृद्धि	3%
		1.2 उपभोक्ता मंचों को उपलब्ध कराए गए तकनीकी सक्षम व्यक्तियों की संख्या	18			

2. उपभोक्ता संरक्षण - उपभोक्ता जागरूकता (विज्ञापन एवं प्रचार) (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
62.00	1. समाचार-पत्रों में प्रिंट विज्ञापनों का प्रकाशन	1.1 समाचार पत्रों में प्रिंट विज्ञापनों, श्रृव्य-दृश्य अभियानों की संख्या	8	1. उपभोक्ता जागरूकता में वृद्धि	1.1 राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली कॉलों अथवा ई-मेलों में विगत वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि	20%
	2. व्यापार मेला/प्रदर्शनियों में प्रतिभागिता	2.1 उन मेलों/प्रदर्शनियों की संख्या जिनमें इस विभाग द्वारा प्रतिभाग लिया गया।	16			

	3. सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ता जागरूकता	3.1 सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ता जागरूकता के लिए उपयोग की गई निधियां	0.50 करोड़ रूपये			

3. उपभोक्ता संरक्षण - एकीकृत उपभोक्ता शिकायत प्रतितोष प्रणाली (आई.सी.जी.आर.एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
0.5	1. राज्य उपभोक्ता हेल्पलाइन तथा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को आवर्ती अनुदान	1.1 उन राज्यों की संख्या जिन्हें आवर्ती अनुदान जारी किया गया	4	1. उपभोक्ता जागरूकता में वृद्धि	1.1 विगत वर्ष की तुलना में निष्पादित की गई शिकायतों की औसत संख्या के प्रतिशत में भिन्नता	15%
		1.2 पंजीकृत की गई शिकायतों की संख्या	5,00,000			

4. उपभोक्ता संरक्षण - उपभोक्ता संरक्षण कक्ष (केंद्रीय योजना)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
6.5	1. उपभोक्ता संबंधी कार्यकलापों के संबंध में सेमिनार, बैठकों इत्यादि का आयोजन	1.1 आयोजित की गई सेमिनार/बैठकों की संख्या	4	1. उपभोक्ता हिमायत का संवर्धन	1.1 भाग लेने वाले सदस्यों की संख्या	1000

5. उपभोक्ता संरक्षण - मूल्य निगरानी संरचना का सुदृढ़ीकरण (केंद्रीय योजना)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2	1. 3 नए मूल्य निगरानी केंद्रों को जोड़ना	1.1 जोड़े गए नए मूल्य निगरानी केंद्रों की संख्या	3	1. मूल्य डाटा रिपोर्टिंग, मॉनिटरिंग और आंकड़ों के विश्लेषण, सत्यापन और मूल्य विश्लेषण की सुविधा को मुख्य धारा से जोड़ते हुए केंद्र और राज्य स्तर पर मूल्य निगरानी के मौजूदा तंत्र का सुदृढ़ीकरण	1.1 3 (शामिल किए जाने वाले नए मूल्य निगरानी केंद्रों की संख्या)	3
	2. केंद्र में एन.आई.सी. सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 1 आई.टी./तकनीकी पेशेवर की नियुक्ति	2.1 नियुक्त किए गए आई.टी./तकनीकी पेशेवरों की संख्या	1		1.2 आई.टी./तकनीकी पेशेवर की नियुक्ति	1 आई.टी./ तकनीकी पेशेवर की नियुक्ति
	3. कीमतों के संबंध में अध्ययन करने के लिए कम-से-कम एक स्वतंत्र पेशेवर संगठन की सेवा प्राप्त करना	3.1 उन स्वतंत्र पेशेवरों की संख्या जिनकी सेवाएं कीमतों के संबंध में अध्ययन के लिए प्राप्त की गईं	1		1.3 कीमतों के संबंध में अध्ययन करने के लिए एक स्वतंत्र पेशेवर संगठन की सेवा प्राप्त करना	1
	4. मूल्य विश्लेषण के लिए 1 सांख्यिकीय पैकेज का सब्सक्रिप्शन	4.1 मूल्य विश्लेषण के लिए सब्सक्राईब किए गए सांख्यिकीय पैकेजों की संख्या	1	2. मजबूत मूल्य रिपोर्टिंग तंत्र और देश के सभी केंद्रों से प्रभावी मूल्य संग्रहण	2.1 मूल्य विश्लेषण के लिए 1 सांख्यिकीय पैकेज का सब्सक्रिप्शन.	1
	5. 1 जोनल सम्मेलन-सह-प्रशिक्षण का आयोजन और 5 जोन में से प्रत्येक के लिए बाजार दौरा	5.1 मूल्य उतार-चढ़ाव के कारणों के मूल्यांकन के लिए दौरा किए गए राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों की संख्या	5		2.2 5 जोनल सम्मेलन-सह-प्रशिक्षण का आयोजन और 5 जोन में से प्रत्येक के लिए बाजार दौरा	5
	6. 1 डाटा एंट्री ऑपरेटर (डी.ई.ओ.) की नियुक्ति और हैंडहेल्ड डिवाईस के साथ प्रत्येक मूल्य रिपोर्टिंग केंद्र को सहायता प्रदान करना	6.1 मूल्य निगरानी केंद्रों को उपलब्ध कराए गए डाटा एंट्री ऑपरेटरों और हैंडहेल्ड डिवाईसों की संख्या	प्रत्येक राज्य केंद्र में जिओ-टैगिंग सुविधा के साथ 109 डाटा एंट्री ऑपरेटर और हैंडहेल्ड डिवाईस		2.3 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रत्येक मूल्य रिपोर्टिंग केंद्र में 1 डी.ई.ओ. की नियुक्ति और 1 हैंडहेल्ड डिवाईस की अधिप्राप्ति के लिए निधियां उपलब्ध कराना	1

6. उपभोक्ता संरक्षण - उपभोक्ता मंचों का सुदृढ़ीकरण, उपभोक्ता-परामर्श और मध्यस्थता (केंद्रीय योजना)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
6	1. उपभोक्ता मंचों के भवनों का निर्माण	1.1 राज्य आयोगों और जिला उपभोक्ता मंचों के भवनों के निर्माण के लिए उपयोग की गई निधियां	5.5 करोड़	1. उपभोक्ता मामलों का निपटान और उपभोक्ता मंचों के कार्यकरण में सुधार	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष के दौरान उपभोक्ता मामलों के निपटान में वृद्धि की प्रतिशतता	1%
	2. उपभोक्ता मंचों को गैर-भवन परिसम्पत्तियां उपलब्ध कराना	2.1 उन उपभोक्ता मंचों की संख्या जिनमें गैर-भवन परिसम्पत्तियां उपलब्ध कराई गई	60 लाख			

7. विधिक मापविज्ञान और गुणता आश्वासन: भारतीय मानक ब्यूरो#

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. भारत में स्वर्ण हॉलमार्किंग/एसेईंग केंद्रों की स्थापना के लिए स्कीम (केंद्रीय योजना)					
2	1. एसेईंग एवं हॉलमार्किंग केंद्रों की स्थापना और मान्यता, शिल्पकारों औऱ एसेईंग एवं हॉलमार्किंग केंद्रों के कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों	1.1 स्थापित किए गए हॉलमार्किंग और एसेईंग केंद्रों की संख्या	8	1. मूल्यवान धातुओं की हॉलमार्किंग के लिए सुविधाओं में बढ़ोत्तरी	1.1 विगत वर्ष की तुलना में हॉलमार्किंग के लिए उपलब्ध जिलों की संख्या में वृद्धि	8
		1.2 शिल्पकारों औऱ एसेईंग एवं हॉलमार्किंग केंद्रों के कार्मिकों के लिए आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों	14 (10 शिल्पकार कार्यक्रम -	2. ये प्रशिक्षण, शिल्पकारों को मानकों की अपेक्षाओं के अनुसार	2.1 उपलब्ध प्रशिक्षित शिल्पकारों और प्रशिक्षित	390

	का आयोजन, एसेईंग एवं हॉलमार्किंग केंद्रों की लेखा-परीक्षा के संबंध में बी.आई.एस. अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन	की संख्या	25 शिल्पकार प्रति कार्यक्रम की दर से, और 04 एसेईंग एवं हॉलमार्किंग कार्मिक कार्यक्रम - 35 कार्मिक प्रति कार्यक्रम की दर से)	आभूषण बनाने और एसेईंग एवं हॉलमार्किंग केंद्रों के संबंध में बेहतर तरीके से मानकों की अपेक्षाओं को समझने और कार्यान्वित करने में सहायता प्रदान करते हैं।	एसेईंग एवं हॉलमार्किंग कार्मिकों की संख्या में वृद्धि	
		1.3 एसेईंग एवं हॉलमार्किंग केंद्रों की लेखा-परीक्षा के संबंध में प्रशिक्षित किए गए बी.आई.एस. अधिकारियो की	50 (दो टी.ओ.टी. कार्यक्रम)	3. एसेईंग एवं हॉलमार्किंग केंद्रों की लेखा-परीक्षा के संबंध में बी.आई.एस. अधिकारियो को प्रशिक्षित किया गया	3.1 उपलब्ध प्रशिक्षित लेखा-परीक्षकों की संख्या में वृद्धि	50
	ख. मानकीकरण की राष्ट्रीय प्रणाली की स्कीम (एन.एस.एस.)(केंद्रीय स्कीम)					
1.00	1. अनुसंधान और विकास कार्यकलाप	1.1 वित्तपोषित की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	2	1. भारत में मानकीकरण की गतिविधियों में वृद्धि	1.1 एक वर्ष में संशोधित किए जाने वाले मानकों की संख्या	315
	2. बी.आई.एस. की तकनीकी समिति की बैठकों में समिति सदस्यों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता प्रदान करते हुए, बैठकों में सदस्यों की सहभागिता में वृद्धि करना	2.1 तकनीकी समिति की बैठकों में भाग लेने वाले सदस्यों की संख्या	150		1.2 एक वर्ष में तैयार किए जाने वाले नए मानकों की संख्या	301
	3. सेमिनार/कार्यशाला कार्यक्रमों का आयोजन	3.1 आयोजित की जाने वाली सेमिनार/कार्यशालाओं की संख्या	28			

		3.2 तकनीकी समिति के सदस्यों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	6			
	4. यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता प्रदान करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण में सदस्यों की सहभागिता में वृद्धि	4.1 तकनीकी समिति की बैठकों में भाग लेने वाले सदस्यों की संख्या	85			
	5. भारत में आई.एस.ओ./आई.ई.सी. और अन्य अंतरराष्ट्रीय बैठक कार्यक्रम/कार्यशालाएं	5.1 भारत में आयोजित की जाने वाली आई.एस.ओ./आई.ई.सी. और भारत में अन्य अंतरराष्ट्रीय बैठक कार्यक्रम/कार्यशालाओं की संख्या	3			

8. विधिक मापविज्ञान एवं गुणता आश्वासन -राष्ट्रीय परीक्षण शाला (केंद्रीय योजना)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
25	1. नए प्रयोगशाला भवनों का निर्माण	1.1 विद्यमान परीक्षण सुविधाओं के निर्माण/ अनुरक्षण और उनके विस्तार के लिए उपयोग की गई निधियां	6,00,00,000 रूपये	1. इंजीनियरिंग सामग्री तथा औषधि, शस्त्र और हथियारों को छोड़कर सभी इंजीनियरिंग शाखाओं के उत्पादों के परीक्षण और	1.1 विगत वर्ष की तुलना में वर्तमान वर्ष में जारी किए गए परीक्षण प्रमाणपत्रों में प्रतिशत वृद्धि	7%

	विद्यमान परीक्षण सुविधाओं का अनुरक्षण और उनका विस्तार	किए गए परीक्षणों की संख्या	32000 नमूने	गुणता मूल्यांकन के क्षेत्र में उपभोक्ता को सेवा प्रदान करना		

9. विधिक मापविज्ञान और गुणता आश्वासन - बाट एवं माप अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण और क्षेत्रीय निर्देश मानक प्रयोगशालाओं और भारतीय विधिक मापविज्ञान संस्थान का सुदृढ़ीकरण (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
50	1. प्रयोगशाला भवनों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान रिलीज करना	1.1 उन प्रयोगशाला भवनों की संख्या जिनके लिए सहायता अनुदान रिलीज किया गया	10	1. बाट तथा माप के अंशांकन, सत्यापन और मुहरांकन की सेवा प्रदान की	1.1 किए गए अंशांकन/सत्यापन की संख्या	2500
	2. विभिन्न परीक्षणों के लिए मानक उपकरणों की अधिप्राप्ति	2.1 स्थापित की गई परीक्षण सुविधाओं की संख्या	100		1.2 परीक्षित/अनुमोदित किए गए बाट तथा माप के मॉडलों की संख्या	650
	3. एन.पी.एल. के माध्यम से समय प्रसार समष्टि की अधिप्राप्ति	3.1 उन प्रयोगशालाओं की संख्या जिनमें अधिप्राप्ति की प्रक्रिया और प्रयोगशालाओं का नवीकरण किया जाना है	5	2. तकनीकी विशिष्टताओं को अंतिम रूप दिया जाएगा और प्रयोगशालाओं का नवीकरण किया जाएगा	1.3 प्रयोगशालाओं की संख्या	5

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

1. खाद्य राजसहायता - सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत देय चीनी राजसहायता (सीएस)[9]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
220	1. राजसहायता प्राप्त दरों पर चीनी का वितरण (13.50 रुपए प्रति किलोग्राम से 23.00 रुपये प्रति किलोग्राम)	1.1 वितरित की गई चीनी की मात्रा (पीडीएस के तहत टन में)	162163 टन	1. समाज के निर्धनतम वर्गों के लिए चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करना (135.14 लाख एएवाई परिवार)	1.1 इस स्कीम का लाभ उठाने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) परिवारों का प्रतिशत	100%

[9] *(क) 13 राज्य / संघ राज्य क्षेत्र योजना में भाग ले रहे हैं।*
(ख) केंद्र सरकार राज्य / संघ राज्य क्षेत्रों को 11.50 किलोग्राम की चीनी सब्सिडी की प्रतिपूर्ति कर रही है।
(ग) इसके अलावा, छह राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों ने इस योजना में भागीदारी के लिए सहमति दी है।

2. 2017-18 मौसम के लिए चीनी मिलों को सहायता संबंधी स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100.00	1. चीनी मौसम 2017-18 के दौरान 20 लाख टन चीनी के निर्यात हेतु मिलवार न्यूनतम संकेतात्मक निर्यात कोटे (एमआईईक्यू) में से संबंधित चीनी मिल द्वारा कोटे का निर्वहन	1.1 निर्यातित चीनी की मात्रा	एमआईईक्यू के अंतर्गत 20 लाख टन चीनी का निर्यात	1. चीनी मिलों को किसानों का गन्ना मूल्य /बकाया का भुगतान करने में समर्थ बनाने के लिए उनकी नकदी की स्थिति में सुधार	1.1 इस स्कीम के अंतर्गत चीनी मिलों को दी गई सहायता, जो किसानों के गन्ना मूल्य बकाया के भुगतान हेतु प्रयुक्त की गई	100[10]

[10] *यह बजटीय प्रावधान अग्रेनीत मामलों के लिए है, जहां भुगतान पिछले वित्त वर्ष में नहीं किया जा सका था; हालांकि यह योजना 15 फरवरी, 2019 को समाप्त हो गई थी।*

3. इथेनोल उत्पादन क्षमता के विस्तार और वृद्धि हेतु चीनी मिलों को वित्तीय सहायता प्रदान करने संबंधी स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
100.00	1. देश में इथेनोल उत्पादन क्षमता के विस्तार और वृद्धि	1.1 देश में सृजित अतिरिक्त इथेनोल उत्पादन क्षमता (करोड़ लीटर में)	470 करोड़ लीटर की अतिरिक्त इथेनोल उत्पादन क्षमता का सृजन	1. चीनी उत्पादन के अधिशेष चरण के दौरान बी-हेवी शीरे/गन्ने के रस से इथेनोल के उत्पादन के माध्यम से चीनी के त्याग हेतु प्रोत्साहित करना	1.1 बी-हेवी शीरे/गन्ने के रस से इथेनोल के उत्पादन हेतु अधित्याग की गई चीनी की मात्रा	5 लाख मी. टन

4. चीनी उद्योग का विकास: चीनी उद्योयोन के विकास हेतु स्कीमें (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	(क) चीनी उपक्रमों को वित्तीय सहायता /अन्य व्यय					
351.00	1. एसडीएफ ऋण प्रोसेसिंग की रिकवरी के लिए नियुक्त एजेंसियों को कमीशन का भुगतान	1.1 जारी की गई निधि की राशि	21.00 करोड़ रुपए	1. चीनी उद्योग को ऋण संवितरण और वसूली को सुगम बनाना और परियोजनाओं की निगरानी	1.1 वसूली/पुनर्भुगतान की राशि 1.2 वित्तीय वर्ष हेतु वसूली की अनुमानित राशि के संदर्भ में वसूली का प्रतिशत	45 करोड़ रुपए 100 %

	ख. चीनी मिलों के पुनर्स्थापन/आधुनिकीकरण हेतु ऋण					
	1. क्षमता विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए चीनी उपक्रमों को वित्तीय सहायता	1.1 वितरित ऋणों की संख्या	4	1. परियोजनाओं का विस्तार/आधुनिकीकरण	1.1 सहायता प्राप्त करने वाली मिलों के संबंध में पेराइक्षमता में हुई वृद्धि टन में	>10000 टीसीडी
		1.2 संवितरित ऋण की राशि	75.00 करोड़ रुपए			
	ग. गन्ना विकास हेतु चीनी मिलों को ऋण					
	1. चीनी मिलों को सहायता	1.1 संवितरित किए गए ऋणों की संख्या	3	बेहतर उपज और उत्पादकता हेतु गन्ना विकास	1.1 उच्च पैदावार देने वाली क़िस्मों के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि	400 एकड़
		1.2 संवितरित किए गए ऋण की राशि	10.00 करोड़ रुपए		1.2 ड्रिप सिंचाई के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि	60 एकड़
	घ. चीनी मिलों को खोई आधारित विद्युत सह-उत्पादन परियोजना हेतु ऋण					
	1. चीनी उपक्रमों को वित्तीय सहायता	1.1 संवितरित किए गए ऋणों की संख्या	5	1. विद्युत उत्पादन का विकास	1.1 सह-उत्पादन क्षमता में विस्तार मेगावाट में	45 मेगावाट
		1.2 संवितरित किए गए ऋण की राशि	125.00 करोड़ रुपए			
	ड. एल्कोहल अथवा शीरे से एनहाइड्रस एल्कोहल अथवा इथेनोल के उत्पादन हेतु चीनी कारखानों को ऋण					
	1. चीनी मिलों को सहायता	1.1 संवितरित किए गए ऋणों की संख्या	3	1. पेट्रोल, रसायन के साथ ब्लेंडिंग और पोर्टेबल एल्कोहॉल उद्योग के उपयोग हेतु शीरे से इथेनॉल का उत्पादन	1.1 इथेनोल उत्पादन में क्षमता वर्धन (किलो लीटर प्रति दिवस में)	60 केएलपीडी
		1.2 संवितरित किए गए ऋण की राशि	60.00 करोड़ रुपए			

5. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रचालनों का सुदृढ़ीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30	1. उचित दर दुकानों के लेन-देन की इलेक्ट्रॉनिक कैप्चरिंग	1.1 स्वचालित उचित दर दुकानों का प्रतिशत	100%	1. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का स्वचालन	1.1 इलेक्ट्रॉनिक रूप से कैप्चर्ड लेनदेन का प्रतिशत	100%

6. सार्वजनिक वितरण प्रणाली का एकीकृत प्रबंधन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. मार्च 2020 तक पीडीएस नेटवर्क की स्थापना	1.1 उपयोग की गई निधि का प्रतिशत	100%	1. राशन कार्ड का राष्ट्रीय स्तर पर डी-डुप्लीकेशन	1.1 हटाए गए डुप्लिकेट/जाली राशन कार्डों की संख्या	100%

7. भंडारण और गोदाम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
70	1. पूर्वोत्तर राज्यों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए भंडारण सुविधाओं का निर्माण	1.1 निर्मित की गई अतिरिक्त भंडारण क्षमता (टन में)	लगभग 41,000 टन	1. प्रचालन की आवृत्ति में कमी	1.1 खाद्यान्न की मासिक आवश्यकताओं के रूप में भंडारण क्षमता में वृद्धि।	3-4 माह

1. लेखाकंन एवं वित्तीय सेवा के लिए चैम्पियन सेवा सेक्टर योजना: जीएसटी लेखा सहायक योजना (आईसीएआई और आईसीओएआई द्वारा)(सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
5	1. समर्पित पोर्टल का विकास और आईसीएआई और आईसीओएआई द्वारा विषय वस्तु और पाठ्यक्रम का सृजन	1.1 आईसीएआई और आईसीओएआई द्वारा पोर्टल सृजन संविदा प्रदान करने के कार्य की पूर्णताको प्रतिशत	100	1. लेखा कंपनी और कारपोरेट में सफल अभ्यर्थियों का नियोजन	1.1 लेखा कंपनी और कारपोरेट द्वारा भर्ती किए गए अभ्यर्थियों की प्रतिशत	50
		1.2 पोर्टल सृजन कार्य की प्रतिशत	100			
		1.3 आईसीएआई और आईसीओएआई द्वारा विषय वस्तु और पाठ्यक्रम सृजन की पूर्णता का प्रतिशत	100	2. आय स्तर में वृद्धि	2.1 अभ्यर्थियों के औसत वेतन में वृद्धि की प्रतिशतता	*
	2. विद्यार्थियों का रजिस्ट्रीकरण	2.1 ई-लर्निंग के लिए नामांकित छात्रों की संख्या	2.5 लाख			
	3. चयनित अभ्यर्थियों के लिए कक्षागत अध्यापन तथा नौकरी के दौरान प्रशिक्षण हेतु अनुवीक्षण परीक्षा का आयोजन .	3.1 अनुवीक्षण परीक्षा में बैठे अभ्यर्थियों की संख्या	2.5 लाख			
		3.2 अनुवीक्षण परीक्षा उतीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	2.5 लाख			
	4. अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण एवं प्रमाणन	4.1 संबंधित राज्य जीएसटी/वेट कमिश्नरियों में कार्य के दौरान सफल अभ्यर्थियों की संख्या	2.5 लाख			
		4.2 कक्षागत अध्यापन पूर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	2.5 लाख			
		4.3 अंतिम परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	2.5 लाख			

		4.4 संस्थानों द्वारा सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले प्रमाणित अभ्यर्थियों की संख्या	2.5 लाख			
	5. आईसीएआई और आईसीओएआई द्वारा नियोजन पोर्टल विकास	5.1 नियोजन पोर्टल विकास के कार्य की प्रतिशत	100			

**योजना के दिशानिर्देशों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, इसलिए संकेतक और लक्ष्य अस्थायी हैं।*

2. कॉर्पोरेट डेटा प्रबंधन प्रणाली (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रु. करोड़ में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**2019-20**
5.95	1. ऑपरेशनल डीडब्ल्यू एंड बीआई पोर्टल, विज़ुअल एनालिटिक्स के साथ सीडीएम पोर्टल और ईटीएल का संपूर्ण एमसीए21 डेटा सीडीएम प्रणाली में ।	1.1 डेटा माइनिंग और विश्लेषण के लिए स्क्रीनिंग टूल की उपस्थिति	हां	1. एमसीए में शामिल डेटा वेयरहाउसिंग का उपयोग बढ़ा	1.1 कंपनी अधिनियम के संदर्भ में प्रवर्तन कार्रवाई	वित्त वर्ष 2016-17 के लिए 12 प्रावधान।
		1.2 इंटरैक्टिव सीडीएम पोर्टल की उपस्थिति	हां	2. सरकारी एजेंसियों द्वारा एमसीए21 डेटा का उपयोग।	2.1 डेटा का उपयोग करने वाले बाहरी हितधारकों की संख्या	10
		1.3 सीडीएम प्रणाली में पूर्ण एमसीए 21 डेटा की उपस्थिति	हां	3. कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रदर्शन का प्रकाशन और प्रसार	3.1 वित्तीय जानकारी के आधार पर कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रदर्शन पर प्रकाशित रिपोर्टों की संख्या	8

	2. संचालन अनुपालन निगरानी प्रणाली	2.1 अनुपालन निगरानी प्रणाली की उपस्थिति	*	4. सीडीएम प्रणाली का उपयोग करने के लिए ज्ञान के साथ कुशल कर्मचारी	4.1 प्रवर्तन कार्रवाई में सहायता के लिए नियमित रूप से सीडीएम डेटाबेस का उपयोग करने के लिए मुख्यालय और फील्ड कार्यालय।	लगभग 100 अधिकारी सीडीएम पोर्टल का उपयोग करेंगे।
	3. डेटा प्रसार के लिए क्षमता स्थापित करना और विकसित करना	3.1 पोर्टल तक पहुंचने वाले उपयोगकर्ताओं(एजन्सियों/अधिकारियों (की संख्या।	100			
	4. कॉर्पोरेट क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध अध्ययन	4.1 प्रायोजित अध्ययन की संख्या	10			
	5. ऑपरेशनल नेशनल सीएसआर पोर्टल	5.1 सार्वजनिक डोमेन में राष्ट्रीय सीएसआर पोर्टल का संचालन	*			
		5.2 पोर्टल का उपयोग करने वाली कंपनियों / उपयोगकर्ताओं की संख्या	2000 से अधिक उपयोगकर्ता पोर्टल का उपयोग करेंगे			
	6. सीडीएम प्रणाली का उपयोग करने के लिए कर्मचारियों की क्षमता निर्माण।	6.1 आयोजित प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या / पोर्टल का उपयोग करने में प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	06 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें लगभग 100 अधिकारी प्रशिक्षित होंगे।			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

संस्कृति मंत्रालय **मांग सं. 17**

1. शताब्दी एवं वर्षगांठ समारोह स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
110	1. भिन्न संगठनों को निम्नलिखित स्मरणोत्सव के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने हेतु : यथा (i) महात्मा गांधी की 150वीं जयंती और (ii) गुरु नानकदेव जी की 550वीं जयंती (iii) जलियांवाला बाग नरसंहार की शताब्दी और गुरु गोविंद सिंह की 350वीं जयंती, पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जन्मशताब्दी, चम्पारण सत्याग्रह की शताब्दी, स्वामी परमहंस योगानंद की 125वीं जयंती, जैसे विगत वर्षों के अन्य स्मरणोत्सवों से संबंधित शेष कार्य।	1.1 प्रख्यात हस्तियों की शताब्दी एवं वर्षगांठ हेतु सांस्कृतिक कार्यकलापों/समारोहों की संख्या। 1.2 प्रख्यात हस्तियों की स्मृति में अवसंरचना के सृजन संबंधी परियोजनाओं की संख्या।	25 10	1. जिन प्रतिष्ठित व्यक्तियों की वर्षगांठ के स्मरणोत्सव मनाए जा रहे हैं, उनके योगदान के प्रति जन साधारण के बीच जागरूकता पैदा करना।	1.1 इन सभी कार्यक्रमों/समारोहों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या। (आगंतुकों की संख्या)	25000

2. कला संस्कृति विकास योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु वित्तीय सहायता स्कीम					
	1. देश भर में कला एवं संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार के लिए रेपर्टरी अनुदान के अंतर्गत संस्तुत अनुदानग्राही संगठनों के गुरुओं एवं कलाकारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना	1.1 रेपर्टरी अनुदान के घटक के तहत वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त करने वाले अनुमोदित गैर-लाभार्जक सांस्कृतिक संगठनों के गुरुओं एवं कलाकारों की संख्या।	900 अनुमोदित अनुदानग्राही संगठनों के के लगभग 900 गुरु और 7200 कलाकार	1. मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों की सहायता द्वारा गुरु-शिष्य परंपरा का संवर्धन और देश भर में गुरु और शिष्यों के लिए रोजगार पैदा करने के साथ-साथ कला एवं संस्कृति का प्रचार और प्रसार।	1.1 उन गैर-लाभार्जक सांस्कृतिक संगठनों और गुरु एवं कलाकारों की संख्या जिन्हें निधियां जारी की गईं।	900 अनुमोदित अनुदानग्राही संगठनों के के लगभग 900 गुरु और 7200 कलाकार
257.24	2. वर्ष 2018-19 के दौरान देशभर में कला एवं संस्कृति के प्रचार और प्रसार के लिए राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता देना।	2.1 'राष्ट्रीय महत्व के सांस्कृतिक संगठनों हेतु वित्तीय सहायता' घटक के अंतर्गत वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त करने वाले अनुमोदित गैर-लाभार्जक सांस्कृतिक संगठनों की संख्या।	लगभग 11 अनुदानग्राही संगठन	2. कला प्रस्तुतियों और प्रदर्शनियों के माध्यम से जन साधारण के बीच सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को कला और सांस्कृतिक कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रेरित करने के साथ-साथ देश भर में कला एवं संस्कृति का प्रसार और संवर्धन।	2.1 निधियां जारी किए जाने वाले गैर-लाभार्जक सांस्कृतिक संगठनों/व्यक्तियों तथा प्राप्तकर्ता संगठनों/व्यक्तियों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों/प्रदर्शनियों/प्रस्तुतियों की संख्या।	लगभग 11 अनुदानग्राही संगठन
	3. वर्ष 2018-19 के दौरान देश भर में कला एवं संस्कृति के प्रचार और प्रसार के लिए	3.1 सीएफपीजी घटक के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले कलाकारों/गैर-लाभार्जक	1200 अनुदानग्राही संगठन/व्यक्तियों को वित्तीय सहायता मिलने की	3. भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करने वाले	3.1 इस घटक के अंतर्गत वित्तीय सहायता के लिए संस्तुत संगठनों/व्यक्तियों	1200 अनुदानग्राही संगठन/व्यक्तियों को वित्तीय

	सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान (सीएफपीजी) के अंतर्गत संगठनों/व्यक्तियों को वित्तीय सहायता देना।	सांस्कृतिक संगठनों की संख्या।	आशा है।	संगठनों/व्यक्तियों को सहायता के माध्यम से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना और परिरक्षित करना	की संख्या	सहायता मिलने की आशा है।
	4. हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण एवं विकास के क्षेत्र में कार्यरत अनुशंसित सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।	4.1 वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त करने वाले गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) की संख्या और हिमालयी घटक के अंतर्गत पारंपरिक और लोक कला के लिए प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या	176 एनजीओ जिनमें पुराने और नए मामले शामिल हैं	4. हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, परिरक्षण और विकास।	4.1 हिमालयी घटक के अंतर्गत संस्तुत एनजीओ की संख्या	176 एनजीओ जिनमें पुराने और नए मामले शामिल हैं
	5. बौद्ध/तिब्बती कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में कार्यरत अनुशंसित सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता देना।	5.1 बौद्ध/तिब्बती कला एवं संस्कृति के घटक के तहत वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त करने वाले एनजीओ की संख्या।	408 एनजीओ जिनमें पुराने और नए मामले शामिल हैं	5. बौद्ध/तिब्बती कला एवं संस्कृति का संवर्धन व परिरक्षण तथा बौद्ध/तिब्बती संस्कृति, परंपरा के प्रसार और वैज्ञानिक विकास और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान	5.1 बौद्ध/तिब्बती संस्कृति घटक के अंतर्गत अनुशंसित एनजीओ की संख्या।	408 एनजीओ जिनमें पुराने और नए मामले शामिल हैं।
	ख. राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण और रोडमैप मिशन					
	1. विभिन्न कला रूपों और कलाकारों सहित सांस्कृतिक परिसंपत्तियों और संसाधनों का वृहत डेटाबेस संग्रह	1.1 सांस्कृतिक मानचित्रण परियोजना के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर दर्ज किए जाने वाले कलाकारों की संख्या।	7.5 लाख	1. देशभर में कलाकारों का वृहत डेटाबेस उपलब्ध कराना जिसका उपयोग नीतिगत निर्णयों के लिए किया जा सके	1.1 सांस्कृतिक मानचित्रण परियोजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर दर्ज कलाकारों की संख्या.	7.5 लाख
	2. प्रतिभा खोज और विचार एवं तकनीकें साझा करने तथा सभी कला रूप संसाधनों के	2.1 जनता में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित	100	2. कलाकारों की पहचान और वर्गीकरण जिससे यह पहचान करने में सुविधा होगी कि कौन से कला रूप प्रचलन में हैं अथवा	2.1 कलाकारों की पहचान और वर्गीकरण जिससे यह पहचान करने में सुविधा होगी कि कौन से कला रूप	हां

	संयोजन के लिए राष्ट्रीय/राज्य / प्रभाग/जिला/ब्लॉक /ग्राम पंचायत स्तर मंचों पर उपलब्धता/ सुगमता	किए जाने वाले प्रतिभा खोज कार्यक्रमों की संख्या		मृतप्राय हैं और तदनुसार, उपचारात्मक कदम उठाना ताकि विलुप्तप्राय कला रूपों को जीवंत बनाए रखा जा सके और उनका प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जा सके।	प्रचलन में हैं अथवा मृतप्राय हैं और तदनुसार, उपचारात्मक कदम उठाना ताकि विलुप्तप्राय कला रूपों को जीवंत बनाए रखा जा सके और उनका प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। (हां/नहीं)	
	3. सभी हितधारकों को मुफ्त उपलब्ध कराए गए उच्च गुणता वाले और वृहत ई-लर्निंग संसाधनों की उपलब्धता।	3.1 उन व्यक्तियों/ संगठनों की संख्या जिन्हें ई-लर्निंग संसाधन उपलब्ध कराए गए।	7.5 लाख*	3. देश के विभिन्न कला रूपों के संबंध में जानकारी का प्रसार करना।	3.1 देश के विभिन्न कला रूपों के संबंध में जानकारी का प्रसार करना। (हां/नहीं)	हां
	ग. कला और संस्कृति के संवर्धन के लिए छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति					
	1. वरिष्ठ और कनिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान की जानी हैं, छात्रवृत्तियां प्रदान की गई; टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्रदान की गई; आरके मिशन को अनुदान उपलब्ध कराया गया।	1.1 अध्येतावृत्तियों/ छात्रवृत्तियों की संख्या	कनिष्ठ अध्येतावृत्ति - 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्ति - 200 छात्रवृत्ति - 400 टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति - 40 आर. के. मिशन- वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 6.083 करोड़ रुपए का कुल अनुदान जारी किया जाएगा।	1. संस्कृति के क्षेत्र में नई अनुसंधान तकनीकों, तकनीकी और प्रबंधन के सिद्धांतों को बढ़ावा देना।	1.1 विद्वानों/ अध्येताओं को प्रदान की गई छात्रवृत्तियों/अध्येतावृत्तियों की संख्या तथा संस्कृति एवं कला के विभिन्न क्षेत्रों में नए अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	कनिष्ठ अध्येतावृत्ति - 200 वरिष्ठ अध्येतावृत्ति - 200 छात्रवृत्ति - 400 टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति - 40 आर. के. मिशन- वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 6.083 करोड़ रुपए का

						कुल अनुदान जारी किया जाएगा।
	घ. कलाकारों के लिए पेंशन तथा चिकित्सा सहायता स्कीम					
	1. कला और संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वयोवृद्ध एवं अभाव में रह रहे कलाकारों को मासिक पेंशन और चिकित्सा सहायता के रूप में वित्तीय सहायता देना।	1.1 मौजूदा लाभार्थियों की संख्या; 1.2 भविष्य में शामिल किए जाने वाले लाभार्थियों की संख्या	5094 कलाकार 500 कलाकार	1. पेंशन स्कीम के माध्यम से कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना जिससे वे एक सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।	1.1 उन कलाकारों की संख्या जो पेंशन और चिकित्सा सहायता के माध्यम से एक सम्मानजनक और स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं।	5094 कलाकार
	ड. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत स्कीम (आईसीएच)					
	1. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और सवंर्धन में कार्यरत व्यक्तियों / संगठनों / विश्वविद्यालयों / राज्य सरकारों को विशेषज्ञ समिति द्वारा प्राप्त और अनुशंसित प्रस्तावों के आधार पर सहायता प्रदान की जाएगी।	1.1 व्यक्तियों/ संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	लगभग 500 प्रस्ताव	1. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों/ व्यक्तियों / संस्थानों को बढ़ावा और सहायता देना।	1.1 प्रलेखित/ शामिल किए जाने वाले अतिरिक्त कला रूपों की संख्या।	10
		1.2 निधियां जारी किए जाने वाले व्यक्तियों / संस्थानों की संख्या	लगभग 100 अनुमोदित प्रस्ताव			
	च. देशी महोत्सव एवं मेले					
	1. राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव, भारतीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक	1.1 आयोजित महोत्सवों / सांस्कृतिक महोत्सवों की संख्या	5	1. देश के विभिन्न कलारूपों के संबंध में जागरूकता पैदा करना	1.1 इन कार्यक्रमों में आगंतुकों की संख्या	25000

	महोत्सव आदि सहित सांस्कृतिक महोत्सव और मेले आयोजित किए जाएंगे।	1.2 कवर किए गए राज्यों की संख्या 1.3 कवर किए गए शहरों की संख्या	10 राज्य (5 भागीदार राज्य शामिल हैं) 5		1.2 प्रस्तुत किए गए कला रूपों की संख्या	10
		1.4 महोत्सवों के दिवसों की संख्या	5 दिवस			
	छ. राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन और दांडी संबंधित परियोजना					
	1. मिशन द्वारा निर्णीत परियोजनाओं को शुरू करना और निष्पादित करना।	1.1 मिशन द्वारा शुरू किए जाने और निष्पादन के लिए निर्धारित परियोजनाओं की संख्या।	5	**1. गांधी विरासत स्थल मिशन** के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए: एक तरफ असंख्य अमूर्त विरासत स्थलों वाले गांधी विरासत के घटकों और दूसरी तरफ प्रकाशित एवं अप्रकाशित दस्तावेजों, गैर-पाठ्य चित्र और श्रव्य-दृश्य मूर्त वाले पाठ्य और दृश्यों वाली व्यापक विरासत का एकीकरण करना। मिशन द्वारा निर्णय के अनुसार शुरू की जाने वाली और निष्पादित की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	1.1 आगंतुकों की संख्या	10000
	2. चालू परियोजनाओं के शेष कार्य में तेजी लाई जाएगी।.	2.1 शेष परियोजनाओं की संख्या जिनके कार्य में तेजी लाई गई	5	2. गांधीवादी विरासत के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना	2.1 गांधी स्मारक हेतु संचालन एवं प्रबंधन कार्य किया जाएगा।	1
	3. राष्ट्रीय दांडी स्मारक का निर्माण कार्य।	**3.1 दांडी संबंधित परियोजनाएं:** पुस्तकालय सहित दांडी स्मारक का	1			

		विकास				
	4. दांडी-अहमदाबाद बिटुमिनस रोड का पुनर्निर्माण करना।	**4.1 दांडी संबंधित परियोजनाएं:-** दांडी विरासत पथ संबंधी बिटुमिनस रोड का पुनर्निर्माण करना	21 रात्रि विश्राम स्थल			
	ज. मंचकला केन्द्र और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना करना					
	1. नई दिल्ली में विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ राष्ट्रीय मंचकला परिसर में निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। (इस स्कीम को तैयार किया जा रहा है और इसके लिए सांकेतिक प्रावधान किया गया है।)	1.1 परामर्श कार्य और स्कीम को अंतिम रूप देने, सांविधिक अनुमति प्राप्त करने जैसे एनडीएमसी अनुमोदन, पेड़ों की कटाई की अनुमति, वर्तमान भवन को गिराने तथा सेवाओं आदि को स्थानांतरित करने एवं प्रारंभिक निर्माण कार्य सहित आरंभिक निर्माण आयोजना कार्य	01 अंतरराष्ट्रीय संस्कृति केन्द्र का निर्माण	1. विभिन्न मंचकला रूपों को प्रदर्शित करने के लिए सांस्कृतिक स्थलों, अवसंरचनाओं का सृजन करना और सांस्कृतिक कार्यकलापों में लोगों की भागीदारी बढ़ाना।	1.1 इन कार्यक्रमों में आगंतुकों की संख्या।	1000
	झ. सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार					
	1. रवीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती समारोह के अवसर पर भारत सरकार ने सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार शुरू किए हैं। यह पुरस्कार वार्षिक रूप से व्यक्ति (यों) या संस्था (ओं) को दिया जाता है	1.1 विशेषज्ञ समिति द्वारा संस्तुत नामांकन की संख्या।	01	1. सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ाना	1.1 गांधी शांति पुरस्कार की जूरी द्वारा पुरस्कार विजेता का चयन।	01

	ञ. गांधी शांति पुरस्कार					
	1. महात्मा गांधी के 125 वें जयन्ती समारोह पर भारत सरकार ने अहिंसा एवं शांति जैसे गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार की शुरूआत की है। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष व्यक्ति (यों) या संस्था (ओं) को प्रदान किया जाता है।	1.1 गांधी शांति पुरस्कार की जूरी द्वारा पुरस्कार विजेता का चयन।	01	1. अहिंसा और शांति जैसे गांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देना	1.1 गांधी शांति पुरस्कार की जूरी द्वारा पुरस्कार विजेता का चयन।	01
	ट. जलियांवाला बाग स्मारक का विकास					
	1. जलियांवाला बाग में स्थायी आधार पर अत्याधुनिक हाईटेक 3डी प्रक्षेपण मानचित्रण और मल्टिमीडिया शो की स्थापना करना (सांकेतिक प्रावधान रखा गया है, क्योंकि परियोजना का अभी अनुमोदन किया जाना है)	1.1 कार्य पूरा होने की प्रतिशतता (वास्तविक प्रगति)	*	1. स्थल पर आगंतुकों की संख्या को बढ़ाने हेतु जनता के बीच जालियांवाला बाग घटना के बारे में जागरूकता पैदा करना।	1.1 आगंतुकों की संख्या में वृद्धि की प्रतिशतता	10

	ठ. सेवा भोज योजना					
	1. नि:शुल्क खाद्य सामग्रियों की प्राप्ति, जनता/श्रद्धालुओं को नि:शुल्क भोजन तैयार करके वितरित करना	1.1 संगठनों द्वारा खरीदी गई खाद्य सामग्रियों की कुल मात्रा (प्रति सामग्री : घी, खाने का तेल, चीनी/बूरा/गुड़ चावल, आटा/मैदा/रवा/फ्लोर, दलहन)	100 धर्मार्थ/ धार्मिक संगठन	1. धर्मार्थ/धार्मिक संस्थाओं के कल्याणकारी प्रयासों को प्रभावित करने वाले कारकों के भार को कम करना और धर्मार्थ/धार्मिक संस्थानों के वित्तीय स्थिति को अच्छा बनाए रखना।	1.1 नि:शुल्क भोजन प्रदान करने की दिवसों की संख्या	5000 (लगभग)
		1.2 सहायता प्रदत्त संस्थाओं की संख्या	100		1.2 नि:शुल्क भोजन प्राप्त करने और लाभान्वित होने वाले व्यक्तियों की संख्या	2.5 करोड़ प्रति वर्ष (लगभग)
	ड. सांस्कृतिक अवसंरचना के सृजन हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम : स्टूडियो थियेटर सहित भवन अनुदान के लिए मंच कलाओं में सांस्कृतिक कार्यकलापों हेतु वित्तीय सहायता					
	1. समुचित रूप से सुसज्जित स्थलों के निर्माण हेतु संगठनों को सहायता प्रदान करना	1.1 सहायता प्रदत्त स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों की संख्या	20	1. कलाकार सृजनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान करते हैं और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।	1.1 स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों द्वारा प्रति वर्ष (पुनरावृत्ति सहित) प्रस्तुतियों की संख्या	20
		1.2 सहायता प्रदत्त सरकारी एजेंसियों/सांस्कृतिक संगठनों की संख्या	15		1.2 सरकारी एजेंसियों/सहायता प्रदत्त सांस्कृतिक संगठनों द्वारा प्रति वर्ष (पुनरावृत्ति सहित) प्रस्तुतियों की संख्या	15
		1.3 सृजित किए गए प्रस्तुति स्थलों/स्टूडियो की संख्या	15		1.3 प्रस्तुतियों में उपस्थित होने वाले आगंतुकों/पर्यटकों की संख्या	15

	ढ. सांस्कृतिक अवसंरचना के सृजन हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम: संबद्ध सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता					
	1. संबद्ध सांस्कृतिक कार्यकलापों की प्रस्तुति/प्रदर्शन के लिए परिसंपत्तियों के सृजनार्थ संगठनों को सहायता प्रदान करना	1.1 सहायता प्रदत्त स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों की संख्या	5	1. पर्यटकों/आगंतुकों को नियमित आधार पर सजीव प्रस्तुतियों का प्रत्यक्ष अनुभव	1.1 प्रति वर्ष (पुनरावृत्ति सहित) प्रस्तुतियों की संख्या	5
		1.2 सांस्कृतिक कार्यकलापों के लिए एवी पहलुओं को बढ़ाने के लिए सृजित परिसपंत्तियों की संख्या	5		1.2 सांस्कृतिक पर्यटन से अवगत आगंतुकों/पर्यटकों की संख्या	5
	ण. सांस्कृतिक अवसंरचना के सृजन हेतु वित्तीय सहायता की स्कीम: टैगोर सांस्कृतिक परिसरों हेतु वित्तीय सहायता					
	1. कला और संस्कृति के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता केन्द्रों के निर्माण हेतु संगठनों को सहायता प्रदान करना	1.1 सहायता प्रदत्त संगठनों की संख्या	5	1. सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने के लिए कला एवं सांस्कृतिक कार्यकलापों का प्रदर्शन और प्रोत्साहन, सृजनात्मक अवसर प्रदान करना।	1.1 कला प्रस्तुतियों के लिए सांस्कृतिक स्थलों या एमसीसी (पुनरावृत्ति सहित) की क्षमता (यथा परिकलपित) : सभी सृजित स्थलों/सृजित स्थलों की संख्या के अनुसार प्रस्तुतियों के लिए प्रयुक्त स्थलों की प्रति वर्ष प्रस्तुति दिवसों की कुल संख्या)	5
		1.2 निर्मित/तैयार गए नए सांस्कृतिक स्थलों या एमसीसी (बहुउद्देशीय सांस्कृतिक परिसरों) की संख्या	5		1.2 एमसीसी के विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों में मंच प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, साहित्यिक कार्यकलापों की संख्या।	5

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

3. संग्रहालयों का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. संग्रहालय अनुदान स्कीम					
	1. नए संग्रहालय और मौजूदा संग्रहालयों का आधुनिकीकरण/ स्तरोन्नयन	1.1 संग्रहालय अनुदान स्कीम के तहत वित्तीय सहायता से नए संग्रहालयों की स्थापना हेतु अनुमोदित किए जाने वाले प्रस्तावों की संख्या	5	1. हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में देश भर के आगंतुकों में जागरूकता और रूचि पैदा करना।	1.1 आगंतुकों की प्रत्याशित संख्या।	नया संग्रहालय -प्रतिवर्ष 30,000-50,000 • मौजूदा संग्रहालय - वार्षिक रूप से 10 से 15 प्रतिशत तक प्रतिशतता में वृद्धि करना
		1.2 संग्रहालय अनुदान स्कीम के तहत वित्तीय सहायता से मौजूदा संग्रहालयों के आधुनिकीकरण/स्तरोन्नयन हेतु अनुमोदित किए जाने वाले प्रस्तावों की संख्या	5			
286.74	2. राज्य सरकार / एनजीओ के संग्रहालयों को कला वस्तुओं के डिजिटलीकरण और उनके चित्रों / कैटलॉगों को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के लिए सहायता।	2.1 कला वस्तुओं के डिजिटलीकरण के लिए अनुमोदित किए जाने वाले प्रस्तावों की संख्या	4	2. देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में विश्व भर के लाखों लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना	2.2 वेबसाइट www.museumsofindia.gov.in पर आगंतुकों की संख्या	20%

	3. देश भर में राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर, क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर जैसे विभिन्न स्तरों पर संग्रहालय पेशेवर प्रशिक्षित किए गए।	3.1 वर्ष 2018-19 के दौरान प्रशिक्षित संग्रहालय पेशेवरों की संख्या	6	3. संग्रहालयों के प्रदर्श और स्थान प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुधार करना	3.1 प्रदर्शन और संरक्षण का व्यावसायीकरण किए गए संग्रहालयों की संख्या	5-6 संग्रहालय
	ख. विज्ञान की संस्कृति के संवर्धन हेतु स्कीम (एसपीओसीएस)					
	1. उत्तराखंड, ओडिशा, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, केरल, हिमाचल प्रदेश, असम, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार और कर्नाटक राज्य में नए विज्ञान शहर/ विज्ञान केन्द्र स्थापित करना	1.1 स्थापित किये जाने वाले विज्ञान केन्द्रों / विज्ञान शहरों की संख्या	उदयपुर (त्रिपुरा) और कोट्टायम (केरल) में 02 विज्ञान केन्द्र पूरे किए जाने हैं। एक विज्ञान शहर (असम) और 09 विज्ञान केन्द्रों यथा पालमपुर, गया, कोकराझार, अल्मोड़ा, उदयपुर-राजस्थान, राजमुंद्री, जबलपुर, मायाबंदर, श्रीनगर में कार्य प्रगति पर है।	1. लोगों में, विशेषकर युवा विद्यार्थियों में विज्ञान की लोकप्रियता और वैज्ञानिक नजरिया बढ़ाना तथा वैज्ञानिक मनोवृत्ति और जागरूकता पैदा करना।	1.1 आगंतुकों की संख्या	विज्ञान केन्द्रों में वार्षिक रूप से निम्नानुसार आगंतुकों की लक्षित संख्या हासिल करना; (i) श्रेणी-I लगभग 2,50,00 (पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 2,00,000); (ii) श्रेणी-II - लगभग 1,50,000 (पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 75,000)
					1.2 विद्यार्थियों और आम जनता के लिए आयोजित/संचालित कार्यक्रमों की संख्या।	25
	2. विभिन्न विज्ञान केन्द्रों में नवाचार केन्द्र स्थापित करना	2.1 पूरा किए जाने वाले नवाचार केन्द्रों की संख्या	निम्नलिखित 08 नवाचार केन्द्रों को पूरा किया गया: डीएससी, दीघा, धारवाड़ क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, धारवाड़, आरएससी, चलाकुडी, डीएससी, पुरुलिया, डॉ. अबुल कलाम	2. क्षेत्र के युवाओं में नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहन देना।	2.1 इन केन्द्रों द्वारा अयोजित कार्यकलापों की संख्या	25
					2.2 इन नवाचार केन्द्रों में पहुंचे विद्यार्थियों की संख्या	कम से कम 300 सक्रिय नवाचार सदस्यों का वार्षिक सूची में नाम दर्ज करना। विद्यालय / महाविद्यालय के विद्यार्थियों और अध्यापकों

			विज्ञान केन्द्र और तारामंडल, पुदुचेरी, अन्ना विज्ञान केन्द्र, त्रिची, जोरहाट विज्ञान केन्द्र एवं तारामंडल, जोरहाट, विज्ञान केन्द्र, पोर्ट ब्लेयर। निम्नलिखित 08 नवाचार केन्द्रों का कार्य प्रगति पर है - एसआरएससी, पालमपुर, आरएससी, रांची, एसआरएससी, बारगढ़, छत्तीसगढ़ विज्ञान केन्द्र, रायपुर, एसआरएससी, गया, एसआरएससी, उदयपुर, राजस्थान, एसआरएससी, अल्मोड़ा और एसआरएससी, राजमुंद्री।			द्वारा नवाचार केन्द्रों में ज्ञानार्जन दौरों की संख्या (वार्षिक रूप से लगभग 10000)
	3. देश में विज्ञान शहरों / विज्ञान केन्द्रों/ नवाचार केन्द्रों का स्तरोन्नयन	3.1 स्थापित किए जाने वाले विज्ञान केन्द्रों/विज्ञान शहरों की संख्या	01	3. लोगों में विशेषकर युवा विद्यार्थियों में विज्ञान की लोकप्रियता बढ़ाना और वैज्ञानिक नजरिया बढ़ाना तथा वैज्ञानिक	3.1 आगंतुकों की संख्या	3,00,000

				मनोवृत्ति और जागरूकता पैदा करना। क्षेत्र के युवाओं में नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देना।		
	ग. आभासी प्रायोगिक संग्रहालय					
	1. देशभर में आभासी अनुभवजन्य संग्रहालयों (वीईएमएस) स्थापित करना[11]	1.1 स्थापित किये जाने वाले वीईएमएस की संख्या	02	1. विश्वभर में लोगों के बीच देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना।	1.1 स्थापित किये जाने वाले वीईएमएस की संख्या	02
	घ. भारत के प्रधानमंत्रियों पर संग्रहालय					
	1. प्रधानमंत्रियों के संग्रहालयों के लिए प्रौद्योगिकियों को पुष्ट करने हेतु प्रधानमंत्रियों पर विशेष प्रदर्शन।[12]	1.1 भारत के प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय का कार्य शुरू होने वाला है तथा सिविल कार्य पूरा किए जाने की संभावना है। प्रौद्योगिकियों की पहचान और स्रोतीकरण तथा प्रदर्शन विषयवस्तु।	01 संग्रहालय पूरा किया जाना है।	1. भारत के समसामयिक इतिहास के क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण, सार्वजनिक भागीदारी की परंपरा निभाना और विद्वतापूर्ण अनुसंधान के लिए भारत के सभी प्रधानमंत्रियों के जीवनकाल एवं	1.1 सामान्य आगंतुकों और शोधार्थियों की संख्या में वृद्धि करना	सामान्य आगंतुकों और शोधार्थियों की संख्या में 10-15% वृद्धि।

[11] *(परियोजना प्रारंभिक चरण में है और सांकेतिम प्रावधान रखा गया है)*

[12] *(अकादेमी परामर्शदाताओं और परियोजनाओं संबंधी आवश्यक कर्मचारियों की सेवाएं लेना)।*

				कार्यों, करिश्माई कार्य और योगदान को चिन्हांकित करने के लिए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करना।		

4. पुस्तकालयों का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
118.51	(i) एनएमएल मॉडल पुस्तकालयों की स्थापना करना (ii) पुस्तकालयों का गुणात्मक एवं संख्यात्मक सर्वेक्षण (iii) भारत के राष्ट्रीय आभासी पुस्तकालय का सृजन (iv) पुस्तकालय व्यावसायिकों का क्षमता निर्माण	1.1 स्थापित एनएमएल मॉडल पुस्तकालयों की संख्या	12	1. पुस्तकालयों तक पहुंच बढ़ाना और पुस्तकालय में आकर पढ़ने की आदतों को अंतर्निविष्ट करना तथा पुस्तकालय व्यावसायिकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, अनुसंधान अध्येताओं हेतु अभिलेखों का परिरक्षण करना। एनवीएलआई प्रतिकृति का विकास करना	1.1 पुस्तकालयों में पहुंचने वाले व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	10
		1.2 रिपोर्ट का समेकन	1		1.2 रिपोर्ट का प्रकाशन	1
		1.3 एनवीएलआई प्रतिकृति का विकास	1		1.3 एनवीएलआई पोर्टल का सॉफ्ट लांच	1
		1.4 प्रशिक्षणों की संख्या	12		1.4 प्रशिक्षित व्यावसायिकों की संख्या	480

5. वैश्विक भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
21.19	**क. अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंधों के संवर्धन हेतु स्कीम**					
	1. विदेश में आयोजित किए जाने वाले भारत महोत्सव	1.1 उन देशों की संख्या जिनमें भारत महोत्सव आयोजित किए जाने हैं।	12	1. भारतीय कला एवं संस्कृति को लोकप्रिय बनाना और इनमें रुचि पैदा करना	1.1 सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संख्या	50
	2. भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को विदेश में सुदृढ़ करने हेतु सहायता अनुदान	2.1 मिशनों की संख्या 2.2 उन सोसाइटियों की संख्या जिन्हें अनुदान दिया जाएगा	60 450	2. विदेश में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने, भारत और विदेश के बीच मैत्री और सांस्कृतिक संबंधों को प्रोत्साहन	2.1 कार्यक्रमों की संख्या	600
	ख. भारतीय संस्कृति के संवर्द्धन हेतु यात्रा अनुदान					
	1. विदेशों में कार्यक्रमों के लिए भारतीय कलाकारों को सहायता देना। (स्कीम को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है तथा सांकेतिक प्रावधान किया गया है)	1.1 उन कलाकारों की संख्या जिन्हें यात्रा अनुदान दिया गया है।	01	1. विदेशों में भारतीय कला और संस्कृति तथा कलाकारों को प्रोत्साहन	1.1 प्रस्तुतियों की संख्या	01

6. पांडुलिपियों के परिरक्षण के संबंध में राष्ट्रीय मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
12	1. पांडुलिपियों का सर्वेक्षण एवं प्रलेखन	1.1 पूरे देश में पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों के माध्यम से पांडुलिपियों का सर्वेक्षण एवं प्रलेखन 1.2 पांडुलिपियों के सर्वेक्षण एवं प्रलेखन के लिए चार देशों का दौरा किया जाएगा।	7 लाख पांडुलिपियों का सर्वेक्षण एवं प्रलेखन 04 पांडुलिपियों के सर्वेक्षण और प्रलेखन के लिए देशों का दौरा किया जाना है	1. पांडुलिपियों से ज्ञान के प्रसार और शोध कार्य को बढ़ावा देना	1.1 उन शोधकर्ताओं और अध्येताओं जिनके द्वारा एनएमएम का डाटा और वेबसाइट का सदुपयोग किया जाएगा।	प्रति वर्ष लगभग 1.50 लाख अध्येताओं और शोधार्थियों द्वारा एनएमएम की वेबसाइट का लाभ उठाना।
	2. पांडुलिपियों का संरक्षण एवं परिरक्षण	2.1 संरक्षित एवं परिरक्षित की जाने वाली पांडुलिपियों की फोलियो की संख्या	पांडुलिपियों के 250 लाख फोलियो का संरक्षण	2. पांडुलिपियों का संरक्षण	2.1 पांडुलिपियों का संरक्षण	लगभग 25000 पांडुलिपियों का संरक्षण
	3. पांडुलिपियों का अंकीकरण	3.1 पांडुलिपियों के अंकीकृत किए जाने वाले पृष्ठों की संख्या	पांडुलिपियों के 4 करोड़ पृष्ठों का अंकीकरण	3. पांडुलिपियों का अंकीकरण	3.1 पांडुलिपियों का अंकीकरण	भावी पीढ़ियों के उपयोगार्थ लगभग 4 लाख पांडुलिपियों का अंकीकरण
	4. कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन और व्याख्यान	4.1 पांडुलिपि विज्ञान एवं शिलालेख पर कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, व्याख्यानों,	पांडुलिपि विज्ञान एवं शिलालेख पर 10 प्रारंभिक स्तर और 5 उन्नत स्तर की	4. पांडुलिपियों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना	4.1कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, व्याख्यानों और सम्मेलनों में शोधकर्ताओं एवं	375 अध्येताओं को पांडुलिपि विज्ञान एवं शिलालेख में

		सम्मेलनों का आयोजन और संरक्षण कार्यशालाएं।	कार्यशालाओं, 15 संगोष्ठियों, 15 व्याख्यानों का आयोजन, 14 निवारक संरक्षण एवं 2 उपचारात्मक संरक्षण कार्यशालाओं और 4 सम्मेलनों का आयोजन		अध्येताओं, प्रशिक्षुओं की भागीदारी।	प्रशिक्षण प्रदान करना और 400 अभ्यर्थियों को पांडुलिपियों के संरक्षण में प्रशिक्षण देना।
	5. जागरूकता कार्यक्रम, प्रदर्शनी और प्रकाशन	5.1 प्रदर्शनियों में सहभागिता की संख्या तथा दुर्लभ और अप्रकाशित पुस्तकों के प्रकाशन की संख्या	6 प्रदर्शनियों में सहभागिता और 10 दुर्लभ और अप्रकाशित पुस्तकों का प्रकाशन	5. प्रदर्शनियों में सहभागिता और दुर्लभ और अप्रकाशित पुस्तकों का प्रकाशन	5.1 प्रदर्शनियों में सहभागिता और दुर्लभ और अप्रकाशित पुस्तकों का प्रकाशन	16*
	6. विश्वसनीय डिजिटल संग्रह और अवसंरचना	6.1 शोधार्थियों और अध्येताओं जैसे अपने विनिर्दिष्ट समुदाय वर्ग को डिजिटल संसाधनों की विश्वसनीय दीर्घावधि सुलभता उपलब्ध कराना	डिजिटल संसाधनों के लिए 01 वेबसाइट	6. शोधार्थियों और अध्येताओं जैसे अपने विनिर्दिष्ट समुदाय वर्ग को डिजिटल संसाधनों की विश्वसनीय दीर्घावधि सुलभता उपलब्ध कराना	6.1 टीडीआर द्वारा लाभान्वित शोधार्थियों तथा अध्येताओं की संख्या	प्रति वर्ष एनएमएम की वेबसाइट का उपयोग करने वाले 1.5 लाख शोधार्थी एवं अध्येता इससे लाभान्वित होंगे।
	7. सुलेख संग्रहालय	7.1 आईजीएनसीए में सुलेख संग्रहालय की स्थापना	01	7. सुलेख के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना	7.1 सुलेख संग्रहालय में आने वाले आगंतुकों की संख्या	1000*

** (इन स्कीम संबंधी सूचकों के लिए इस अवस्था पर अंतिम वार्षिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते)*

लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते क्योंकि यह मांग आधारित योजना है।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

मांग सं. 22

1. पर्वतीय क्षेत्र विकास स्कीम (एचएडीपी) (केंद्रीय क्षेत्र)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. सड़कों एवं पुलों का निर्माण एवं उन्नयन	1.1 फोरमेशन कटिंग की किमी में लंबाई 1.2 डब्ल्यूबीएम की किमी में लंबाई 1.3 कारपेटिंग की किमी में लंबाई 1.4 निर्मित किए गए पुलों की संख्या	*	पर्वतीय कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1 लाभान्वित जनसंख्या (संख्या में)	*
	2. प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य क्षेत्र अवसंरचना का उन्नयन	2.1 उन्नयन किए गए अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केंद्रों की परियोजनाओं की संख्या		स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार	2.1 सेवित जनसंख्या (संख्या में)	*
	3. प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा क्षेत्र अवसंरचना का उन्नयन	3.1 उन्नयन की गई स्कूली परियोजनाओं की संख्या		स्कूली शिक्षा तक पहुंच में सुधार	3.1 लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या	*
	4. जलापूर्ति परियोजनाएं	4.1 पूर्ण जलापूर्ति परियोजनाओं की संख्या		पेयजल आपूर्ति में सुधार	4.1 लाभान्वित परिवारों की संख्या	*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

2. आजीविका कौशल और क्षमता निर्माण: एनईआर आजीविका (ईएपी)परियोजना (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
38	1. स्वसहायता समूहों का वित्तीय समावेशन	1.1 कार्यान्वित सामुदायिक विकास योजना (सीडीपी) की संख्या	863	1. कौशल निर्माण, ऋण, विपणन एवं अन्य आजीविका सेवाओं के माध्यम से गरीबों की संवहनीय आजीविका	1.1 लाभान्वित जनसंख्या (संख्या में)	लगभग 3 लाख

३ । उत्तर पूर्व सड़क परियोजनाएं: आर्थिक महत्व की सड़कों का निर्माण / सुधार (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
50	1. सड़कों और पुलों का निर्माण / उन्नयन	1.1 पूरी हुई सड़क की लंबाई (किमी में)	5.46	1. एनईआर के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी	1.1 इन सड़कों से जुड़े प्रमुख शहरों/ शहरों/ एनईआर में संख्या	02
		1.1 निर्मित पुलों की संख्या	*			
		1.2 साइन बोर्ड, आर दीवारों, बी दीवारों और पैरापेट दीवारों (किमी में) सहित सड़क की लंबाई	5.46			

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

4. एनईएसआरआईपी - उत्तर पूर्वी सड़क क्षेत्र विकास स्कीम (एनईआरएसडीएस) (एडीबी सहायता) (केंद्रीय स्कीम) के ईएपी घटक

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
266.17	1. सड़कों का निर्माण/उन्नयन	1.1 फोरमेशन कटिंग की किमी में लंबाई	173.56	1. गांवों/पर्वतीय कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1 लाभान्वित जनसंख्या (संख्या में)	270
		1.2 डब्ल्यूबीएम की किमी में लंबाई	407.566			
		1.3 कारपेटिंग की किमी में लंबाई	407.566			

5. उत्तर पूर्वी सड़क क्षेत्र विकास स्कीम: कार्यक्रम घटक (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
400	1. अंतर्राज्यीय सड़कों का निर्माण/ उन्नयन	1.1 फोरमेशन कटिंग की किमी में लंबाई	300 किमी	1. गांवों/ पर्वतीय कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1 अंतर्राज्यीय सड़कों के साथ संपर्क किए गए गांवों और कस्बों की संख्या (यह स्कीम अंतर्राज्यीय सड़कों को जोड़ती है).	20
		1.2 डब्ल्यूबीएम की किमी में लंबाई	220 किमी			
		1.3 कारपेटिंग की किमी में लंबाई	100 किमी			

6. एकमुश्त विशेष विकास पैकेज: बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
20	1. सड़कों का निर्माण/ उन्नयन	1.1 सड़कों की लंबाई किमी में	07	1. गांवों/ पर्वतीय कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1 पूर्ण होने पर लाभन्वित होने वाली लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	2.12 लाख (लगभग)

7. एकमुश्त विशेष विकास पैकेज: कार्बी आंगलोंग स्वायत्त प्रादेशिक परिषद (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
40	1. सड़कों का निर्माण/उन्नयन	1.1 सड़कों की लंबाई किमी में	110.15	1. गांवों/पर्वतीय कस्बों के संपर्क में सुधार	1.1 पूर्ण होने पर लाभन्वित होने वाली लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	9.56 लाख (लगभग)

8. एकमुश्त विशेष विकास पैकेज: दीमा हसाओ प्रादेशिक परिषद (केंद्रीय स्कीम)

वित्तीय परिव्यय (रूपये करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
20	1. सड़कों का निर्माण/उन्नयन	1.1 सड़कों की लंबाई किमी में	55	1. गांवों/पर्वतीय कस्बों के संपर्क में सुधार	1.1 पूर्ण होने पर लाभन्वित होने वाली लक्षित जनसंख्या (संख्या में)	2.14 लाख (लगभग)

1.महासागर सेवाएँ, प्रौद्योगिकी,प्रेक्षण,संसाधन मॉडलिंग और विज्ञान (ओ-स्टोर्म्स) (सीएस) जिसे महासागर सेवाएं, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओस्मार्ट) के रूप में नया नाम दिया गया है

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
483	1. समुद्र और तटीय क्षेत्रों में बेहतर सुरक्षा	1.1 भारतीय तट पर समुद्री प्रेक्षण के लिए कमीशन किए जाने वाले बुआयों-कोस्टल बुआय की संख्या	4 बुआय	1.क तटीय समुद्र की मॉनिटरिंग का कवरेज विस्तार और सुधार 1.ख आंकड़ों के विस्तार से समुद्री आपदाओं के बेहतर पूर्वानुमान में मदद मिलेगी 1.ग आपातकालीन परामर्शिकाओं पर समय पर प्रतिक्रिया करने के लिए बढ़ा हुआ लीड समय	1.1 तटीय जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली के तहत हॉटस्पॉट की संख्या	4 स्थान
		1.2 बहु-खतरा चेतावनी प्रणाली के एक भाग के रूप में प्रेक्षण प्रणालियों की संख्या का विस्तार-नौबन्ध बुआय	19 बुआय		1.2 चक्रवातों के पूर्वानुमान के लीड समय में सुधार	72 घण्टे
		1.3 सुनामी बुआयों की संख्या-प्रचालनात्मक	7 बुआय		1.3 सुनामी परामर्शिकाओं के निर्गमन के लिए सुनामी की पूर्व चेतावनी और लगने वाले समय (औसत/उच्चतम/ न्यूनतम) में सुधार	10 मिनट
	2. तटीय राज्यों की निगरानी	2.1 वास्तविक समय आप्लावन मॉडल के विभेदन में वृद्धि	2.50 किमी.	2.क तटीय आप्लावन में सुधार	2.1 आप्लावन मॉडलों के विभेदन में वृद्धि	2.5 किमी.
		2.2 तटीय प्रदूषण की निगरानी के लिए स्थानों की संख्या	20	2.ख मत्स्य उद्योग की सहायता के लिए मौसम और मत्स्य परामर्शिकाओं का निर्गमन	2.2 भारत के तटीय समुद्रों के स्वास्थ्य का आकलन	8 तटीय राज्य
		2.3 उन राज्यों की संख्या जहां तटीय कटाव की निगरानी की जा रही है	6 तटीय राज्य		2.3 भारतीय तट के तटरेखा परिवर्तनों का आकलन	7 तटीय राज्य

		2.4 प्रजाति विशिष्ट परामर्शिका सेवाओं के साथ-साथ मत्स्य संभावित क्षेत्र आकलन सेवाओं के लिए नया सिस्टम सेटअप	2		2.4 मछुआरा समुदाय के पंजीकृत मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या	5 लाख
		2.5 जारी की गई मत्स्य परामर्शिकाओं की संख्या	300		2.5 महासागर परामर्शिका सेवाओं से उत्पन्न आर्थिक लाभ	35,000 करोड़ रुपए
	3. समुद्री संसाधनों अन्वेषण (क) अंतर्जल सजीव संसाधन-समुद्री प्रजातियां (ख) अंतर्जल निर्जीव संसाधन-उदाहरणार्थ खनिज	3.1 भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में बाथीमीट्रिक डेटा प्राप्ति के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र (वर्ग किमी.)	1.00 लाख वर्ग किमी.	3.क मानवजनित प्रभावों का आकलन 3.ख पॉलिमेटेलिक नोड्यूल और सल्फाइडों की खोज	3.1 कवर किए गए भारत के कुल पश्चिमी तट का %	90%
		3.2 भारत के पश्चिमी तट पर जैव-भू-रसायन विज्ञान के अध्ययन का संचालन करना	3			
		3.3 अन्वेषण किए गए 2.2 मिलियन वर्ग किमी. अनन्य आर्थिक क्षेत्र का %	68%		3.2 अंतर्राष्ट्रीय सीबेड अथॉरिटी के साथ अनुबंध की निरंतरता(हाँ/नहीं)	हाँ
	4. ओशन रिसर्च वेसेल्स का प्रतिस्थापन	4.1 ओशन रिसर्च वेसेल्स जो अपना निर्धारित जीवनकाल पूरा कर चुके हैं/जिनके प्रतिस्थापन की आवश्यकता है, का % (2/5)	40%	4. समुद्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान	4.1 पीयर समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या	20
	5. ओटीईसी संचालित विलवणीकरण संयंत्रों का संचालन	5.1 ओटीईसी संचालित विलवणीकरण संयंत्रों के स्थल का चयन(हाँ/नही)	हाँ	5. लक्षद्वीप में ओटीईसी संयंत्र की स्थापना	5.1 स्थापित किए गए ओटीईसी संयंत्रों की संख्या	*

** संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं।*

2. वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान - मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणालियां और सेवाएँ (अक्रोस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	1. जिला कृषि मौसम-विज्ञान क्षेत्र इकाइयों की स्थापना	1.1 स्थापित की गई जिला कृषि मौसम-विज्ञान क्षेत्र इकाइयों (डीएएमयू) की संख्या	390	1. मौसम, जलवायु और कृषि मौसम-विज्ञान संबंधी परामर्शिकाएँ जारी करना.	1.1 कृषि मौसम-विज्ञान संबंधी परामर्शिकाएँ प्राप्त कर रहे किसानों की संख्या	5 करोड़ किसान
413	2. प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क का विस्तार	2.1 डीएएमयू और 400 शहरों मेंराडार और विमानन मौसम प्रेक्षण प्रणाली (एडबल्यूओएस) तथा स्वचालित मौसम स्टेशन (एडबल्यूएस) की स्थापना और कमीशनिंग	राडार (एक्स बैंड)-10 राडार (सी बैंड)-11 एडबल्यूओएस-10 एचएडबल्यूओएस-5 एग्रो एडबल्यूएस-200 एडबल्यूएस-400	2. देश में नागरिक हवाई अड्डों पर एडबल्यूओएस और उन्नत पूर्वानुमान उपकरणों से विमानन सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक सहायता प्रणाली। एक्स बैंड डीडबल्यूआर की कमीशनिंग और सी बैंड राडारों के संस्थापन द्वारा नाउकास्टिंग की क्षमताओं में वृद्धि से उत्तर पश्चिम हिमालयी क्षेत्रों के लिए बेहतर पूर्वानुमान क्षमता।	2.1 मौसम परामर्शिकाएँ जारी करने की आवृत्ति 2.2 नाउकास्ट स्टेशनों की संख्या में वृद्धि	प्रत्येक 3 घंटे पर 600
	3. जलवायु सेवाएँ	राष्ट्रीय और क्षेत्रीय जलवायु सेवाएँ प्रदान करने के लिए एकीकृत उन्नत जलवायु डेटा सेवा पोर्टल युक्त अत्याधुनिक जलवायु डेटा केंद्र की स्थापना (हाँ/नहीं))	हाँ	3. उन्नत जलवायु सेवाएँ	3.1 सेक्टोरल अनुप्रयोगों (आपदा, जल, स्वास्थ्य इत्यादि) पर समस्त डेटा प्रबंधन और जलवायु सेवाओं के लिए अत्याधुनिक प्रणाली का विकास (हाँ/नहीं)	हाँ
	4. ग्लोबल एनसेंबल वेदर फोरकास्टिंग सिस्टम का संवर्द्धन	4.1 प्रोबेबिलिस्टिक पूर्वानुमानों के सृजन के लिए ग्लोबल एनसेंबल प्रेडिक्शन सिस्टम के विभेदन में वृद्धि।	12 किमी.	4. बढ़े हुए क्षैतिज रिज़ॉल्यूशन युक्त ग्लोबल एनसेंबल प्रिडिक्शन सिस्टम	4.1 वातावरण और स्थलाकृति के बेहतर प्रतिनिधित्व के साथ एन्सेम्बल प्रेडिक्शन सिस्टम (ईपीएस) के उन्नत रिज़ॉल्यूशन	हाँ

		9. नए अनुप्रयोगों का विकास	1		पर संभाव्य पूर्वानुमानों का सृजन नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए नए पूर्वानुमान उत्पादों का सृजन (हाँ/नहीं)	
	5. अर्थ सिस्टम मॉडल का विकास	5.1 विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम (डब्ल्यूसीआरसी) के युग्मित मॉडल इंटरकम्पेरिजन प्रोजेक्ट (सीएमआईपी) के तहत समन्वित जलवायु मॉडल प्रयोगों की संख्या	1500	5. आईपीसीसी जलवायु आकलन रिपोर्टों और विभिन्न राष्ट्रीय आकलनों के भाग के रूप में सीएमआईपी मॉडल सिमुलेशनों का आकलन किया जाता है	5.1 सीएमआईपी (युग्मित मॉडल अंतर तुलना परियोजना) की पूर्णता- डीईसीके (निदान, मूल्यांकन और क्लीमा का चरित्र-चित्रण) कासिमुलेशन मार्च 2020 के अंत तक लगभग 1500 वर्षों के जलवायु मॉडलएकीकरण (आईआईटीएम ईएसएम और आईआईटीएम-ईएसएम का उच्च-रिज़ॉल्यूशन वायुमंडलीय संस्करण)(हाँ/नहीं)	हाँ
	6. उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग प्रणाली-वी3.0की खरीद	6.1 एचपीसी उन्नयन के लिए रणनीतिक दस्तावेज तैयार करना (हाँ/नहीं)	हाँ	6. मौजूदा उच्च कार्य-निष्पादन कम्प्यूटिंग प्रणाली का संवर्द्धन	6.1 विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना(हाँ/नहीं)	हाँ
		6.2 उच्च कार्य-निष्पादन कम्प्यूटिंग प्रणालीवी3.0 की संस्थापना और कमीशनिंग(हाँ/नहीं)	नहीं		6.2 एचपीसी प्रणाली की क्षमता में वृद्धि(हाँ/नहीं)	नहीं
	7. राष्ट्रीय वायुवाहित अनुसंधान सुविधा की स्थापना (एनएफएआर)	7.1 उपकरणयुक्त वायुयान प्रणाली (आईएएस)के प्रापण हेतु आरएफपी प्रकाशित करना (हां/नहीं)	हाँ	7. आईएएस आरएफपी मूल्यांकन और हैंगर का निर्माण	7.1 आरएफपी का तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन कार्य पूरा करना और आईएएस के लिए आपूर्तिकर्त्ता को अंतिम रुप देना (हां/नहीं)	हाँ

		7.2 औरंगाबाद हवाई अड्डे पर हैंगर भूमि की पहचान करना (हां/नहीं)	हाँ		7.2 भातीय विमानपत्तन प्राधिकरण से औरंगाबाद हवाई अड्डे पर हैंगर भूमि का अधिग्रहण (हां/नहीं)	नहीं

3. ध्रुवीय विज्ञान क्रोयोस्फीयर (पेसर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
143	1. वैज्ञानिक अभियान	1.1 आर्कटिक के लिए 13 वां वैज्ञानिक अभियान प्रारंभ किया गया।	1	1. अंतर्राष्ट्रीय ध्रुवीय अनुसंधान के क्षेत्र में भारत का बेहतर योगदान।	1.1 क्रायोस्फेरिक, वायुमंडलीय और भू-विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित परियोजनाओं के निष्कर्षों के साथ वैज्ञानिक शोध प्रकाशन प्रकाशित पेपर, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रतिनिधित्व आदि की संख्या।	50
		1.2 अंटार्कटिक के लिए 39 वां वैज्ञानिक अभियान शुरू किया गया	1		1.2 39 वें अभियान के दौरान दर्ज किए गए पैरामीटरों की संख्या	20
		1.3 हिमालय के लिए वैज्ञानिक अभियानों की संख्या	1		1.3 भारतीय मानसून से संबंधित प्रकाशन की संख्या	1
	2. क्रायोस्फेरिक, वायुमंडलीय और भू-विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक परियोजनाओं का आरंभ	2.1 उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर (टीसीओ) सहित दक्षिणी महासागर के लिए बहु-विषयात्मक अंतर-सांस्थानिक वैज्ञानिक अभियान	1		1.4 कुल प्रकाशनों की संख्या में उच्च प्रभाव वाले वैज्ञानिक शोध प्रकाशन का %	25%

		प्रारंभ किया गया।				
		2.2 ध्रुवीय क्षेत्र में शुरू की गई वैज्ञानिक परियोजनाओं की संख्या	70	2. हिमनदों की गतिशीलता की बेहतर जानकारी	2.1 हिमालय में निगरानी किए गए ग्लेशियरों की संख्या	5
	3. ध्रुवीय अनुसंधान जलयानों का अधिग्रहण	2.3 ध्रुवीय अनुसंधान जलयान- पीआरवी के निर्माण हेतु कार्य का %	10%	3. ध्रुवीय अनुसंधान का संचालन करने के लिए वैज्ञानिक क्षमता को बढ़ाना	3.1 उन दिनों की संख्या जब वार्षिक अभियान बाधित हुए थे	0

4. भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (एसएजीई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
115	1. भूकंप-वैज्ञानिक प्रेक्षण करने की क्षमता में वृद्धि	1.1 देश में शुरु की गई भूकंप-वैज्ञानिक वेधशालाओं की संख्या	115	1. भूकंप मापदंडों की बढ़ी हुई सटीकता के साथ भूकंप संसूचन क्षमताओं में सुधार	1.1 देश के भीतर भूकंप का न्यूनतम संसूचन थ्रेसहोल्ड परिमाण	3.0
		1.2 गहरी पर्पटीय संरचनाओं और भूकंपीय युग्मन मानचित्रों का चित्रण करने के लिए गढ़वाल-कुमाऊं हिमालय में चालू की गई भूकंप-वैज्ञानिक वेधशालाओं की संख्या	0			
		1.3 भू-कालानुक्रम विज्ञान के लिए राष्ट्रीय सुविधा की स्थापना करना अर्थात् % के संदर्भ में प्रयोगशाला की स्थापना के लिए अपेक्षित अवसंरचना का निर्माण और अनुषंगी उपकरणों का प्रापण।	40%	2. भूकंप-वैज्ञानिक अध्ययनों में अनुसंधान आधार को बढ़ाना"	2.1 कागजातों/प्रकाशनों/ निष्कर्षों की संख्या	35
					2.2 उच्च प्रभाव वाले प्रकाशनों का%	10%

	2. कोयना क्षेत्र में बोरहोल वेधशाला की स्थापना	2.1 3 किमी की गहराई तक ड्रिल किए गए पायलट बोरहोल से प्राप्त भू-भौतिकीय डेटा का प्रसंस्करण, विश्लेषण और व्याख्या. % के संदर्भ में सक्रिय फॉल्ट जोनों की पहचान करने के लिए भू-भौतिकी डेटा सेटों का विश्लेषण एवं व्याख्या	60%		2.3 देश के भीतर आने वाले भूकंप की रिपोर्ट करने में औसत समय विलंबन	5 मिनट
		2.2 3 किमी की गहराई तक ड्रिल किए गए पायलट बोरहोल से प्राप्त भू-भौतिकीय डेटा का प्रसंस्करण, विश्लेषण और व्याख्याअधिग्रहित भू -रासायनिक डेटा का %	60%		2.4 एसएमएस सेवा एप के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या	500
		2.3 3 किमी की गहराई तक ड्रिल किए गए पायलट बोरहोल से प्राप्त भू-भौतिकीय डेटा का प्रसंस्करण, विश्लेषण और व्याख्या बेसमेंट रॉक की पेट्रोग्राफी माइक्रो अवसंरचना का %	70%		2.5 मोबाइल एप सेवाओं के लिए पंजीकृत उपयोगकर्त्ताओं की संख्या	5000
		2.4 कोयना क्षेत्र में भूकंप - वैज्ञानिक अध्ययन	80%		2.6 देश के भी न्यूनत्तम थेसहोल्ड परिमाण घटनाओं को रिकॉडिंग कर रहे स्टेशनों की न्यूनतम संख्या	5
		2.5 मुख्य बोरहोल की योजना(हाँ/नही) (स्थल की स्वीकृति पर निर्भर)	हाँ			
** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*						

5. अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण आउटरीच (रीचआउट) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
90	1. एक्स्ट्राम्यूरल फंडिंग	1.1 देश के विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में अनुसंधान और विकास की गतिविधियों के लिए वित्तपोषित प्रस्तावों की संख्या	50	1. देश के विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में पृथ्वी विज्ञान में की जा रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का बढ़ावा देना।	1.1 एक्स्ट्राम्यूरल फंडिंग के माध्यम से किए गए अनुसंधान पर आधारित प्रकाशनों की संख्या	50
	2. आउटरीच और जागरूकता	2.1 मंत्रालय द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं तक सामान्य जनता की पहुंच बनाने के लिए 50 से अधिक सम्मेलनों/सेमिनारों और संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।	50	2. जानकारी और ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रौद्योगिकीविदों, विशेषज्ञों, सामाजिक वैज्ञानिकों और उपयोगकर्ता समुदायों को मंच प्रदान करने के लिए पृथ्वी प्रणाली विज्ञान के क्षेत्र में सेमिनारों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, क्षेत्र कार्यक्रमों, प्रशिक्षण गतिविधियों आदि को सहायता प्रदान करना; और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की उपलब्धियों/महत्वपूर्ण सेवाओं के बारे में जागरूक बनाने के लिए प्रदर्शनियों में भागीदारी /सहायता	2.1 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित लोगों की संख्या	30
	3. नोएडा में बिम्सटेक केंद्र और हैदराबाद में यूनेस्को के श्रेणी-2 केंद्र आईटीसीओ ओशन की स्थापना	3.1 अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों/ विश्वविद्यालयों के सहयोग से प्रचालनात्मक समुद्र-विज्ञान में शुरू किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या	8		2.2 दीर्घ कालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित लोगों की संख्या	10

1. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - इलेक्ट्रॉनिक शासन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
450	1. सामान्य सेवा केंद्रों की स्थापना	1.1 सामान्य सेवा केंद्रों की कुल संख्या	2.50 लाख सीएससी प्रचालित किए जाने हैं (प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक सीएससी)।	1.1 डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से वहनीय कीमतों पर जी2सी और बी2सी सेवाओं की समय पर प्रदायगी	सीएससी 2.0 परियोजना के दिशानिर्देशों के अनुसार- परियोजना के परिणाम निम्नानुसार हैं: 1.1 प्रत्येक ग्राम पंचायत (एक से अधिक को प्राथमिकता दी जाएगी) में एक सीएससी के साथ नागरिकों को ई-सेवाएं प्रदान करने वाले 2.5 लाख कॉमन सर्विसेज सेंटरों का एक आत्मनिर्भर नेटवर्क ।	2.50 लाख सीएससी प्रचालित किए जाने हैं ।
	2. डिजिटल लॉकर की स्थापना	2.1 स्थापित डिजी लॉकर की कुल संख्या	40 लाख	2.1 डिजिटल चैनलों और सेवाओं का बढ़ता उपयोग	2.1 डिजिटल लॉकर सुविधा के साथ पंजीकृत उपयोगकर्ता ओं की कुल संख्या	40 लाख
		2.2 जीआईएस एप्लिकेशन को विकसित किया जाना है	30	2.2 जीआईएस आधारित सेवाओं का बढ़ता उपयोग	2.2 उन परियोजनाओं की संख्या जहां जीआईएस मैपिंग का उपयोग किया जा रहा है	30

	3. क्लाउड पर मेघराज एप्लिकेशन की स्थापना	3.1 एनआईसी क्लाउड पर कुल एप्लिकेशन चल रही हैं	100 एप्लिकेशन और 1,500 वर्चुअल सर्वर	3.1 मेघराज क्लाउड पर एप्लिकेशनो / प्रयोक्ताओं की होस्टिंग	3.1 एनआईसी (मेघराज) क्लाउड पर होस्ट किए गए एप्लिकेशनो का उपयोग कर प्रयोक्ताओं / ग्राहकों की कुल संख्या	100

2. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - जनशक्ति विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
	1. ओलैब के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण	1.1 प्रशिक्षण के लिए शिक्षकों का नामांकन	3365	1. यह छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ सामग्री को पूरक के तौर पर लेने और अपनी समझ को बढ़ाने में मदद करेगा ।	प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या में वृद्धि	3365
400.75	2. आई ई सी टी डोमेन में जनशक्ति को कुशल बनाना	2.1 प्रशिक्षित जनशक्ति की कुल संख्या	विश्वेश्वरैय्या पीएचडी योजना के तहत पीएचडी कर रहे शोधकर्ताओं की संख्या ~ 1,156 [956 पूर्णकालिक और 200 अंशकालिक] और 155 युवा संकाय अनुसंधान फैलोशिप।	2. अनुसंधान एवं विकास, आईटी और इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता।	प्रमाणित जनशक्ति की कुल संख्या	विश्वेश्वरैय्या पीएचडी योजना के तहत पीएचडी कर रहे शोधकर्ताओं की संख्या ~ 1,156 [956 पूर्णकालिक और 200 अंशकालिक] और 155 युवा संकाय अनुसंधान फैलोशिप।

			ईएंडआईसीटी अकादमी ~ 15,000 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया जाएगा।			ईऔरआईसीटी अकादमी: ~ 15,000 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया जाना है।
			ईएसडीएम में कौशल विकास ~ 1.4 लाख			ईएसडीएम में कौशल विकास ~ 1.4 लाख
			आईएसईए~ 15,000 छात्रों को प्रशिक्षित किया जाना है			आईएसईए ~ 15,000 छात्रों को प्रशिक्षित किया जाना है
			चिप से प्रणाली ~ 10,000 को प्रशिक्षित किया जाना है।			सिस्टम से चिप ~ 10,000 प्रशिक्षित किया जाना है।
			एनआईईएलआईटी - केंद्रों को समर्थन (पूर्वोत्तर सहित): - 35,000 उम्मीदवार।			एनआईईएलआईटी - केंद्रों के लिए समर्थन (पूर्वोत्तर सहित): ~ 35,000 उम्मीदवार।

3. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20#	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
160.00	1. उच्च अधिगम एवं अनुसंधान के संस्थानों को परस्पर जोड़ने के लिए उच्च गति का एक डेटा संचार नेटवर्क।	1.1 एनकेएन से जुड़े हुए सस्थानों की संख्या ।	0	बड़े प्रतिभागी संस्थानों में ज्ञान संसाधनों का सृजन, अभिग्रहण और साझेदारी सुकर करना; सहयोगात्मक अनुसंधान आदि ।	-	*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

नोट : *(#) - वित्त वर्ष 2019-20 के लिए आवंटन **रुपये** 160 करोड़ है जो एनकेएन के तहत मौजूदा लिंक के लिए आवश्यक न्यूनतम परिचालन व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसे देखते हुए, निर्गम के कॉलम 2019-20 और परिणाम 2019-20 के तहत कोई नया लिंक प्रस्तावित नहीं किया गया है।*

4. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - आईटी और आईटीईएस उद्योगों का संवर्धन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
100.00	1. सफल बोलीकर्ताओं को आबंटित सीटें ।	1.1 सफल बोलीकर्ताओं को आबंटित बीपीओ/आईटीईएस सीटों की संख्या (संचयी)	• भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) ~ 48,300 • पूर्वोत्तर बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस) ~ 5,000	प्रत्यक्ष रोजगार सृजन	1.1 प्रत्यक्ष रोजगार की संख्या (संचयी)	• भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस): - 35,000 • पूर्वोत्तर बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस): - 2,000

नोट: *(*) - आईटी/ आईटीईएस उद्योगों के संवर्धन के लिए आवंटित 100 करोड़ रु, जिसमें आईबीपीएस और एनईबीपीएस शामिल हैं ।*

5. साइबर सुरक्षा परियोजनाएं: राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र (एनसीसीसी)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
120	1. एनसीसीसी चरण I और चरण II का कार्यान्वयन	1.1 प्रतिभागी संगठनों और आईएसपी के मेटाडेटा का जोड़ ।	100%	1. भारतीय साइबर स्पेस को सुरक्षित करने के लिए लगभग रीयल टाइम जोखिम मूल्यांकन और परिस्थितिजन्य जागरूकता । साइबरस्पेस की सुरक्षा के लिए नई तकनीकों का विकास। @	1.1 प्रतिभागी संगठनों और आईएसपी के मेटाडेटा का जोड़ ।	100%
		1.2 प्रतिभागी संगठन और आईएसपी पर वितरित सेवा की मनाही (डीडीओएस) अटैक ट्रैफिक का संसूचन, वर्गीकरण और खोज ।	100%		1.2 प्रतिभागी संगठन और आईएसपी पर वितरित सेवा की मनाही (डीडीओएस) अ टैक ट्रैफिक का संसूचन, वर्गीकरण और खोज	100%
		1.3 प्रतिभागी संगठन के नेटवर्क में मालवेयर/वायरस के प्रसार के संसूचन का विश्वास	90%		1.3 प्रतिभागी संगठन के नेटवर्क में मालवेयर/ वायरस के प्रसार के संसूचन का विश्वास	90%

6. आईटी / इलेक्ट्रॉनिक / सीसीबीटी में आरएंडडी

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
300	1. स्टार्ट-अप इकोसिस्टम सहायता के लिए आधार को मजबूत करना	1.1 ऐसे इन्क्यूबेटरों की संख्या जिन्हें सहायता दी गई	20	1. स्टार्टअप प्रणाली में बढ़े हुए निवेश के साथ रोजगार में और उच्च स्तर पर स्टार्ट अप में वृद्धि	1.1 उत्पन्न कुल रोजगार	1,000
		1.2 ऐसे स्टार्ट-अप की संख्या जिन्हें सहायता दी गई	100		1.2 विकसित उत्पादों की संख्या	100
		1.3 संचालित पारिस्थितिकी तंत्र संबंधी गतिविधियोंकी संख्या	1		1.3 पंजीकृत पेटेंटों की संख्या	25 पेटेंट
		1.4 संचालित प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या	10		1.4 पंजीकृत कॉपीराइट की संख्या	100 कॉपीराइट
		1.5 कम भागीदारी वाले सन्चालित किये गये कार्यक्रमों की संख्या	10		1.5 ट्रेडमार्क की संख्या	100 ट्रेडमार्क
		1.6 अधिक भागीदारी वाले सन्चालित किये गये कार्यक्रमों की संख्या	2		1.6 निवेशित स्टार्टअप की संख्या	40
		1.7 लॉन्च किए गए चुनौती अनुदानों की	3		1.7 प्रति स्टार्टअप औसत निवेश	10 मिलियन रुपए

		संख्या 1.8 आयोजित हैकथॉन की संख्या	3		1.8 नंबर स्टार्टअप जो यूनिकोम में बदल गए / सीरीज सी समकक्ष फंडिंग तक पहुंच गए	2
		1.9 औद्योगिक टाई-अप/ इनक्यूबेटरों द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू की संख्या	3			

नोट: *- टीआईडीई 2.0 योजना को एमईआईटीवाई के नवोद्भव और आईपीआर प्रभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है जो कि जेएस (जीएस), डिजिटल पेमेंट डिवीजन, एमईआईटीवाई के तहत आता है जो डिजिटल इंडिया नामक फ्लैगशिप योजना के उप भाग आईटी / इलेक्ट्रॉनिकी में आरएंडडी के तहत आता है। इसके अलावा, इस योजना के लिए बजट प्रावधान 'आईटी/ इलेक्ट्रॉनिकी/ सीसीबीटी में आरएंडडी' बजट शीर्ष से किया जाना है।*

** लक्ष्य दर्शाए नहीं गए हैं; संख्यात्मक लक्ष्य प्रदान किए जाएंगे।*

 # - मेटी की टिप्पणी:

1. यह नोट में यह कहा गया है कि बिंदु संख्या 1.9 (समर्थित उद्यमियों की संख्या) पहले से ही पता लगाया गया है क्योंकि टाइड 2.0 से ऊपर बिंदु संख्या 1.2 में स्टार्ट-अप पर ध्यान केंद्रित किया गया है और सात पूर्व-पहचाने गए प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में लगे हुए उद्यमी हैं।

2. बिंदु संख्या 1.11 के बारे में, सभी समर्थित स्टार्ट-अप मुख्य रूप से इन प्रौद्योगिकी डोमेन में वितरित किए जाएंगे जो मोटे तौर पर आईसीटीएंडई को कवर करते हैं।

3. इसके मद्देनजर, बिंदु संख्या 1.9 और बिंदु संख्या 1.11 को हटाया जा सकता है।

1. पर्यावरण ज्ञान और क्षमता निर्माण: वानिकी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10.80	1. आइएफएस अधिकारियों, अन्य सेवाओं के अधिकारियों और दूसरे हितधारकों का प्रशिक्षण	1.1 एक सप्ताह अथवा दो दिनों के आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण की संख्या	36	1. सभी स्तरों के वन अधिकारियों का कौशल उन्नयन	1.1 एक सप्ताह अथवा दो सप्ताह के प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किए जाने वाले आइएफएस अधिकारियों की संख्या	1620
		1.2 आयोजित किए जाने वाले दो दिनों के प्रशिक्षण की संख्या	19		1.2 दो दिनों के प्रशिक्षणों में प्रशिक्षित किए जाने वाले आइएफएस अधिकारियों की संख्या	855
		1.3 अन्य हित धारकों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों की संख्या	20		1.3 प्रशिक्षित किए जाने वाले अन्य हित धारकों के अधिकारियों की संख्या	600
		1.4 अन्य सेवाओं के कार्मिकों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों की संख्या	15		1.4 प्रशिक्षित किए जाने वाले अन्य कार्मिकों के अधिकारियों की संख्या	450
		1.5 कार्मिकों के लिए आयोजित किए जाने वाले विदेशी प्रशिक्षणों की संख्या	5		1.5 प्रशिक्षित किए जाने वाले वानिकी कार्मिकों की संख्या	85

2. पर्यावरण ज्ञान और क्षमता निर्माण: ईको टॉस्क फोर्स (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
75	1. वनीकरण	1.1 पौध रोपण के अन्तर्गत शामिल किया जाने वाला क्षेत्र	भूमि की उपलब्धता/ आवंटन किए जाने पर असम, जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान और उत्तराखंड राज्यों में 3400 हे. क्षेत्र में वनीकरण किए जाने का प्रस्ताव है।	1. ऊसर पहाड़ी क्षेत्र तथा मरूस्थलों में पारिस्थितिकीय पुनरूद्धार	1.1 वन रोपण के अन्तर्गत शामिल किये जाने वाला क्षेत्र (हे. में)	भूमि की उपलब्धता/आवंटन होने पर असम, जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान और उत्तराखंड राज्यों में 3400 हे. में वनीकरण किए जाने का प्रस्ताव है।
				2. पूर्व-सैनिकों को अर्थपूर्ण रोजगार दिए जाने को बढ़ावा देना	2.1 रोजगार दिए जाने वाले पूर्व-सैनिकों की संख्या	1972 (असम, जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान और उत्तराखंड राज्यों में कार्यरत 6 पैदल सेना बटालियनों के पूर्व सैनिकों की स्वीकृत संख्या । रिक्ति होने पर इसे भरा जाता है)

3. राष्ट्रीय तटीय प्रबंधन कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
95	1. आईसीजेडएम परियोजना चरण-I की निगरानी और मूल्यांकन: परियोजना के कार्यान्वयन की मूल्यांकन रिपोर्ट और परियोजना उद्देश्यों की उपलब्धि	1.1 निर्मित होने वाली रिपोर्ट की संख्या	1	1. आईसीजेडएम योजना 3 प्रायागिक राज्यों में सफलतापूर्वक लागू की गई	1.1 आईसीजेडएम उप-योजनाओं के साथ साइटों की संख्या को लागू करने और पूरी तरह कार्यात्मक बनाने के लिए	पहचान वाले तटीय हिस्सों के लिए 5 (पांच) आईसीजेडएम योजनाएं
	2. डेटा सेंटर की स्थापना: डेटा सेंटर की स्थापना	2.1 4 अलग-अलग स्थानों पर सेटअप किए जाने वाले डेटा केंद्रों की संख्या	3	2. भारत के सभी 11 तटीय राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के लिए सभी तटीय डेटा का संग्रह (अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप द्वीपों को छोड़कर)	2.1 उन राज्यों की संख्या जिनके लिए तटीय डेटा संग्रह बनाया जाना है	11
	3. आईसीजेडएमपी परियोजना के चरण-II के लिए प्रारंभिक कार्य: चरण-I आईसीजेडएमपी से सीखे गए सबक सभी 13 तटीय राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में आईसीजेडएम परियोजना के चरण-II में लागू करना	3.1 सभी 13 तटीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में राज्य परियोजना प्रबंधन इकाइयों की स्थापना और डीपीआर तैयार करना	8	3. एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन (आईसीजेडएम) योजना को अपने द्वीप क्षेत्रों सहित योजना सभी तटीय राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को भारत में स्थापित किया गया।	3.1 सभी तटीय राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में आईसीजेडएम के तहत डीपीआर लागू किया जाना है	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	4. समुद्र तट की सफाई और प्रदूषण उन्मूलन: योजना द्वारा लक्षित सभी 13 समुद्र तटों में स्वस्थ तटीय और समुद्री वातावरण बनाना	4.1 तटीय समुदायों के लिए पर्यटन और आय में सुधार के लिए गतिविधियों द्वारा कवर किए जाने वाले समुद्र तटों की संख्या	9	4. प्रदूषण और ठोस अपशिष्ट मुक्त समुद्र तटों और नीले झंडे समुद्र तट प्रमाणीकरण के साथ कम से कम 5 समुद्र तटों	4.1 बेहतर इको-पर्यटन सुविधाओं के साथ प्रायोगिक रूप में स्थापित किए जाने वाले समुद्र तट स्वच्छ मॉडल	9
	5. राष्ट्रीय तटीय मिशन: एक व्यापक तटीय मिशन दस्तावेज जिसे पीएम की जलवायु परिवर्तन परिषद के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। राष्ट्रीय तटीय मिशन के तहत विभिन्न घटकों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के सलाहकार आधारित अध्ययन और सूत्रीकरण	5.1 प्रस्तुत किए जाने वाले ड्राफ्ट तटीय मिशन दस्तावेज़ की संख्या	1	5. तैयार किए गए आम तटीय मुद्दों से निपटने के लिए अंतर-मंत्रालयी समन्वय	5.1 प्रत्येक तटीय राज्य / केन्द्रशासित प्रदेश द्वारा संबोधित आजीविका, पर्यटन, मत्स्य पालन, तटीय संरक्षण और संरक्षण	1
		5.2 राष्ट्रीय तटीय मिशन के तहत विभिन्न घटकों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की संख्या	1			
	6. गुजरात एसपीएमयू: समुद्री अनुसंधान और संरक्षण केंद्र की स्थापना: गुजरात में इस क्षेत्र में विशेष अनुसंधान के लिए पर्यटन को बढ़ाने और एक मंच प्रदान करने के लिए समुद्री	6.1 एमआरसीआई केंद्र का समापन	*	6. पारादीप में ठोस कचरे का डंपिंग न्यूनतम करना	6.1 पारादीप में डंप किए जाने वाले ठोस कचरे की मात्रा	50 मीट्रिक टन/ दिन

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	एक्वेरियम[13]					
	7. ओडिशा एसपीएमयू: सड़कों पर ठोस कचरे को नियंत्रित करने और पारदीप शहर में स्वच्छ और हरे वातावरण को बनाए रखने के लिए पारादीप नगरपालिका में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा	7.1 पारादीप में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधा का समापन	1			
	8. पश्चिम बंगाल एसपीएमयू: डिज़ाइन सहभागिता प्रक्रिया का उपयोग करके तैयार किए गए तटीय हिस्सों की पहचान के लिए आईसीजेडएम योजना, और अनुमोदन प्राप्त करना	8.1 आईसीजेडएम योजना पूरी की जानी है	2			
** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं हैं*						

[13] *कुल अनुमानित निर्माण अवधि 2 वर्ष अर्थात् 2018-2020 है।*

4. पर्यावरण सुरक्षा, प्रबंधन और स्थायी विकास: प्रदूषण उपशमन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
95	1. निधीयन प्रदान करके कमजोर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों एवं प्रदूषण नियंत्रण समितियों को सुदृढ़ बनाना	1.1 निधीयन के द्वारा सुदृढ़ किए जाने वाले कमजोर एसपी सीबी की संख्या	5	1. प्रदूषण उपशमन के लिए नयी प्रौद्यागिकी की व्यवहार्यता जांच	1.1 विकसित की जाने वाली नयी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों की संख्या	2
	2. पर्यावरणीय स्वास्थ्य के अधीन 2-3 नयी परियोजनाएं आरम्भ करना	2.1 स्थापित / पूरी की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	2-3	2. प्रशिक्षण तकनीकों और अपशिष्ट न्यूनीकरण कार्य नीतियों के माध्यम से एसएमई में क्षमता निर्माण	2.1 पूरी की गई परियोजनाओं की तकनीकी रिपोर्टों और जागरूकता के लिए प्रस्तुत की जाने वाली पुस्तिकाओं की संख्या	10
	3. चालू तीन सीईटीपी परियोजनाओं को पूरा करना[14]	3.1 निर्मित की जाने वाली सीइटीपी की संख्या	3	3. अपशिष्ट उत्पादन और उत्पादन की समग्र लागत में कमी	3.1 अपशिष्ट न्यूनीकरण पर आरम्भ की जाने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं	10
	4. लघु औद्योगिक इकाइयों के समूह से निकलने वाले बहिस्राव को शोधित करने के लिए चालू तीन सीटी परियोजनाओं के लिए निधीयन प्रदान करना	4.1 स्थापित की जाने वाली सीटी परि-योजनाओं की संख्या	10			

[14] *2016-17 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की योजना स्कीमों के मूल्यांकन के पश्चात, सचिव (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन) ने निर्णय लिया कि साझा बहिस्राव शोधन संयंत्र (सीईटीपी) और स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा अपशिष्ट न्यूनीकरण कार्यनीतियों के विकास/संवर्द्धन की स्कीमों को विद्यमान जारी परियोजना को निधीयन सहायता प्रदान करने के पश्चात बंद किया जाए। * - स्वच्छ प्रौद्योगिकियों संबंधी प्रदर्शन परियोजना सहित*

5. पर्यावरण सुरक्षा, प्रबंधन और स्थायी विकास: खतरनाक पदार्थ प्रबंधन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
15	1. संपत्ति -'व्यापार पहलों के माध्यम से पूर्व स्वामी आस्ति का वहनीय प्रबंधन': नगरीय ठोस अपशिष्ट, पृथक्करण, प्रहस्तन और शोधन के लिए अभिनव समाधान	1.1 योजना के माध्यम से लाभान्वित होने वाली नगर पालिकाओं की संख्या	5	1. खतरनाक अपशिष्ट के प्रबंधन हेतु पायलट परियोजनाएं	1.1 सूखे और गीले अपशिष्ट के रूप में पृथक किये जाने वाले अपशिष्ट की मात्रा	100 टन/माह
					1.2 पुन:चक्रित/पुन: प्रयुक्त किए जाने वाले अपशिष्ट की मात्रा	50 टन/माह
					1.3 लैंडफिल के माध्यम से निपटाये जाने वाले देश व्यापी अपशिष्ट की मात्रा	5 टन/माह
	2. रसायनों और अपशिष्टों के पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन के संबंध में सरकारी एजेंसियों/ संगठनों/ विभाग/ सिविल सोसाइटी/ संस्थान का क्षमता निर्माण	2.1 रासायनिक दुर्घटनाओं के क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	100	2. अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में क्षमता निर्माण	2.1 अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्मिकों की कुल संख्या	100
		2.2 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	100			
		2.3 संबंधित अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में	250			

		कार्मिकों का दक्षता विकास प्रशिक्षण				
	3. अपशिष्ट और रसायन प्रबंधन के विभिन्न नियमों के क्रियान्वयन के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना	3.1 आयोजित किये जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	10	3. अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विभिन्न नियमों, विनियमों के संबंध में हितधारकों के बीच जागरूकता	3.1 जागरूकता क्रियाकलापों के माध्यम से संपर्क साधित हितधारकों की संख्या	1000
	4. रसायनों और अपशिष्टों के पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन के लिए नव परिवर्तन प्रौद्योगिकियां (नगरीय ठोस अपशिष्ट के सिवाय)	4.1 रसायनों और अपशिष्टों के पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन के लिए वित्त पोषित की जाने वाली नव परिवर्तन प्रौद्योगिकियों की संख्या	5	4. रसायनों और अपशिष्टों के पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन के लिए नव परिवर्तन प्रौद्योगिकियों के संबंध में पायलट परियोजनाएं (नगरीय ठोस अपशिष्ट के सिवाय)	4.1 आयोजित की गयी पायलट परियोजनाओं की संख्या	5
	5. जैव चिकित्सीय अपशिष्ट के प्रबंधन और खतरनाक अपशिष्ट के शोधन भंडारण और निपटान के लिए सुविधाओं की स्थापना	5.1 खतरनाक अपशिष्ट के लिए सृजित किए जाने वाले एकीकृत टीएसडीएफ की सृजित संख्या	1	5. जैव चिकित्सीय और लैंडफिल में फेंके जाने योग्य खरतनाक अपशिष्ट का प्रबंधन	5.1 शोधित/निपटाए जाने वाले जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट की देश-व्यापी मात्रा	500 टन/दिन
					5.2 शोधित किये जाने वाले जैव चिकित्सा अपशिष्ट की देश-व्यापी मात्रा	200 किग्रा/घंटा जैव चिकित्सीय अपशिष्ट वाला एक भस्मक

		5.2 साझा जैव चिकित्सीय अपशिष्ट शोधन और निपटान के लिए सृजित की जाने वाली सुविधाओं की संख्या	1		5.3 उत्पन्न हुए खतरनाक अपशिष्ट की लैंडफिल में डाले जाने योग्य मात्रा	25.46 मिलियन टन/वर्ष	
					5.4. देश-भर में शोधित किए जाने वाले खतरनाक अपशिष्टों की मात्रा जिसे लैंडफिल में डाला जाना है।	1000 एमटीपीए क्षमता वाला एक टीएसडीएफ	

6. पर्यावरण सुरक्षा, प्रबंधन और स्थायी विकास: जलवायु परिवर्तन कार्य योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
40	1. स्रोत विशिष्टीकरण और उत्सर्जन	1.1. क्षेत्र मापन अभियान	5 अभियान	1. कृषि और आवासीय स्रोतों के लिए मापे गए क्षेत्र उत्सर्जन कारक	1.1. धूलकणों और गैसीय प्रदूषकों के उत्सर्जन कारक	20 कम्पाउंड
	2. क्षेत्र के नमूने और स्रोत संविभाजन	2.1. राष्ट्र-व्यापी वैकल्पिक दिवस क्षेत्रीय प्रचालन	10 स्टेशन	2. पीएम$_{2.5}$ का 24 घंटे में साद्रंण, नमूनों के भाग के लिए रासायनिक प्रजातीकरण	2.1.पीएम$_{2.5}$ संबंधी रिपोर्ट	150 काल-खंड मापन
					2.2.रासायनिक विशिष्टीकरण मापन की संख्या	75 मापन

	3. वायु गुणवत्ता और जलवायु प्रभावों के अध्ययन के लिए मॉडल	3.1. क्षेत्रीय जलवायु मॉडलों और सामान्य परिचालन मॉडलों की स्थापना और मूल्यांकन	10 मॉडल सिमुलेशन	3. सभी मॉडलों के साथ फ्रीरन सिमुलेशन	3.1. मॉडल निर्गम और मूल्यांकन के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करना	1 रिपोर्ट

7. पर्यावरण सुरक्षा, प्रबंधन और स्थायी विकास: राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन निधि (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
100	1. जलवायु अनुकूलन परियोजनाओं के लिए राज्यों को निधियों का प्रावधान	1.1 मूल्यांकन किए जाने वाले परियोजना संकल्पना टिप्पणों (पीसीएन) और विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की संख्या	5	1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के अनुकूलन कार्यकलापों का वित्त पोषण करके जलवायु परिवर्तन प्रभावों के विरूद्ध संवेदनशील समुदायों और पारिप्रणालियों की प्रतिरोधी और अनुकूली क्षमता में अभिवृद्धि	1.1. दिनांक 31.03.2020 तक वित्त पोषित की जाने वाली नई और जारी परियोजनाओं की कुल संख्या	27
		1.2 जलवायु अनुकूलन परियोजनाओं के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता	5 राज्य/ 2 संघ राज्य क्षेत्र		1.2. दिनांक 31.03.2020 तक अपने परिणाम लक्ष्य को पूरा करने वाली परियोजनाओं की संख्या	27

8. पर्यावरण सुरक्षा, प्रबंधन और स्थायी विकास: राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20	निर्गम	संकेतक	2019-20
50	1. 3डी डाटा एनालिसिस और विज्वलाइजेशन लैब (3डी-डीएवीएल) सहित पीएमयू डाटा सेंटर का सुदृढ़ीकरण	1.1. 3डी विज्वलाइजेशन पर स्टाफ प्रशिक्षणों की संख्या	05	1. भारतीय हिमालयी प्रदेश (आईएचआर) में संसूचित नीति निर्माण के लिए उन्नत संप्रेषण रणनीति	1.1. तैयार किए जाने वाले नीतिगत सारों की संख्या	05
	2. सभी 12 राज्यों में मांग आधारित कार्रवाई अनुसंधान परियोजना को जारी रखना और 15 नए बहु-राज्य समन्वित परियोजनाओं की शुरूआत करना	2.1. मांग आधारित परियोजनाओं की संख्या	125	2. समयबद्ध अध्ययनों के माध्यम से आईएचआर की वहनीयता के लिए प्राकृतिक पूंजी को सुदृढ़ करना	2.1. विभिन्न राज्यों में शामिल किए जाने वाले विषयक क्षेत्रों की संख्या	07
	3. 30 स्प्रिंग नवीकरण मॉडलों का विकास	3.1. नवीकरण किए जाने वाले स्प्रिंगों की संख्या	90	3. आईएचआर में संस्थानों की मानव पूंजी का सृजन करके आर एंड डी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण	3.1. आईएचआर में शामिल किए जाने वाले संस्थानों की संख्या	18
	4. प्रशिक्षित अनुसंधानकर्ताओं का सृजन	4.1. प्रदान की जाने वाली और निष्पादित की गई अध्ययेतावृत्ति की संख्या	210	4. संरक्षण कौशल और जागरूकता निर्माण का संवर्धन	4.1. विभिन्न राज्यों में सृजित की जाने वाली सुविधाओं की संख्या	05
	5. चार आईएचआर राज्यों में चार (4) नए प्रकृति व्याख्या केंद्रों (एनएलसी) की शुरूआत;	5.1. प्रकृति अध्ययन केंद्रों (एनएलसी) के अंतर्गत शामिल किए जाने वाले राज्यों की संख्या	04	5. हिमालयी राज्यों में प्रशिक्षित स्थानीय हितधारकों के माध्यम से ग्रामीण उद्यमों का सृजन करना	5.1. विकसित किए जाने वाले सूक्ष्म-उद्यमों की संख्या	08

9. पर्यावरणीय जागरूकता, नीति, योजना और परिणामों के मूल्यांकन के लिए निर्णय लेने की प्रणाली: पर्यावरणीय शिक्षा, जागरूकता एवं प्रशिक्षण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपये में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
82	1. विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों के विषय पर छात्रों (स्कूलों के साथ-साथ कॉलेजों के भी) को संवेदनशील बनाना	1.1 मंत्रालय के विभिन्न विषय-वस्तु क्षेत्रों के संबंध में शिक्षकों और छात्रों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	20 प्रशिक्षण कार्यक्रम	1. विद्यार्थियों के मध्य पर्यावरण जागरूकता का सृजन और पर्यावरण अनुकूल कार्यों में लक्ष्य दलों को शामिल करके पर्यावरण और इसके संरक्षण के प्रति एक उचित दृष्टिकोण अपनाना।	1.1 प्रशिक्षण में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या	600 भागीदार
		1.2 आयोजित किए जाने वाले प्रकृति शिविरों की संख्या	500 प्रकृति शिविर		1.2 प्रकृति शिविरों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या	25000 विद्यार्थी
		1.3 पर्यावरण दिवसों, स्वच्छता अभियानों, अपशिष्ट पृथक्करण कार्यकलापों और पौध रोपण अभियानों के आयोजन में शामिल किए जाने वाले स्कूलों/कॉलेजों की संख्या	1.25 लाख स्कूल/कॉलेज[15]		1.3 पर्यावरण दिवसों, स्वच्छता अभियानों, अपशिष्ट पृथक्करण कार्य-कलापों और पौध-रोपण अभियानों के आयोजन में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या	लगभग 50 लाख विद्यार्थी

[15] ** बजट प्राक्कलन 2019-20 में निधियों की उपलब्धता के अधीन स्कूलों / कॉलेजों की संख्या को 2 लाख तक बढ़ाने की मंजूरी दी गई है।*

10. पर्यावरणीय जागरूकता, नीति, योजना और परिणामों के मूल्यांकन के लिए निर्णय लेने की प्रणाली: पर्यावरणीय सूचना प्रणाली (एनविस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
46	1. एनविस ज्ञान उत्पादों अर्थात न्यूज़लेटर्स, पुस्तकों, विषय आधारित विशेष प्रकाशनों, ई-पुस्तकों, ई-बुलेटिनों, पुस्तिकाओं, शैक्षणिक किट इत्यादि का विकास	1.1 विकसित की जाने वाले सूचना/ज्ञान उत्पादों की संख्या	400	1. मूल्यवर्धित सूचना उत्पादों जैसे कि शैक्षणिक-किट, मोबाइल एप,पर्यावरण वीडियो, फोटो बैंक, शोधपत्र/ प्रकाशन, विषयगत मानचित्र, राज्य/ क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय स्तर पर सूचना की निदेर्शिका, सीडी, एटलस, विषय-आधारित डेटाबेस आदि का संग्रह बनाना।	1.1. डाउन-लोड किए जाने वाले पर्यावरण सूचना उत्पादों, किट और मानचित्रों की संख्या	4,10,000
		1.2 विकसित किए जाने वाले विषयगत मानचित्रों की संख्या	100		1.2. सभी पक्षों अर्थात छात्रों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, आम जनता आदि के द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में, अलग-अलग एनविस केंद्रों की वेबसाइटों से मोबाइल एप डाउनलोड की संख्या।	1,25,000
		1.3 विकसित किए जाने वाले मोबाइल एप्स की संख्या	17			
	2. नए एनविस केन्द्रों/संसाधन भागीदारों की स्थापना	2.1. स्थापित किए जाने वाले एनविस केंद्रों/ संसाधन ई-भागीदारों की संख्या	3	2. जिन राज्यों में कोई एनविस केंद्र नहीं है, उनमें 'पर्यावरण की स्थिति और संबंधित मुद्दों' पर एनविस केंद्रों की स्थापना। पर्यावरण से जुड़े विषयगत क्षेत्रों में अंतराल को भरने के लिए एनविस संसाधन भागीदारों की स्थापना।	2.1. मौजूदा संख्या के अतिरिक्त, लक्ष्यों की तुलना में स्थापित किए जाने वाले केंद्रों और संसाधन भागीदारों की संख्या	3

	3. भारतीय राज्य-स्तरीय मूलभूत पर्यावरण सूचना डाटाबेस (आईएसबीईआईडी) : आईएसबीईआईडी के 17 मॉड्यूलों की समय-श्रृंखला आंकड़ों का विकास और विश्लेषण।	3.1 जिला/ राज्य/ देश के लिए विकसित किए जाने वाले वर्णनात्मक/ संख्यात्मक पर्यावरण सूचना डेटाबेस हेतु समय-क्रृंखला के साथ-साथ नीति प्रभाव का विश्लेषण।	67	3. 17 मॉड्यूल और 48 उप मॉड्यूल के अनुसार पर्यावरण और इससे जुड़े मापदंडों में डेटा की कमी को पूरा करना। विभिन्न पर्यावरणीय मापदंडों पर एमआईएस रिपोर्ट तैयार करना।	3.1. एनविस केन्द्रों द्वारा एमआईएस डेटाबेस से उत्पन्न की जाने वाली विश्लेषणात्मक रिपोर्टों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि।	70
	4. हरित कौशल विकास कार्यक्रम: विभिन्न हरित कौशलों जैसे कि प्रदूषण निगरानी (वायु/जल/ध्वनि) बहिस्राव शोधन संयंत्र (ईटीपी) ऑपरेशन, अपशिष्ट प्रबंधन, पारि-प्रणाली सेवाओं का मूल्यांकन, दावानल प्रबंधन, जल बजट और लेखा-परीक्षा आदि में युवाओं को दक्ष बनाना।	4.1. विभिन्न हरित कौशल कार्यक्रमों के अंतर्गत दक्ष बनाए जाने वाले युवाओं की संख्या ।	1,60,000	4. पर्यावरण संबंधी गतिविधियों में युवाओं के कौशल को बढ़ाने और लाभप्रद रोजगार/स्व-रोजगार पाने के अवसर पैदा करना।	4.1 प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद नियोजित किए जाने वाले कुशल युवाओं की संख्या	1,20,000
	5. प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए ग्रिड आधारित निर्णय सहायता प्रणाली (जीआरआईडीएसएस) -	5.1. सर्वेक्षण किए गए जिलों की संख्या	80	5. विभिन्न पर्यावरण मानकों के बारे में जानकारी की उपलब्धता में ग्रिड-वार सुधार से केन्द्र और राज्य सरकारों को जिला, राज्य स्तर और केंद्र के स्तर पर पर्यावरण प्रस्तावों के महत्वपूर्ण मूल्यांकन नीति-निर्माण, निर्णय-निर्माण योजना बनाने, पर्यावरण	5.1 चयनित जिलों में विभिन्न पर्यावरणीय मापदंडों की मैप की जाने वाली परतों की संख्या।	50

	विभिन्न पर्यावरणीय मानकों जैसे हवा, पानी, ध्वनि,मिट्टी की गुणवत्ता एवं खतरनाक एवं ई-अपशिष्ट वन और वन्यजीव, वनस्पति एवं जीव-जंतु, नम भूमियों, झीलों, नदियों एवं अन्य जल निकायों तथा जन-स्वास्थ्य आदि का, ग्रिड आधारित दृष्टिकोण के ज़रिए देश में पर्यावरण सर्वेक्षण।			स्थिति रिपोर्ट (एसओईआर) /एसओई एटलस बनाने, पारि-प्रणाली सेवाओं के मूल्यांकन राज्य/जिला स्तर पर हरित जीडीपी के आकलन में सहायता मिलेगी।		
	6. समुदाय अभिमुखी और पर्यावरण की दृष्टि से वहनीय ग्राम कार्यक्रम (सीईएसवीपी):पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर लोगों को जुटाने, स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए विकास के विकेन्द्रीकृत मॉडल बनाने, और गांवों में	6.1पर्यावरण विकास गतिविधियों को लागू करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए शामिल किए जाने वाले आदर्श ग्रामों की संख्या।	*[16]	6. राज्य आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई) और संसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैडस) के तहत आदर्श ग्रामों के निवासियों द्वारा पर्यावरण विकास कार्यसूची का निर्माण और सतत विकास प्रथाओं का अंगीकरण।	6.1. पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी प्रथाओं को अपनाने के लिए जागरूकता सृजन के माध्यम से संपर्क किए गए परिवारों की संख्या।	*[17]

[16] ** जब भी सांसदों चाहें। मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित नहीं किया जाता है। एमपीएलएडी निधियां सांसदों द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।*

[17] *जब भी सांसदों चाहें। मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित नहीं किया जाता है। एमपीएलएडी निधियां सांसदों द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।*

	सही माहौल बनाने के लिए समुदाय स्तर पर पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी प्रथाओं को अपनाना।					
	7. पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट (एसओईआर)/एसओई एटलस बनाना।	7.1. प्रकाशित की जाने वाली पर्यावरण स्थिति रिपोर्टों और पर्यावरण स्थिति एटलसों की संख्या।	6	7. नीतिगत निर्णयों और उपयुक्त हस्तक्षेपों को सुगम बनाने के लिए पर्यावरण स्थिति रिपोर्टों की राज्यवार उपलब्धता।	7.1. राज्यों की संख्या जिनकी पर्यावरण स्थिति रिपोर्टें उपलब्ध होगीं।	6

**जब कभी सांसद इच्छुक हों। मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित नहीं। एमपीएलएडी निधियां सांसदों द्वारा उपलब्ध कराई जानी हैं।*

11. पर्यावरणीय जागरूकता, नीति, योजना और परिणामों के मूल्यांकन के लिए निर्णय लेने की प्रणाली: उत्कृष्टता केंद्र (सीएस)[18]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
15	1. उत्कृष्टता केंद्रों को मान्यता प्रदान करना।	1.1 उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में मान्यता प्रदान किए जाने वाले संस्थानों की संख्या।	5	1. साकोन के अधिदेश के विभिन्न पहलुओं को पूरा करने वाली, 10 वर्तमान परियोजनाओं की प्रगति	1.1 उन्नत अवस्था में पहुंचने वाली परियोजनाओं की संख्या	10
	2. बैठक/ सेमिनार/ कार्यशालाओं के माध्यम से पूरी की गई परियोजनाओं के परिणाम का कार्यान्वयन	2.1 आयोजित की जाने वाली बैठकों/सेमिनारों/ कार्यशालाओं की संख्या।	5			

12. पर्यावरणीय जागरूकता, नीति, योजना और परिणामों के मूल्यांकन के लिए निर्णय लेने की प्रणाली: संरक्षण और विकास हेतु आर एंड डी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
10	1. प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन; अपकर्षित क्षेत्रों के संरक्षण; पुररुद्धार; संसाधन और ऊर्जा संरक्षण हेतु स्वच्छतर प्रोद्योगिकी; जैव-विविधता के	1.1. वित्त पोषण हेतु प्राप्त परियोजना आवेदनों की कुल संख्या 1.2. मूल्यांकित परियोजना आवेदनों की कुल संख्या	30 ***30***	1. बैठकों में प्रशिक्षित व्यक्ति/अथवा पूरी की गई परियोजनाओं के संबंध में अंतिम तकनीकी रिपोर्टों पर आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रसारित	1.1. बैठकों में प्रशिक्षित किए जाने वाले व्यक्तियों/अथवा पूरी की गई परियोजनाओं के संबंध में अंतिम तकनीकी	**50**

[18] *नोट - पूर्व योजना को संशोधित करते हुए मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट के आधार पर सीओई योजना पर एक एसएफसी 2017-2020 तैयार किया गया है। मंत्रालय ने मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट के आधार पर योजना को संशोधित करने का प्रस्ताव दिया है जो लंबित है। सैकॉन को स्वायत्ता दर्जा देने का प्रस्ताव मंत्रालय में विचाराधीन है। तब तक, सैकॉन जो एक सीओई है, सीओई स्कीम के तहत निधियां सहायता प्राप्त करना जारी रखेगा।*

	संरक्षण; देश में उपकरणों और वैज्ञानिक कार्मिकों की दृष्टि से क्षमता की वृद्धि हेतु आंकड़े तैयार करने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का वित्त पोषण	1.3. वर्ष में वित्त पोषित की जाने वाली नई परियोजनाओं की कुल संख्या 1.4. पूरी की जाने वाली योजनाओं की कुल संख्या	5 5	सूचना	रिपोर्टों पर आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में प्रसारित सूचना ।	
		1.6. वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली संचालन समिति की बैठकों की संख्या 1.7. प्रकाशित दिए जाने वाली सामग्रियों की संख्या	3 10			
				2. प्राप्त की गई अंतिम तकनीकी रिपोर्ट	2.1 प्राप्त की जाने वाली अंतिम तकनीकी रिपोर्ट ।	15
				3. पूरी की गई परियोजनाओं की सिफारिशों/ निष्कर्षों को मंत्रालय के वर्तमान कार्यक्रमों और योजनाओं के साथ एकीकृत किया गया	3.1. पूरी की गई परियोजनाओं की सिफारिशों/ निष्कर्षों को मंत्रालय के वर्तमान कार्यक्रमों और योजनाओं के साथ एकीकृत किया जाना है।	5

13. प्रदूषण नियंत्रण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
460	1. प्रयोगशाला विकास, प्रदूषण आकलन, अनुसंधान और विकास आदि के लिए निधि उपलब्ध कराकर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों तथा प्रदूषण नियंत्रण समितियों को प्रदूषण के उपशमन के लिए सहायता।	1.1 वित्त-पोषण से सहायता प्राप्त करने वाली राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों (एसपीसीबी) की संख्या।	27	1. वायु गुणवत्ता प्रबंधन में वृद्धि की गई।	1.1 वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण।	29 राज्यों तथा 6 संघ राज्य क्षेत्रों में 312 शहरों को शामिल करते हुए 731 मौजूदा +100 नए मामले।
	2. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम (एनएएमबी) को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण	2.1 बढ़ाए जाने वाले एनएएमपी की संख्या	100			
	3. एनसीएपी के तहत शामिल किए गए स्थानों में पीएम$_{2.5}$ की निगरानी	3.1 पीएम$_{2.5}$ की निगरानी के लिए बढ़ाए जाने वाले केन्द्रों की संख्या	150			
	4. एनसीएपी के तहत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्रों	4.1 बढ़ाए जाने वाले सीएएक्यूएमएस केन्द्रों की संख्या	25			

	(सीएएक्यूएमएस) में वृद्धि के लिए वित्त पोषण					
	5. एनसीएपी के तहत उन शहरों के लिए, जहां वायु गुणवत्ता परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है, स्रोत संविभाजन अध्ययन	5.1 आरंभ किए जाने वाले एसए अध्ययनों की संख्या (प्रत्येक अध्ययन में लगभग 2 वर्ष का समय लगता है)	10			
	6. एनसीएपी के तहत कार्य योजनाओं की तैयारी	6.1 कार्य योजना तैयार करने वाले शहरों की संख्या	40			
	7. राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों/प्रदूषण नियंत्रण समितियों को एनएएमपी केन्द्रों के प्रचालन और अनुरक्षण (ओ एवं एम) के लिए सहायता	7.1 सहायता प्रदान किए जाने वाले केन्द्रों की संख्या	100			
	8. शहरों में सीएएक्यूएमएस के प्रचालन और अनुरक्षण के लिए सहायता	8.1 प्रचालन और अनुरक्षण के लिए सहायता प्रदान किए जाने वाले केन्द्रों की संख्या	55			
	9. राष्ट्रीय जल निगरानी कार्यक्रम (एनडब्ल्यूएमपी) के तहत जल संसाधनों की जल गुणवत्ता की निगरानी के लिए सहायता	9.1 एनडब्ल्यूएमपी के तहत जल गुणवत्ता निगरानी के लिए प्रतिपूर्ति की सहायता दिए जाने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	100	2. जल गुणवत्ता प्रबंधन में वृद्धि हुई	2.1 जल गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क में सुधार 2.2 सरकार की योजनाओं के कारण जल गुणवत्ता में सुधार का विस्तृत और बेहतर आकलन	28 राज्यों और 6 संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल करते हुए 3500 मौजूदा + 100 नए मामले

	10. राष्ट्रीय परिवेशी ध्वनि निगरानी नेटवर्क (एनएएनएमएन)के तहत दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नए ध्वनि निगरानी स्टेशनों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करने के साथ-साथ ओएण्डएम के लिए स्टेशनों को सहायता प्रदान की गई	10.1 नए ध्वनि निगरानी स्टेशनों के साथ-साथ ओएंडएम के लिए सहायता प्रदान किए जाने वाले स्टेशनों की संख्या	156	संवर्धित ध्वनि गुणवत्ता प्रबंधन	3.1 दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में ध्वनि गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना 3.2 सरकार की कार्रवाइयों के कारण ध्वनि गुणवत्ता में हुए सुधार का व्यापक और बेहतर आकलन करना	7 राज्यों में 7 शहरों को कवर कर रहे 70 मौजूदा स्टेशन + 156 नए स्टेशन
	11. प्रदूषण विशिष्ट रूप से वायु और जल प्रदूषण के नियंत्रण और उपशमन के लिए परिणामोन्मुख समयबद्ध आर एंड डी अध्ययन	11.1 शुरू किए जाने वाले आर एण्ड डी अध्ययनों की संख्या	5	4. वायु/जल प्रदूषण के प्रभावी निवारण और नियंत्रण के लिए नए/अभिनव एप्रोचों की संभावना	4.1 संभवतया नए, अभिनव,कुशल और प्रभावी समाधान/एप्रोचों को विकसित किया जाना है।	5
	12. सभी हित धारकों की क्षमता निर्माण और जागरूकता सहित आउटरीच कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता प्रदान	12.1 आयोजित किए जाने वाले हितधारकों के साथ विचार-विमर्शों/बैठकों/अभियानों/ क्षेत्रीय सर्वेक्षणों की संख्या	10	5. सभी हितधारकों की व्यापक सहभागिता	5.1 जागरूकता और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं।	10

14. हरित भारत मिशन - राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
179	1. प्रथम वर्ष के कार्यकलाप: अग्रिम कार्य- जिसमें मृदा आर्द्रता संरक्षण, पौधशालाओं का निर्माण और वृक्षारोपण के लिए भूमि को साफ किया जाना	1.1 अग्रिम कार्यों (पौधशालाओं के निर्माण और मृदा एवं आर्द्रता संरक्षण कार्य) के द्वारा क्षेत्र को कवर किया जाना है	58,403 हे.	1. वन क्षेत्र (हेक्टेयर) में वृद्धि जिसमें अग्रिम पौधरोपण और तीन वर्ष तक अनुरक्षण कार्य शामिल है।	1.1 बढ़ाया जाने वाला वनावरण क्षेत्र	15,578 हे.
	2. दूसरे वर्ष के कार्यकलाप: नन्हें पौधों का उत्पादन/ पौधरोपण	2.1 पौधरोपण कार्यकलापों द्वारा क्षेत्र कवर किया जाना है	29,958 हें.	2. वन की गुणवत्ता में वृद्धि, अर्थात वितानी वृक्ष का घनत्व (हे.)- जिसमें अग्रिम पौधरोपण और तीन वर्ष तक अनुरक्षण शामिल है।	2.1 वन गुणवत्ता सुधार कार्यकलापों द्वारा क्षेत्र कवर किया जाना	14.380 हें.
	3. 3-5: वर्ष: बागानों का अनुरक्षण	3.1 अनुरक्षण कार्यकलापों द्वारा क्षेत्र कवर किया जाना	82.495.4 हे.	3. पारिवारिक आय में विविधता	3.1 आय के स्रोतों की विविधता की रिपोर्ट दे रहे परिवारों की प्रतिशतता	माप के साधन विकसित किए जाने हैं. वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी
	4. वैकल्पिक ईंधन ऊर्जा उपकरणों का संवर्धन	4.1 लाभान्वित होने वाले परिवारों की संख्या	3285	4. वनों की कार्बन पृथक्करण क्षमता में सुधार	4.1 पृथक्कृत कार्बन की मात्रा	माप के साधन विकसित किए जाने हैं. वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी.

15. दावानल निवारण और प्रबंधन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. कंट्रोल बर्निंग सहित फायर लाइनों का निर्माण और अनुरक्षण- -	1.1 निर्मित और अनुरक्षित की जाने वाली लाइनों की लंबाई (किमी.)	50,000	1. दावानल की घटनाओं की संख्या में कमी	1.1. दावानल की घटनाओं की संख्या में कमी की प्रतिशतता	35,888 बेसलाइन के संदर्भ में चेतावनियों की संख्या में 10% कमी
	2. अग्निशमक उपकरणों की खरीद.	2.1. खरीद किए जाने वाले अग्निशमक उपकरणों की संख्या	500	2. दावानल से प्रभावित क्षेत्रों में कमी.	2.1. दावानल से प्रभावित अनुमानित क्षेत्र में कुल कमी	दावानल के कारण प्रभावित क्षेत्र में 10% कमी
	3. संसाधनों के परिवहन हेतु क्षेत्रवाहनों की खरीद	3.1 संसाधनों के परिवहन हेतु खरीद किए जाने वाले क्षेत्र वाहनों की संख्या	30			
	4. जल संचयन संरचना-	4.1. निर्मित की जानेवाली जल संचयन संरचनाओं की संख्या	150			
	5. अग्निरक्षकों की नियोजना -	5.1. नियोजित अग्नि रक्षकों के मानव दिवस	800,000			
	6. प्रशिक्षण और दावानल से पूर्व के मौसम में कार्यशालाओं की संख्या	6.1. दावालन से पूर्व के मौसम में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों और कार्यशालाओं की संख्या	800			
	7. दावानल से सुरक्षा के लिए प्रोत्साहन दिए जाने वाले गांवों/जेएफएमसी की संख्या	7.1. दावानल से सुरक्षा के लिए प्रोत्साहन दिए जाने वाले गांवों/ जेएफएमसी की संख्या	500			

16. प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण: जलीय पारि-प्रणालियों का संरक्षण (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
68.4	1. आर्द्रभूमि (जिसमें झीलें शामिल हैं) के लिए संरक्षण और प्रबंधन कार्यकलाप जैसे सर्वेक्षण और सीमांकन, जलग्रहण क्षेत्र उपचार, प्रदूषण में कमी, बांधों को मजबूत बनाना, चारदीवारी, खरपतवार नियंत्रण, मत्स्य विकास, शिक्षा और जागरूकता आदि।	1.1 आर्द्रभूमि की संख्या जहां संरक्षण और प्रबंधन कार्यकलापों को शुरू किया जाना है।	25	आर्द्रभूमियों का संरक्षण और प्रबंधन	1.1 संरक्षण कार्यकलापों के अंतर्गत शामिल किए जाने वाली आर्द्रभूमियों का संभावित क्षेत्र	1350 हे.
					1.2 आर्द्रभूमि के संरक्षण और प्रबंधन हेतु आर्द्रभूमि प्रबंधकों के लिए गठित की जाने वाली क्षेत्रीय कार्यशालाओं की संख्या।	5 क्षेत्रीय कार्यशालाएं

17. प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण: जैव विविधता संरक्षण (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
16	1. नए जीवमंडल रिजर्वों (बीआर) को नामोद्दिष्ट करना और एमएबी- यूनेस्को के डब्ल्यूएनबीआर में शामिल करना	1.1 नामोद्दिष्ट किए जाने वाले और डब्ल्यूएनबीआर में शामिल किए जाने वाले नए बीआर की संख्य	19	1. बीआर में रह रहे लोगों के समाजार्थिक और आजीविका सुधार के मुद्दों को बढ़ाने द्वारा जैवविविधता का संरक्षण	1.1 गांवों की संख्या जहां समाजार्थिक और आजीविका सुधार के कार्यकलाप किए गए	300
	2. कार्यशालाओं/सेमिनारों और हितधारकों की बैठकों इत्यादि का आयोजन	2.1 बीआर प्रबंधकों के लिए आयोजित बैठकों/कार्यशालाओं/ सेमिनारों की संख्या	3	2. अनुसंधान अध्ययनों द्वारा सृजित ज्ञान को साझा करना: जीवमंडल के महत्वपूर्ण मुद्दों पर	2.1. आयोजित की जाने वाली बैठकों/सेमिनारों/कार्यशालाओं की संख्या	2

		2.2 आयोजित किए जाने वाली अंतरराष्ट्रीय बैठकों/कार्यशालाओं/ सेमिनारों की संख्या	1	और अधिक अनुसंधान परियोजनाएं और सतत विकास जिससे एसडीजी प्रोत्साहित एवं संवर्धित होंगे।		
	3. बीआर की ब्रैडिंग	3.1 ब्रैडिंड किए जाने वाले बीआर की संख्या	3	3. बीआर की ब्रैडिंग	3.1. एमएबी-यूनेस्को को प्रस्तुत बीआर की आवधिक समीक्षा रिपोर्टों की संख्या	3
		3.2 राज्य सरकारों द्वारा निर्मित किए जाने वाले वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फेयर रिजर्व (यूनेस्को) सेर्टिफिकेट प्लॉक की संख्या	6			

आर्थिक कार्य विभाग

10. योजना अर्थक्षमता अंतराल वित्तपोषण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	1. अवसंरचना के लिए वित्तीय सहायता/अर्थक्षमता अंतराल वित्तपोषण (वीजीएफ)	1.1 अर्थक्षमता अंतराल वित्तपोषण के रूप में कुल अनुमोदित राशि (ईआई/ईसी द्वारा अंतिम अनुमोदन) (करोड़ रुपये)	1500 करोड़ रुपये	1. वर्धित निजी क्षेत्र सहभागिता और अवसंरचना	1.1 वीजीएफ को छोड़कर सहायता- प्राप्त परियोजनाओं में कुल निवल निजी निवेश (अनुमानित) (करोड़ रुपये)	4000 करोड़ रुपये
240.69		1.2 संवितरित किया जाने वाला अपेक्षित वीजीएफ (वित्तीय परिव्यय)	1000 करोड़ रुपये		पिछले वर्ष की तुलना में सहायता- प्राप्त परियोजनाओं में निजी निवेश में प्रतिशत वृद्धि (अनुमानित)	89.16 प्रतिशत
		1.3 सहायता प्राप्त कुल परियोजनाओं की संख्या (क्षेत्रवार)	6			
		1.4 सहायता प्राप्त परियोजनाओं में कुल निवेश (अनुमानित) (करोड़ रुपये)	5000 करोड़ रुपये			

2. भारतीय कंपनियों के लिए ब्याज समकारी सहायता (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
44.40	1. सीएफएस योजना के तहत एग्जिम बैंक को आई.ई.एस किसी भी विदेशी सरकार को रियायती वित्त की पेशकश करने में सक्षम करने के लिए, या विदेशी सरकार के स्वामित्व या संस्था नियंत्रित, अगर किसी भारतीय कंपनी,निवासी भारतीय नागरिकों के स्वामित्व और घरेलू स्तर पर उत्पादन करने वाली परियोजना में इस तरह की विदेशी संस्था निष्पादन के लिए अनुबंध प्राप्त करने में सफल रही है और परियोजना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाताहै।	1.1 सी.एफ.एस के तहत ब्याज समकारी समर्थन की राशि एक्जिम बैंक को दी गई (रूपये में)	लगभग 90.00 करोड़ (लगभग)	1. रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भारतीय कंपनियों की सहायता करना।	1.1 इस योजना के अंतर्गत कवर की गई परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों द्वारा प्राप्त ठेकों की संख्या ।	*
		1.2 सी.एफ.एस के तहत वित्तपोषण के लिए अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	1		1.2 इस योजना के तहत भारतीय कंपनियों को दिये गए ठेकों की राशि	
		1.3 सी.एफ.एस के तहत वित्तपोषण की राशि ($ में)	1000 मिलियन	2. अन्य देशों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी और सदभावना उत्पन्न करने के लिए विदेश में भारत के सामरिक, राजनीतिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना।	2.1 सदभावना उत्पन्न करने के लिए विदेश में भारत के सामरिक, राजनीतिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना।	**
		1.4 सी.एफ.एस के तहत आई.ई.एस के भुगतान के लिए निधियों का उपयोग (% में)	*			

** संकेतक मांग आधारित हैं।*

***इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

व्यय विभाग

1. सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रू. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
210	1. टर्नअराउंड समय में कमीः लेखा वैधीकरण के लिए	1.1 टर्नअराउंड समय में कमीः लेखा वैधीकरण टी+2 दिवस से टी+24 घण्टे	24 घण्टे	1. स्कीम के हितधारकों को निधि उपलब्धता की रियल टाइम सूचना	1.1 केन्द्र से राज्य को वितरित/खर्च की गई/उपलब्ध निधि (किसी निश्चित समय पर) की राशि (करोड़ ₹. में)	3 लाख करोड़
	2. टर्नअराउंड समय में कमीः भुगतान के समय के लिए	2.1 टर्नअराउंड समय में कमीः भुगतान का समय टी+2 दिवस से टी+24 घण्टे	टी+1 दिवस	2. नागरिकों तथा अन्य हितधारकों को लेनदेन स्तरीय विवरणों की उपलब्धता	2.1 रियल टाइम निधि इस्तेमाल को दर्शाने वाले सीएस/सीएसएस/आईए की संख्या में वृद्धि का %	सीएस-100% सीएसएस-50%
	3. टर्नअराउंड समय में कमीः सूचना प्रत्युत्तर (लेनदेन की सफलता तथा विशिष्ट विफलता)	3.1 टर्नअराउंड समय में कमीः प्रत्युत्तर सूचना टी+4 दिवस से टी+2 दिवस	टी+1 दिवस	3. सही समय पर निधि जारी किया जाना जिसके परिणामस्वरूप बैंकों में निधियों का न्यूनतम गतिरोध	3.1 पीएफएमएस के समग्र कार्यान्वयन के बाद निधियों के गतिरोध में औसत कमी (सीएस तथा सीएसएस के लिए)	1 माह
	4. प्राप्ति/भुगतान की स्वतंत्र प्रणालियों के साथ पीएफएमएस का कुशल एकीकरण	4.1 पीएफएमएस के साथ एकीकृत स्वतंत्र प्रणालियों की संख्या	100%[19]	4. पीएफएमएस के जरिए सरकारी लेखों का डिजिटाइजेशन	4.1 पीएफएमएस के जरिए किए गए पीएओ लेनदेनों का %	100%

[19] *सभी स्टैंडअलोन सिस्टम जो पीएफएमएस एकीकरण के लिए आवेदन करते हैं।*

		4.2 किए गए लेनदेनों की संख्या	100%[20]			
	5. प्राप्तकर्ता/आईए द्वारा पीएफएमएस का कार्यान्वयन	5.1 पीएफएमएस पर पंजीकृत प्राप्तकर्ता/आईए की संख्या	100%[21]			
	6. लाभार्थियों का पीएफएमएस डाटाबेस	6.1 पीएफएमएस के अंतर्गत भुगतान किए गए लाभार्थियों की कुल संख्याः श्रेणी I - डीबीटी - सीएस तथा सीएसएस	100%[22]			
		श्रेणी II- गैर - डीबीटी सीएस तथा सीएसएस;				
		श्रेणी III- अन्य विविध भुगतान				
	7. प्रशिक्षित टीओटी	7.1 वर्षवार प्रशिक्षित टीओटी की संख्या	250			
	8. भुगतानों के लिए बैंक इंटरफेस का विकास - सहकारी तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	8.1 पीएफएमएस के साथ एकीकृत सहकारी/आरआरबी तथा अन्य बैंकों की संख्या	सभी सहकारी बैंकों सहित 750 बैंक			
		8.2 अभी तक सीबीएस के बिना सहकारी/आरआरबी तथा अन्य बैंकों की संख्या				
	9. राज्य स्कीम संघटकों के साथ सीएसएस मैपिंग	9.1 सीएसएस से मैप किए गए राज्य संघटकों का %	100%			
		9.2 मैप की गई स्कीमों में				

[20] *सभी लाभार्थी*

[21] *आईए का संपूर्ण समूह जो पीएफएमएस पंजीकरण के लिए आवेदन करता है।*

[22] *विभिन्न श्रेणियों के तहत सभी लाभार्थी, पीएफएमएस के माध्यम से हस्तांतरित।*

		से प्रत्येक के अंतर्गत सूचित लेनदेनों की संख्या				
	10. सीएस में ईएटी के मॉड्यूल का कार्यान्वयन किया जाना	10.1 ईएटी मॉड्यूल का प्रयोग करने वाले सीएस की संख्या	सभी लेनदेन (100%)			
		10.2 सीएसएस के अंतर्गत ईएटी मॉड्यूल का प्रयोग करने वाले आईए की संख्या	कोर स्कीमों के कोर का 50%			
	11. सीएसएस में ईएटी मॉड्यूल का कार्यान्वयन किया जाना	11.1 ईएटी मॉड्यूल प्रयोग करने वाले सीएसएस की संख्या	सीएसएस का 50%			
	12. राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के कोषागारों के साथ पीएफएमएस का एकीकरण	12.1 पीएफएमएस के साथ एकीकृत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या;	सभी			
	13. पीएफएमएस के जरिए भुगतान तथा लेखांकन कार्य - इस्तेमाल के लिए आहरण अधिकारी तथा वार्षिक लेखाओं के लिए पीएफएमएस का इस्तेमाल	13.1 पीएफएमएस के तहत लाए गए पीएओ की संख्या	(100%)[23]	5. समग्र भारत सरकार के लिए एक संयुक्त प्लेटफार्मभुगतान तथा प्राप्ति (कोषागार कार्यकलाप)	पीएफएमएस पर पीएओ तथा सीडीडीओ की संख्या: पीएओ	545
		13.2 पीएफएमएस के तहत लाए गए डीडीओ की संख्या	(100%)[24]		पीएफएमएस पर पीएओ तथा सीडीडीओ की संख्या: सीडीडीओ	1800
	14. सभी डीडीओ को पीएफएमएस पोर्टल पर कर्मचारी सूचना प्रणाली (ईआईएस) पर लाना	14.1 आनबोर्ड लाए गए डीडीओ की संख्या	100%[25]	6. सभी लेखांकन सूचना का एकल स्रोत तथा संघ लेखाओं का समेकन	मासिक लेखा समेकनका%	100%
					वित्तीय लेखा समेकनका%	25%
					विनियोग लेखा समेकनका%	25%

[23] *सभी पीएओ (कम कनेक्टिविटी क्षेत्रों के लिए समाधान सहित)*

[24] सभी सीडीडीओ (कम कनेक्टिविटी क्षेत्रों के लिए समाधान सहित)

[25] 3 स्तरीय प्रणाली (कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों के समाधान सहित) के साथ कर्मचारी पेरोल सिस्टम के नए प्लेटफॉर्म पर वेतन बिलों की प्रोसेसिंग करने वाले सभी डीडीओ

	15. सभी जीपीएफ उपभोक्ताओं को एक एकीकृत जीपीएफ मॉड्यूल पर लाना	15.1 पीएफएमएस पोर्टल पर कर्मचारी सूचना प्रणाली (ईआईएस) पर जीपीएफ उपभोक्ताओं की संख्या	100%[26]	7. सभी जीपीएफ बहीखातों की देखरेख के लिए एक संयुक्त एकल स्रोत	जीपीएफ बहीखातों की देखरेख करने वाले पीएओ तथा विलयित डीडीओ की संख्याका%	100%
	16. सभी पेंशनभोगियों को एक सहज परिवेश में ई-पीपीओ जारी करना	16.1 जारी किए गए ई-पीपीओ की संख्या	100%[27]	8. पेंशन प्रोसेसिंग के लिए पूर्ण रूप से इलेक्ट्रानिक तथा सरल प्रवाह	मॉड्यूल का प्रयोग करने वाले पीएओ की संख्या का%	100%
	17. सभी अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन अग्रिमों को पीएफएमएस पोर्टल पर लाना	17.1 पीएफएमएस के जरिए दिए गए अग्रिमों की संख्या (यह प्रणाली विकासाधीन है)	प्रणाली विकास का कार्य पूरा किया जाए तथा कम-से-कम 50% डीडीओ को आनबोर्ड किया जाए	9. सभी प्रकार के अग्रिमों के लिए एक एकल इलेक्ट्रानिक प्लेटफार्म	मॉड्यूल का प्रयोग करने वाले पीएओ की संख्या का%	50%

[26] *सभी पीएओ और सभी विलय किए गए डीडीओ जो जीपीएफ बहीखाता रखते हैं।*

[27] *सभी पीएओ को ई-पीपीओ मॉड्यूल पर लाया जाएगा।*

वित्तीय सेवाएं विभाग

1. औद्योगिक वित्त निगम लिमिटेड (आईएफसीआई)

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
200	भारत सरकार द्वारा आईएफसीआई में पूंजी निवेश	भारत सरकार द्वारा आईएफसीआई को 200 करोड़ रुपए का इक्विटी निवेश प्रदान किया गया	*			

* *इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

2. सामाजिक सुरक्षा योजनाएं: वरिष्ठ नागरिकों (सीएस) के लिए पेंशन योजना हेतु एलआईसी को ब्याज सब्सिडी

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
160	1. एलआईसी को ब्याज सब्सिडी के रूप में अंशदान	1.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान एलआईसी को ब्याज सब्सिडी के रूप में अंशदान राशि 160 करोड़ रुपए है।	160 करोड़ रुपए	1. लाभार्थियों की कवरेज बढ़ाना	1.1 वरिष्ठ नागरिकों की X संख्या जिन्होंने वीपीबीवाई में अंशदान किया है, को शत-प्रतिशत गारंटीशुदा वापसी	100%
	2. वीपीबीवाई के शत-प्रतिशत अभिदाताओं को समय पर संवितरण	2.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान कवर किए गए अभिदाताओं की संख्या	*		1.2 % प्रतिवर्ष का सुनिश्चित प्रभावी लाभ	*

* *इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

3. सामाजिक सुरक्षा योजनाएं: अटल पेंशन योजना (सीएस) के लिए सरकारी सह-अंशदान

वित्तीय विवरण (करोड़ रुपए में)	**निर्गम** *2019-20*			**परिणाम** *2019-20*		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
205	1.एपीवाई के पात्र अभिदाताओं को सह-अंशदान	1.1 एपीवाई के अंतर्गत सरकारी सह-अंशदान के रूप में पात्र अभिदाताओं के लिए 100 करोड रूपए की राशि स्वीकृत की गई है	205 करोड़	1. एपीवाई का अभिदान अभिदाताओं को वृद्धावस्था में आय सुरक्षा प्रदान करेगा	1.1 एपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित अभिदाताओं की कुल संख्या 1.40 करोड़ से अधिक है।	> 1.4 करोड़ ग्राहक

4. वित्तीय संस्थाओं को मदद: क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) (सीएस) का पुनर्पूंजीकरण

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
235	1. आरआरबी को पुनर्पूंजीकृत करना	1.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान इक्विटी सहायता प्राप्त करने वाले आरआरबी की संख्या	*	1. आरआरबी को पूंजी जोखिम भारित आस्ति अनुपात (सीआरएआर) को न्यूनतम 9% बनाए रखने में सक्षम बनाना।	1.1 दिनांक 31.3.2020 की स्थिति के अनुसार आरआरबी के लिए सीआरएआर	9%
		1.2 वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान आरआरबी को इक्विटी सहायता के रूप में अंतरित कुल राशि (करोड़ रुपए में)	*			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

5. सामाजिक सुरक्षा योजनाएं: प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (प्रचार-प्रसार तथा जागरूकता) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10	1. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में जागरूकता फैलाना	1.1 विभिन्न माध्यमों द्वारा प्रदर्शित विज्ञापनों की कुल संख्या	*	1. प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत ग्राहक आधार को बढ़ाना	1.1 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत ग्राहकों की संख्या में वृद्धि का %	6% वृद्धि
					11. वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत ग्राहकों की संख्या में वृद्धि का %	8% वृद्धि
				2. दोनों इंश्योरेंस योजनाओं के अंतर्गत दावेदारों की संख्या बढ़ाना	2.1 वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान भुगतान किए गए दावों की संख्या	**
					2.2 कुल संवितरित राशि	**

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

*** संकेतक मांग आधारित हैं।*

6. वित्तीय संस्थानों को सहायता: इंडो-स्विस सहयोग-VI (सीएस) के अंतर्गत दावों के निपटान हेतु नाबार्ड को प्रदत्त अनुदान

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
0.86	1. नाबार्ड द्वारा प्रस्तुत किए गए दावों के अनुसार उसे निर्गत राशि	1.1 दावों के अनुसार नाबार्ड को निर्गत की जाने वाली कुल प्रस्तावित राशि	0.86	1. ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना	1.1 ग्रामीण गैर-कृषि गतिविधियों के लिए ग्रामीण वित्तीय संस्थानों का पुनर्वित्तपोषण	**

** *संकेतक मांग आधारित हैं।*

7. आधार समर्थित भुगतान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड की वित्तीय समावेशन निधि में अंशदान

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
20	1. व्यापारिक लेन-देनों के लिए व्यापारियों को शामिल करने सहित 20 लाख भीम आधार पे उपकरणों को लगाने के लिए सहायता।	1.1 कई भीम आधार पे उपकरण लगाए गए।	200000	1. आधार सक्षम भुगतान में वृद्धि	1. आधार सक्षम भुगतानों की संख्या	**
	2. मार्च 2018 तक बैंकों द्वारा आधार नामांकन और अद्यतन केन्द्रों (एईसी) की स्थापना के लिए सहायता।	2.1 बैंक शाखाओं में कई आधार नामांकन और अद्यतन केन्द्रों की स्थापना की गई।	200000			

** *संकेतक मांग आधारित हैं।*

8. योजना: प्रधान मंत्री वय वंदना योजना (पीएमवीवीवाई

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
176.90	1.1 प्रधान मंत्री वय वंदना योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों का कवरेज	1.1 मासिक पेंशन योजना का विकल्प चुनने वाले वरिष्ठ नागरिकों की संख्या (संख्या)	2,00,000	1. प्रधान मंत्री वय वंदना योजना के अंतर्गत संवितरित राशि	1.1 पेंशन भुगतानों के लिए एलआईसी द्वारा संवितरित राशि (करोड़ रुपए में)	4,728 करोड़
		1.2 त्रैमासिक पेंशन योजना का विकल्प चुनने वाले वरिष्ठ नागरिकों की संख्या (संख्या)	35,000	2. प्रधान मंत्री वय वंदना योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ी हुई कवरेज	1.2 मृत्यु लाभों के लिए एलआईसी द्वारा संवितरित राशि (करोड़ रुपए में)	1,272 करोड़
		1.3 अर्ध-वार्षिक पेंशन योजना का विकल्प चुनने वाले वरिष्ठ नागरिकों की सं	10,000	3. सरकार द्वारा गारंटीशुदा प्रतिफल में से कमी का वहन	1.3 योजना से परिपक्वता पूर्व निकास के लिए एलआईसी द्वारा संवितरित राशि (करोड़ रुपए में)	714 करोड़
		1.4 वार्षिक पेंशन योजना का विकल्प चुनने वाले वरिष्ठ नागरिकों की संख्या (संख्या)	1,05,000		2.1 प्रधान मंत्री वय वंदना योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की % बढ़ोतरी	82.11%
					3.1 प्रधान मंत्री वय वंदना योजना के लिए प्रदान की गई निवल सब्सिडी (करोड़ रुपए में)	634 करोड़

9. पीएमएमवाई एवं मुद्रा के लिए प्रचार एवं जागरूकता

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10	पीएमएमवाई तथा मुद्रा के संबंध में जागरूकता बनाना	विभिन्न माध्यमों से दिखाए गए विज्ञापनों की संख्या	*	पीएमएमवाई एवं मुद्रा के अंतर्गत अभिदाता आधार को बढ़ाना	वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान पीएमएमवाई एवं मुद्रा के अंतर्गत अभिदाताओं की संख्या में वृद्धि का %	**

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

***संकेतक मांग आधारित हैं।*

10. योजना: सिडबी के द्वारा स्टैण्ड-अप इंडिया का प्रचार

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
5	स्टैण्ड-अप इंडिया योजना के संबंध में जागरूकता बनाना	विभिन्न माध्यमों से दिखाए गए विज्ञापनों की संख्या	*	स्टैण्ड-अप इंडिया के अंतर्गत अभिदाता आधार को बढ़ाना	वित्तीय वर्ष 2019-20 हेतु स्टैण्ड-अप इंडिया के अंतर्गत अभिदाताओं की संख्या में वृद्धि का %	**

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

***संकेतक मांग आधारित हैं।*

मत्स्य पालन विभाग

1. नीली क्रांति: मत्स्यपालन और जल कृषि अवसरंचना विकास निधि (एफआईडीएफ) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10	1. मत्स्य अवसरंचना के निर्माण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देना	1.1 पात्र संस्थाओं (ईई) द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की संख्या	12	मछली उत्पादन का संवर्धन	1.1 एफआईडीएफ के तहत (मि.टन) वित्त पोषित बुनियादी ढांचे की गतिविधियों और विकास की गतिविधियों की वजह से मछली उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि मत्स्यपालन विभाग और राज्यों द्वारा की गई।	15 मि.टन
	2. मत्स्य आधारभूत अवसंरचना के लिए संसाधन प्रावधान में सुधार[28]	2.1 पात्र निवेश गतिविधियों के लिए ऋण वितरित किया गया करोड़ रुपये में	500	2. मत्स्य पालन के लिए वित्तीय संसाधनों में वृद्धि	2.1 एफआईडीएफ हस्तक्षेपों (करोड़) के कारण ली गई अतिरिक्त निवेश	500
		2.2 पूर्ण परियोजनाओं के लिए उपयोग की गई निधियों का प्रतिशत	100			

[28] मद सं.2 के संबंध में प्रगति नोडल ऋण संस्थाओं (एनएलई) द्वारा प्रदान किए गए ऋण पर निर्भर करती है

पशुपालन, डेयरी विभाग

1. श्वेत क्रांति: डेयरी विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
325	1. गुणवत्ता वाले दूध के उत्पादन के लिए बुनियादी ढाँचा (बुनियादी ढांचे में डेयरी घटक, कोल्ड चेन आदि शामिल हैं)	1.1 ग्राम स्तर की डेयरी सहकारी समितियों में स्थापित बल्क मिल्क कूलर की संख्या।	550	1. डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में वृद्धि	1.1 डेयरी सहकारी समितियों (टीएलपीडी) से पूर्ण दूध की खरीद	125
		1.2 स्थापित बल्क मिल्क कूलर की क्षमता (टीएलपीडी)	550		1.2 दूध खरीद में संचयी प्रतिशत वृद्धि (%)	5.0%
	2. दूध की खरीद, प्रसंस्करण और विपणन के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और सुदृढीकरण।	2.1 सृजित की गई डेयरी संयंत्र प्रसंस्करण क्षमता (टीएलपीडी में)	400	2. कार्यात्मक डेयरी सहकारी सोसायटी में वृद्धि	2.1 डेयरी सहकारी समिति के कवरेज में संचयी प्रतिशत वृद्धि (%)	5.0%
	3. ग्रामीण स्तर पर डेयरी सहकारी समितियों और दुग्ध उत्पादक कंपनियों का सुदृढ़ीकरण।	3.1 ग्रामीण स्तर पर सहायता दी गई डेयरी सहकारी समितियॉयों और उत्पादक कंपनियों की संख्या।	1300			

2. श्वेत क्रांति: डेयरी उद्यमिता विकास योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
325	1. छोटे डेयरी यूनिट्स की स्थापना	1.1 स्थापित डेयरी यूनिट्स की संख्या	48000 स्व-नियोजित डेयरी यूनिट्स की स्थापना। योजना मांग से प्रेरित है।	1. स्व रोजगार सृजन	1.1 उद्यमियों की संख्या जिन्होंने डेयरी यूनिट्स की स्थापना की	48000
	2. शीत श्रृंखला भंडारण सुविधाओं की स्थापना	1.2 बड़ी संख्या में मिल्क कूलर यूनिट और कोल्ड स्टोरेज यूनिट की स्थापना			1.2 एससी / एसटी उद्यमियों को दी गयी सहायता का %	31%
	3. विपणन सुविधाओं की स्थापना	1.3 स्थापित मिल्क पार्लरों की संख्या			1.3 सहायता दिए गए उद्यमियों में एनईआर का %	12.5%

3. श्वेत क्रांति: राष्ट्रीय गोकुल मिशन: गोकुल ग्राम परियोजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
302	1. कृत्रिम गर्भाधान (एआई) कवरेज बढ़ाना	1.1 किए गए कृत्रिम गर्भाधान की संख्या (मिलियन में)	85	1. एआई कवरेज में% वृद्धि	1.1 पैदा हुए बछड़ों की उन्नत संख्या (मिलियन में)	25 (वास्तविक एआई पर आधारित अनुमान)
		1.2 नए मैत्री के शामिल होने की संख्या	2500			
		1.3 मैत्री का रिफ्रेशर प्रशिक्षण	5000			
	2. वीर्य का उत्पादन	2.1 उत्पादित वीर्य खुराकों की संख्या (मिलियन में)	130	2. गुणवत्तापूर्ण एआई आदानों की उपलब्धता	2.1 गर्भाधान दर में % वृद्धि	2
		2.2 बेचे गए वीर्य की संख्या (मिलियन में)	120			
		2.3 स्टॉक में वीर्य खुराकों की संख्या (मिलियन में)	10			
	3. स्वदेशी नस्लों का विकास और संरक्षण	3.1 सुदृढ़ किए गए बुल मदर फार्मों की संख्या	5	3. आईबी गोपशु के कृत्रिम गर्भाधान कवरेज में वृद्धि	3.1 स्वदेशी नस्ल की उपलब्धता में सुधार (%)	8
		3.2 स्थापित नए गोकुल ग्रामों की संख्या	5			
		3.3 गोपाल रत्न पुरस्कारों के लिए आवेदकों की संख्या / कामधेनु और अन्य आरजीएम पुरस्कारों के लिए आवेदकों की संख्या पुरस्कार	200			

	4. प्रशिक्षण केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण	4.1 प्रशिक्षित व्यावसायिकों की संख्या	300	4. आईबी गौपशु प्रबंधन में प्रशिक्षित किसानों की उपलब्धता बढ़ाना	4.1 आईबी के प्रबंधन में प्रशिक्षित किसानों की संख्या	10,500
		4.2 सुदृढ़ किए गए प्रशिक्षण केंद्र की संख्या	20			
	5. उत्पादकता में वृद्धि	5.1 पीटी, पीएस परियोजना और ईटीटी / आईवीएफ के माध्यम से एचजीएम सांड का उत्पादन	1000	5. पशु उत्पादकता में सुधार	5.1 दुग्ध उत्पादकता में% वृद्धि	5
		5.2 जीनोमिक चयन चिप का विकास	1			

4. श्वेत क्रांति: राज्य सहकारी डेयरी परिसंघ को समर्थन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
100	1. सुगम कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करना	1.1 सहायता दिए गए डेयरी दूध परिसंघों/ संघों की संख्या	10	1.1 सहायता दिए गए डेयरी दूध परिसंघों/ संघों की संख्या	1.1 6 महीने में फार्म गेट खरीद मूल्य में परिवर्तन का %	2.5%

5. श्वेत क्रांति: डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
58	1. नए दूध प्रसंस्करण, सुखाने और द्रुतशीतन प्लांट्स की स्थापना के साथ-साथ मूल्य वर्धित उत्पाद विनिर्माण संयंत्र सेटअप	1.1 स्थापित बल्क मिल्क कूलर की स्थापना	9769	1. बुनियादी सुविधाओं के अलावा क्षमता वृद्धि के साथ-साथ रोजगार सृजन	1.1 अतिरिक्त दूध प्रसंस्करण क्षमता स्थापित (प्रति दिन लाख लीटर)	58
		1.2 दूध प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना	14		1.2 अतिरिक्त दूध सुखाने की क्षमता सेटअप (मी.टन प्रति दिन)	60
		1.3 स्थापित दूध सुखाने वाले प्लांट्स की संख्या	2		1.3 अतिरिक्त दूध द्रुतशीतन क्षमता स्थापित (प्रति दिन लाख लीटर)	48.9
		1.4 स्थापित मूल्य वाले दूध उत्पादों के लिए विनिर्माण संयंत्रों की संख्या	21		1.4 कुल इलेक्ट्रॉनिक दूध में मिलावट परीक्षण उपकरण और मूल्य वर्धित उत्पाद निर्माण क्षमता (प्रति दिन लाख लीटर)	21.16
		1.5 मिलावटी परीक्षण उपकरणों की स्थापना की	9769		1.5 डीआईडीएफ योजना के कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार	70,800
					1.6 लाभान्वित किसानो की संख्या (लाख)	33.66

6. श्वेत क्रांति: पशुधन की संगणना और एकीकृत नमूना सर्वेक्षण (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
150	1. विभिन्न पशुधन उत्पादों के राज्य / जिला स्तरीय अनुमान तैयार करें	1.1 विभिन्न पशुधन उत्पादों के राज्य / जिला स्तर का अनुमान (हां/नहीं)	हां	1. प्रमुख पशुधन उत्पादों के भारत तथा राज्य स्तरीय अनुमानों का प्रकाशन	1.1 मूलभूत पशुपालन और मात्स्यिकी सांख्यकीय 2019 (हां/नहीं)	हां

7. श्वेत क्रांति: पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
474.98	1. पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता के तहत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण बीमारियों का नियंत्रण (एएससीएडी)	1.1 पशुओं और मुर्गियों को टीकाकरण की संख्या (मिलियन में)	150	1. रोग के प्रकोप को कम करता है	1.1 प्रकोपो की संख्या	*
		1.2 पैरा पशु चिकित्सकों का प्रशिक्षण, पशु चिकित्सकों और पैरा-पशु चिकित्सा की संख्या (@ 20 पैरा-वेट / बैच) - प्रशिक्षुओं की संख्या	1300			
		1.3 मौजूदा राज्य रोग निदान इकाइयों की संख्या सुदृढ़ की गई (संख्या में)	20			
	2. भारत के पशु चिकित्सा परिषद (वीसीआई) के तहत व्यावसायिक दक्षता विकास (पीईडी)	2.1 पेड्स-कंटीन्यूअस पशुचिकित्सा व्यावसायिक (20 वीटीएस / बैच) पशु चिकित्सक प्रोफेशनल की संख्या	1200			
	3. खुरपका और मुंहपका रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एफएमडी-सीपी) का कार्यान्वयन	3.1 वर्ष में दो बार टीकाकरण किए गए मवेशियों और भैंसों की संख्या (मिलियन में)	228			
	4. रिंडरपेस्ट सर्विलांस एंड मॉनिटरिंग (एनपीआरएसएम)संबंधी राष्ट्रीय परियोजना के तहत निरंतर समर्थन और निकट निगरानी।	4.1 स्टॉक मार्गों /जांच किए गए साधारण गाँव की संख्या (लाख लोस में)	1	2. देश में रिंडरपेस्ट फ्री स्टेटस का रखरखाव	2.1 आरपी फ्री स्टेटस :: हाँ या नहीं	*
	5. मौजूदा पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों (ईएसवीएचडी) की स्थापना और सुदृढ़ीकरण या प्राथमिक सहायता केंद्रों , और मोबाइल पशु चिकित्सा अस्पतालो का उन्नयन (सं।)	5.1 संचालित किए गए नए मोबाइल पशु चिकित्सा क्लीनिकों की संख्या (सं.)	30	3. पशु चिकित्सा सेवाओं की पंहुच	3.1 प्रति पशु चिकित्सा देखभाल संस्थान के तहत कवर गांवों की संख्या	10

	6. ब्रुसेलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम (ब्रुसेलोसिस-सीपी) का व्यापक कार्यान्वयन	6.1 6 से 8 महीने के बीच की टीकाकरण की गए मादा बछड़ों की संख्या (लाखों में)	1.5	4. ब्रुसेलोसिस रोग का प्रकोप कम होना	4.1 प्रकोपो की संख्या	*
	7. पेस्टडीस पेट्टीस रूमिनेट्स कार्यक्रय(पीपीआर-सीपी) का व्यापक कार्यान्वयन।	7.1 पीपीआर के लिए टीकाकरण किए गए भेड़ / बकरी की संख्या	50	5. पेस्टडीस पेट्टीस रोग का प्रकोप कम होना	5.1 प्रकोपों की संख्या	*
	8. क्लासिकल स्वाइन ज्वर नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएफ-सीपी) का व्यापक कार्यान्वयन	8.1 इस कार्यक्रम के तहत टीका किए गए पात्र सूअरों की संख्या (मिलियन में)	0.8	6. क्लासिकल स्वाइन ज्वर रोग का प्रकोप कम होना	6.1 प्रकोपो की संख्या	*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

8. श्वेत क्रांति: राष्ट्रीय पशुधन मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
380	1. उद्यमी विकास और रोजगार सृजन के लिए क्रेडिट सह सब्सिडी से जुड़ी गतिविधियाँ।	1.1 प्रदत्त सब्सिडी की कुल राशि (करोड़ रु में)	250 रूपये	1. पशुधन में रोजगार के बेहतर अवसर	1.1 क्रेडिट सह सब्सिडी प्रदान करके समर्थित इकाइयों की संख्या।	2400
	2. पशुधन के लिए प्रजनन अवसरंचना का आधुनिकीकरण और विकास।	2.1 सुदृढ़ किए गए/ आधुनिक बनाए गए फार्म्स की संख्या	9	2. आधुनिक बनाए गए फार्म्स की क्षमता बढ़ाना	2.1 सुदृढ किए गए फार्म्स की क्षमता में कुल वृद्धि	450
	3. उच्च दक्षता वाली नस्लों के प्रजनन पथ प्रदान करके, आवश्यकता आधारित अनुसंधान को प्रायोजित करने, एआई का प्रचार, प्रशिक्षण और पदाधिकारियों को उन्मुखीकरणद्वारा उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में हस्तक्षेप।	3.1 इन प्रजातियों में पशुओं की उन्नत किस्मों के प्रजनन के लिए स्थापित एआई/वीर्य / ईटी स्टेशनों की संख्या (भेड़ जीआईएस के आनुवंशिक सुधार के तहत)	4	3. नस्लों की उत्पादकता में वृद्धि	3.1 उत्पादित वीर्य खुराक की संख्या	1300
					3.2 उत्पादित भ्रूण की संख्या	*
					3.3 किए गए एआई की संख्या	1300
		3.2 समर्थित परियोजनाओं की संख्या (जीआईजी बकरी की उत्पत्ति में सुधार)	4	4. किसानों को बेहतर एचजीएम स्टॉक्स के पालन के माध्यम से लाभ हुआ	4.1 लघु पशुधन इकाइयों की स्थापना के लिए सहायता के माध्यम से लाभान्वित किसानों की संख्या	650
	4. किसानों को उनके पशुओं की मृत्यु के कारण उनके जानवरों के किसी भी संभावित नुकसान के लिए सुरक्षा तंत्र	4.1 बीमा के साथ कवर किए गए पशुधन की संख्या (हजार में)	1000	5. पशुधन की अप्रत्याशित मौत के कारण किसानों की आय में होने वाली कमी को	5.1 भुगतान किए गए दावों का कुल (%)	90

	प्रदान करके, जोखिम और अनिश्चितताओं का प्रबंधन करना और लोगों को पशुधन के लिए बीमा के लाभ को प्रदर्शित करना।	4.2 कवर किए गए लाभार्थियों की कुल संख्या।	230000	रोकना	5.2 भुगतान किया गया कुल दावे की कुल राशि (लाख रूपए में)	3500
	5. लघु पशुधन प्रजातियों का विकास	5.1 प्राप्त और अनुमोदित किये गए प्रस्तावों की संख्या	5	6. लघु पशुधन का विकास	6.1 पशुधन / पशुओं की कुल संख्या	2500
	6. मृत पशुओं का उपयोग	6.1 स्थापित शव उपयोग इकाइयों / अस्थि पेराई इकाइयों की कुल संख्या	3	7. दुर्घटना, प्रदूषण, मृत पशुओं के खुले में विघटन में कमी।	7.1 उपयोग किए गए मृत जानवरों की कुल संख्या	250
	7. ग्रामीण बूचड़खानों की स्थापना।	7.1 स्थापित/ आधुनिक किए गए बूचड़खानों की संख्या	4	8 ग्रामीण उत्पादन केंद्रों पर जानवरों का स्वच्छतापूर्वक रूप से वध	8.1 वध किए गए पशुओं की संख्या	3800
	8. राज्य सुअर प्रजनन फार्मों का सुदृढ़ीकरण	8.1 सुदृढ़ किए गए सुअर प्रजनन फार्मों की संख्या	7	9. प्रशिक्षित सुअर किसानों द्वारा बड़े पैमाने पर अपनाया गया।	9.1 राज्य सुअर प्रजनन फार्मों से उत्पादन	750 (हालांकि, वास्तविक उत्पादन जानवरों के जैविक जीवन चक्र के कारण परियोजना के कार्यान्वयन के 6-9 महीनों के बाद सामने आएगा।

	9. सामान्य भूमि से चारा उत्पादन	9.1 वितरित किए गए चारे के बीज / रोपण सामग्री का मात्रा (टन)	6400	10. आम भूमि से अधिक चारा उत्पादन	10.1 सामान्य भूमि से उत्पादित चारे की मात्रा (एमटी)	13000
		9.2 चारा भूमि उत्पादन (हो) के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र	1300			
	10. चारा फसलों की खेती	10.1 उत्पादित बीजों की मात्रा। (एमटी)	6400	11. किसानों को बीजों का वितरण	11.1 चारे के बीज के वितरण से लाभान्वित किसानो की संख्या	13000
	11. चारे के संरक्षण के लिए फसल कटाई के बाद की तकनीकें	11.1 उत्पादित घास / साईलेज की मात्रा। (एमटी) हे / साईलेज इकाइयाँ (सं.)	500	12. व्यक्तिगत किसानों को सीधा लाभ, (कोई सुझाव नहीं) और ब्लॉक	12.1 पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकियों से समर्थित किसानों की कुल संख्या	25000
					12.2 संरक्षण तकनीकी को अपनाने वाले किसानो की संख्या	380
		11.2 चॉफ कटर को वितरण की संख्या	27300			
		11.3 ब्लॉक स्तर पर मूल्य वर्धित चारा उत्पादन के लिए किए गए प्रदर्शनों की कुल संख्या।	2500			
	12. अधीनस्थ कार्यालयों के तहत प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास	12.1 प्रशिक्षण / कार्यशाला / सत्रों की कुल संख्या।	250	13. किसानों के कृषि कौशल में सुधार।	13.1 प्रशिक्षित किए गए किसानों की संख्या	2500
	13. कौशल विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विस्तार	13.1 आयोजित पशुधन मेले की संख्या।	60	14. किसानों के पशुचिकित्सकों/पैरा-पशुचिकित्सकों को उन्नत कौशल पूल	14.1 प्रशिक्षित किसान / चिकित्सकों/ परियोजनाओं कुशल की संख्या	9500
		13.2 संचालित किए गए किसानों के फील्डस्कूलों की संख्या।	120			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

1. एनसीडीसी शाखाओं की स्थापना और सुदृढ़ीकरण तथा स्वास्थ्य पहलें, जूनोटिक रोगों तथा अन्य उपेक्षित ट्रोपिकल रोगों हेतु तैयारी और नियंत्रण के लिए अंतरक्षेत्री यसमन्वय, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटस सर्विलांस कार्यक्रम और टीमाइक्रोबियल रजिस्टेंस नियंत्रण कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	(i) एनसीडीसी शाखाओं की स्थापना और सुदृढ़ीकरण तथा स्वास्थ्य पहलें					
49	1. एनसीडीसी शाखाओं का निर्माण शुरू किया जाएगा	1.1 एनसीडीसी शाखा के भवन का निर्माण जहां राज्य ने भूखण्ड आबंटित कर दिया है	जिनके साथ अर्थात झारखंड, नागालैंड, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, केरल, बिहार, केरल, अरूणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, गुजरात एवं मध्य प्रदेश द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, 10 शाखाओं का निर्माण प्रारंभ किया जाएगा । 2. शेष राज्यों के साथ भी एमओयू पर हस्ताक्षर किए जायेंगे।			

	(ii) जूनोटिक रोगों तथा अन्य उपेक्षित ट्रॉपिल रोगों हेतु तैयारी और नियंत्रण के लिए अंतर क्षेत्रीय समन्वय					
	1. जूनोटिक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राज्य एवं जिला स्तरीय जनशक्ति की क्षमता में सुधार।	1.1 आयोजित प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या	5	1. क्षेत्रीय समन्वय कर्ताओं के माध्यम से संयुक्त क्षेत्रीय कार्यशालाओं में प्रशिक्षित व्यावसायी	1.1 संयुक्त क्षेत्रीय कार्यशालाओं में प्रशिक्षित व्यवसायों की संख्या	300 व्यावसायी प्रशिक्षि त
	(iii) *राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटस निगरानी कार्यक्रम*					
	1. हेपेटाइटस निगरानी प्रणाली की स्थापना।	1.1 हेपेटाइटिस के लिए वर्धित प्रकरण रिपोर्टिंग करने वाले क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं की संख्या	15	1. हेपेटाइटिस के लिए निगरानी प्रणाली की स्थापना	1.1 हेपेटाइटिस के लिए निगरानी प्रणाली की स्थापना	15 साइटों में हेपेटाइटिस के लिए निगरानी करने की क्षमता में वृद्धि।
		1.2 गंभीर हेपेटाइटिस की निगरानी पर जिला रिपोर्टिंग करने वाले जिलों की संख्या	15			
	(iv) एंटी माइक्रोबियल रजिस्टेंस नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. एएमआर सर्विलांस प्रयोगशाला प्रयोगशाला नेटवर्क की स्थापना	1.1 एएमआर सर्विलांस डाटा रिपोर्ट करने वाली प्रयोगशाला ओं की संख्या	20	1. एएमआर सर्विलांस डाटा का विश्लेषण किया गया और एनसीडीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया।	1.1 उन प्रयोगशालाओं की संख्या जिनके एएमआर निगरानी आंकड़ों को राष्ट्रीय आंकड़ों में शामिल किया गया है और एनसीडीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है।	20

2. भारतीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम (पीवीपीआई): केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
12	1. मेडिकल कॉलेज-अस्पताल/जिला अस्पताल को एडवर्स ड्रग्स रिएक्शन (एडीआर) मॉनिटरिंग सेंटर के रूप में मान्यता	1.1 एएमसी की संख्या जहां एडीआर रिपोर्टिंग स्थापित है।	325 एडीआर निगरानी केन्द्र (एएमसी)और चिकित्सा उपस्कर निगरानी केन्द्र (एनडीएमसी) (संचयी)	1. रोगी सुरक्षा के लिए एडीआर की रिपोर्ट करने के लिए राष्ट्रव्यापी प्रणाली का सृजन	1.1 एडीआर की रिपोर्टिंग में 10-12% की वृद्धि होने की उम्मीद है।	12-14 % (एडीआर की रिपोर्टिंग में लगभग वृद्धि)

3. नर्सिंग सेवाओं का विकास- मौजूदा नर्सिंग स्कूलों को सुदृढ़ीकरण करना: केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
15	1. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाना तथा नर्सिंग कार्मिकों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना ।	1.1 नर्सों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की संख्या	नर्सों के प्रशिक्षण के 160 पाठ्यक्रमों का संचालन करना	1 नर्सिंग शिक्षा, प्रशासन में नर्सिंग कार्मिकों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना	1.1 प्रशिक्षित की गई नर्सों की संख्या	4800 नर्सों को प्रशिक्षित करना
	2. नर्सिंग विद्यालय (एसओएन) को नर्सिंग महाविद्यालय में उन्नत करना	2.1 नर्सिंग महाविद्यालय में उन्नत किए गए नर्सिंग विद्यालयों की संख्या	महाविद्यालय में उन्नत किए जाने वाले 3 विद्यालय	2. स्नातक नर्सों की उपलब्धता में वृद्धि	2.1 स्नातक नर्सों की सीटों की संख्या में वृद्धि	स्नातक नर्सों की 90 सीटें बढ़ाना

4. स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारियों और प्रतिक्रियाएं और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए मानव संसाधन विकास: केन्द्रीय क्षेत्र की योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
130	1. कौशल केन्द्रों की स्थापना	1.1 शुरू किए गए कौशल केन्द्र	40	1. परिचालित किए गए कौशल केन्द्र	1.1 परिचालित किए गए कौशल केन्द्रों की संख्या	30
	2. चिकित्सकों, नर्सों, परा-चिकित्सा कार्मिकों का प्रशिक्षण	2.1 आयोजित होने वाली प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या	60	2. आपातकालीन जीवन सहायता में प्रशिक्षित चिकित्सक, नर्स, एवं परा-चिकित्सा कार्मिक	2.1 आपातकालीन जीवन सहायता में प्रशिक्षित चिकित्सक, नर्स, एवं परा-चिकित्सा कार्मिकों की संख्या	1280 चिकित्सकों, नर्सों, परा-चिकित्सा कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाना है।

5. राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी): केन्द्रीय क्षेत्र की योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रु. में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
41.00	1. अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना	1.1 प्राप्त की गई अंगदान शपथों की संख्या	1 लाख (संचयी 14.5 लाख)	1. अंगदान	1.1 मृत अंगदान दाताओं की संख्या	1000

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

1. महामारी और राष्ट्रीय आपदा के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की स्थापना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
80	1. पर्यावरण को सक्षम करना: प्रकोपों / महामारियों और उभरते और / फिर से उभरते वायरस के प्रबंधन और जांच के लिए बुनियादी ढाँचा, अनुसंधान और प्रशिक्षण	1.1वर्षके दौरान प्रयोगशालाओं के नेटवर्क द्वारा किए गए शोध अध्ययनों कीसंख्या	2	1. मेडिकल कॉलेज, राज्यस्तर और क्षेत्रीय स्तरकी प्रयोगशालाओं में महामारी अनुसंधान और निदान पेशेवरकी उपलब्धता की समय पर पहचान।	1.1. गुणवत्ता आश्वासन केलिए सत्यापित प्रयोगशालाओं कीसं ख्या (नमूना / परिणाम का 10% शीर्ष प्रयोगशालाओं द्वाराजाँच कीजाएगी)	60
		1.2. शीर्ष प्राधिकरण को मासिक परिणामों की रिपोर्ट करने वाली प्रयोगशालाओं की संख्या (एनआईईचेन्नई)	80		1.2. प्रतिवर्ष प्रशिक्षित वायरोलॉजी कर्मियों कीसंख्या	40
		1.3. प्रयोगशालाओं की संख्या जो 25 स्ट्रेनों की पहचान कर सकतीहैं	50			
	2. उत्प्रेरक परिवर्तन: क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर अनुसंधान और प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं की उपस्थिति	2.1. निर्मित क्षेत्रीय स्तर की प्रयोगशालाओं की संख्या।	1			
		2.2. निर्मित राज्यस्तरीय प्रयोगशालाओं की संख्या।	5			
		2.3. निर्मित मेडिकल कॉलेज स्तर की प्रयोगशालाओं की संख्या।	24			
		2.4. प्रत्येक स्तर पर पहचाने जाने वाले वायरस कीसंख्या:				

		(i) क्षेत्रीय	35			
		(ii) राज्य स्तर	>25			
		(iii) चिकित्सा महाविद्यालय स्तर	>20			
		2.5.प्रकोप जांच की संख्या किया	100			
		2.6. प्रति वर्ष परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या	125000			

2. स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना का विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2019-20	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
73	1. आदर्श ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई की स्थापना: बुनियादी ढांचेका निर्माण और ग्रामीण क्षेत्रोंमें अनुसंधान केलिए पर्यावरण को सक्षम करना।	1.1. स्थापित एमआरएचआरयू की संख्या	7	1.आदर्शग्रामीणस्वास्थ्य अनुसंधान इकाईकी स्थापना: मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों का संचालन	1.1. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अनुसंधान अध्ययन/ परियोजनाओं में वृद्धि।	16
		1.2. प्रत्येक एमआरएचआरयू में चल रहे अनुसंधान अध्ययन/ परियोजनाओं की संख्या	32		1.2. ग्रामीण आबादी को स्वास्थ्य सेवाओंकी गुणवत्तामें सुधारके लिएनई तकनीकों के हस्तांतरण में वृद्धि.	1
		1.3. एमआरएचआरयू में पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों / परियोजनाओं कीसंख्या।	10	2. मेडिकल कॉलेज में मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च इकाई की स्थापना: मेडिकल कॉलेजों में मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च	2.1. सरकारी मेडिकल कॉलेजों/ अनुसंधान संस्थानों में स्वास्थ्य अनुसंधान गतिविधियों में वृद्धि।	14

		1.4. प्रकाशित/ प्रस्तुत/ पेटेंट किए गए नए नैदानिक/ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रासंगिक ज्ञान संबंधी शोधपत्रों की संख्या।	18	इकाइयों का संचालन	2.2. गैर-संचारी और संचारी रोगों केलिए नैदानिक किट/ प्रौद्योगिकियों केविकास की पहल	*
		1.5. नई प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण कीसंख्या	2			
	2. मेडिकल कॉलेज में मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च इकाई की स्थापना: बुनियादी ढांचेका निर्माण और मेडिकल कॉलेजों में अनुसंधान के लिए पर्यावरण को सक्षम करना	2.1. मेडिकल कॉलेजों में स्थापित एमडीआरयू की संख्या	12			
		2.2 कार्यात्मक एमडीआरयू की संख्या	42			
		2.3 प्रत्येक एमडीआरयू में अनुसंधान अध्ययन/ परियोजनाओं की संख्या	84			
		2.4 एमडीआरयू में पूर्ण किएगए अनुसंधान अध्ययन / परियोजनाओं कीसंख्या	18			
		2.5 नए नैदानिक/ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रासंगिक ज्ञान पर प्रकाशित/ प्रस्तुत/ पेटेंट किए गए शोधपत्रों की संख्या	32			
		2.6 सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में शुरुआत करने के लिए विकसित नई तकनीकों की संख्या	*			
		2.7 सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोग के लिएपेटेंट/ उत्पादों/ प्रक्रिया में परिवर्तित लीड की संख्या	**			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

*** संकेतक मांग आधारित हैं।*

3. मानव संसाधन और क्षमता विकास

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
87	1. अनुसंधान के लिए पर्यावरण को सक्षमकरना	1.1. सम्मानित की गई फेलोशिप की संख्या। (एचआरडी)	65	1. प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं पर अनुसंधान परियोजनाओं को विकसित करने और शुरू करने केलिए प्रशिक्षण	1.1. शोधअध्ययन के पूरा होने का % जीआईए एचआरडी	जीआईए 56% एचआरडी 25%
		1.2. प्रशिक्षुओं / फैलो (एचआरडी) द्वारा शुरू की गई स्टार्ट-अप परियोजनाओं की संख्या	30		1.2 फेलो द्वारा शुरूकी गई परियोजनाओं का % (i) एचआरडी	50%
		1.3. समर्थित संस्थानों द्वारा प्रशिक्षित शोधकर्ताओं की संख्या। (एचआरडी)	12 संस्थानों को कम से कम 100 फैलो/ संकाय को प्रशिक्षित करने की अनुमति दी जाएगी		1.3. स्वास्थ्य प्रौद्योगि की आकलन पर जारी किए गए साक्ष्य आधारित दिशानिर्देशों की संख्या (एचटीए)	10
		1.4. अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या। (i) जीआईए (ii) एचआरडी	जीआईए : 41 एचआरडी युवा वैज्ञानिक-45 महिला वैज्ञानिक-45		1.4 स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन के लिए नए विषयों कीसं ख्या	30
		1.5. पूर्ण कीगई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या। (i) जीआईए (ii) एचआरडी	जीआईए : 136 एचआरडी: 25			

		1.6. नए नैदानिक / सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रासंगिक ज्ञान पर प्रकाशित / प्रस्तुत शोधपत्र की संख्या (i) जीआईए (ii) एचआरडी	जीआईए: 15 एचआरडी: 30			
		1.7. सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओंमें उपयोग के लिएपेटेंट / उत्पादों / प्रक्रियामें परिवर्तित लीडों की संख्या (i) जीआईए (ii) एचआरडी	जीआईए: 5एचआरडी 2			
		1.8. लागत प्रभावी और स्वदेशी नैदानिक किटोंकी विकसित की गईसं ख्या। (i) जीआईए (ii) एचआरडी	जीआईए: 3एचआरडी: कोई नहीं			
		1.9. प्रमुख पहचान कीगई बीमारियों में विकसित प्रोटोकॉल / उपकरणों केलिए दिशा निर्देशों की संख्या। (i) जीआईए (ii) एचआरडी	जीआईए: 2एचआरडी: कोई नहीं			

4. महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए उपकरणों का विकास

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
7.35	1. उभरते और / फिर से उभरते वायरस के प्रकोप / महामारी की जांच करने के लिए नैदानिक किट और अभिकर्मकों को मुहैया करना	1.1. प्रयोगशालाओं की संख्या जो सक्रिय रूप से वर्ष के दौरान प्रकोप की जांच करती है	100	1. अनुसंधान गतिविधि और गुणवत्ता और समान अखिल भारतीय डेटा उत्पन्न के लिए तैयारी करना	1.1 अनुसंधान गतिविधियों की संख्या।	2
		1.2. एटियलॉजिकल एजेंटकी संख्या जिसके लिए प्रत्येक प्रयोगशाला में नैदानिक किटों की आपूर्ति की जानी है	3			
	2. संसाधन केंद्र (एनआईवी, पुणे) द्वारा क्षमता निर्माण केलिए प्रयोगशालाओं को प्रशिक्षण प्रदान करना	2.1. आरसी द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण की संख्या	8			
	3. गैर-वायरल संक्रामक रोग जनकों के लिए निदान प्रदानकरना	3.1 गैर-वायरल रोगजनकों के निदान के लिए प्रबल की गई प्रयोगशालाओं की संख्या	50			

भारी उद्योग विभाग

1. ऑटोमोबाइल उद्योग का विकास: नेशनल ऑटोमोटिव परीक्षण तथा अनुसंधान और विकास अवसंरचना परियोजना (नैट्रिप) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
459.23	1. ऑटोमोटिव परीक्षण तथा अनुसंधान और विकास के लिए अवसंरचना के सृजन हेतु सहायता	1.1 पूर्ण की गई प्रयोगशालाओं तथा परीक्षण ट्रैकों की संख्या - आईसीएटी में पूर्ण किए गए परीक्षण ट्रैकों की संख्या	1	1. देश में नवीनतम परीक्षण वैधता और अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना का सृजन करना।	1.1 उत्सर्जन मानकों, वाहनों की सुरक्षा और कार्य-निष्पादन के लिए परीक्षण और प्रमाणीकरण हेतु प्रचालनरत युनिटों की संख्या: आईसीएटी में: परीक्षण ट्रैकों की संख्या	1
		1.2 पूर्ण की गई प्रयोगशालाओं तथा परीक्षण ट्रैकों की संख्या:- नेट्रेक्स में पूर्ण किए गए परीक्षण ट्रैकों की संख्या	1		1.2 उत्सर्जन मानकों, वाहनों की सुरक्षा और कार्य-निष्पादन के लिए परीक्षण और प्रमाणीकरण हेतु प्रचालनरत युनिटों की संख्या: नेट्रेक्स में: परीक्षण ट्रैकों की संख्या	1
		1.3 पूर्ण की गई प्रयोगशालाओं तथा परीक्षण ट्रैकों की संख्या:- जीएआरसी[29] में प्रयोगशाला- एपीएसएल (एक प्रयोगशाला- प्रगति पर है।)	*		1.3 उत्सर्जन मानकों, वाहनों की सुरक्षा और कार्य-निष्पादन के लिए परीक्षण और प्रमाणीकरण हेतु प्रचालनरत युनिटों की संख्या: जीएआरसी[30] में प्रयोगशाला- एपीएसएल (एक प्रयोगशाला- प्रगति पर है।)	*

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

[29] *जीएआरसी में एपीएसएल प्रगति पर है और एक प्रमुख उपकरण आपूर्तिकर्ता की समापन अनुसूची के अनुसार, प्रयोगशाला के अगस्त, 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है। अत: इसे निर्गम 2019-20 और 2019-20 के परिणामों में शामिल नहीं किया गया है।*

[30] *यह योजना कैबिनेट द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 के लिए अनुमोदित वित्तीय परिव्यय है और योजना की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार एस.ओ. नंबर 1300 (ई) दिनांक 8 मार्च 2019 है।*

3. कैपिटल गुड्स सेक्टर का विकास: भारतीय केपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
110	1. उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से प्रौद्योगिकी का विकास।	1.1 अनुमोदित उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) परियोजनाओं की संख्या।.	*	1. नई मशीनों के लिए अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास के माध्यम से भारतीय केपिटल गुड्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना:	1.1 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत सी एम टी आई बैंगलोर में	50%
		1.2 पूर्ण किए गए उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) परियोजनाओं की संख्या।	3		1.2 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत आईआईटी मद्रास में	80%
	2. विनिर्माण में सुगमित मूल्य वर्धित सेवाओं के लिए साझा इंजीनीयरिंग सुविधा केंद्र	2.1. अनुमोदित साझा इंजीनीरिंग सुविधा केंद्रो (सीईफसी) की संख्या	*		1.3 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी कोयम्बटूर में	100%
		2.2. पूर्ण किए गए साझा इंजीनीरिंग सुविधा केंद्रो (सीईफसी) की संख्या .	*		1.4 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत सिटार्क कोयम्बटूर में	100%
	3. प्रोद्यौगिकी अधिग्रहण के लिए प्रोद्यौगिकी अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी) या उन्नत मशीनरी का अंतरण, व्यक्तिगत या संघीय रूप में केपिटल गुड्स विनिर्माण यूनिटों को दी जाने वाली सहायता	3.1 अनुमोदित प्रौद्योगिकीय अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी) परियोजनाओं की संख्या	*		1.5 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत आईआईटी दिल्ली में	30%
		3.2 पूर्ण किए गए प्रौद्योगिकीय अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी) परियोजनाओं की संख्या	2		1.6 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत आईआईटी खड़गपुर में	50%

	12. एकीकृत औद्योगिक सुविधा का सृजन	4.1. अनुमोदित एकीकृत औद्योगिक सुविधाओं (आईआईआईएफ) की संख्या	*	2. सीईएफसी के रूप में साझा वास्तविक अवसंरचना के सृजन के माध्यम से भारतीय केपिटल गुड्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना:	1.7 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत एचईसी एक्सकावेटर में	100%
		4.2 पूर्ण किए गए एकीकृत औद्योगिक सुविधाओं (आईआईआईएफ) की संख्या	*		1.8 उत्कृष्टता केंद्र परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत आईआईएससी विप्रो में	70%
					2.1 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत चाकन, पुणे में	70%
					2.2 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत एचईसी रांची में	80%
					2.3 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत बारदोली, सूरत में	60%
					2.4 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत किर्लोस्कर में	50%
					2.5 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत आईआईटी, दिल्ली में	50%
					2.6 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत आईआईएससी, बैंगलोर में	50%
					2.7 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत सीएमटीआई इंडस्ट्री 4.0 बैंगलोर में	50%
					2.8 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत कोरस में	50%
					2.9 साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों (सीईएफसी) की पूर्णता का प्रतिशत सीएमटीआई प्रेशिजन	70%

					लैब में	
				3. निम्नलिखित के माध्यम से भारतीय केपिटल गुड्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना: प्रौद्योगिकी अधिग्रहण	3.1 प्रौद्योगिकीय अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी) परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत हेवी ड्युटी उच्च विश्वसनीयता वाले विशिष्ट विद्युत केबल के विनिर्माण पर एलाइड इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा टीएएफपी	100%
					3.2 प्रौद्योगिकीय अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी) परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत*: टंगस्टन कार्बाइड पाउडर का उपयोग करके स्वदेशी तौर पर हाइड्रो टरबाइनों के लिए नवीनतम रोबोटिक लेजर क्लेडिंग प्रौद्योगिकी पर इंडस्ट्रियल प्रोसेसर और मेटालाइजर प्राईवेट लिमिटेड द्वारा टीएएफपी.	50%
					3.3 प्रौद्योगिकीय अधिग्रहण निधि कार्यक्रम (टीएएफपी) परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत*: सेरमिक शैलिंग प्रौद्योगिकी के साथ टाइटेनियम कास्टिंग के विकास और व्यवसायीकरण पर पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा टीएएमपी	100%
				4. निम्नलिखित के माध्यम से भारतीय केपिटल गुड्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना: मशीन टूल क्षेत्र के लिए एकीकृत औद्योगिक सुविधा की स्थापना	4.1 एकीकृत औद्योगिकी सुविधा (आईआईआईएफ) की पूर्णता का प्रतिशत	70%

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

4. कैपिटल गुड्स सेक्टर का विकास: तापीय विद्युत संयंत्रों के लिए उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी के विकास हेतु अनुसंधान एवं विकास परियोजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
134	1. विद्युत संयंत्रो की दक्षता में सुधार करने हेतु तापीय विद्युत संयंत्रों के लिए उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल प्रोद्यौगिकी की डिजाइनिंग	1.1 उच्च दबाव वाले टरबाइन के लिए स्टीम टरबाइन रोटर और कास्टिंग ब्लैड प्रोफाइल की प्रारंभिक डिजाइनिंग-टर्बाइन डिजाइन समीक्षा की अंतिम रिपोर्ट के आधार पर इनपुट पैरामीटरों में संशोधित डिजाइन को अंतिम रूप दिया (हां/नहीं)	हां	1. प्रदर्शन विद्युत परियोजना की स्थापना	1.1 उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युत संयंत्र की डिजाइन विनिर्माण, उपकरण और परीक्षण प्रोद्यौगिकी की स्थापना (% में वास्तविक प्रगति)	100%
		1.2 भेल-कॉर्प पर रोटर परीक्षण योजनाओं और प्रणालियों की स्थापना हैदराबाद में (हां/नहीं)	हां		1,2 एयूएससी प्रौद्योगिकी पर आधारित तापीय विद्युत संयंत्र का क्षमता संयोजन	*
		1.3 फायर साइड जंग परीक्षण रिग का डिजाइन और परीक्षण सुविधा की हॉट कमिशनिंग। फायर साइड जंग परीक्षण रिग का संचालन। कलपुर्जों को अंतिम रूप दिया और भावी परीक्षणों हेतु योजना (हां/नहीं)	हां		1.3 एयूएससी प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके टीपीपी में विद्युत का वार्षिक उत्पादन.	*
		1.4 मुख्य भाप पाईपलाइनों के इनकॉनल 740 एलॉए पाइप के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी की स्थापना। वेंडिंग प्रक्रिया पर खरा उतरना (हां/नहीं)	हां			
		1.5 मुख्य भाप पाईपलाइनों के इनकॉनल 740 एलॉए पाइप के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी की स्थापना। वेल्डिंग पर खरा उतरना (हां/नहीं)	हां			
		1.6 रोटर और केसिंग में टर्बाइन बाईमेटेलिक वेल्ड। वेल्डिंग प्रौद्योगिकी की स्थापना (हां/नहीं)	हां			

		1.7 टर्बाइन वेल्डिड और केसिंग की मशीनिंग- मशीनिंग प्रौद्योगिकी की स्थापना (हां/नहीं)	हां			
		1.8 इन्कोनल 617 ब्लेडों की मशीनिंग- मशीनिंग प्रौद्योगिकी की स्थापना (हां/नहीं	हां			
		1.9 चरणबद्ध तरीके से मेटेरियल डिजाइन डाटा एवं मेटेरियल आकलन पूर्ण किया गया। 10सी/625एम डिस्सिमीलर वेल्ड ज्वाइंट का क्रीप डाटा	हां			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

5. कैपिटल गुड्स सेक्टर का विकास: संवर्धनात्मक गतिविधियां आरंभ करने के लिए औद्यगिक संघ और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
0.50	1. केपिटल गुड्स सेक्टर के लिए संवर्धनात्मक/जागरूकता अभिमुख गतिविधियों के लिए उद्योग / संगठन / पीएसयू / स्वायत्त निकायों को वित्तीय / लोगो सहायता उपलब्ध कराना।	1.1 आयोजित की गई जागरुकता कार्यशालाओं की संख्या	18	1. कैपिटल गुड्स सेक्टर विशेष रूप से एमएसएमई और केपिटल गुड्स सेक्टर की अन्य औद्योगिक इकाइयों में नवीनतम विकास / प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता सृजन/ बढ़ावा देना।	1.1 पिछले वर्ष की तुलना में कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की बढ़ी संख्या का प्रतिशत	50%
		1.2 आयोजित व्यापार प्रदर्शनियों की संख्या	3			

लोक उद्यम विभाग

1. परामर्श, पुन:प्रशिक्षण और पुन:नियोजन (सीआरआर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
3.5	1. परामर्श और प्रशिक्षण के माध्यम से पृथक कर्मचारियों का पुन:नियोजन	1.1 प्रशिक्षित वीआरएस/ वीएसएस विकल्पधारियों / उनके आश्रितों की संख्या	1300	1. परामर्श और प्रशिक्षण के माध्यम से पृथक्कृत कर्मचारियों के वीआरएस/ वीएसएस पुन:नियोजन के कवरेज में वृद्धि	1.1 पुन:नियोजित वीआरएस/वीएसएस विकल्पधारियों/ आश्रितों का %	60%

2. सीपीएसईज और राज्य स्तरीय लोक उद्यमों से संबंधित जेनेरिक मुद्दों पर अनुसंधान,विकास और परामर्श(सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू करोड में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
6	1. सीपीएसईज और राज्य स्तरीय लोक उद्यमों से संबंधित जेनेरिक मुद्दों पर अनुसंधान अध्ययन, प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशालाएं आयोजित करना	1.1 सीपीएसईज और राज्य स्तरीय लोक उद्यमों के कार्यपालकों के लिए आयोजित आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	22	1. सीपीएसईज और राज्य स्तरीय लोक उद्यमों से संबंधित जेनेरिक मुद्दों पर अनुसंधान अध्ययन, प्रशिक्षण और कार्यशालाओं को शामिल करना	1.1 गत वर्ष में प्रशिक्षित कार्यपालकों की संख्या में % परिवर्तन	11%
		1.2 सीपीएसईज और राज्य स्तरीय लोक उद्यमों के कार्यपालकों के लिए आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	12		1.2 गत वर्ष में आयोजित कार्यशालाओं की संख्या में % परिवर्तन	9%
		1.3 सीपीएसईज के निदेशकों की क्षमता निर्माण के लिए आयोजित ओरिएन्टेशन कार्यक्रमों की संख्या	9		1.3 गत वर्ष में प्रतिभागी निदेशकों की संख्या में % परिवर्तन	25%

गृह मंत्रालय: **मांग सं. 46**

1. हेलीकॉप्टर सेवाएं

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
115	**3.1 पूर्वोत्तर क्षेत्र में हेलीकॉप्टर सेवाएं**					
	1. इस योजना से पूर्वोत्तर क्षेत्र के अगम्य और दूरदराज के क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी में सुधार आएगा	1.1 स्वीकृत उड़ान घंटों की तुलना में प्रतिवर्ष उड़ान घंटों /खेपों की संख्या (-हेलीकॉप्टर वार)	9004 घंटे			
		1.2 लाभार्थियों/यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या*	65000 यात्री			
	3.2 जम्मू और कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश में हेलीकॉप्टर सेवाएं					
	1. इस योजना से जम्मू और कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश के अगम्य और दूरदराज के क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी में सुधार लाने में मदद मिलेगी	1.1. स्वीकृत उड़ान घंटों की तुलना में प्रतिवर्ष उड़ान घंटों/ खेपों की संख्या (-हेलीकॉप्टर वार)	1500 घंटे			
		1.2. लाभार्थियों/यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या*	8000 नं.			

** यात्रियों की संख्या वित्त वर्ष 2017-18 के डाटा के आधार पर निर्देशात्मक (इंडीकेटिव) है*

2. आपदा प्रबंधन: आपदा प्रबंधन संबंधी अवसंरचना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
142.93	1. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के लिए कार्यालय अवसंरचना का प्रावधान	1.1 राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की बटालियनों और टीम लोकेशन में निर्मित किए जाने वाले कार्यालय भवनों की संख्या और निर्माण का प्रतिशत	i) चल रहे निर्माण कार्य:- 70 भवनों में से 41 का निर्माण कार्य 2018-19 में पूरा कर लिया जाएगा, शेष 29 का काम 2019-20 में पूरा कर लिया जाएगा। अत: 70 भवनों में से 94.29 प्रतिशत कार्य 2019-20 में पूरा कर लिया जाएगा। ii) अभी शुरू किए जाने वाले निर्माण कार्य:- 41 कार्यालय भवन 10% लक्ष्य हासिल किया जाना है।	1. प्रशिक्षण क्षमता में वृद्धि होगी।	1.1 प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	कुल: 2150 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा एनडीआरएफ - 750 एसडीआरएफ-1250 स्टेकहोल्डर-150
	2. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के लिए आवास का प्रावधान	2.1 6 बटालियन मुख्यालय में निर्मित किए जाने वाले आवासीय भवनों और क्वार्टरों की संख्या तथा निर्माण का प्रतिशत	लगभग, 606 भवनों को 2019-20 में पूरा किया जाएगा। (कुल 1088 भवनों में से 934 भवनों का निर्माण कार्य 2019-20 में पूरा कर लिया जाएगा। 1088 भवनों में से 88.85 प्रतिशत का निर्माण कार्य 2019-20 में पूरा कर लिया जाएगा। शेष 154 आवासीय भवनों का निर्माण कार्य 2020-			

			21 में पूरा किया जा सकता है)। ii) अभी शुरू किए जाने वाले निर्माण कार्य:- 693 आवासीय भवन, 10 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाना			
	3. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, रोहिणी, दिल्ली का निर्माण	3.1 राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान भवन, रोहिणी में निर्माण कार्यों की प्रगति	100 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा किया जाना	2. प्रशिक्षण क्षमता में वृद्धि की जानी है	2.1 प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	3500
	4. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दक्षिण परिसर का निर्माण	4.1 राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दक्षिणी परिसर, आंध्र प्रदेश में निर्माण कार्य की प्रगति	100 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा किया जाना	3. प्रशिक्षण क्षमता में वृद्धि की जानी है	3.1 प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या	600

3. आपदा प्रबंधन: राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम प्रशमन परियोजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
296.19	1. लास्ट माइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए तटीय लोगों के लिए पूर्व चेतावनी प्रचार-प्रसार प्रणाली का प्रावधान	1.1 आंध्र प्रदेश और ओडिशा में ईडब्ल्यूडीएस शुरू करना	*	1. तटीय जिलों तक प्रभावी लास्ट माइल कनेक्टिविटी	1.1 पूर्व चेतावनी प्रचार-प्रसार प्रणाली वाले जिलों की संख्या	28
	2. चक्रवात जोखिम प्रशमन अवसंरचना प्रदान करना (CRMI)	2.1 बहु-उद्देशीय चक्रवात आश्रय (एमपीसीएस)	70 नं.	2. 2.2 मिलियन तटीय लोगों को लाभ (हाइड्रोमिट्रोलॉजिकल खतरों से जीवन और संपत्ति को होने वाले नुकसान को कम करना)	2.1 लाभ प्राप्त तटीय लोगों की संख्या	24
		2.2 सड़क	12 किमी.			
		2.3 पुल	1 नं.			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

4. अन्य आपदा प्रबंधन योजनाएं : (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
138.81	1. क्षमता निर्माण और पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करना	1.1 आपदा की किसी स्थिति से निपटने के लिए लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी में आपदा प्रबंधन में आईएएस तथा अन्य अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण	प्रशिक्षित किए जाने वाले कुल कार्मिक - 950	1. राहत केन्द्रित दृष्टिकोण के बजाय आपदा जोखिम न्यूनीकरण के माध्यम से आपदा प्रबंधन के प्रति पहले से सक्रियता दिखाने का दृष्टिकोण अपनाना	1.1 बड़ी आपदाओं के कारण पूरे देश में जीवन की औसत हानि	*
		1.2 12 बड़े समुद्री बंदरगाहों पर सी पोट्स इमरजेंसी हेंडलर्स को सीबीआरएन प्रशिक्षण	प्रशिक्षित किए जाने वाले कार्मिक - 600 सेंसीटाइज किए जाने वाले स्टेकहोल्डर्स- 2400			
		1.3. जिला और राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास आयोजित करने के लिए राज्यों/संघ राज्यों क्षेत्रों को वित्तीय सहातया। इन अभ्यासों से आपदा जैसी स्थितियों से निपटने में सभी स्टेकहोल्डर्स की प्रभावकारिता का पता लगाने में मदद मिलेगी	100%			

		1.4 बीआईएस कोड्स और एनबीसी-2016 के आधार पर भूकंप-रोधी भवन निर्माण के लिए दिशानिर्देश/मैनुअल्स तैयार करना। इन दिशानिर्देशों/मैनुअल्स में व्यावहारिक उदाहरणों के साथ भूकंपरोधी भवनों का निर्माण करने के फॉर्मेट होंगे। (आम लोगों तथा कनिष्ठ अभियंताओं आदि के लिए भूकंपरोधी भवनों का निर्माण करने के तरीके की आसान समझ)।	दिशानिर्देश जून, 2019-20 तक तैयार किए जाने की संभावना है।			
		1.5 विभिन्न राज्यों से आपदा प्रबंधन के डाटा इकट्ठा करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में जीआईएस सर्वर और जियो डाटावेस की स्थापना-जीआईएस लेयर्स की प्रोसेसिंग और फॉरम्यूलेशन और आपदा प्रबंधन के लिए एंड्रोइड एप्लीकेशन तैयार करना।	जीआईएस सर्वर स्थापित कर लिया गया है और जिओलॉजिकल डाटाबेस मार्च 2020 तक तैयार कर लिया जाएगा।			
		1.6 i) डिसेबलिटी इंक्लुसिव डिजास्टर रिस्क रिडक्शन ii) बिल्ड बैक बेटर iii) आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में लगे सभी स्टेकहोल्डर्स द्वारा उपयोग किए जाने वाले अस्थायी शेल्टर्स जैसे मुद्दों पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण संबंधी दिशानिर्देश तैयार करना।	दिशानिर्देश दिसम्बर, 2019 तक तैयार किए जाने की संभावना है।			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

5. जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष उद्योग पहल (उड़ान) * (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. उम्मीदवारों का प्रशिक्षण	1.1 प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों की संख्या	***	1. कॉरपोरेट इंडिया को जम्मू और कश्मीर राज्य में मौजूद प्रतिभा से अवगत कराना *एनएसडीसी के लंबित बिल्स	1.1 आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
		1.2 प्रशिक्षण ज्वाइन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	***		1.2 उन उम्मीदवारों की संख्या जिनको नौकरी दी गई।	***
		1.3 प्रशिक्षण पूरा करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	***			
	** 31.12.2018 को योजना का संचालन बंद हो गया है* *** एनएसडीसी के लंबित बिल*					

**** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

6. नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम और मीडिया प्लान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
23	1. नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम: पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को नागरिक कार्रवाई संबंधी क्रियाकलापों के लिए धनराशि प्रदान की जाएगी।	1.1 आबंटित बजट का %व्यय	आबंटित निधि का 100% उपयोग	1. नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम: इस योजना से आम लोगों की नजर में सशस्त्र बलों की छवि सुधरेगी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्रोही/उग्रवाद संभावित क्षेत्रों में सशस्त्र बलों की तैनाती के दौरान स्थानीय लोगों को विश्वास में लेने में मदद मिलेगी।	1.1 आबंटित बजट का % व्यय	आबंटित निधि का 100% उपयोग
	2. एनई मीडिया प्लान: पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्रचार के लिए विभिन्न सरकारों और गैर सरकारी संगठनों/एजेंसियों को निधियां प्रदान की जाएंगी।	2.1 आबंटित बजट का % व्यय	आबंटित निधि का 100% उपयोग	1. एनई मीडिया प्लान: इस योजना से मल्टीमीडिया प्रचार के माध्यम से लोगों के मन में सरकार की छवि सुधरेगी जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र की स्थिति में सुधार होने में मदद मिलेगी।	2.1 आबंटित बजट का % व्यय	आबंटित निधि का 100% उपयोग

गृह मंत्रालय: पुलिस **मांग सं. 48**

1. आईवीएफआरटी (आप्रवासन, वीजा और विदेशी नागरिकों का पंजीकरण तथा ट्रेकिंग) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
77	1. विदेशों में स्थित शेष 10 मिशनों में सी-वीजा लागू करना	1.1 - विदेशों में स्थिति शेष 10 मिशनों में सी-वीजा लागू करना	*विदेशों में स्थित 10 भारतीय मिशन (सी.ए के प्रशासनिक अनुमोदन के अध्यधीन)	1.सुरक्षा को बढ़ाने के साथ-साथ वैध यात्रियों की सहायता करने वाले सुरक्षित और एकीकृत सर्विस डिलीवरी फ्रेमवर्क लागू करने के लिए'' इस योजना के उद्देश्य को हासिल करने के उद्देश्य से सेंट्रेलाइज्ड डाटा का संग्रहण और सभी स्टेकहोल्डर्स में डाटा का प्रचार-प्रसार	इस लक्ष्य से डाटा का सेंट्रलाइज्ड संग्रहण और प्रचार-प्रसार 178 भारतीय मिशनों में लागू हो जाएगा जो 100 प्रतिशत उपलब्धि होगी।	*
	2. विदेशों में स्थित शेष 19 भारतीय मिशनों में बायोमैट्रिक लागू करना	2.1 विदेशों में स्थित शेष 19 भारतीय मिशनों में बायोमैट्रिक लागू करना	* विदेशों में 19 भारतीय मिशन (सी.ए के प्रशासनिक अनुमोदन के अध्यधीन)		1.2 इस लक्ष्य से सभी 178 भारतीय मिशनों में बायोमेट्रिक लागू हो जाएगी जो 100 प्रतिशत समग्र उपलब्धि होगी	**
	3. शेष 69 एफआरओ में से 20 एफआरओएस में आईवीएफआरटी लागू करना	3.1 शेष 69 एफआरओ में से 20 एफआरओएस में आईवीएफआरटी लागू करना	0 (पूर्व वित्त वर्ष में 100 प्रतिशत लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिया गया है)		1.3 इस लक्ष्य से 674 एफआरओ में से 625 एफआरओ में आईवीएफआरटी प्रणाली लागू हो जाएगी जो 92.7 प्रतिशत समग्र उपलब्धि होगी।	100%

	4. 1:एन डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को पायलट आधार पर लागू करना	4.1 1:एन डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को पायलट आधार पर लागू करना (वाई/एन)	***जी हां***	2. 1:एन के संदर्भ में बायोमेट्रिक सत्यापन संभव होगा इससे सुरक्षा में वृद्धि होगी और यात्रियों को सुगमता होगी।	2.1 इस लक्ष्य से इस सॉफ्टवेयर को पूरी तरह से लागू करना संभव होगा।	जी हां
	5. ई-गेट्स का पायलट आधार पर कार्यान्वयन	1. ई-गेट्स का पायलट आधार पर कार्यान्वयन (वाई/एन)	1.1 जी हां	3. मैनुअल इंटरवेंशन को खत्म करने से यात्रियों को सहूलियत होगी।	3.1 इस लक्ष्य से इस सॉफ्टवेयर को पूरी तरह से लागू करना संभव होगा।	जी हां

^ निर्गम संकेतक और लक्ष्य सी.ए के अनुमोदन तथा संबंधित भारतीयों मिशनों की तत्परता के अध्यधीन है

** निर्गम संकेतक और लक्ष्य सी.ए के अनुमोदन तथा भारतीयों मिशनों की तत्परता के अध्यधीन है*

*** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

2. **सीमा सुरक्षा बल एयर विंग, एयरक्राफ्ट/ रिवर बोट/ हेलीबेस (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2019-20	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
	निर्गम	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
179.03	1. सीमा सुरक्षा बल के अधीन एयरविंग द्वारा एयरक्राफ्ट का अनुरक्षण-राजस्व	1.1 सीमा सुरक्षा बल के अधीन एयरविंग द्वारा एयरक्राफ्ट के अनुरक्षण पर % व्यय	100%	1. अवसंरचना का प्रावधान	1.1 एयरक्राफ्ट और रिवर बोट्स जैसी सुरक्षा सुविधाओं पर प्रतिशत व्यय	100%
	2. सीमा सुरक्षा बल के अधीन एयरविंग द्वारा एयरक्राफ्ट का अनुरक्षण - पूंजीगत	2.1 सीमा सुरक्षा बल अधीन एयरविंग द्वारा एयरक्राफ्ट के अनुरक्षण पर % व्यय	100%			
	3. सीमा सुरक्षा बल के अधीन एयरविंग द्वारा रिवर बोट्स का अनुरक्षण	3.1 सीमा सुरक्षा बल अधीन एयरविंग द्वारा रिवर बोट्स के अनुरक्षण पर % व्यय	100%			

3. स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
8	1. उपकरणों आदि की खरीद के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों सहायता प्रदान करके राज्य ड्रग विधि प्रर्वतन एजेंसियों का सुदृढ़ीकरण	1.1 खरीदे गए चौकसी उपकरणों की मदें	500*	1. गृह मंत्रालय द्वारा आबंटित निधि के संवितरण से राज्य ड्रग्स विधि प्रर्वतन एजेंसियों को सुदृढ़ बनाना	1.1 रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या	45000 * भारत (**केवल राज्य पुलिस**)
		1.2 खरीदे गए प्रयोगशाला उपकरणों की मदें	08*		1.2 गिरफ्तारियों की संख्या	55000* (केवल राज्य पुलिस)
		1.3 गश्त/चौकसी के लिए खरीदे गए वाहन	100*		1.3 दोषसिद्ध मामलों की संख्या	डाटा मुहैया नहीं कराए जा सकते
		1.4 खरीदे गए कम्प्यूटरों और उनके सहायक उपकरणों की मदें	300*			
		1.5 खरीदी गई फैक्स मशीन और फोटोकॉपी मशीन	60*	2. अधिकारियों/ स्टाफ की क्षमता निर्माण में वृद्धि	2.1 प्रशिक्षित किए गए अधिकारियों और स्टाफ की संख्या	1000*
		1.6 खरीदे गए प्रशिक्षण उपकरण और सहायक सामग्री	50*			
		1.7 प्रर्वतन के लिए खरीदे गए अन्य उपयोगी उपकरण	800*			

** ये संकेतक राज्य आधारित हैं, इसलिए इन लक्ष्यों को अनुमानित लक्ष्य माना जाए क्योंकि वास्तविक लक्ष्य अभी राज्यों से प्राप्त नहीं हुए हैं*

4. भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र (I4g)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में) 2019-20	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
i) **नेशनल साइबर क्राइम थ्रेफ्ट एनालिटिक्स यूनिट**						
100	1. नेशनल साइबर क्राइम थ्रेफ्ट एनालिटिक्स यूनिट को क्रियाशील बनाया जाएगा	1.1 इय यूनिट को पूरी तरह से क्रियाशील बनाया जाना (हां/नहीं)	हां	1. कार्रवाई योग्य आसूचना जुटाने के लिए विभिन्न प्रकार के साइबर इनपुट्स इकट्ठा करने की क्षमता	1.1 साइबर स्पेस में कार्रवाई योग्य आसूचना को सही तरीके से जुटाने की क्षमता (हां/नहीं)	हां
	2. खतरे का विश्लेषण करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का निर्धारण	2.1 खतरे का विश्लेषण करने के लिए निर्धारित विश्लेषण उपकरणों की संख्या	*	2. साइबर खतरों तथा संगठित आपराधिक गुटों का पहले से पता लगाना	2.1 पता लगाए गए खतरों की संख्या	*
	3. साइबर अपराध की प्रवृत्तियों/खतरों को प्रकाशित करना	3.1 साइबर अपराध की प्रकृति से संबंधित रिपोर्टों की संख्या	*	3. साइबर अपराध खतरे की कार्रवाई योग्य सूचना/ आसूचना	3.1 विधि प्रवर्तन एजेंसियों के साथ साझा की गई खतरे की रिपोर्टों और कार्रवाई योग्य आसूचना की संख्या	*
(ii) नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल						

1.00	1. नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल की स्थापना	1.1 पूरी तरह से क्रियाशील साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (हां/नहीं)	हां	1.1 साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग को आसान बनाना तथा कानून/नियमों के अनुसार कार्रवाई	1.1 पोर्टल cybercrime.gov.in को देखने वाले लोगों की संख्या	*
	2. पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों	2.1 पोर्टल के माध्यम से प्राप्त साइबर अपराध शिकायतों की संख्या	*		1.2 पोर्टल पर रिकॉर्ड की गई फीडबैक की संख्या	*
	3. बैकएंड साइबर पुलिस पोर्टल	3.1 निपटाई गई शिकायतों की संख्या	*		1.3 इस पोर्टल के माध्यम से साइबर जगत के अपराधों से संबंधित एफआईआर की संख्या	*
	4. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा नोडल अधिकारियों की नियुक्ति	4.1 साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के लिए नोडल अधिकारी वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या	*			
(iii) संयुक्त साइबर अपराध जांच टीमों के लिए प्लेटफॉर्म						
	1. साइबर अपराध संयुक्त जांच प्लेटफॉर्म की स्थापना	1.1 संयुक्त जांच प्लेटफॉर्म को क्रियाशील बनाना (हां/नहीं)	हां	1.1 साइबर अपराधियों के विरुद्ध समन्वित और संयुक्त कार्रवाई तथा लक्ष्य	1.1 संयुक्त सहयोग संबंधी अनुरोधों की संख्या	*
	2. साइबर अपराध जांच से संबंधित मानक प्रचालन प्रक्रिया को अंतिम रूप देना	2.1 साइबर अपराध जांच से संबंधित मानक प्रचालन प्रक्रिया (हां/नहीं)	हां	2.1 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा मल्टी ज्यूरीडिक्शनल जांच और कार्रवाई	2.1 संयुक्त साइबर अपराध जांच टीमों द्वारा निपटाई गई शिकायतों की संख्या	*

(iv) राष्ट्रीय साइबर विधि विज्ञान प्रयोगशाला						
	1. जांच, विश्लेषण और अभियोजन को सुगम बनाने के लिए उन्नत उपकरणों से युक्त अत्याधुनिक राष्ट्रीय साइबर विधि विज्ञान प्रयोगशाला	1.1 अत्याधुनिक राष्ट्रीय साइबर विधि विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना (हां/नहीं)	हां	1. मामले के निपटान हेतु बेहतर क्षमता जिसके लिए फोरेंसिक आधारित जांच जरूरी है	1. साइबर स्पेस वाली एफआईआर/मामलों की संख्या जिनमें जांच अधिकारियों द्वारा एनसीएफएल सुविधाओं का प्रयोग किया गया।	*
	2. प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के एडवांस्ड फोरेंसिक विश्लेषण में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता	2.1 जांच के लिए विश्लेषण किए गए तथ्यों की संख्या	*	2 प्रयोगशालाओं की क्षमता में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों का फीडबैक	फीडबैक की संख्या	*
	3. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एनसीएफएल की क्लाउड बेस्ड एक्सेस शुरू करना	3.1 क्षेत्रों में एनसीएफएल की क्लाउड बेस्ड एक्सेस शुरू करना (हां/नहीं)	*			
(v) राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केन्द्र						
	1. राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना	1.1 राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केन्द्र को क्रियाशील बनाना (हां/नहीं)	हां	1. प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों, अन्वेषकों और साइबर की जानकारी रखने वाले न्यायाधीशों और अभियोजकों की उपलब्धता	1.1 साइबर अपराधों को निपटाने में समर्थ प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	*
	2. विधि प्रर्वतन एजेंसियों के लिए	2.1 तैयार किए गए प्रशिक्षण मॉड्यूल्स की संख्या	*	2 प्रशिक्षित मानव-शक्ति में वृद्धि	2.1 साइबर अपराध से निपटने में विभिन्न	

	साइबर अपराध पाठ्यक्रम तैयार करना				राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशिक्षित पुलिस और न्यायिक अधिकारियों की संख्या	
	3. साइबर क्राइम मेसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम तैयार करना	3.1 मेसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम कंटेंट शुरू करना (हां/नहीं)	हां			
	4 एमओओसी मॉड्यूल्स की संख्या	4.1 तैयार किए गए एमओओसी मॉड्यूल्स की संख्या	*			
	5. साइबर अपराध के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थानों/ संगठनों /व्यक्तियों के लिए एक्रीडिटेशन एवं सर्टिफिकेशन सिस्टम स्थापित करना	5.1 साइबर अपराध के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थानों/संगठनों/व्यक्तियों के लिए एक्रीडिटेशन एवं सर्टिफिकेशन सिस्टम की स्थापना (हां/नहीं)	हां			
(vi) नेशनल साइबर क्राइम ईकोसिस्टम मेनेजमेंट यूनिट						
	1. **नेशनल साइबर क्राइम ईकोसिस्टम मेनेजमेंट यूनिट की स्थापना**	1.1 **नेशनल साइबर क्राइम ईकोसिस्टम मेनेजमेंट यूनिट** शुरू करना (हां/नहीं)	हां	1. खतरों को प्रभावी तरीके से विफल करना तथा साइबर अपराध के संबंध में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान	1. ऑन बोर्ड संस्थानों /संगठनों की संख्या	*

	2. सरकारी निकायों, शिक्षाविदों, गैर-सरकारी संगठनों, प्राइवेट बॉडीज, तकनीकी कंपनियों आदि जैसे निर्धारित ग्रुप्स के साथ नियमित परामर्श	2.1 निर्धारित ग्रुप्त के साथ परामर्शों की संख्या 2.2 जारी किए गए परामर्शी पत्रों की संख्या	* *	2. भारत के साइबर क्राइम ईकोसिस्टम में सुधार		
(vii) नेशनल साइबर रिसर्च एंड इन्नोवेशन						
	1. साइबर अपराध के क्षेत्र में विधि प्रवर्तन एजेंसियों के लिए निर्धारित प्रासंगिक क्षेत्रों में अनुसंधान और अभिनवीकरण	1.1 विधि प्रर्वतन एजेंसियों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रतिपादित रिसर्च प्रोबल्म स्टेटमेंट	*	1. अनुसंधान आधारित समाधान की आवश्यकता वाले साइबर अपराध का मुकाबला करने में विधि प्रर्वतन एजेंसियों की समस्याओं का पता लगाना	1.1 पता लगाई गई समस्याओं की संख्या जिन पर अनुसंधान किया जाना है।	*
	2. निर्धारित समस्याओं के बारे में अनुसंधान करने के लिए प्रतिष्ठित शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों को वित्तीय सहायता	2.1 वित्तीय सहायता प्रदान किए गए संस्थानों की संख्या	*	2 विधि प्रर्वतन एजेंसियों की समस्याओं का समाधान	2.1 सुलझाई गई समस्याओं की संख्या	*
		2.2 वित्तीय सहायता के रूप में विभिन्न संस्थानों को प्रदान की गई कुल राशि (भारतीय रु. में)	*			
	3. साइबर अपराध के क्षेत्र में क्षमता और सुविज्ञता को बढ़ाने के लिए एकेडेमियां, गैर सरकारी क्षेत्र, गैर	3.1 विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के साथ रणनीतिक भागीदारी	*			

	सरकारी संगठनों और अंतर-सरकारी संगठनों में स्टेकहोल्डर्स के साथ रणनीतिक भागीदारी					

**14ग यह योजना अभी प्रारंभिक अवस्था में है अत: इस समय लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता*

1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में अन्य परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
150	1 पूर्वोत्तर क्षेत्र के 2 राजधानी शहरों में पानी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए परियोजनाएं	1.1 पूरी की जाने वाली जल आपूर्ति परियोजनाओं की कुल संख्या	01 (अगरतला केन्द्रीय क्षेत्र)	1. बेहतर जल आपूर्ति।	1.1 प्रदान किए गए नए मीटर युक्त टैप कनेक्शनों की संख्या	15,000 परिवार अगरतला : 7,000 गंगटोक : 8,000
					1.2 पेय जल की उपलब्धता में सुधार।	अगरतला के मध्य क्षेत्र में 02 एमएलडी
	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र के 2 राजधानी शहरों में कुशल सेप्टेज एवं सीवरेज प्रबंधन के लिए परियोजनाएं	2.1 पूरी की जाने वाली सेप्टेज और सीवरेज प्रबंधन परियोजनाओं की कुल संख्या	1 परियोजना सेप्टेज प्रबंधन कोहिमा परियोजनाएं (1 तिमाही)	2. बेहतर सीवेज प्रबंधन	2.1 बेहतर सीवेज और सेप्टेज प्रबंधन द्वारा लाभान्वित परिवारों की कुल संख्या	कोहिमा में 15,000 परिवार
	3. पूर्वोत्तर क्षेत्र के तीन राजधानी शहरों में कारगर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए परियोजनाएं।	3.1 निर्मित ठोस अपशिष्ट शोधन (कंपोस्टिंग) केन्द्रों की संख्या	**	3. शहरों से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट का बेहतर शोधन ।	3.1 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (मीट्रिक टन में) की कुल क्षमता में सुधार	*

		3.2 खरीदे गए एसडब्ल्यू परिवहन वाहनों की कुल संख्या	शिलांग: 04 अगरतला 164	4. स्वच्छता में सुधार और खुले में कचरा फेंकने में कमी आना	4.1 घर-घर जाकर कचरा संग्रहण की सुविधा से लाभान्वित परिवारों की संख्या	अगरतला शहर में 40,000 परिवार
	4 पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवसंरचना संबंधी परियोजनाएं	4.1 पूरी की जाने वाली परियोजनाओं की संख्या	65	5. बेहतर शहरी अवसंरचना सुविधाओं का सृजन	5.1 जल निकासी प्रणाली, स्लम विकास, महिलाओं तथा वंचितों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल, कार्यालय परिसर इत्यादि जैसी बेहतर अवसंरचना सुविधाएं	माप के विकास के साधन; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

*** संकेतक मांग आधारित हैं।*

मानव संसाधन विकास मंत्रालय **मांग संख्या 57**

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग

1. राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
368.20	1. राज्य अवार्डिज की पहचान करेगा और छात्रवृत्ति के भुगतान के लिए लाभार्थियों की सूची एसबीआई को सौंपेगा; वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना के लिए छात्रों का पंजीकरण	1.1 पिछले शैक्षिक वर्षों के मेधावी छात्रों (कक्षा-IX का नया मामला और कक्षा-X, XI और XII के नवीकरण मामले) को लगभग 3.01 लाख छात्रवृत्तियां वितरित करने।	कक्षा IX - 100000 कक्षा X - 90000 कक्षा XI - 61500 कक्षा XII - 49500	1. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को सहायता प्रदान करना, जिससे वे अपनी माध्यमिक शिक्षा को आगे बढ़ा सकें।	1.1 2019-20 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लगभग 2.87 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति से लाभ होगा, जिससे वे प्रभावी तरीके से अपनी माध्यमिक शिक्षा प्राप्त कर सकें	कक्षा IX - 100000 कक्षा X - 75901 कक्षा XI - 61500 कक्षा XII - 49500

2. अल्पसंख्यकों के विकास कि कार्यक्रम: मदरसा और अल्पसंख्यकों के लिए शिक्षा योजना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
120	1. कक्षा-कक्ष, प्रयोगशालाएं, शौचालय, पेयजल सुविधाओं सहित अवसंरचना विकास के लिए इल्प संख्यक संस्थाओं को सहायता	1.1 योजना के अंतर्गत पंजीकृत अल्पसंख्यक संस्थाओं की संख्या	90	1. अल्पसंख्यक संस्थाओं में स्कूल अवसंरचना की वृद्धि।	1.1 योजना के अंतर्गत सहायता दी जा रही अल्पसंख्यक संस्थाओं में नामांकन में प्रतिशत वृद्धि	100%
		1.2 अल्पसंख्यक संस्थाओं की संख्या जो अवसंरचना में सुधार करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त	90			
	2. मदरसों में आधुनिक विषयों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों का प्रावधान	2.1 नियोजित शिक्षकों की संख्या	32307	2. मदरसों में आधुनिक विषयों और शिक्षण अधिगम पद्धतियों से रूबरू होने के अवसर	2.1 योजना के अंतर्गत सहायता दी जा रही मदरसों में नामांकन में प्रतिशत वृद्धि	100%
					2.2 आधुनिक विषय के रूप में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी पढ़ाने वाले मदरसों की संख्या	10769
					2.3 मदरसा बोर्ड परीक्षाओं में पास प्रतिशत में सुधार	100%

उच्चतर शिक्षा विभाग

1. राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
1.3	1. अनुसंधान कार्य के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर पद	1.1 खाली पड़े एनआरपी पदों की संख्या	7	1. विशेष क्षेत्रों में ज्ञान के फ्रंटियर्स का विस्तार करने के लिए अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देना	1.1 एनआरपी द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान रिपोर्टों की संख्या, जिनमें उनके द्वारा आयोजित अनुसंधान गतिविधियों/ संगोष्ठियों/ अध्ययन पर्यटन का उल्लेख किया गया है	5

2. विश्व स्तरीय संस्थान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
400.00	1. सार्वजनिक और निजी संस्थाओं का उत्कृष्ट संस्थाओं के रूप में चयन जो विश्व स्तर की संस्थाओं के रूप में उभरेंगी।	1.1 ऐसी संस्थाओं की संख्या, जिन्हें विश्व स्तरीय संस्थाएं बनने के लिए सहायता प्राप्त करने और चयनित उच्च शिक्षा संस्थाओं के साथ आशय पत्र /समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए अभिचिह्नित किया जाएगा।	मंत्रिमंडल ने 10 संस्थाओं के चयन का अनुमोदन दिया था। 10 में से 3 संस्थाओं को उत्कृष्ट संस्था (आईओई) घोषित करने के लिए और शेष 7 को उत्कृष्ट संस्था के रूप में चुनने के लिए अनुमोदित किया गया।	1. घरेलू छात्रों को देश के भीतर कम मूल्य पर विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना	1.1 विश्व स्तरीय संस्थाओं में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों की संख्या	*
		1.2 विनियामक स्वतंत्रता प्राप्त करने और चयनित उच्च शिक्षा संस्थाओं के साथ आशय पत्र/समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए अभिचिह्नित निजी संस्थाओं की संख्या	मंत्रिमंडल ने 10 निजी संस्थाओं के चयन का अनुमोदन किया था। 10 में से, 3 निजी संस्थानों के लिए आश्य पत्र (एलओआई) जारी किए गए हैं। हालाँकि, इन 3 निजी संस्थाओं के लिए अधिसूचना जारी की जानी है और शेष 7 को उत्कृष्ट संस्था के रूप में चुना जाना है।	2. उत्कृष्ट संस्थाओं की विश्व स्तरीय रैंकिंग में सुधार	2.1 दस वर्षों में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 500 में चयनित और समय बीतने के साथ-साथ अंततः विश्व रैंकिंग मेंशीर्ष 100 में चयनित उच्च शिक्षा संस्थाओं की संख्या	*

* *योजनाएं प्रारंभिक चरण पर हैं; वित्ती वर्ष 19-20 में कोई परिणाम संभव नहीं है।*

3. प्रधान मंत्री बालिका छात्रावास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
13	1. जम्मू-कश्मीर में बालिका छात्रावासों का निर्माण	1.1 जम्मू- कश्मीर में निर्मित किए जाने वाले छात्रावासों की सं.	7	1. जम्मू-कश्मीर के संबंधित क्षेत्रोमें उच्च शिक्षा में छात्राओं के नामांकन और रिटेंशन में वृद्धि	1.1 छात्राओं के रिटेंशन दर में % वृद्धि	*
	2. जम्मू में निर्मित किए जाने वाले छात्रावास	2.1 जम्मू में निर्मित किए जाने वाले छात्रावासों की सं.	3			
	3. कश्मीर में निर्मित किए जाने वाले छात्रावास	3.1 कश्मीर में निर्मित किए जाने वाले छात्रावासों की सं.	3		1.2 छात्राओं के नामांकन में % वृद्धि	*
	4. लद्दाख में निर्मित किए जाने वाले छात्रावास	4.1 लद्दाख में निर्मित किए जाने वाले छात्रावासों की सं.	1			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

4. कॉलेजों और विश्वविद्यालय छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. कॉलेजों और विश्विवद्यालय छात्रों के लिए छात्रवृत्ति					
356	1. पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति विमुक्त करना।	1.1 योजना (नयी/ नवीनीकरण) के तहत वर्ष के दौरान विमुक्त छात्रवृत्तियों की संख्या	लाख	1. विश्वविद्यालय शिक्षा तक अधिक पहुंच।	1.1 छात्रों की संख्या जिन्होंने उच्चतर शिक्षा का दिया स्तर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। (नवीनीकरण)	70,000
	जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष छात्रवृत्ति					
	1. जम्मू- कश्मीर के छात्रों को छात्रवृत्ति विमुक्त करना।	1.1 योजना (नयी/ नवीनीकरण) के तहत वर्ष के दौरान विमुक्त छात्रवृत्तियों की संख्या	8,800	1. विश्वविद्यालय शिक्षा तक अधिक पहुंच।	1.1 छात्रों की संख्या जिन्होंने राज्य से बाहर के संस्थाओं से उच्चतर शिक्षा का दिया स्तर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। (नवीनीकरण)	5,000

5. प्रधानमंत्री अनुसंधान अध्येतावृत्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
50	1. एक कठिन जांच प्रक्रिया के जरिये चयनित सर्वाधिक मेधावी छात्रों को प्रथम दो वर्ष के लिए रू. 70,000 प्रतिवर्ष, तृतीय वर्ष के लिए रू. 75,000 और चतुर्थ व पंचम वर्ष के लिए रू; 80,000 की समर्थित अनुसंधान अध्येतावृत्ति।	1.1 2019-20 में सहायताप्राप्त अनुसंधान अध्येताओं की सं.	1,000	1. सर्वाधिक मेधावी छात्रों को आईआईएससी/ आईआईटी में पीएच. डी करने के लिए आकर्षित करना। पीएमआरएफ पीएच. डी छात्र, सीएफटीआई और अन्य अग्रणी संस्थाओं को गुणवत्तायुक्त संकाय प्रदान करेंगे।	1.1 अनुवाद संबंधी शोध, प्रकाशन, पेटेंट, पुस्तकें।	*
				2. आईटीआई/ पोलीटेक्निकों द्वारा अनुसंधान अध्येताओं की भागीदारी के जरिये ज्ञान का अंतरण और इससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी।	2.1 आईटीआई/ पोलीटेक्निकों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की सं.	*
				3. शिक्षण में पीएमआरएफ के इन-आउस प्रशिक्षण और संबंधित आईआईएससी और आईआईटी में अवरस्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कार्य में भागेदारी के आयोजन के जरिये कौशल विकास।	3.1 औसत व्यक्ति की सं.- घंटों की सं. जो प्रत्येक पीएमआरएफ, कौशल विकास शिक्षण में व्यतीत करता है।	*

**पीएमआरएफ, वर्तमान में/ पीएच. डी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में नामांकित हैं।*

6. आईसीटी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
170	1. नेक्टिविटी, एनडीएल और अन्य आईसीटी परियोजनाओं को उपलब्ध कराते हुए डीटीएच शैक्षिक चैनलों को स्तरोन्नत किया गया है।	1.1 2 स्वयं प्रभा योजना के तहत डीटीएच के लिए सृजित की गई नई सामाग्रियों के लिए कवर किए गए घंटों की संख्या	4800	1. पंहुच, समता और गुणवत्तायुक्त उच्चतर शिक्षा को बढ़ाना।	1.1 स्वयं प्रभा योजना के तहत डीटीएच के लिए सृजित की गई नई सामाग्री में वृद्धि का प्रतिशत	20 %
		1.2 इटरनेट/एनकेएन और वाईफाई से जोड़े गये संस्थाओं की संख्या	400		1.2 इटरनेट/एनकेएन और वाईफाई से जोड़े गये संस्थाओं की संख्या में वृद्धि का प्रतिशत	*
		1.3 एनडीएल और यूसेज में संसाधनों की संख्या	8 मिलियन		1.3 एनडीएल और यूसेज में संसाधनों में वृद्धि का प्रतिशत	40 %
		1.4 आईसीटी परियोजनाओं से लाभान्वित संस्थाओं की संख्या	एनकेएन/वाईफाई- 400 यंत्र - 500 एफओएसएसई- 1000 विजुअल प्रयोगशाला - 125		1.4 आईसीटी परियोजनाओं से लाभान्वित संस्थाओं में वृद्धि का प्रतिशत	एनकेएन/वाईफाई- 20% ई-यंत्र - 20% एफओएसएसई- 20% विजुअल प्रयोगशाला - 20%

**एनकेएन संयोजकता में किसी और विस्तायर पर विचार नहीं किया जा रहा है।*

7. वर्चुअल क्लासरूम और व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक) (सीएस) की स्थापना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
130	1. इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी के क्षेत्र में मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करना	1.1 प्रदान किए जाने वाले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की संख्या	3500	1 शिक्षा नीति के तीन कार्डिनल सिद्धांतों नामत: पहुंच, इक्विटी और गुणवत्ता को प्राप्त करना।	1.1 प्रदान किए गए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की संख्या में वद्धि %	40%
		1.2 ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत होने वाले छात्रों की संख्या	22 लाख		1.2 ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत छात्रों की संख्या में वृद्धि %	25%
					1.3 ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा करने वाले और प्रमाणीकरण प्राप्त करने वाले छात्र की संख्या में वृद्धि %	40%
					1.4 स्वयम पाठ्यक्रम करके छात्रों को क्रेडिट हस्तांतरण की अनुमति वाले सहमत उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या	20%
					1.5 स्वयम पाठ्यक्रमों के माध्यम से क्रेडिट हस्तांतरण का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या।	10%

8. ई-शोध सिंधु (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
242	1. वित्त वर्ष 19 में ई-कंसोर्टिया में जोड़े गए. ई-पत्रिकाएं और अन्य डेटाबेस	1.1 ई-जर्नल्स और अन्य डेटाबेस की संख्या जिन्हें सब्सक्राइब किया जाएगा	7,980	1. उच्च शिक्षा संस्थानों / सदस्यों आदि की एक बड़ी संख्या में प्रकाशकों से वर्तमान और अभिलेखीय पत्रिकाओं, ग्रंथ सूची, प्रशस्ति पत्र, तथ्यात्मक डेटाबेसों तक पहुंच में वृद्धि करना।	1.1 शोध प्रकाशनों में वृद्धि %	11%*
		1.2 ईएसएस सेवाओं की सदस्यता लेने वाले संस्थानों / विश्वविद्यालयों की संख्या	3,308	2. पूर्ण पाठ डाउनलोड की संख्या	2.1 पूर्ण-पाठ डाउनलोड में वृद्धि %	10 %
				3. ई-जर्नल का संचलन और कीमतों को संग्रहित सौदेबाजी	3.1 थोक खरीद के कारण बचत।	35 %

** सदस्यता प्राप्त संस्थानों में अनुसंधान निर्गम में 11% की वृद्धि। वर्ष 2019 के लिए लक्षित प्रकाशन 84094 हैं।*

9. उच्च शिक्षा सांख्यिकी और सार्वजनिक सूचना प्रणाली (एचईएचईएसपीआईएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
17	उच्च शिक्षा के 50,000 से अधिक संस्थानों के लिए पोर्टल आधारित सर्वेक्षण "उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई)" के लिए सामान्य केंद्रीकृत पोर्टल (*aishe.nic.in*)का नियमित उन्नयन,	1.1 एआईएसएचई पोर्टल पर जोड़े / पंजीकृत किये गये उच्चतर शिक्षा संस्थानों (विश्वविद्यालयों) की संख्या	100%	1. देश भर में शिक्षा क्षेत्र और क्षेत्रीय विचलन के प्रदर्शन का आकलन और समीक्षा करने के लिए समय-समय पर शिक्षा सांख्यिकी का निर्गम करने के लिए आधिकारिक सांख्यिकी प्रणाली को मजबूत करना।	1.1 (एआईएसएचई) भारत में उच्चतर शिक्षा और गुणवत्ता शिक्षा में सुधार के लिए नीतिगत सिफारिशों से संबंधित मुद्दों को मात्रात्मक और गुणात्मक विश्लेषण वार्षिक प्रकाशन करने वाले रिपोर्टों की संख्या	1
		1.2 एआईएसएचई पोर्टल पर जोड़े / पंजीकृत किये गये उच्चतर शिक्षा संस्थानों (कॉलेजों) की संख्या	100%			
		1.31 एआईएसएचई पोर्टल पर जोड़े / पंजीकृत किये गये उच्चतर शिक्षा संस्थानों (स्टैंडअलोन संस्थानों) की संख्या	100%			
	2. उच्चतर शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण का समन्वय करने के लिए प्रत्येक संबद्ध विश्वविद्यालय में एआईएसएचई सेल और सभी राज्यों में एआईएसएचई यूनिट की स्थापना करना	2.1 समन्वय सर्वेक्षण के लिए पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से धनराशि जारी करने के लिए स्थापित राज्यों की एआईएसएचई इकाइयों की संख्या	36			

	3. उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रशिक्षित नोडल अधिकारियों के माध्यम से डेटा और इसकी प्रामाणिकता को समय पर अपलोड करने को सुनिश्चित करना राज्यों और संस्थानों के साथ समन्वय।	3.1 विश्वविद्यालय स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारियों के लिए आयोजित की जाने वाली प्रशिक्षण सह संवेदीकरण कार्यशालाओं की संख्या	5	2. मंत्रालय और अन्य डेटा उत्पादक एजेंसियों के बीच संस्थागत समन्वय को मजबूत करना।	2.1 पोर्टल पर डेटा उपयोगकर्ताओं और पंजीकृत उपयोगकर्ताओं (शोधकर्ताओं, छात्रों, अधिकारियों आदि) में वृद्धि %	लक्ष्य तय नहीं किए जा सकते; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी
		3.2 संचालित की जाने वाली क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की संख्या	5			
	4. केंद्रीकृत छात्र पोर्टल - "अपने कॉलेज को जानें" विकसित और इसका नियमित अद्यतनीकरण	3.1 पोर्टल पर पंजीकृत छात्रों की संख्या	लक्ष्य तय नहीं किए जा सकते; वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी			

10. राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	**निर्गम 2019-20**			**परिणाम 2019-20**		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10	1. राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय	1.1 एनडीएल में संसाधनों की संख्या और उपयोग	8 मिलियन	उच्चतर शिक्षा में पहुंच, साम्यता और समानता को बढ़ाना	1.1 एनडीएल और उपयोग में संसाधनों में वृद्धि %	40% (पहले से ही 20 मिलियन संसाधन पहुंच गए)

11. राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
10	1. विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, स्कूल शिक्षा बोर्डों आदि सहित विभिन्न अकादमिक संस्थाओंको एनएडी में शामिल होने के लिए सुकर बनाना	1.1 एनएडी पर पंजीकृत शैक्षणिक संस्थानों की संख्या	400	छात्रों को अपने अकादमिक अवार्ड तक पहुंचने के लिए एक 24X7 ऑनलाइन मंच का प्रावधान	1.1 एनएडी पर पंजीकृत छात्रों की संख्या	6,00,000
	2. विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को प्रदान करने के लिए, डिजिटल पुरस्कार जारी करने और शैक्षिक पुरस्कार (डिग्री, मार्कशीट, प्रमाण पत्र आदि) के भंडारण के लिए एक ऑनलाइन मंच	2.1. एनएडी पर पंजीकृत व्यक्तियों / छात्रों की संख्या	6,00,000	2. एक सक्षम वातावरण का प्रावधान, जो अकादमिक संस्थानों को अकादमिक पुरस्कार ऑनलाइन जारी करने की अनुमति देता है और इस प्रकार कागजी प्रमाण पत्र, डिग्री आदि के जारी करने को कम करता है।	2.1. एनएडी पर उपलब्ध शैक्षणिक पुरस्कारों की संख्या	3,00,00,000
				3. अकादमिक पुरस्कारों के ऑनलाइन सत्यापन और प्रमाणीकरण के लिए विश्वसनीय, सुविधाजनक तंत्र सुनिश्चित करना रूप में धोखाधड़ी प्रथाओं जैसे शैक्षणिक अवार्ड की जालसाजी को कम करना।	3.1 एनएडी पर पंजीकृत सत्यापन संस्थाओं की संख्या	175

12. सीमांत क्षेत्रों (सीएस) में प्रशिक्षण और अनुसंधान

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
15	1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी (फास्ट) के सीमांत क्षेत्रों में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना करना	1.1 फास्ट के तहत स्थापित अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए स्थापित सीओई की संख्या	17	1. संस्था स्तर पर आर एंड डी परंपरा स्थापित करना जैसाकि विख्यात राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित अनुसंधान निर्गम, सहयोगात्मक और प्रायेजित अनुसंधान प्रकाशनों और सम्मेलनों, पेटेंट, नवाचार, व्यावसायिक उत्पादों और स्नातकोत्तर और पीएच.डी नामांकनों में महत्वपूर्ण वृद्धि से स्पष्ट है।	1.1 योजना के तहत पूर्ण की गई पीएचडी की संख्या	25
		1.2 आयोजित सेमिनार, सम्मेलनों कार्यशालाओं की संख्या का आयोजन किया	20		1.2 विषयगत क्षेत्रों में यूजीसी मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित पेपर और पीअर रिव्यूड राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पेपर की संख्या।	75

13. डिजाइन नवाचार के लिए राष्ट्रीय पहल (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
35	1. डिजाइन इनोवेशन सेंटर्स की स्थापना	1.1 डीआईसी की बनाई गई योजना की संख्या	20	1. समाज के लिए लागत प्रभावी समाधानों का प्रावधान, देश के ग्रामीण भाग के लिए उत्पादों का वितरण	1.1 फाइल किए गए पेटेंट की संख्या	65
		1.2 स्थापित डीआईसी की संख्या	शून्य		1.2 सुपुर्द अभिनव उत्पादों की संख्या	300
	2. देश में डिजाइन शिक्षा और नवाचार के उन्नत पहुंच और स्तर को बढ़ाना	2.1 दाखिला लेने वाले नए छात्रों की संख्या	35,000	2. नए पाठ्यक्रम	2.1 नए ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की संख्या	100
				3. नई नवीन प्रक्रियाएँ और डिजाइन सोच को बढ़ावा देना	3.1 डीआईसी द्वारा आयोजित कार्यशाला की संख्या	180

14. उच्च शिक्षा संस्थानों (सीएस) के लिए स्टॉर्ट एप इंडिया पहल

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
95.47	आईआईटी और आईआईएससी बैंगलोर में नए अनुसंधान पार्कों की स्थापना	1.1 नए स्थापना अनुसंधान पार्कों की संख्या की	5	1 उद्योग अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना और फिर से मजबूत करना	1.1 सहयोग की संख्या में वृद्धि	*
					1.2 स्टार्ट-अप की संख्या में वृद्धि	*
		1.2 पहले से अनुमोदित अनुसंधान पार्कों के लिए निरंतर वित्तपोषण	1		1.3 पंजीकृत, सम्मानित और व्यावसायिक रूप से पेटेंट की संख्या में वृद्धि	*

** रिसर्च पार्क निर्माणाधीन हैं।*

15. उन्नत भारत अभियान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**परिणाम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
32.4	1. न्यूनतम 15000 गाँवों के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों को जोड़ना	1.1 स्थानीय समुदायों (गांवों, जीपी आदि) सहित एचईआई की संख्या	3000	ग्रामीण भारत की जरूरतों के लिए अनुसंधान और प्रशिक्षण में एचईआई में संस्थागत क्षमता का निर्माण	1.1 गाँव की सं. जहां दृश्यमान और स्थायी परिवर्तन देखे गए और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ।	15000
	2. संस्थानों में स्थापित यूबीए सेल।	2.1 स्थापित किए गए यूबीए सेल की संख्या	3000	पाठ्यक्रम परिवर्तन के माध्यम से सामाजिक समस्याओं, समाधान आदि पर काम करने के लिए शैक्षणिक क्षमता और अभिविन्यास का विकास करना।	2.1 प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से ग्रामीण भारत में प्रमुख समस्याओं के समाधान के लिए तैयार किए गए ढांचे की संख्या;	3000
	3. उनके आसपास के क्षेत्र में ग्राम पंचायतों के समूहों को अपनाना	3.1 अध्ययन की गई ग्राम पंचायतों की संख्या और आवश्यकताओं का आकलन करने के बाद प्रदान की गई इनपुट।	1500	3. जिला और ग्राम प्रशासनों के साथ शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग का विकास करना और ग्रामीण क्षेत्रों की ज्ञान की जरूरतों के समर्थन में सरकार के अधिकारियों के साथ औपचारिक कार्य संबंध	3.1 ग्रामीण भारत में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन आर्थिक गतिविधियों जैसे कृषि और उत्पादकता, या शिल्प, कारीगर, कौशल, बुनियादी ढांचे जैसे आवास, सड़क, ऊर्जा और आपदा प्रबंधन स्वच्छता आदि से संबंधित मुद्दों जैसे मुद्दों के	2500

				विकसित करना।	समाधान के लिए प्रदान किए गए व्यावहारिक और सुस्तरीय समाधानों की संख्या।	
	4. संस्था स्तर पर चयनित नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण	4.1 वर्ष के दौरान प्रशिक्षित नोडल अधिकारियों की संख्या	3000	4. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के प्रमुख क्षेत्रीय क्षेत्रों जैसे कि पानी और मिट्टी, आर्थिक गतिविधियों जैसे कृषि और संबंधित निर्गम , या शिल्प और कारीगरों से संबंधित, आवास, सड़क, ऊर्जा जैसे बुनियादी ढांचे में हस्तक्षेप की तकनीकी डिजाइन को मजबूत करें।	4.1 शिक्षण संस्थानों की संख्या जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक क्षेत्रों में अपने पाठ्यक्रम और शोध सामग्री को सफलतापूर्वक ढाला है।	500
	5. तकनीकी संस्थान गांवों में समस्याओं का आकलन करेंगे और तकनीकी समाधान सुझाएंगे और समाधानों की स्थापना में सहायता करेंगे। गैर-तकनीकी संस्थान जागरूकता सृजन, सामाजिक री-इंजीनियरिंग और समाधानों की पहचान	5.1 सामाजिक रिइंजीनियरिंग और जागरूकता के लिए शामिल गांवों की समस्याओं और गांवों के लिए पहचाने गए तकनीकी समाधानों की संख्या	250	5. एक विकास फ्रेमवर्क विकसित करें जो ज्ञान आदानों को योजना और कार्यान्वयन स्तरों में शामिल करता है।	5.1 विकसित नई अवधारणाओं की संख्या	100
		5.2 सामाजिक पुन: इंजीनियरिंग और जागरूकता के लिए शामिल गांवों की समस्याओं और गांवों के लिए पहचाने जाने	100			

	पर भी काम करेंगे।	वाले समाधानों की संख्या।				
	6. तिमाही में एक बार संस्थान / जिला / राज्य सरकार के स्तर पर निगरानी	6.1 वित्त वर्ष 19 के दौरान संस्थानों द्वारा तैयार की गई निगरानी रिपोर्टों की संख्या	2,000			
	7. आईआईटी दिल्ली एक ऑनलाइन पोर्टल की मेजबानी करता है, जिसमें सभी प्रतिभागी संस्थान चयनित गाँवों का विवरण दर्ज कर सकते हैं और उनके कार्यान्वयन की स्थिति, समाधान की पहचान कर सकते हैं।	7.1 ऑनलाइन यूबीए पोर्टल पर पंजीकृत संस्थानों की संख्या	4500			

16. उच्चतर अविष्कार अभियान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
95	1. अनुमोदित सभी 142 परियोजनाओं का सफलतापूर्वक कार्यान्यन	1.1 सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई परियोजनाओं की संख्या	*	1. स्वदेशी उद्योगों की प्रतिस्र्धात्मकता में सुधार	1.1 सामाजिक रूप से सुसंगत विकसित प्रौद्योगिकी की संख्या	*
					1.2 विकसित उत्पाद/प्रोटोटाइप की संख्या	*
					1.3 उद्योग द्वारा वाणिज्यिकृत उत्पाद/प्रौद्योगिकी की संख्या	*

17. प्रभाव अनुसंधान नवाचार और प्रौद्योगिकी (प्रभाव) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**	**निर्गम**	**संकेतक**	**लक्ष्य 2019-20**
80	1 प्रमुख विज्ञान और इंजीनियरिंग चुनौतियों जिन्हें भारत को समावेशी विकास और आत्मनिर्भरता के लिए संबोधित करना चाहिए, के लिए तैयार की गई अनुसंधान परियोजनाएं/ पहल	1.1 तीसरे वर्ष की गतिविधि में प्रवेश करने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	142	1. प्रमुख संस्थानों में सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान को बढ़ावा देना	1.1. विकसित सामाजिक रूप से प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों की संख्या	*
		1.2 इंप्रिंट-II के तहत मांगे गए नए प्रस्तावों की संख्या	182		1.2 विकसित उत्पादों / प्रोटोटाइप की संख्या	*
					1.3 वाणिज्यिकृत उत्पादों / प्रौद्योगिकियों की संख्या का व्यवसायीकरण	*

* *परियोजनाएं अभी भी निष्पादन में हैं।*

18. सामाजिक विज्ञान में प्रभावकारी नीति अनुसंधान (इम्प्रैस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
75	1. प्रत्येक क्षेत्र में नीति निर्माण, कार्यान्वयन और समाज के लिए प्रासंगिक सामाजिक विज्ञान विषयों को अनुसंधान परियोजनाओं की पहचान करना और उनका समर्थन करना।	1.1 प्रत्येक डोमेन में चालू वर्ष में स्वीकृत नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: 1.1.1 अर्थव्यवस्था 1.1.2 स्वास्थ्य क्षेत्र 1.1.3 शिक्षा 1.1.4 भारतीय लोकतंत्र 1.1.5 भारतीय समाज,संस्कृति और मीडिया 1.1.6 कानून, प्रशासन और शासन 1.1.7 सुरक्षा 1.1.8 मनोविज्ञान 1.1.9 ग्रामीण विकास 1.1.10 सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की आजीविका	क्रियान्वयन एजेंसी (भारतीय) सामाजिक परिषद विज्ञान अनुसंधान (आईसीएसएसआर), दिल्ली) द्वारा स्कीम के तहत वित्त वर्ष 2019-20 में 11 शोध डोमेन में 750 अनुसंधान परियोजनायें प्रदान की जाएंगी। इनमें से प्रत्येक डोमेन में अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या संबंधी डोमन में अनुसंधान प्रस्ताव के चयन पर निर्भर होगा।	नीति निर्माताओं और समाज के लिए प्रासंगिक मुख्य/प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों के लिए सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान से प्राप्त इंसाइट और इनपुट	1.1 प्रत्येक डोमेन में परियोजनाओं द्वारा इस वर्ष में प्रकाशित उच्च गुणवत्ता वाली प्रभावी पत्रिकाओं में शोध प्रकाशनों की संख्या: 1.1.1 अर्थव्यवस्था 1.1.2 स्वास्थ्य क्षेत्र 1.1.3 शिक्षा 1.1.4 भारतीय लोकतंत्र 1.1.5 भारतीय समाज,संस्कृति और मीडिया 1.1.6 कानून, प्रशासन और शासन 1.1.7 सुरक्षा 1.1.8 मनोविज्ञान 1.1.9 ग्रामीण विकास 1.1.10 सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की आजीविका	*

		1.2 प्रत्येक डोमेन में चालू वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या: 1.2.1 अर्थव्यवस्था 1.2.2 स्वास्थ्य क्षेत्र 1.2.3 शिक्षा 1.2.4 भारतीय लोकतंत्र 1.2.5 भारतीय समाज, संस्कृति और मीडिया 1.2.6 कानून, प्रशासन और शासन 1.2.7 सुरक्षा 1.2.8 मनोविज्ञान 1.2.9 ग्रामीण विकास 1.2.10 सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की आजीविका	वित्त वर्ष 2018-19 में, 11 अनुसंधान डोमन में दो वर्षों के लिए 750 अनुसंधान परियोजनाएं प्रदान की जाएंगी। हालांकि, उपयुक्त के मद्देनजर परियोजनाओं प्रदान करने के लिए अनुसंधान प्रस्तावों की चयन प्रक्रिया से तत्काल लक्ष्य निर्गम देना संभव नहीं होगा क्योंकि हन्हें चयन प्रक्रिया की समाप्ति के बाद ही दिए जा सकते है।			
		1.3 प्रत्येक डोमेन में चालू वर्ष में पूर्ण परियोजनाओं की संख्या: 1.3.1 अर्थव्यवस्था 1.3.3 स्वास्थ्य क्षेत्र 1.3.3 शिक्षा 1.3.4 भारतीय लोकतंत्र 1.3.5 भारतीय समाज, संस्कृति और मीडिया 1.3.6 कानून,प्रशासन और शासन 1.3.7 सुरक्षा 1.3.8 मनोविज्ञान 1.3.9 ग्रामीण विकास 1.3.10 सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की आजीविका	शून्य		1.2 वर्तमान वर्ष में प्रत्येक डोमेन में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	*
		1.4 आयोजित सेमिनारों और कार्यशालाओं की संख्या	120			

		1.5 चालू वर्ष में परियोजनाओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों की संख्या	शून्य		1.3 प्रत्येक डोमेन में परियोजनाओं द्वारा प्राप्त प्रकाशित रिपोर्टों की संख्या: 1.3.1 अर्थव्यवस्था 1.3.2 स्वास्थ्य क्षेत्र 1.3.3 शिक्षा 1.3.4 भारतीय लोकतंत्र 1.3.5 भारतीय समाज,संस्कृति और मीडिया 1.3.6 कानून, प्रशासन और शासन 1.3.7 सुरक्षा 1.3.8 मनोविज्ञान 1.3.9 ग्रामीण विकास 1.3.10 सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की आजीविका	*
		1.6 प्रत्येक डोमेन में चालू वर्ष में वितरित फंड: 1.6.1 अर्थव्यवस्था 1.6.2 स्वास्थ्य क्षेत्र 1.6.3 शिक्षा 1.6.4 भारतीय लोकतंत्र 1.6.5 भारतीय समाज, संस्कृति और मीडिया 1.6.6 कानून, प्रशासन और शासन 1.6.7 सुरक्षा 1.6.8 मनोविज्ञान 1.6.9 ग्रामीण विकास 1.6.10 सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की आजीविका	रुपये 200.5 करोड़		1.4 सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए स्कोपस सूचकांक पर भारत की वैश्विक रैंकिंग	9

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

19. शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए योजना (स्पार्क)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
130	1. दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों से भारतीय शोधकर्ताओं और भागीदार टीमों के बीच सहयोग का समर्थन	1.1 वर्तमान वर्ष में स्वीकृत नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	300	1. राष्ट्रीय और/ या अंतर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता की समस्याओं को हल करने के लिए इनसाइट और इनपुट प्रदान करता है और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में भारत की स्थिति में सुधार करता है।	1.1 समर्थित परियोजनाओं के तहत चालू वर्ष में उच्च गुणवत्ता वाले जर्नल में प्रकाशित में अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	150
		1.2 चालू वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	300			
		1.3 चालू वर्ष में पूर्ण परियोजनाओं की संख्या	*		1.2 प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	150
		1.4 शिक्षण और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय संस्थानों में विजिटिंग/रहने वाले शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय संकाय / शोधकर्ता	50			
		1.5 प्रशिक्षण और प्रयोग के लिए दुनिया भर की प्रीमियर प्रयोगशालाओं में विजिटिंग भारतीय छात्रों की संख्या	100		1.3 विभिन्न प्रसिद्ध एजेंसियों द्वारा प्रकाशित भारतीय संस्थानों की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार	*
		1.6 भारत में आयोजित इंडो-एक्स कार्यशालाओं की संख्या	28			
		1.7 भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की संख्या	1		1.4 भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कार्यान्वित	100

		1.8 वर्तमान वर्ष में स्पार्क के तहत रखे गए अंतर्राष्ट्रीय शेषज्ञों की संख्या	300		अनुसंधान कार्यों की संख्या और मानव विकास सूचकाकं के तहत विभिन्न संकेतकों में सुधार	
		1.9 वर्तमान वर्ष में स्पार्क के तहत संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों की संख्या	300		1.5 पेटेंट, प्रदर्शनकारी प्रौद्योगिकियों, उत्पादों की संख्या जो संयुक्त रूप से भारतीय और विदेशी सहयोगियों द्वारा तैयार किए गए हैं।	50
		1.10 उन देशों की संख्या जिनके साथ स्पार्क के लिए समझौता ज्ञापन तैयार किए गए हैं	*			
		1.11 भारत में पहचान की नोडल संस्थानों की संख्या	25			
		1.12 चालू वर्ष में स्पार्क के तहत भाग लेने वाले संस्थानों की संख्या	11			

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

20. परिवर्तनकारी और उन्नत अनुसंधान विज्ञान योजना (स्टार्स) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
50	1. अनुसंधान परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराना	1.1 चालू वर्ष में स्वीकृत नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	मानक लक्ष्य निर्धारित करने के लिए अनुपलब्ध ऐतिहासिक डेटा: वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी	उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक अनुसंधान करने वाली उच्च गुणवत्तायुक्त जनशक्ति	1.1 समर्थित परियोजनाओं के तहत चालू वर्ष में उच्च गुणवत्ता वाले जर्नल में प्रकाशित अनुसंधान प्रकाशनों की संख्या	*
		1.2 चालू वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	100		1.2 प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	*
		1.3 चालू वर्ष में पूर्ण परियोजनाओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित करने के लिए अनुपलब्ध ऐतिहासिक डेटा: वास्तविक प्रगति की सूचना दी जाएगी		1.3 प्रशिक्षित संकाय की संख्या	*
					1.4 अनुदान प्राप्तकर्ताओं द्वारा तैयार किए गए पेटेंट, प्रदर्शनकारी प्रौद्योगिकियों, उत्पादों की संख्या	*
		1.4 भारत में पहचान की गई नोडल संस्थानों की संख्या	1 (आईएससीए बंगलौर लागू करने के लिए। सभी अन्य संस्थान		1.5 क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग और टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग द्वारा प्रकाशित भारतीय संस्थानों की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार	*

			अनुदानदाता हैं)			
		1.5. चालू वर्ष में स्टार्स के तहत भाग लेने वाले संस्थानों की संख्या	अनंतिम 100	2. देश के प्रमुख क्षेत्रों की आवश्यकताओं और मुद्दों के समाधान के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान	2.1 भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कार्यान्वित अनुसंधान कार्यों की संख्या	*
	2. टियर -2 और टियर - 3 शहरों और कस्बों में शोध पद्धति अनुसंधान नैतिकता और अखंडता, विज्ञान संचार पर प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन	2.1 टियर II और टियर III शहरों/कस्बों में आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	*			
		2.2 स्तरीय II और स्तरीय III शहरों / कस्बों की संख्या, जिसमें स्तर -1 कार्यशाला आयोजित की गई।	3-5 कार्यशालाएं			
	3. अनुसंधान के लिए सेवा प्रदान करने और उच्च गुणवत्ता के उपकरणों के प्रचालन और रखरखाव में यूवा वैज्ञानिकों (पीएचडी सहित/या पीडीएफ अनुभव वाले) के लिए प्रशिक्षण	3.1. आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या	3			

** यह एक नई योजना है और लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

21. पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्री य शिक्षक और शिक्षण मिशन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
	क. स्कूल शिक्षा					
	1. केंद्रीय/राज्य/सम विश्वविद्यालयों में शिक्षा स्कूलों की स्थापना	1.1 स्थापित शिक्षा स्कूलों की संख्या	6	(क) पूर्व-सेवा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से प्राथमिक, माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को तैयार करना	1.1 छात्रों की संख्या (एसओई में नामांकित पूर्व-सेवा शिक्षक प्रशिक्षक)	एसओई कार्यक्रमों में 600 पूर्व-सेवा शिक्षक (प्रत्येक लक्षित 6 केंद्रों में नामांकित 100 छात्र)
130				(ख) शिक्षक प्रशिक्षकों को तैयार करना	1.2 एमएड, कार्यक्रम करने वाले शिक्षक प्रशिक्षकों की संख्या	स्नात्कोत्तर कार्यक्रम में 400 स्नातकोत्तर नामांकन, नामांकन बढ़ा
	ख. उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)					
	2. पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना जिसके 3 उप घटक हैं - विज्ञान और गणित उत्कृष्टता केंद्र, शिक्षण अध्ययन केंद्रों, संकाय विकास केंद्र	2.1 स्थापित किए गए सीओई की संख्या	*	2 स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर पर शिक्षकों का क्षमता निर्माण	2.1 स्कूल और उच्चतर शिक्षा के स्तर पर सेवाकालीन शिक्षकों की संख्या जिन्होंने क्षमता निर्माण/व्यवसाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया है।	कॉलम 2 ए, 2 बी, 2 सी के अनुसार
	2.क. पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्रों की	2.1 स्थापित किए गए सीईएसएमई की संख्या	*	2. राजकीय सरकारी विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालय और अवर	2. क.1. स्कूल और उच्चतर शिक्षा के स्तर पर सेवाकालीन शिक्षकों की संख्या जिन्होंने फोकस प्रशिक्षण, व्यवहारिक	स्कूल और उच्चतर शिक्षा के 5000 शिक्षक / संकाय जिन्होंने क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में

	स्थापना जिसमें सीईएसएमई शामिल हैं।			स्नातक स्तर पर विज्ञान और गणित शिक्षकों के केंद्रित प्रशिक्षण द्वारा विज्ञान और गणित शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना। प्रयोगात्मक विज्ञान किट विकसित करना।	कार्यशालाओं और हैंडस-ऑन-एक्टिविटी के माध्यम से क्षमता निर्माण / व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया हो।	भाग लिया हो।
	2. (ख) शिक्षण अध्ययन केंद्रों (टीएलसी) की स्थापना	2. बी 1. स्थापित टीएलसी की संख्या	*	2. ख. कॉलेजों और स्नात्कोत्तर विभागों में शिक्षकों के उपयोग के लिए विषय विशिष्ट पाठ्यक्रम, शिक्षाशास्त्र, शिक्षण सामग्री (ई-सामग्री सहित) को प्रोत्साहित करना।	2. ख. 1 विकसित किए गए विषय-विशिष्ट पाठ्यक्रम कार्यढांचे की संख्या; अल्पावधि व्यावसायिक विकास कार्यक्रम। 2. ख. 2 शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन योजनाओं का विकास	10. विकसित किए गए विषय-विशिष्ट पाठ्यक्रम कार्यढांचे की संख्या; 200 अल्पावधि पीडीपी। 50 नए शिक्षाशास्त्र प्रारंभ किए गए; और 10 नई मूल्यांकन योजनाएं विकसित की गई
					2. ख. 2 पाठ्यपुस्तक और नियमपुस्तिका आदि सहित विकसित की गई अध्ययन सामग्री की संख्या।	विकसित की गई 500 शिक्षण संसाधन सामाग्री
	2. ग. संकाय विकास केंद्रों की स्थापना (एफडीसी)	2. ग. 1. स्थापित एफडीसी की संख्या	*	2. ग. व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उच्चतर शिक्षा संकाय के अवसरों को बढ़ाना, जिससे वे अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकें।	2. ग 1. उच्चतर शिक्षा स्तर में उन सेवाकालीन शिक्षकों की संख्या, जिन्होंने केंद्रित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से क्षमता निर्माण/व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में भाग लिया हो।	3000 लक्षित लाभार्थी

	ग. राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र					
	3. राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा संसाधन केंद्र की स्थापना	3. राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा संसाधन केंद्र/ उच्चतर शिक्षा अकादमी स्थापित करना और उसे जारी रखना।	*	1. ऐसे शिक्षकों को तैयार करना जो अपनी क्षमता को बढ़ाने में सक्षम हैं और प्रतिस्पर्धी ज्ञान विश्व में वर्तमान संसाधनों के अनुसंधान, नेटवर्किंग और उसे साझा करने के माध्यम से ज्ञान के मोर्चे को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं।	3.1. नए शिक्षण संसाधनों और अध्ययन विधियों की संख्या 3.2. शिक्षण और मूल्यांकन में विकसित अनुप्रयोगों की संख्या	4 नई विषय विधियां विकसित की गईं और प्रसारित की गईं 1 आवेदन पेश किया गया - छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण (एमएसएस)
	घ. शैक्षणिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंधन केंद्र					
	4. शैक्षणिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंधन संस्थानों की स्थापना	4.1. शैक्षणिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंधन संस्थानों की संख्या	*	4. स्कूल, और उच्चतर शिक्षा स्तर पर वरिष्ठ शैक्षणिक और वरिष्ठ अधिकारियों में नेतृत्व कौशल विकसित करना	4.1 नेतृत्व विकास और आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	20 कार्यक्रम
					4.2 शैक्षणिक नेतृत्व केंद्रों में इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले वरिष्ठ पदाधिकारियों की संख्या	500-1000 वरिष्ठ शिक्षाविद
	ड. अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र (आईयूसीटीई)					
	5.अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र (आईयूसीटीई) की स्थापना	5.1 आईयूसीटीई स्थापना किया गया और जारी रखा गया	*	5. (क) केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में मौजूदा एसओई और शिक्षा विभागों के माध्यम से अध्यापक शिक्षा में सभी अनुसंधानों का समन्वय करना (ख) समग्र अध्यापक शिक्षक शिक्षा की ओर एकीकृत और समन्वित दृष्टिकोण के लिए अध्यापक शिक्षा हेतु मंच प्रदान	5.1 विकसित सामग्री की संख्या	दृश्य सामग्री जैसे फिल्म और वीडियो सहित नई सामग्री विकसित की गई।
					5.2. उच्चतर शिक्षा पर नवीन अनुसंधान सहयोग	2-3 प्रमुख अनुसंधान सहयोग।

				करना (ग) अध्यापक शिक्षा में सुधार करने के लिए नए शैक्षणिक मूल्यांकन का विकास करना।		
	च. विषय आधारित नेटवर्क (एसबीएनप)					
	6. विषय आधारित नेटवर्क	6.1 स्थापित विषय आधारित नेटवर्क की संख्या	अब तक 4 विषयों को कवर किया गया है	6.(क) शिक्षकों और शोधकर्ताओं क्षेत्र स्तर के अधिकारी जैसे चिकित्सकों का एक समुदाय बनाने के लिए एक आभासी मोड (ख) नए और वैश्विक परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट विशिष्ट ज्ञान क्षेत्र को बढ़ाने के लिए।	6.1. विशेषज्ञों और शिक्षकों के कवर किए गए और नेटवर्किंग विषयों क्षेत्र	पीएबी द्वारा परियोजना अनुमोदन के अनुसार 4 नए विषय कवर किए गए
	छ. नवाचार पुरस्कार संगोष्ठी सम्मेलन					
	7. आयोजित कार्यशाला और संगोष्ठियों सहित नवाचार पुरस्कार और शिक्षण संसाधन अनुदान	7.1 प्रस्तुत पत्रों की संख्या	*	7. उच्च शिक्षा में पुरस्कार के माध्यम से संकाय को मान्यता देने के लिए। सभी विषयों में कार्यशालाओं, संगोष्ठी, सम्मेलन आयोजित करना जिससे नए निष्कर्षों से संबंधित विषयों, शिक्षाशास्त्र, संस्थागत रणनीति और पुरस्कारों की अद्यतन स्थिति ज्ञात रह सके।	7.1 पुरस्कारों के माध्यम से स्वीकार किए गए शिक्षकों की संख्या	*
		7.2 आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	*			
		7.3 स्थापित किए गए शिक्षक पुरस्कारों की संख्या	1		7.2 कार्यशालाओं, सेमिनारों, सम्मेलनों के माध्यम से उभरते हुए नए निष्कर्षों की संख्या	*

	ज. शिक्षाविद-हेतु-नेतृत्व कार्यक्रम (एलईएपी)					
	8. शिक्षाविद-हेतु-नेतृत्व कार्यक्रम (एलईएपी)	8.1 एलईएपी के चिह्नित केन्द्रों की संख्या 8.2 कितने वरिष्ठ संकाय को नेतृत्व प्रशिक्षण - घरेलू और विदेशी उपलब्ध कराया गया	वर्ष 2018-19 में 15 केंद्रों की पहचान की गई (प्रत्येक में 25 प्रतिभागी)	8. नेतृत्व की स्थिति को देखने के लिए माध्यिमक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया	8.1 विकास कार्यक्रम में भाग लेने वाले संभावित शैक्षणिक अगुवाओं की संख्या	100 शैक्षिक अगुआ
	झ. संकाय भर्ती कार्यक्रम (एफआईपी)					
	9.पीएमएमएमएनएमटी केंद्रों में संकाय भर्ती कार्यक्रम आयोजित करने के लिए केंद्रों की स्थापना	9.1 एफआईपी आयोजित करने के लिए अधिदेशित अनुमोदित केंद्रों की संख्या	6	9. कैरियर में प्रोन्नत कार्यक्रम के भाग के रूप में, सभी नए भर्ती किए गए सहायक प्रोफेसर को अनिवार्य रूप से भर्ती प्रशिक्षण को पूरा करना होता है। इससे उच्चतर शिक्षा में संकाय की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी	9.1 नए भर्ती किए गए प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	एफआईपी में भाग लेने वाले नए संकाय - 24, 480 (68 केंद्र x 3 राउंड x120 प्रतिभागी)
	ञ. विषय विशिष्ट वार्षिक शिक्षण पुनश्चर्या कार्यक्रम (एआरपीआईटी)					
	10. पीएमएमएमएनएमटी में विषय विशिष्ट एनआरसी अधिसूचित करना	10.1 स्थापित विषय विशिष्ट एनआरसी की संख्या	10	10. उच्चतर शिक्षा संकाय को उनके विशिष्ट विषय में नवीन विकास, नए शिक्षाशास्त्र और नवीन अनुसंधान में प्रशिक्षण देना।	10.1 एमओओसी में विकसित पाठ्यक्रम/विषय की संख्या 10.2 एमओओसी में पंजीकृत शिक्षकों, संकाय की संख्या	100 पाठ्यक्रम 2 लाख संकाय

** इस संकेतक के लिए लक्ष्य जवाबदेह नहीं है*

22. राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग कार्यढांचा (एनआईआरएफ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
2	विभिन्न श्रेणियों में रैंकिंग हेतु आवेदन	1.1. आवेदकों की संख्या	5,000	उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रतिस्पर्धात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना	1.1. एनआईआरएफ स्कोरिंग मैट्रिक्स के अनुसार अपने स्कोर में सुधार कर रही उच्चतर शिक्षा संस्थाओं की संख्या	100
		1.2. श्रेणियों / उप-श्रेणियों की संख्या	9			

23. ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क (जीआईएएन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (रू.करोड़ में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
30	1. मेजबान संस्थाओं के रूप में चिन्हित और अनुमोदित उच्चतर शिक्षा संस्थाएं	1.1. व्याख्यान / पाठ्यक्रमों आयोजित करने हेतु चिन्हित उच्चतर शिक्षा संस्थाओं की संख्या	175	1. अनुसंधान / उद्योग उन्मुख अंतरराष्ट्रीय मानक के छोटी अवधि के पाठ्यक्रमों का विकास ।	1.1. जीआईएएन कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करने और सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों की संख्या	25,000
	2. व्याख्यान देने और पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए आमंत्रित विदेशी विशेषज्ञ	2.1 भारतीय विश्वविद्यालयों में व्याख्यान / पाठ्यक्रम करने (योजना के तहत)	500		1.2. अन्य के लाभ हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए गए पाठ्यक्रमों की संख्या	200

		हेतु आमंत्रित शिक्षाविदों की संख्या				
	3. भारतीय संकाय के लिए मेजबान संस्थाओं के रूप में चिन्हित और अनुमोदित विदेशी उच्चतर शिक्षा संस्थाएं	3.1 भारतीय संकाय की मेजबानी के लिए चिन्हित विदेशी उच्चतर शिक्षा संस्थाओं की संख्या	150	2. छात्रों के संयुक्त मार्गदर्शन के माध्यम से अनुसंधान सहयोग को विकसित करना	2.1. संयुक्त रूप से पर्यवेक्षित छात्रों की संख्या	200
	4. विदेशी उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए आमंत्रित भारतीय संकाय	4.1 विदेशी उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में पाठ्यक्रम प्रदान करने हेतु आमंत्रित भारतीय संकाय की संख्या	200		2.2 छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण में शामिल संकाय (विदेशी और भारतीय) की संख्या।	400

24. प्रशिक्षुता प्रशिक्षण (छात्रवृत्ति और वजीफा) के लिए कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
175	1. आवेदकों में से उन पात्र छात्रों को प्लेसमेंट के लिए चुना गया है जो उद्योग के साथ प्रशिक्षण करना चाहते हैं	1.1 औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए चुने गए स्नातक और तकनीशियन (डिप्लोमा धारक) प्रशिक्षुओं की संख्या।	50,000 प्रशिक्षु	1. तकनिकी रूप से अर्हताप्राप्त युवाओं को उनके कार्य क्षेत्र में आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान और कौशल से युक्त करना	1.1 सफलतापूर्वक अपनी प्रशिक्षुता पूरी करने और भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके स्नातक और तकनीशियन (डिप्लोमा धारक) प्रशिक्षुओं की संख्या	50,000 प्रशिक्षु

25. भारत में अध्ययन (एस आई आई)(सी एस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2019-20			परिणाम 2019-20		
2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2019-20
65	1. भारत में विदेशी छात्रों की आमद बढ़ाने के लिए	1.1 एस आई आई के तहत ब्रांडिंग के लिए फोकस वाले देशों की संख्या	30	1. विदेशी छात्रों के लिए भारत एक पसंदीदा शिक्षा केंद्र बन जाएगा	1.1 एस आई आई के माध्यम से प्रवेश प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों की कुल संख्या	4000
		1.2 सहभागिता करने वाले संस्थानों की संख्या	100			
		1.3 प्रदान किये गए लंबी अवधि के पाठ्यक्रमों की संख्या	2,600			
		1.4 प्रदान किये गए अल्पावधि	830			

		पाठ्यक्रमों की संख्या				
		1.5 प्रदान की गयी एस आई आई+ छात्रवृत्ति की संख्या	250			
		1.6 प्रदान की गयी एस आई आई छात्रवृत्ति की संख्या	2,250			
		1.7 प्रदान की गयी फीस माफ़ी की संख्या (100% से 25% तक)	25,000		1.2 विभिन्न प्रसिद्ध एजेंसियों द्वारा प्रकाशित भारतीय संस्थानों की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार	9
		1.8 एस आई आई वेब पोर्टल पर हिट की संख्या	10,00,000			
		1.9 एस आई आई पोर्टल पर पंजीकरणों की संख्या	70,000			
		1.10 जारी किए गए पत्रों की संख्या	7000			
		1.11 वास्तविक प्रवेश / नामांकन की संख्या	4000			
		1.12 एस आई आई को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	10			